हरिः ॐ

भृगु संहिता कुंडली खण्ड

अर्थात्



विश्वजन्माङ्कभास्कर

बालकृष्ण.
ध्रुवा १२०३
इष्टम ...

रचियता

ज्योतिष रत्न, वैद्य भूषण, वैद्य राज, वैद्य धुरीण,

पं॰ अयोध्या प्रसाद मिश्र,

ज्योतिषी झाँसी।

JHANSI City.

U. P. (INDIA.)

हरिः ॐ

भृगु संहिता कुंडली खण्ड

अर्थात्



विश्वजन्माङ्क भास्कर

बालकृष्ण.
ध्रुवा १२०३
इष्टम ११।१८

रचियता

ज्योतिष रत्न, वैद्य भूषण, वैद्य राज, वैद्य धुरीण,

पं० अयोध्या प्रसाद मिश्र,

ज्योतिषी झाँसी।

JHANSI City.

U. P. (INDIA.)

भृगु संहिता कुंडली खण्ड ।

अर्थात् विश्वजन्मांक भास्कर

भाषा टीका उदाहरण सहित ।

गत ८१ वर्षों में जिनका जन्म है उनकी जन्म कुंडली के नवग्रह इसमें मिलेंगे और फल भी सही २ मालूम होगा । नष्ट जन्म पत्री बनालो संशोधन कर लो कई उपयोगी सारिणीं व २००० तकके ग्रहण और ४३०० वर्षों का क्यालेंडर है। कई समाचार पत्रों ने समालोचना की और सार्टीफिकेट आये हैं । इसके प्रभावसे ज्योतिषी सिद्ध बन बैठे। कोई कहते हैं कि कर्ण पिशाचिनी सिद्ध है इत्यादि २ । चार मास के लिये प्रचारार्थ रियायती मूल्य २) पो. ॥) है, फिर १००) रु० को भी न मिलेगा, पुस्तकें थोड़ी ही हैं ।

पता—ज्योतिषरत्न, वैद्यभूषण पं० अयोध्या प्रसाद मिश्र ज्योतिषी,
झाँसी. यू० पी० JHANSI.

पं० रामलाल शर्मा अध्यक्ष ज्योतिष शास्त्र कार्यालय (जलेसर)
जिला (एटा)
तारीख १०-३-१९१७

कवित्त ।

सहसवान शक्ति अनुकूल सब भांति शुभ शुद्ध पत्र गणित प्रभाव दर्सायो है ।
सर्व देश देशन के विद्वज्जन वृन्द मध्य सादर महान सम्मान श्रेष्ठ पायो है ॥
गंगाधर मिश्र वंश ज्योतिषी प्रसिद्ध वैद्यअयोध्याप्रसाद नाम रूप निर्मायो है ।
सबके सुधार हेत लोक उपकार हेत विश्वजन्माङ्क भास्कर को बनायो है ॥१॥

कवित्त ॥ व्याप्त विश्व विशद विलोक भृगुसंहिता में जन्म के नवग्रह कुंडली सें मिलाय दो ॥ संबत औ मास तिथि वार लग्न सूर्य अंश परख पुनीत फल हृदय खिलाय दो ॥ विश्वजन्म अङ्क भास कर है प्रसिद्ध ग्रंथ उपयोगी सार भूत अमृत पिलाय दो ॥ गागर में सागर उजागर है ज्योतिष को दान धर्म द्वारा दीन जनन जिलाय दो ॥२॥

॥श्रीहरिः ॐ॥

Janmank Bhaoker Panchanga

—By—

P. AYODHYA Pd: MISRA VAIDYA BHUSHAN AND ASTROLOGER.

The gainer of thanks aud honour on a Horoscope prepaired of His Imperial Majesty the KING EMPEROR. The proprietor of the Ayurvedic Medical Hall Jhansi. The gainer of 1st Class Certificate of honour & of Silver medal (deploma) from the President and Judges of all India Ayurvedic Confereuce 5th Session Muttra and Grand Ayurvedic exhibition held at Muttra in 1914 A. D.

Also member of the Divisional Malerea Committee Jhansi.

(विश्व जन्माङ्क भास्कर पञ्चाङ्ग)

॥ भाषा टीका सोदाहरणम् ॥

॥ ज्योतिर्विद पं. अयोध्याप्रसाद मिश्र वैद्य भूषणेनविरचितम् ॥

गवर्नमेन्ट सन्मानित आयुर्वेद महा मंडल से (रौप्यपदक) (मैडिल) फ़र्स्ट क्लास सार्टीफिकिट प्राप्त मेम्बर डिविज़नल मलेरिया कमेटी ने इस ग्रंथ में १२०३ का ध्रुवा का उदाहरण से वा चार गृहों के आधार से संवत् शके मास पक्ष तिथि वार नक्षत्र योग कर्ण इष्ट लग्न नवग्रह आदि आधार नष्ट जन्मपत्र बनाना पूर्ण रूप से लिखा है तथा नवग्रहों का फ़ल वा राजयोग मृत्यु योग आयु योग गर्भपुत्र पुत्री कथन और मुहुर्त प्रकर्ण वाकई उपयोगी सारणी है जैसे वरवधू एकत्र गुण मेलापक चक्र वा २७ वर्ष के आगामी ग्रहण तथा चार हज़ार तीन सौ वर्ष का क्यालंडर (वर्ष शारिणी) लग्न शारिणी विवाह लग्नें और सं० १६०० से २०५० तक के पञ्चाङ्ग छापकर प्रकाशित किया

प्रथमवार २०००	पुस्तक मिलने का पता	
ता० १४-८-१५ई०	ज्योतिर्विद पं० अयोध्या प्रसाद वैद्य भूषण	A. P.
श्रावण शुक्ल ४	आयुर्वेदिक औषधालय मंदिर बलदाउ	
शनौ सं० १९७२	जी का नं० ८८ झांसी JHANSI.	हस्ताक्षर

लाला देवीदीन द्वारा यूनियन प्रेस शहर झांसी में छपा नं ११३२ सन् १९१५

भूमिका

खल्व स्मिन् संसारे जन्म धृत्वा नीत्या उत न्यायेन द्रव्या द्युपार्जनं कृत्वा प्राणि उपकारार्थं बुद्धि र्देया इति उत्तम पुरुषाणां कार्यं एतन्मनसि विज्ञाय जन्माङ्क भास्कर नामाख्य पंचाङ्गे त्रयो विंश त्यय नांशो परि नूतन लग्न सारिणी निर्मितास्ति इदानीं भूमण्डला लङ्कारे भारत खंडे धर्मा नुष्ठान निष्ठा गरिष्ठ तपो विशेषैः सकल वेद शास्त्रादि पारंगमैः सकल महर्षिवर्यैः संस्थापित धर्म प्रचार सरणिं समनु वर्त मानाः सर्वे द्विजास्त दन्येच जनाः शुभाशुभ जन्म फल प्राप्ति साधनेनयाबच्छुभ कर्मा चर णेन स्वस्वा भीष्ट सुखंसमधिगच्छन्ति तत्तन्म हर्षि स्थापित धर्म प्रचार शरणिषु प्रविष्टानां सतां तत्तत्कर्मा नुष्ठाने नैव जन्य शुभा शुभ फल सिद्धिः संजायते तत्त द्विषये विशेषस्थल परिशोधनेनैव ज्योतिर्विदा मन्येषांच विदुषां यदास्मिन् जन्माङ्क भास्कर पंचाङ्गे नैसर्गिक भ्रम प्रमादादि दोषाणां यथा यथा ऽ शुद्धा दिक मल्प मधिकंवा द्रश्यते तमिम मपराधं क्षमाप्य तत्सर्वं यथा वत्संशोधनीयं तथाग्रिम मुद्रण समये तथा मुद्रणा याज्ञयानु गृह्णन्तु इमा मपि प्रार्थये सुधियः इतिशम् ॥

॥श्लोक॥ नगर्य्यां म्प्रसिद्ध म्महाराज गेहात् वरीधृर्तिं झांस्यां मही मण्डलेऽस्मिन् ॥ शुभं सागर द्वार संज्ञंहि प्राच्याम् सदा कामपो यत्र वासं विधत्ते ॥१॥

॥श्लोक॥ तत्र प्रसिद्ध श्शुभ शील युक्तो गङ्गाधरो मिश्र कुला वतंशः॥ पुराण विलस्य कुलेहि झम्मी लालाऽ भिधो देव गुरु प्रपन्नः ॥२॥

॥श्लोक॥ तस्यात्मजौ देवसुतोपमौ वरौ वभूव तुर्ब्रह्म विदाम्वरौ मुदा ॥ आद्यो घनश्याम सुतो द्वितीयो योध्याप्रशादो भिष जाम्व रिष्ठः ॥३॥

॥श्लोक॥ जन्माङ्क पंङ्कज सुत्द त्पृथित पृभाव म्पंचाङ्ग मेतदिति वेद विदाम्मुदेऽ तत् ॥ वह्वर्थकं गणक शास्त्र विशारदा नाञ्ज्ञानाय नून मधुना गणकाऽनुजोवै ॥४॥

कृपा कांक्षी
गवर्नमेंन्ट सन्मानित
ज्योतिर्विद पं० अयोध्या प्रसाद वैद्यभूषण
(रौप्यपदक प्राप्त) मेम्बर डिवीज़नल मलेरिया
कमेटी आयुर्वेदिक प्रेक टिसनर
झांसी JHANSI.

अनुक्रमणिका।

ग्रन्थकर्त्ता—

पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र

वैद्यभूषण ज्योतिषी, झांसी.

॥ श्री हरिः ॐ ॥

श्री मन्महागणाधिपतये नमः

॥श्लोक॥ श्री रामचरणांभोजं प्रणमामि मुहुर्मुहुः ॥
स्वदासस्यार्ति संहारं स्वर्गे मर्त्ये सुख प्रदम् ॥१॥
गजाननं नमस्कृत्य तथैव गुरु शारदे ॥
जन्माङ्क पञ्चाङ्ग मिदं कुर्वे मत्यनु सारतः ॥२॥

॥श्लोक॥ पञ्चाङ्गं जन्माङ्क भास्करमिदं ज्योतिर्विदां प्रीतये।
झांसी पत्तन के मया विरचितं भूरि श्रमै र्धर्मिणाम् ॥
बन्धूनांहित कांक्षया चनभवेल्लोपो वृतानां यथा।
स्वीकुर्वन्तु तदेव संमद भरैर्मे बांधवादेशजाः ॥१॥

अर्थ॥ ज्योतिर्विदों की प्रसन्नता के लिये तथा धार्मिक बन्धुओं की हित कामना के अर्थ मैंने बड़े परिश्रम से यह जन्माङ्क भास्कर पञ्चाङ्ग झांसी नगरमें बनाया है व्रतादिकों का लोप न हो ऐसी भ्रातृ वर्ग की इच्छानुसार रचित ज्योतिष प्रचारार्थ इस पञ्चाङ्ग को सज्जन महाशय सहर्ष स्वीकार करें ॥१॥

(१) जन्म का संवत् वा मास ज्ञानम्

॥श्लोक॥ मासाङ्को द्विहते२ फलमृशर५ युतम् कृत्वा
खवाणा ऽऽ५० हतम्। प्राप्तोङ्को गतवर्ष युक शर
रस न्यूनः २६५ शैरैकैक ११५ युक् ॥ अङ्कः
स्याद्भवतः प्रसूति समयान्वेषी शिवाऽ नुग्रहात्।
प्राप्तोयं विधिराशुकार्य करणेविद्व ज्जनैः सम्मतः ॥२॥

अर्थ॥ मासाङ्क २ से गुणाकर ५ जोड़ें पुन ५० से गुणाकर जो प्राप्ति हो उसमें गत वर्ष जोड़ २६५ घटाकर फिर ११५ जोड़ने से जन्म का महीना व गत बर्ष ज्ञात हो जायगी ॥२॥

उदाहरण॥ जैसे सम्वत् १९६२ में फाल्गुण का जन्म है और सम्बत् १९६५ में समझना है सो फाल्गुण महीना संख्या १२ हुई इसे २ से गुणा करने से २४ हुए इसमें ५ जोड़े २९ हुए इसे ५० से गुणा किया १४५० हुए इस में गतबर्ष अवस्था ३ का अंक जोड़ा १४५३ हुए तिस में ३६५ घटाने से १०८८ बचे अब ११५ जोड़ने से १२०३ हुए बस यही पक्का अंक निकला इस अंक को दताने से जन्म पत्री तैयार हो जावेगी जन्म समय और राशि के नाम से सारी अवस्था का फल प्राप्त होगा १२

से फाल्गुण मास और ३ सम्बत् १९६५ में घठाने से १९६२ का जन्म हुआ कहै ॥

सम्वत् से शके और शके से ईस्वी सन् ज्ञानम्

॥श्लोक ॥ हीनाः शर त्रिशाशि १३५ मिर्वैक्रमीयस्तु वत्सरः।

शकाब्दं सोपि कुरुते बसु सप्त ७८ युतः सनम् ॥३॥

अर्थ सम्वत् में १३५ घटाने से शाका शाल बाहनीय होता है ऐसे ही शाका में ७८ जोड़ने से ईस्वी सन् कहै ॥३॥

उदाहरण सम्वत् १९६२ में से १३५ घटाने से शेष १८२७ शके कहै और शके में ७८ जो ड़ने से १९०५ सन् कहै सन् १९०५ पौष सुदी ५ चन्द्रवार तक रहा है और यह जन्म फाल्गुण का है इस से सन् १९०६ हुआ ॥३॥

शके से फसली सनम्

॥श्लोक ॥ शकाब्दाङ्क मपी दानीं शरेन्दु विशिखैः ५१५ कुरु ॥

रहितं सभवे दङ्को यावनी यस्तु वत्सरः ॥४॥

अर्थ उसी शाका में ५१५ घटाने से फसली सन् होता है ॥४॥

(सूर्य उत्तरायण व दक्षिणायन ज्ञानम्)

॥श्लोक ॥ मकरान्मिथुनान्तन्तु सूर्योयात्युत्तरे णहि।

यथा कर्काद्धनान्तन्तु दक्षिणेन सदाध्रवम् ॥५॥

अर्थ मकर के सूर्य से मिथुन के सूर्य तक उत्तरायण और कर्क से धन के सूर्य तक दक्षिणायन जानलो ॥५॥

उदाहरण जन्माङ्ग चक्र में कुंभ के सूर्य हैं सो उत्तरायण का जन्म कहैं ॥

शुक्ले पक्षे व कृष्णे पक्षे जन्म ज्ञानम्

॥श्लोक ॥ सूर्यात्सप्तान्तरे चन्द्रे शुक्ले जन्म वदे द्बुधः।

ततोर्ध्वं कृष्ण पक्षेचरवि चन्द्र विचारतः ॥६॥

अर्थ सूर्य से सप्तम स्थान तक चन्द्रमा हो तो शुक्ल पक्ष का जन्म कहै तासें उपरान्त कृष्ण पक्ष का जानलो ॥६॥

उदाहरण जैसे बालकृष्ण की जन्मकुंडली में सूर्य से चन्द्रमा ७ राशि के भीतर है सो शुक्ल पक्ष का जन्म कहै ॥६॥

॥ तिथि ज्ञानम् ॥

॥श्लोक ॥ जन्मलग्ने रविर्यत्रा मातत्राहि निगद्यते ॥

सार्द्धद्वयेन २॥ गुणिते चन्द्रान्ताङ्के तिथिर्भवेत् ॥७॥

अर्थ जन्म कुंडली में जहां सूर्य हों वहां अमावास्या कहनी सो सूर्य से चन्द्रमा तक गिन २॥ ढाई से गुणाकर तिथि कहै ॥७॥

उदाहरण जैसे बालकृष्ण की कुंडली में सूर्य से तीसरे स्थान में चन्द्रमा है सो तीन ढाम साढ़े सात और सूर्य के १६ अंश हैं इस लिये आधी तिथि और लेने से अष्टमी को जन्म कहै ॥७॥

॥ दिन रात्रि जन्म कथन प्रकार: ॥

॥श्लोक ॥ सूर्येणाऽऽक्रान्त भवना ल्लग्नं सप्त गृहान्तरे ॥

दिने जन्म वदेत् प्राज्ञः अन्यथा निशिजं भवेत् ॥८॥

अर्थ सूर्य से लग्न जो सात घर के अन्तर में हो तो दिन का जन्म कहै और सात से बारह तक हो तो रात्रि का जन्म कहै तथा जो सूर्य से लग्न सातवीं हो तो सन्ध्या समय का और जो लग्न में सूर्य हों तो प्रातः काल का जन्म कहै अथवा लग्न से २,३ सूर्य हों तो आधी पीछे की रात्रि का जो ४ हो तो आधी के पास का ५,६ हो तो आधी से पहिली रात्रि का ७ हो तो सायंकाल के समीप का ८,९ हो तो मध्यान्ह के समीप का ११,१२ हो तो मध्यान्ह पहिले का जन्म कहै ॥८॥

उदाहरण बालकृष्ण की जन्म कुंडली में सूर्य से लग्न नवम है और यह सात घर के अन्तर से ज्यादा हैं इस से रात्रि का जन्म हुआ कहै अथवा लग्न से सूर्य पंचम हैं सो अर्ध रात्रि से पहिले का जन्म कहै ॥८॥

जन्म काले वार ज्ञानम्

॥श्लोक॥ चैत्र शुक्लादिकान् मासान् हत्वा सार्धैक १ ॥संख्यया ॥

गत तिथ्यै र्युतान् कृत्वा हृत्वा सप्त ७ भिरेवच ॥९॥

शेषं वारं विजानीयात् वत्सराधिपते र्बुधः ॥

चैत्र शुक्ल प्रतिपदो वारो भवति वर्षपः ॥१०॥

अर्थ चैत्र शुक्लप्रति पदा से महीना गिन डेवढ़े करै गततिथि उसी में जोड़ें सात का भागदे जो शेष बचै सो राजा से गिन कर बार कहै चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को जो वार हो वही राजा होता है सम्बत् १९०० से १९८० तक के राजा पञ्चाङ्ग प्रकरण में लिखे गये हैं ॥९॥१०॥

उदाहरण॥ चैत्र शुक्ल १ से फाल्गुण वदी ३० तक ११ महीना हुए इसके डेवढ़े १६॥ हुए गत पक्ष के दिन ८ जोड़ने से २४॥ हुए इस में ७ का भागदेने से ३॥ बचे सो सम्बत् १६६२ के राजा बुध से गिनने से शनिवार का जन्म हुआ कहै ॥६॥१०॥

नक्षत्र ज्ञानम्

॥श्लोक ॥ कार्तिका द्विगुणो २मासो व्यतीत तिथि संयुतः ॥
सप्त विंशोद्धृते शेषं सैकं भवति भं ध्रुवम् ॥ ११॥

अर्थ॥ कार्तिक से महींना गिन दूने करै व्यतीत तिथि उसी में जोड़ २७ का भाग दे शेष में एक जोड़े जो प्राप्त हो उसे अश्विनी आदि ले कर नक्षत्र कहै ॥११॥

उदाहरण कार्तिक से माघ तक ४ मास हुए दूना करने से ८ हुए व्यतीत तिथि २३ मिलाने से ३१ हुए २७ का भाग देने से ४ शेष रहै एक और जोड़ने से ५ हुए सो मृगसिर का जन्म कहै ॥

योग ज्ञानम्

॥श्लोक ॥ पुष्यादादित्य भान्तंवै श्रवणात् जन्म भान्तरम् ॥
कृत्वैकत्र हरे द्वार द्विभिर्योगान् क्रमाद्वदेत् ॥१२॥

अर्थ॥ पुष्य नक्षत्र से सूर्य के नक्षत्र तक गिने और श्रवण से जन्म नक्षत्र तक गिन दोनों को एकत्र कर २७ का भागदे जो शेष रहै सो विष्कुम्भ से गिन योग बतावें ॥१२॥

उदाहरण पुष्य से सूर्य नक्षत्र पूर्वा भाद्र पद तक १८ हुए और श्रवण से जन्म नक्षत्र मृगसिर तक ११ हुये दोनों को एकत्र करने से २६ हुए २७ का भागदेने से २ शेष रहै सो प्रीत योग का जन्म कहै ॥१२॥

स्थिर करण ज्ञानम्

॥श्लोक ॥ शुक्ल प्रति पदः पूर्वेकिंस्तु घ्नोर्द्धे परे ववः ॥
कृष्ण पक्षे चतुर्दश्यां परार्धे शकुनिस्मृतः ॥१३॥
चतुष्पदोमा पूर्वार्धे परार्धे नाग एवच
एवं करण संबंधि ज्ञानं भवति सर्वदा ॥१४॥

अर्थ॥ शुक्ल पक्ष प्रति पदा के पूर्वार्ध में किंस्तुघ्न और परार्ध में ववकरण होता है ऐसे ही कृष्णपक्ष का चतुर्दशी के परार्ध में शकुनि और

अमावस्या के पूर्वार्ध में चतुष्पद तथा परार्ध में नाग करण सदैव होता है ये स्थिर करण कहे ॥१३॥१४॥

करण कथनम्

॥श्लोक ॥ शुक्ल प्रति पदो जन्मः तिथि र्द्विगुणिता भवेत् ॥
एको नांससप्तभिहृत्वा ववादि करणं वदेत् ॥१५॥

अर्थ शुक्ल पक्ष की प्रति पदा से जन्म तिथि तक गिने उसे दूना कर एक घटा सात का भागदे शेष वव से गिनकर करण कहै ॥१५॥

उदाहरण शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से ८ तक ८ हुए दूना करने से १६ हुए एक घटाने से १५ रहे ७ का भागदेने से १ शेष रहा सो ववकरण का जन्म कहै ॥१५॥

इष्टज्ञानम्

॥श्लोक ॥ सूर्य स्थानात् प्रति स्थानं लग्न पर्यन्त एवच ॥
घटी पञ्चक मादाय किंचिन्नूनं वदेत् क्वचित् ॥१६॥

अर्थ सूर्य स्थान से लग्न पर्यन्त पांच २ घटी एकत्र करै सूर्य वा लग्न के अंश देख कुछ न्यून करै दोनो के अंशो के देखने का विवरण युक्ति में देखौ ॥१६॥

युक्ति जो सूर्य के अंश १५ से ज्यादा हों तो सूर्य की घटी उसी क्रम से ज्यादा ग्रहण करै जो १५ हों तो २॥ घटी इसी तरह १५ से ७॥ तक १। घटी ले और जो बहुत कम हों तो ॥०॥ घटी कुछ पल इसी हिसाब से ले इसी तरह जो लग्न के ज्यादा अंश हों यानी २६ के करीब हों तो ५ ले १५ तक २॥ साढ़े सात तक १। घटी ले और शेष सबकी पांच २ घटी लेकर एकत्र कर इष्ट कहै ॥१६॥

उदाहरण वाल कृष्ण की जन्म कुंडली में तुला लग्न के २६ अंश बीते हैं इसलिये लग्न की ३॥ और कुंभ के सूर्य के १६ अंश हैं यानी १५ के करीव हैं २॥ लीनी अब सूर्य से लग्न का ७ घर का अन्तर है इसे ५ से गुणा करने से ३५ हुए और सूर्य की २॥ और लग्न की ३॥ इस में एकत्र करने से ४१।१५ का इष्ट कहै ,,

धन ऋण चालन प्रकार:

॥श्लोक ॥ स्वकीयादिष्ट काल।द्धि पंक्ति श्चाग्रिमगायदि ॥
इष्टः शोध्यस्तदा पंक्तौ चालनंस्या दृणाभिधम् ॥१७॥

अर्थ जो अपने अभीष्टवार से पंचाङ्ग की पंक्ति आगें होय तो इष्ट काल के वार आदि को पंचाङ्ग के वार घटी आदि में घटावे तो ऋण चालन होता है ॥१७॥

॥श्लोक॥ यदा पंक्तिः पृष्टगास्यात्स्वेष्टं पंक्ति विवर्जितम् ॥
चालनं स्याद्धनं तत्र स्पष्टस्त च्चालितो गृहः ॥१८॥

॥अर्थ॥ जो अभीष्टवार से पंचाङ्ग की पंक्ति पीछे होय तो इष्टकाल में न्यून करे अर्थात् घटावे तो धन संज्ञक चालन होता है ॥१८॥

॥ गृहानयनम ॥

॥श्लोक॥ गतगम्यदिनादि भिर्हता गृहभुक्तिः खर सैस्तु भाजिता ॥ लब्धैश्च लवै र्वियुग्युतस्तत्कालस्फुट एव खेचरः ॥१९॥

॥अर्थ॥ पूर्वलाये हुये धन ऋण चालन से चंद्रमा को छोड़कर सबगृहों की स्पष्ट पत्रे मे स्थिति गति को (गोमूत्रिका की बिधि) से गुणाकर के उसमें साठ ६० का भाग देवे जो अंश आदि लब्ध मिले उन्हे पञ्चाङ्ग के उसी गृह में जोड़े अथवा घटादेवे जिसकी गति से गुणाकिया गया हो अर्थात् धनचालन होय तो जोड़ देवे ऋण होय तो घटादेवे ॥१९॥

॥ गृहेषु विशेष कर्म ॥

॥श्लोक॥ यदाखेटो भवेन्मार्गी पूर्वोक्तं बुधआचोरत् ॥
वक्रत्वे विपरीतंस्या द्राहु केत्वोः सदान्यथा ॥१९॥

॥अर्थ॥ जो ग्रह मार्गी होय तो बुद्धिमान् पूर्वोक्त प्रकार से जोड़ देवे या घटादेवे और जो गृह वक्री होय तो विपरीत करना चाहिये अर्थात् जहां जोड़ना हो वहां घटादेवे और जहां घटाना हो वहां जोड़देवे परन्तु राहु केतु का योग वियोग सर्वदा उलटाही करना चाहिये ॥२०॥

॥ भयात भभोग प्रकारः ॥

॥श्लोक॥ गतर्क्षघट्यो वियदङ्ग शुद्धा द्विष्ठा युता स्तिग्म करोदया द्वै ॥ इष्टासुनाड़ीषु भयातसंज्ञा स्वधिष्ण्य युक्ताश्च भवेद्भभोगः ॥२१॥

॥अर्थ॥ बीते हुये नक्षत्र की घटी आदि को ६० साठ में घटा कर दो जगह धरे एक जगह वर्तमान इष्ट की घटी आदि जोड़ने से भयात होता है और दूसरी जगह वर्तमान नक्षत्र की घटी पल जोड़ देवे तो भभोग होता है ॥२१॥

हायन चन्द्रोदयं चन्द्रस्पष्ट प्रकार:

॥श्लोक॥ गताभघटिका खतर्क गुणिता भभोगो द्धृता युताच भगतेन षष्टि गुणितेन द्विभीकृता ॥ नवाप्त लवपूर्वकः शशांक भृन्तु तत्पूर्वकै र्नभोंबर वियद्गजा द्विपुभजेज्जवा कीर्तिता ॥२२॥

॥अर्थ॥ भयात को ६० से गुणा करे फिर उसमें भभोग की घटियों से भाग देवे भाग देने पर जो लब्धअंक मिलें उन घटी पल विपलात्मक स्पष्ट भयात रूप अंकों को ६० साठ से गुणे हुये अश्विनी आदि नक्षत्रों की संख्या में जोड़ देवे और दूने करे अर्थात् २ दो से गुणा करे उसमें ६ नवका भागदे जो लब्धांक मिले सो अंश जाने शेषको ६०से गुणा करे उसमेंभी ६ नव का भाग देवे लब्धांक को कला जाने फिर शेष अंक को ६० से गुणा करके नव ६ का भाग देने पर लब्धांक को विकला जानो अंशों में ३० तीस का भाग देकर राशि निकाल लेवे (अथगति लाने का प्रकार) ये है ४८००० को ६०से गुणा करके भभोग से भाग लेवे भाग लेने पर जो लब्ध मिले उसको चंद्रमा की गति जानो शेष को ६० से गुणा कर के भभोग से भाग लेवे जो लब्धअंक मिलें वह विगति जानो ॥ २२ ॥

प्रत्येक सम्बत मास में रोज रोज की तिथि की घटी पल जानने की युक्ति

॥ ग्रह लाघवोक्तम् ॥

॥उदाहरण॥ सम्वत् १९६२ फाल्गुण शुक्ले ८ के प्रातःकाल के स्पष्ट चन्द्र १।१६।१४।१२ गति ७७८।३३ में प्रातःकाले स्पष्ट सूर्य १०।१३।३।३४ गति ६०। १९ को घटाया तो शेष २।२७।५ ३८ गति ७१८।१४ रहा इसके अर्थात् २।२७ ।५।३८ के अंश करके ८७।५।३८ अंशों में १२ का भाग दिया लब्धि ७ तिथि गत हुई और शेष अंशादि ३।५।३८ यह अष्टमी का गत भाग हुआ इसको १२ अंशों में घटाया तो अंशादि ८।५४।२२ यह भोग्य तिथि हुई इसकी विकलाओं ३२०६२ को ६० से गुणा कर १९२३७२० में शेष गति ७१८।१४

की विकलाओं ४३०१८ का भाग दिया तो घटिकादि ४४।३८ लब्धि हुई अर्थात् सम्वत् १९६२ फाल्गुण शुक्ले ८ अष्टमी घटी ४४।३८ पल है एतत् प्रकारेण सर्वत्र ज्ञेयम् ॥

अथ रोजरोज के नक्षत्र के घटी पल जाननें की युक्ति

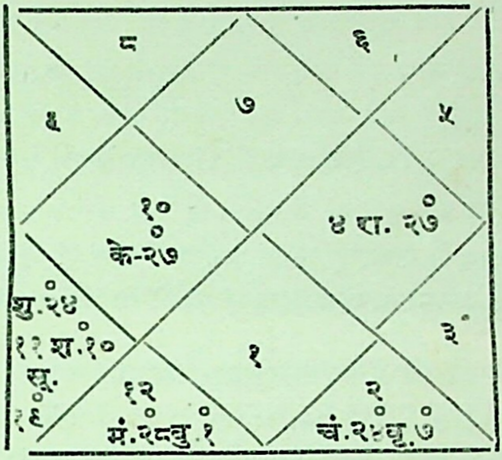
॥उदाहरण॥ सम्वत् १९६२ फाल्गुण शुक्ले ८ के प्रातःकाल के स्पष्ट चन्द्र १।१६।१५।१२ की कला २७७५।१२ में ८०० का भाग दिया तो लब्धि ३ गत नक्षत्र और शेष ३७५ कला १२ विकला यह रोहणी चौथे नक्षत्र का गत भाग हुआ इसकी विकलाओं २२५१२ को ६० से गुणा कर १३५०७२० में चन्द्र गति ७७८।३३ की विकलाओं ४६७१३ का भाग देने से घटिकादि लब्धि २८।५४ भुक्त भाग हुआ और भोग भाग निकालने के लिये ३७५ कला १२ विकला को ८०० कला में घटाने से शेष ४२४ कला ४८ विकला यह भोग भाग हुआ इसकी विकलाओं २५४८८ को ६० से गुणा कर १५२९२८० में चन्द्र गति ७७८।३३ की विकलाओ ४६७१३ का भाग दिया तो घटिकादि लब्धि ३२।४४ भोग भाग हुआ अर्थात् सम्वत् १९६२ फाल्गुण शुक्ले ८ को रोहणी नक्षत्र ३२ घटी ४४ पल रहा भुक्त और भोग को जोड़ने से ६१।३८ यह सवर्क्ष हुआ ॥

श्री हरिः ॐ

उपरोक्त प्रकारेण बालकृष्णस्य जन्म लग्न मिदम्- श्री सम्वत् १९६२ शके १८२७ पिंगल नाम सम्वत् सरे शिशिर ऋतौ फाल्गुण मासे शुक्ले पक्षे ८ शनि वासरे ४४।३८ रोहणी मे ३२ ४४ जन्म काले मृगसिर में विष्कुम्भ योगे ३५।५१ तत्काल के ववकरण तत्र दिनम् २८।४६ रात्रिः ३१।११ तत्र कुंभार्क गतांशः १९ भोग्यांशः १० इष्टम् ४१।१५ तनुः ६।२६ तुला लग्नो दये जन्मः तदानु सार तारीख ३ मार्च सन् १९०६ ई० ॥

स्पस्ट रविः १०।१९ ५०।५७ गति ६०।१४ स्पस्ट चन्द्रः १।२४।५३।६ गतिः ७९९।२२

॥ बाल कृष्णस्य जन्म लग्नम् ॥



इत श्री जन्माङ्क भास्कर पंचाङ्गे आधार नष्ट जन्मपत्रे प्रथम प्रकरणम्॥१॥

अथ द्वितीय प्रकारे वेद गृह आधारेण जन्मपत्र माह

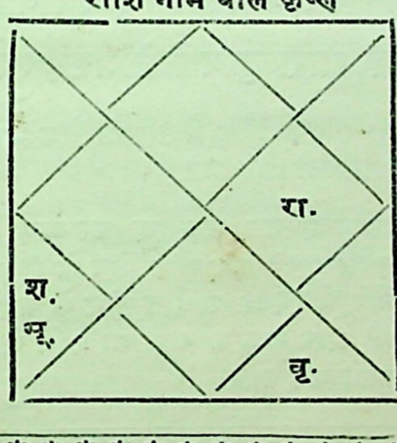
अर्थात्

बिना द्वादश राशि और बगैर लग्न के केवल कुंडली में चार ग्रहों के आधार से जन्म पत्र बनाने की क्रिया निम्न प्रकार है ॥

तथा उदाहरण

सम्वत् ११०० से ११८० तक जिस का जन्म हो अपनी कुंडली में देखै शनिवृहस्पति राहु सूर्य ये जिस२ घरमें हों उन्हीं स्थानों में चारो ग्रह रक्खै और राशि नाम ऊपर लिखै जैसा बाल कृष्ण की कुंडली के उदाहरण में लिखा है ॥

राशि नाम बाल कृष्ण



अथ सम्वत् मास ज्ञान प्रकार लिख्यते

इस कुंडली में पञ्चम स्थान में सूर्य शनि वा अष्टम में बृहस्पति और दशम भाव में राहु हैं यहां प्रथम यह देखना चाहिये कि शनि से बृहस्पति कितने घर के अन्तर पर हैं और शनि से राहु कितने घर के अन्तर से हैं॥

बाल कृष्ण की कुंडली में शनि से गुरु चौथा तथा राहु छटवां है अब सम्वत् १९०० से सम्वत् १९८० तक के पंचांग जो इसी ग्रंथ के पंचांग प्रकरणमें छपे है उन ८१ वर्षों के द्वादश मासो के जो नवग्रह अंश सहितहैं उन में शनि से गुरु चौथा और राहु छटवां देखे तथा सूर्य भी शनि के साथ देखे ध्यान रहे कि ऐसा योग चार ग्रहों का इन ८१ वर्षों में एक ही बार होगा अब इन चार ग्रहों का सम्वत् १९०० से देखना प्रारंभ किया तो और सम्वतों में न पाकर सम्वत् १९६२ के फाल्गुण मास में ये चारो ग्रह मिले यह प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जिस सम्वत् के मास में चारो ग्रह यथेष्ट मिल जावें उसी सम्वत् और मास का जन्म कहै इसी से बालकृष्ण का जन्म सम्वत् १९६२ फाल्गुण मास का कहै ॥

सूर्य राशि से मास कथनम्

श्लोक मेष राशौ सहस्रांशु राधे मासेहि गच्छति ।
प्रति मासन्त्वेक राशिंभुङ्क्ते नैवात्र संशयः ॥१॥

अर्थ मेष के सूर्य में सदैव वैशाख जाननो इसी क्रम से एक २ राशिमें एक २ मास की गणना करें ॥१॥

श्लोक मेषाद्यमीन राश्यन्तं वैशाखात् चैत्र मासिकाम् ॥
एवं सूर्यस्य राशिस्तु मासंसं प्रवदेद्बुधः ॥२॥

अर्थ मेष से मीन राशि तक और वैशाखसे चैत्र मास तक सूर्य राशि समझनो और मास कहनों ॥२॥

उदाहरण जैसे बालकृष्ण का फाल्गुण का जन्म है सो वैशाख से फाल्गुण तक ११ वृष और मेष के सूर्य से ११ वें कुंभ के सूर्य हैं सो शनि सहित सूर्य ११ वे अर्थात् कुंभ के कहे इसी क्रम से कुंभ से चौथा गुरु वृष का है और राहु ४ कर्क का शनि से छटवां है जो कर्म स्थान में है तासें लग्न तुला कहै ॥२॥

लग्न शुद्धि ज्ञानम्

॥श्लोक॥ त्रिकोणान्तर्गतं लग्नं चन्द्रा च्छुद्धं वदेत्बुधः। लग्ना-
त्सप्त त्रिकोणान्तर्गते चन्द्रेथवा तथा ॥३॥

॥अर्थ॥ चन्द्रमा से लग्न त्रिकोण अर्थात् ६ व ५ स्थान के भीतर हो और लग्न से चन्द्रमा ६, ५, ७ घर के भीतर हो तो लग्न शुद्ध कहे ॥३॥

॥उदाहरण॥ बालकृष्ण की जन्म कुंडली में चन्द्रमा से लग्न ६ वीं है सो त्रिकोण अर्थात् ६ घर के भीतर है इस कारण शुद्ध जानें ॥३॥

मास नक्षत्र से तिथि ज्ञानम्

॥श्लोक॥ मासस्य नाम नक्षत्रात् प्रसिद्धं पूर्णमायुतात्।
तस्मादिष्ट दिनान्तंवै नक्षत्रं गणयेत्सुधी ॥४॥

॥अर्थ॥ पूर्णमासी करके युक्त जो नक्षत्र हैं सो मास नक्षत्र के नाम से प्रसिद्ध हैं तासे जन्म दिनं जो हैं सो बुद्धिमान ज्योतिषी नक्षत्र से गणना कर कहे ॥४॥

मास नक्षत्राणि—चैत्त में चित्रा, वैशाख में विशाखा ज्येष्ठ में ज्येष्ठा, अषाढ़ में पूर्वाषाढ़, श्रावण में श्रवण, भादों में पूर्वा भाद्रपद, आश्विनमें अश्वनी, कार्तिक में कृतिका, मार्गशीर्ष में मृगासिर व आर्द्रा, पौष में पुष्य, माघ में मघा, फाल्गुण में उत्तरा, फाल्गुणी हर मास की पूर्ण मासी को ये नक्षत्र होते हैं

॥उदाहरण॥ जैसे सम्बत् १९६२ फाल्गुण मास में मृगासिर नक्षत्र को कौन तिथि है जानना है माघ का मास नक्षत्र मघा है सो मघा से मृगासिर नक्षत्र तक २३ हुए जो १५ तिथि से ज्यादा हैं १५ का भाग देने से ८ बचे इस कारण शुक्ल पक्ष की अष्टमी का जन्म कहे अथवा फाल्गुण के मास नक्षत्र उत्तरा फाल्गुण से जन्म नक्षत्र तक उल्टी गणना कर ३० में घटा १५ का भाग दे शेष तिथि कहे

सम्बत् से गुरु राशि ज्ञानम्

॥श्लोक॥ अष्टादश शताब्दंबै १८०० जन्माब्दे न्यूनयेत्सदा॥
सप्त ७ युक्ते द्वादश १२ भिर्हते राशि गुरोर्वदेत्॥५॥

॥अर्थ॥ सम्बत् में १८०० घटावै फिर सात७ जोड़े और जोड़ में १२ का भाग दे शेष प्रमाण गुरु कहै- शेष में एक मिला कर सदैव पक्की राशि कहे ॥५॥

॥उदाहरण॥ जैसे बालकृष्ण का जन्म सम्बत् १९६२ है इसमें १८०० घटाने से १६२ शेष रहे ७ जोड़ने से १६९ हुए १२ का भाग देने से १ शेष रहा १ और जोड़ने से २ यानी वृष का गुरु कहै ॥५॥

राहु से सम्बत ज्ञानम्

॥श्लोक॥ सार्धेन्दु १॥ वर्षपर्यन्तंराहुस्तिष्ठति वक्रगः॥
विलोमं गणयेत्तस्माद्वर्ष ज्ञानं भवेद्ध्रुवम् ॥६॥

॥अर्थ॥ ऐसे ही उल्टा जन्माङ्ग कुंडली के राहु से सम्बत् के राहु तक गिने और डेढ़गुने करै जै गत वर्ष होंय तिन्हें वर्तमान सम्बत् में घटाये तो सम्बत् होय.

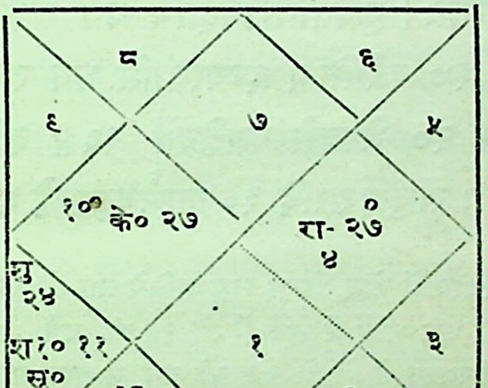
॥उदाहरण॥ जैसे बालकृष्ण की कुंडली में ४ कर्क का राहु है और सम्बत् १९७२ में १० मकर का हैं तो कर्क से मकर तक उलटा गिना ७ हुए १॥ से गुणा किया १०॥ हुए जन्म का सम्बत् जानने के लिये १९७२ में से १० घटाने से १९६२ का जन्म कहै परन्तु जिनकी अवस्था १८ वर्ष से अधिक है वह शनि और राहु को देख यह निश्चय करें कि राहु अपनी राशि पर कै बार आचुका है उसे १८ से गुणा कर ऊपर निकाले हुए सम्बत् में घटा कर सम्बत् कहै-

सूचना—ध्यान रहै कि शनि ढ़ाई२॥ वर्ष एक २ राशि को भोगता है और ३० वर्ष उपरान्त उसी राशि पर फिर आता है ऐसे ही बृहस्पति तेरह २ महीना भोग बारह वर्ष बाद फिर उसी राशि पर आता है तथा राहु डेढ़ २ वर्ष वक्र गति को एक २ राशि को भोगा करता है और १८ वर्ष बाद फिर उसी राशि पर आजाता है-

नोट—अब यहां सम्बत् मास लग्न तिथि नवग्रह ज्ञात हुए बाक़ी उपरोक्त कहे हुए श्लोकों से शके उत्तरायण बाबार नक्षत्र योग करण इत्यादि स्पष्ट देखने के लिये इस ग्रंथ के आदि में छपे हुए श्लोकों को जिनकी संख्या ३ से १६ तक है यथा विधि क्रमानुसार उपयोग में लाने से ज्ञात होंगे

द्वितीय प्रकारेण जन्माङ्ग मिदम्

श्री सम्वत् १९६२ शके १८२७ फाल्गुणे शुक्ले ८ शनिवासरे ४४।३८ रोहणी भे ३२।४४ जन्म काले मृगसिर भे विष्कुंभ योगे ३५।५१ तत्कालि के बवकरणे तत्र दिनम् २८।४६ रात्रिः ३१।११ तत्र कुंभार्के गतांशः १९ भोग्यांशः १० इष्टम् ४१।१५ तनुः ६।२६ तुला लग्नोदयेजन्मः



इति श्री जन्माङ्क भास्कर पञ्चाङ्गे आधारनष्ट जन्मपत्र कथनम् नाम द्वितीय प्रकरणम् । २॥

(फलित प्रकरणम् ३)

॥श्लोक॥ तिथ्यब्दे १५ कौंग पीडांजनयति ससिते २७ रोग मिन्दुस्तनुस्थः। दमाजोरिष्टं शराब्दे ५ शनितम शखिजा दुःखदाबाण ५ वर्षे॥ सौम्यः कांतिदशाब्दे

१० तनुगत विबुधेऽव्देष्ट मेऽव्दे ८ सुबुद्धिं शुक्रे ससेन्दु
१७ वर्षे तनु भवनगते नान्य भार्यानुगामी ॥१॥

॥अर्थ॥ लग्न में सूर्य हों तो १५वीं वर्ष में अंगमें पीड़ा हो यदि चन्द्रमा हो तो २७वीं वर्ष में रोग करै मंगल हो तो ५वीं वर्ष में अरिष्ट हो शनि राहु केतु ये तन भाव मे हों तो ४वीं वर्ष में दुखहो बुध हो तो १०वीं वर्ष में कांति बढ़े बृहस्पति तन स्थान में हो तो ८वीं वर्ष मे सुन्दर नाना प्रकार की बुद्धि हो और शुक्र तन भाव में हो तो १७वीं वर्ष में दूसरे की स्त्री के समीप जाने वाला हो॥१॥

॥श्लोक॥ केत्वाराग्वर्क पुत्रा नयन शशिमिते १२ द्रव्यनाशं
धनस्थाः। कुर्वंतीनोऽर्थहानिं धन सदनगतोऽ द्रींदु
वर्षे १७ करोति॥ द्रव्यस्याप्तिं धन स्थो नगनयन
मिते २७ मेरवरोऽगाग्निवर्षे २६॥ ज्ञोऽपायं लाभ
मीज्यः खगुणशरदि ३० लाभंबकुऽव्दे ६ तुशुक्रः॥२॥

॥अर्थ॥ धन स्थान में केतु मंगल राहु शनिये ग्रह हों तो १२ वीं वर्ष में द्रव्य नाश हो और धन भाव में सूर्य हों तो १७ वीं वर्ष में अर्थ हानि हो और चंद्रमा धन स्थान में हो तो २७ वीं वर्ष में द्रव्य प्राप्त हो यदि बुध हों तो २६ वीं वर्ष मे खर्च हों और गुरु हों तो ३० वीं वर्ष में लाभ हो यदि शुक्र दूसरे स्थान में हों तो ६ वीं वर्ष में लाभ हो ॥२॥

॥श्लोक॥ सूर्योऽर्थाप्तिं नखाब्दे २०ऽनुज सदन गतः पंचमे ५
वाग्नि ३ वर्षे। चन्द्रो लाभं करोति क्षति सुत तम
के त्वर्कजा ग्नींदु १३ वर्षे॥ वादित्ये १२ भ्रातृ
सौख्यं खसुत सुख हरो ज्ञोभ वर्षे २७ नखेवा २०
जीवोराज्येष्ट सौख्यं दिशति खकु मिते १० तीर्थे
यात्रं च शुक्रः ॥३॥

॥अर्थ॥ सूर्य सहज स्थान में हों तो २० वीं वर्ष में अर्थ प्राप्ति हो यदि चन्द्रमा हो तो ५ व ३ वर्ष में लाभ करै और मंगल राहु केतु शनि ये तीसरे स्थान में हों तो १३ वीं १२ वर्ष में भाई का सौख्य हो और बुध तीसरे घर में हो तो २७ वीं वर्ष पुत्र की तरफ़ से दुख हो और गुरु हों तो २० वीं वर्ष में राज्य से सौख्य हो यदि शुक्र सहज भाव में हो तो १० वीं वर्ष तीर्थ यात्रा हो ॥३॥

॥श्लोक॥ तुर्यस्थाः बन्धु हानिं भुजग ८ परिमिते केतु भौमागु मंदा ॥ द्वाविंशेज्ञः सुताप्तिं धन लय मथवा पुत्रदोऽब्जोऽद्विनेत्रे २२ ॥ मन्वब्दे १४ऽर्कोविरोधं नयन विधु १२ मिते खाद्रिमाने २० सुखस्थौ । द्रव्यस्याप्तिं बंधु सौख्यं जनुषि गुरु कवी रत्नमालाभं विधत्तः॥४॥

॥अर्थ॥ चौथे स्थान में केतु मंगल राहु शनि ये ग्रह हों तो ८ वीं वर्ष में भाई की हानि हो यदि बुध हों तो २२ वीं वर्ष में पुत्र लाभ हो अथवा धन का लाभ हो और चंद्रमा हो तो २२वीं वर्ष में पुत्र लाभ हो और सूर्य हो तो १४वी वर्ष में विरोध हो यदि गुरू शुक्र चतुर्थ स्थान में हो तो १२ वीं वर्ष और २० वीं वर्ष में बंधु सौख्य और कौस्तुभ मणि अर्थात् जवाहरात द्रव्य की प्राप्ति हो ॥४॥

॥श्लोक॥ नन्दे ९ कष्टं पतंगः सुतभवन गतो तात देहे प्रकुर्यात् ॥ षष्टाब्दे ६ऽब्जोऽग्नि भीतिं रसनयन २६ मिते मातृ पीड़ां सुतेज्ञः ॥ बेदे ४ वा वाण ५ बर्षे भृगुरऽति धनदः केतु भौमागु सौराः ॥ बाणाब्दे ५ बंधु हानिं सुत भवन गतोऽद्रौ ७ गुरु र्मातु रार्तिं ॥५॥

॥अर्थ॥ यदि सूर्य पंचम स्थान में हों तो ९ वर्ष मे पिता की देह को कष्ट करै और चन्द्रमा हों तो ६ वीं वर्ष में अग्नि भय हो यदि बुध हों तो

२६ वीं वर्ष में माता को पीड़ा हो और शुक्रसुत भवन में हों तो ४ वा ५ वीं वर्ष में बहुत सा धन मिलै और केतु मंगल राहु शनि ये पंचम स्थान में हों तो ५ वर्ष में बंधुकी हानि हो और गुरु पंचम भाव में हो तो ७ वीं वर्ष में माता को पीड़ा हो ॥५॥

॥श्लोक॥ रामेन्दौ १३ वाऽग्निनेत्रे २३ रवि रथ धनदो निर्जरे
२३ वा षड़ाब्दे ६ ॥ चन्द्रो मृत्युं रिपुस्थो युग
नयन मिते २४ पुत्र लाभं ददाति ॥ शिख्या राग्वर्के
पुत्राः कलह रिपु भयंज्ञोऽद्रिरामे ३७ कुनेत्रे २१ ॥
खाब्धौ ४० जीवोऽरिभीतिं भृगुरसि भयदो भूयुगे
४१ वाकु पक्षे २१ ॥६॥

॥अर्थ॥ यदि सूर्य षष्ठम स्थान में हों तो १३ वा २३ वीं वर्ष में धन लाभ हो और रिपुस्थान में चन्द्रमा हों तो ६ वीं वर्ष में अरिष्ट वा २३ वीं वर्ष में मृत्यु करे और २४ वर्ष में पुत्र लाभ हो केतु मंगल शनि राहु बुध ये रिपु स्थान मे हों तो ३७वीं वा २१वीं वर्ष में कलहवा शत्रु से भय हो यदि ब्रहस्पति हों तो ४० वी वर्ष में शत्रु से भय हो और शुक्र हों तो ४१वी वा २१ वी वर्ष मे भय हो ॥६॥

॥श्लोंक॥ ज्ञः कामस्थो ऽगनाप्तिंकुधर शशिमिते १७ द्वादशे
१२ वाद्रि २२ पक्षे ॥ स्त्र्याप्तिं जीवः प्रदत्ते
भृगु रपि मदगः स्त्री सुखं वेद चन्द्रे १४ ॥ तिथ्य-
ब्दे १५ ब्जोति दुःखं युग शशि १४ मिते कौब्धि
लोके ३४ गनाहत् ॥ सप्तत्र्यब्दे ३७ ऽगनाहा रुधिर
शनि तमाद्याजनौ द्यूनगाः स्युः ॥७॥

॥अर्थ॥ यदि बुध सप्तम स्थान में हों तो १७ वीं वर्ष में स्त्री की प्राप्ति हो और गुरु हों तो १२ या २२ वर्ष में स्त्री प्राप्ति हो और शुक्र जाया भाव में

होतो १४ वीं वर्ष में स्त्री सुख हो यदि चन्द्रमा होंतो १५ वी वर्ष में अति दुख हों और सूर्य होंतो १४ वीं ३४ वर्ष में स्त्री नाश हो और मंगल शनि राहु केतु ये सप्तम स्थान में होंतो २७ वीं वर्ष में स्त्री नाश हो ॥७॥

॥श्लोक॥ इन्द्रे १४ वाब्ध्यग्नि बर्षे ३४ निधन गृह गतोऽ
कोंगना हृत्षडब्दे ६ ॥ नागे वा ८ रिष्ट मिंदुः शार
नयन मिते २५ केतु भौमागु मंदाः ॥ मृत्युं कुर्वंति
कोशं हरति मनुमिते १४ चन्द्र जोग्वाग्नि ३१
बर्षे ॥ जीवो रोगः प्रदस्यात् खशाशि घर मिते १०
दुःख सौख्येतु शुक्रः ॥८॥

॥अर्थ॥ यदि सूर्य अष्टम स्थान में होंतो १४ वीं वा ३४ वी वर्ष में स्त्री नाश हों और चन्द्रमा होंतों ६ वीं वा ८ वीं वर्ष में अरिष्ट हों और केतु मंगल राहु शनि होंतो २५ वीं बर्ष में मृत्यु हों यदि बुध अष्टम होंतों १४ वीं वर्ष मे द्रव्य हरण हो और गुरु होंतो ३१ वीं बर्ष में रोग हों यदि शुक्र अष्टम भाव में होंतों १० वी वर्ष में दुख के उपरान्त सुख हों ॥८॥

॥श्लोक॥ धर्मेऽर्कस्तीर्थ यात्रां नव ९ मदश मिते १० शून्य
नेत्रे २० सुधांशुः ॥ शक्रे तातस्य चार्तिं वितरति
कुभबो नंद नेत्रे २९ क्ष्मभूसौ १९ ॥ वाऽङ्गाब्दयब्दे
२६ बुधोवा निधन मिषु विधौ १५ तात नाशं
सुरेज्यः ॥ शुक्रो लाभं प्रकुर्याद्दिशिख विधु मिते
१५ भौम तुल्यांश्चशेषाः ॥९॥

॥अर्थ॥ यदि धर्म स्थान में सूर्य होंतो ९ वा १० वीं वर्ष में तीर्थ यात्रा हो और चन्द्रमा होंतो २० वीं वा १४ वर्ष में पिता का नाश हो यदि मंगल नवम स्थान में होंतो २९ वीं वा १९ वीं वर्ष में पिता का नाश करै और बुध

हो तो २६ वीं वर्ष में माता की मृत्यु हो यदि बृहस्पति नवम भाव में हो तो १५ वीं वर्ष में पिता का नाश हो और शुक्र हो तो १५ वर्ष में लाभ हो शनि राहु केतु यदि नवम भाव में हो तो २३ वीं १३ वर्ष में पिता का नाश हो ॥९॥

॥श्लोक॥ नन्दाब्जे कर्म गोर्कः वियुतिमन लवे ४२ देसुधां सुभं बर्षे ॥ स्वंभौमः शस्त्र भीतिं जलधि शर मिते ५४ द्रींदु बर्षेच सौम्यः ॥ स्वाप्तिं स्वस्थो नृपे १६ वानयन विधु मिते १२ ङ्काख्य के ९ द्रव्यमीज्यः ॥ वेदेवा बाण चन्द्रे १५ र्थसुख मिह सितो भौम वच्चार्क जाद्याः ॥१०॥

॥अर्थ॥ यदि कर्म स्थान में सूर्य हो तो १९ वीं वर्ष में वियोग करने वाला हो चन्द्रमा हो तो ४२ वा २७ वीं वर्ष में अर्थ लाभ हो यदि मंगल हो तो ५४ वीं वर्ष में शस्त्र और शत्रु से भय हो यदि बुध दशम स्थान में हो तो १७ वी वर्ष में द्रव्य लाभ हो और गुरु हो तो ९ वीं वा १२ वा १६ वर्ष में द्रव्य लाभ हो यदि शुक्र हो तो ४ वा १५ वीं वर्ष में अर्थ सुख मिलै और शनि राहु केतु का फल मंगल केतु लवजाननौ ॥१०॥

॥श्लोक॥ लाभे सूर्यो नखेवा २० कमलाधि नयने २४ पुत्र लाभं हिमांशुः ॥ भौमोद्यु द्यान सौख्यं नभ नयन मितें २० पंच वेदे ४५ जिना २४ ब्दे ॥ केत्वा राग्वर्क पुत्रा धन सुख मतुलं वाण वेदे ४५ बुधोर्थं ॥ सूर्येब्दे १२ षोडशे १६ वा कमलनिधि मिते जीव शुक्रौ धना प्तिम् ॥११॥

॥अर्थ॥ यदि सूर्य लाभ स्थान में हो तो २०वीं वा २४वीं वर्ष में पुत्र लाभ हो और चन्द्रामा हो तो २० वीं वा ४५ वीं वा २४ वीं वर्ष में उद्यान बगीचा

वगैरह जायदाद का सुख हो केतु राहु मंगल शनि ये लाभ स्थान में होंतो ४५ वीं वर्ष में धन सुत का अतुल सुख कर यदि बुध होंतो १२ वीं वा १६ वीं वर्ष में अर्थ सुख मिलें यदि ब्रहस्पति वा शुक्र होंतो ४ वर्ष में धन की लाभ हो ।११॥

॥श्लोक॥ पंचाब्दे हानि मीज्योऽर्थ सुख मथ सितः पंचमेब्दे ५ प्रदद्यात् ॥ अष्टाभिब्दे ऽ३८ र्थ हानिं रविरथ कुरुते हानि पीढ़ांत्रि वर्षे ॥ चन्द्रो भौमार्क जाद्या व्यय भिशु जलधौ ४५ ज्ञोऽगनार्तिं व्ययस्थः ॥ होरादादाय शास्त्राद्र चित मिह मया ज्योतिषं तत्वमेतत् ॥१२॥

॥अर्थ॥ यदि गुरू व्यय स्थान में होंतो ५ वीं वर्ष में हानि हो यदि शुक्र होंतो ५ वर्ष में अर्थ सुख मिलै यदि रवि १२ वें स्थान में होंतो ३८ वीं वर्ष मे अर्थ हानि हो और चन्द्रमा होंतो ३ वर्ष मै हानि पीड़ा हो और बुध मंगल शनि राहु केतु ये व्यय स्थान में होंतो ४५ वीं वर्ष मै स्त्री को पीड़ा हो यह ग्रंथ ज्योतिष युक्ति शास्त्रा नुसार झांसी निवासी पंडित अयोध्या प्रसाद मिश्र ज्योतिषी वैद्य भूषण कर के रचो गयो है ॥ १२॥

(बृहज्ज्योतिष सारे योगा योग माह)

॥श्लोक॥ भृगु पति सुर पूज्यो चन्द्रामा केन्द्र वर्ती ॥ बहु सुख धन ब्रद्धिः कर्म साध्या नराणाम् ॥ रबि सुत शशि लग्ने भानु जीव त्रिकोणे ॥ क्षिति सुत दशमस्थे राज योगे बदंति ॥ १ ॥

॥अर्थ॥ जिसके शुक्र बृहस्पति और चन्द्रमा केन्द्र में होवे और शनि चन्द्रमा लग्न में हों और सूर्य ब्रहस्पति त्रिकोण में होंतो राज योग जानना ऐसा कहा है ॥ १ ॥

॥ बृ० ज्यो० पा० म्लेच्छ योग ज्ञानम् ॥

॥श्लोक॥ धनस्थाने यदा जीवो भ्रातृ स्थानेचमंगलः ॥
सितश्च सप्तम स्थाने अष्टमे शनि चन्द्र को ॥ वृह्म
पुत्रो यदाजातो म्लेच्छौ भवति नान्यथा ॥ २॥

॥अर्थ॥ जिसके धन स्थान में ब्रहस्पति हों और सहज स्थान में मंगल हों और सप्तम स्थान में शुक्र होवें और आठवें स्थान में शनि और चन्द्रमा होवें जो ऐसा योग होवे तो ब्राह्मण का भी पुत्र होतो भी म्लेच्छ होता हैं॥२॥

॥ बृ० ज्यो० पा० मृत्यु योग ज्ञानम् ॥

॥श्लोक ॥ यदि लग्ने ग्राहा क्रूराः षष्टाष्टमेपि चन्द्रमाः॥ तदा
सद्यो भवेन्मृत्युर्जाति कस्यनसंशयः ॥३॥

॥अर्थ॥ जो लग्न में क्रूर ग्रह और छटे तथा आठवें चन्द्रमा होंतो उस वालक की शीघ्र ही मृत्यु जाननी चाहिये ॥ ३ ॥

॥ बृ० ज्यो० पा० आयुसो योग ज्ञानम् ॥

॥श्लोक ॥ चतुर्थेच यदा राहुः केन्द्रे भवति चन्द्रमा ॥ विंश
बर्षे भवेत्मृत्यु र्जाति कस्यन संशयः ॥४॥

॥अर्थ॥ जिसके चौथे घर में राहु हों और केन्द्र में चन्द्रमा होवे तो उसकी २० वर्ष की आयु जाननी चाहिये ॥ ४ ॥

॥श्लोक ॥ सप्तमस्थै यदा राहु र्जन्म काले यदा तदा ॥ दश
वर्षे भवेन्मृत्यु र्जाति कस्यन संशयः ॥५॥

॥अर्थ॥ जिसके जन्म लग्न में सप्तम स्थान में राहु बैठा होतो उसकी दश वर्ष की आयु जाने ॥५॥

॥श्लोक॥ द्वादशेच यदा चन्द्रः षष्ठेष्टे पाप संयुतः ॥ अल्पा-
युर्जायते बालः शंकरो यदि रक्षति ॥६॥

॥अर्थ॥ जिसके जन्म काल में बारहवें स्थान मे चन्द्रमा हो या छटें आठवें स्थान में चन्द्रमा होतो उस बालक की यदि शंकर भगवान रक्षा करें तो भी अल्पायु जाने ॥६॥

॥श्लोक॥ शनि क्षेत्रे यदा भानुर्भानु क्षेत्रे यदा शनिः ॥ विंश
बर्षे भवेन्मृत्युर्यदि शक्रोपि नक्षति ॥७॥

॥अर्थ॥ जो शनि के क्षेत्र मे सूर्य या सूर्य के क्षेत्र में शनि होंतो ऐसा योग वाले की यदि इन्द्र भी रक्षा करें तो भी वीस वर्ष से अधिक न जीवे ॥७॥

॥श्लोक॥ धनस्थाने यदा सौरिः सैहिकेयो धरात्मजः ॥ शुक्रो
गुरुः सप्तमेच त्वष्टमौरवि चन्द्रकौ ॥ ब्रह्म पुत्रे
यदे वापि वेश्या सुच सदा रतिः ॥ प्राप्ते विंशत्ति
मे बर्षे म्लेच्छो भवति नान्यथा ॥८॥

॥अर्थ॥ जिसके धन स्थान में शनि राहु मंगल और सप्तम स्थान में गुरु शुक्र होवे और अष्टम स्थान में सूर्य चन्द्रमा हों यदि ऐसा योग होवे तो जाति भ्रंश योग जानियो और २० वर्ष की अवस्था जाने ॥८॥

॥श्लोक॥ षष्टाष्टमें यदा काले भवता मिव भास्करः ॥ राज
दोषा द्भवेन्मृत्युर्जात कस्यन संशयः ॥९॥

॥अर्थ॥ जिसके छटे और आठवें भवन में सूर्य बैठा हो उसका राज दोष करके मृत्यु जानना ॥९॥

॥ वृ० ज्यो० पा० मृत्यु योगः ॥

॥श्लोक॥ अर्के राहुःकुजः सौरि लग्ने तिष्ठतिपंचमे ॥ पितरं मातरं हंति भ्रात रस्वमनुक्रमात् ॥ १० ॥

॥अर्थ॥ जो सूर्य राहु मंगल शनि लग्न में पंचम स्थान में पड़े होंतो क्रम से फल सूर्य से पिता राहु से माता भौम से भ्राता और शनि को अपने लिये अशुभ जाने ॥ १० ॥

॥श्लोक॥ लग्न स्थाने यदा सौरिः षष्टे भवति चन्द्रमा ॥ कुजस्तु सप्तम स्थाने पिता तस्यन जीवति ॥ ११ ॥

॥अर्थ॥ जिसके छटें स्थान में शनि हों और सातवें चन्द्रमा मंगल होवें तो उसका पिता मरै ॥ ११ ॥

॥श्लोक॥ जन्म लग्ने यदा भौमश्चाष्टमेतु बृहस्पतिः ॥ वर्षेच्च द्वादशे मृत्युर्यदि रक्षति शंकरः ॥ १२ ॥

॥अर्थ॥ जन्म लग्न में मंगल हों और आठवें स्थान में बृहस्पति होंतो बारवें वर्ष में मृत्यु जाने ॥ १२ ॥

॥श्लोक॥ दशमे भवने राहुः पितृ मातृ प्रपीडतम् ॥ द्वादशे वत्सरे मृत्युस्तस्य जातस्य जायते ॥ १३ ॥

॥अर्थ॥ लग्न में दशवें स्थान में राहु होतो माता पिता को दुख और बारह वर्ष तक मृत्यु जाने ॥ १३ ॥

(गर्भे पुत्र पुत्री कथनमाह)

॥श्लोक॥ तिथि वीरंच नक्षत्रं स्त्रियो नामा क्षराान्वितम् ॥ सप्त भक्ते समे शेषे कन्याच विषमे सुतः ॥ १४ ॥

॥अर्थ॥ जिस समय कोई प्रश्न करे कि अमुक स्त्री के पुत्र होगा या कन्या उस समय का नक्षत्र तिथिवार और उस स्त्री के नाम के अक्षर एकत्र कर सात का भाग देजो सम बचे तो कन्या और विशम बचे तो पुत्र कहलों ॥ १४ ॥ इति श्री जन्माङ्क भास्कर पंचाङ्गे फलितप्रकरणम् ॥ ३ ॥

(मेषार्के मु० सम्वत् १९७३)

वैशाख व. १२ शनौ पौष्णे रात्रौ ॥ऽ॥ऽऽ॥ गुरुयु. एकार्ग लोप ग्रहौ
वैशा० शु. ८ बुधे मघाभे ॥॥॥ऽ। क्रांति साम्यम् अभिजित राहुस्त
साद्वेधाऽभावः

वृषार्के मु०

ज्ये० व. १० शुक्रे उभाभे ऽ॥॥॥ बुध लातः
ज्ये० व. ११ शनौ पौष्णे ॥॥ऽ॥॥ नृपवाणः
ज्ये० सु. १ गुरौ चन्द्रे ॥॥॥॥ राहुर भिजित्यतो वेधाऽभावः
ज्ये० शु. ८ शुक्रे उफाभेऽ॥॥॥ भौमलातः घ. ४५॥ उ. व्यतीपातः

मिथुनार्के मु०

आषा० व. ८ शुक्रे पौष्णे ॥॥॥॥ दिवसे रोगवाणः

वृश्चिकार्के मु०

मार्ग व. १० चन्द्रे उफाभे ॥॥ऽ॥ उपग्र. घ. २४॥ या. दग्धा भद्रे
मार्ग व. ११ भौमेहस्ते ॥॥ऽ॥॥ घ. ३० उ. चोर वाणः
मार्ग शु ९ रवौ उभाभे ॥॥॥ऽ घ. २३। उ. दग्धा

मकरार्के मु०

माघ व. ८ भौमे स्वातौ ऽ॥ऽ॥॥ बुध शुक्र शनीनां ला० गुरुजा०
माघ शु. ५ शनौ उभाभे ॥॥ऽ॥॥ नृपवाणः
माघ शु ६ रवौ पौष्णे ऽ॥॥॥ राहुलातः
माघ शु. १५ बुधे मघाभे ॥॥ऽ॥॥ भौमजामित्रम

कुंभार्के मु०

फा. व. ८ गुरौ मैत्रे ॥॥ऽऽ॥ एकार्ग लोपग्रहौ
फा. शु. ३ शनौ पौष्णे ऽ॥॥॥ऽ राहु ला० ।घ. २९॥ उ. दग्धा

(मिथुनार्के मु० सम्वत् १९७४)

आषा. व. १४ चन्द्रे ब्राह्मे ॥ऽ॥॥॥ भौम बुध योर्युतिः
आषा. शु. ८ बुधे हस्ते भे ॥॥॥ऽ दग्धा-घटी ३१। यावत भद्रा
आषा. शु. ९ शुक्रे स्वातौऽ॥॥॥ शनि लातः

वृश्चिकार्के मु०

मार्ग व. ८ शुक्रे उफाभे ॥॥ऽ॥॥ रात्रौ अपवाणः
मार्ग व. ९ शनौ हस्तेऽ॥॥ऽ॥॥ भौम बुध ला०
मार्ग व. ११ चन्द्रे स्वातौ ॥॥ऽ॥ उपग्रह
मार्ग व. १३ बुधे मैत्रे ॥॥ऽ॥॥ गुरु जा० । घ० २१ उ. ५१॥ या० भद्रा

मकराऽर्के मु०

पौ. शु. ५ गुरौ उभाभे ।।।।ऽऽऽ।। घ. ३४ उ. नृपवा० एका उपग्र०

कुंभाऽर्के मु०

माघ शु. ६ भौमे चन्द्रे ।।ऽ।ऽ।ऽ।।। केतुयु. एकार्ग. ५८।। उ. राहोर्जा मित्रम

फा. व. २ बुधे उफाभे ।।ऽ।ऽऽ।।।। भौम यु. घ. ११ रविबुधयोर्जा० चोरवाणः

फा. व. ३ गुरौ हस्ते ।ऽ।।।।ऽ।।। पातः एकार्ग. घ. ३२।।। उपरि भद्रा

मेषाऽर्केमु० सम्वत् १९७५

चै० शु. ११ चन्द्रे उफाभेऽ।।।ऽ।।।ऽ। रवि ला० घ० ४७।। या० शुक्रजा मि०
क्रांतिसाम्यंच

चै० शु. १५ शुक्रे स्वातौ ।।।।ऽऽ।।।। रविज्ञा योर्जा० ।३८ उ. नृपवाणः

वै० व. १३ बुधे पौष्णे ऽ।।।।ऽ।।।। राहोर्ला० चोरवाणः

वै० व. १ शनौ आर्द्रे ।।।।।।।। शुद्धम्

मकराऽर्के मु०

माघ व. ४ चन्द्रे उफाभे ।।।।ऽऽ।।।। घ. ४७। या भौमजा० चोरवाणः

माघ व. ५ भौमहस्ते ऽ।।।।।।।। चन्द्र ला० ।४७ उ. रोगवाणः

माघ शु० ४ भौमे उभाभेऽ।।।।ऽ।।।। भौम राहोर्ला० ।२९ उ. नृपवाणः

कुंभाऽर्के मु०

फा० व- ३ चन्द्रे उफायां ।।।।ऽ।।।। घ. १९ या. नृपवाणः

फा० शु. २ भौमे पौष्णे ।।।।ऽ।।।। अग्निवाणः

फा० शु. ८ रवौ मृगभे ।।।।ऽ।।।।। घटी ३६।। यावत् राहोर्जा मित्रम्

मेषाऽर्के मु० सम्वत् १९७६

चै० शु- १५ भौमे स्वातौ ।।।।ऽऽऽऽ।। भौमजा० ऽग्निवा- एका उपग्र०

वैशा व ७ भौमे वैश्वे ऽ।।।ऽऽ।।।। बुध ला० ।२०।। या- गुरुजा- ।४७।।। या-
रोग वाणः

वै० शु- ८ बुधे मघाभे ।।ऽ।।।।ऽ। शनि यु- क्रांति साम्यम्

वै० शु- १२ रवौ हस्तभे ।।।।ऽऽऽ।। घ-२१।। या- रोगवा. ।५२।।या- एका-उपग्र-

वृषाऽर्के मु०

ज्ये० व- ४ चन्द्रे वैश्वे ऽ।।।ऽ।।।ऽ। चन्द्रला० ।५० या गुरु शुक्रजा. क्रांति स०

ज्ये० व. १० रवौ उभाभे भद्रो परादिवा ।।।।।ऽ।।।। अग्नि वाणः

ज्ये० व० ३० गुरौ ब्राह्मे ।।ऽ।ऽ।।।।। सू० भौ० केतु युतिः राहुजा० अमात्र

ज्ये० शु० १ शुक्रे चन्द्रे ।।।।ऽऽ।।।। घ० ३९ या० राहु जा० । चोरवाणः

मिथुनाऽर्के मु०

आषा० शु० ४ भौमे मघाभे भद्रोपरि ।।ऽ।।ऽ।।।। शुक्र शन्योर्युतिः घ० ४६
या० चोरवाणः

वृश्चिकाऽर्के मु०

मार्ग व० १३ गुरौस्वातौ ।।।।ऽ।।।। घ० १८ उ० नृपवाण ।२४ उ० ५७ या०
मकराऽर्के मु० भद्रा ।२५ उपरि रिक्ता
माघ शु० ४ रवौ उभाभे ।।।।ऽ।।।। घ० ५५।। या०ऽग्निवाणः
माघ शु० ५ चन्द्रे पौष्णे ।।।।।।।। घ० ५३।। उपरि नृपवाणः
माघ शु० १० शुक्रे ब्राह्मे ।।।।ऽ।।ऽ। घ० ५० उ० रोगवाणः । क्रांतिसाम्यम्
फा० व० ४ रवौ हस्ते ।।।ऽ।।।। घ० ४१ उपरि रोगवाणः

कुंभाऽर्के मु०

फा० व० १० शनौ मूले चन्द्रोपरि ।ऽ।।।ऽऽ।।।। पातः अग्निवाणः
फा० शु० ८ शुक्रे ब्राह्मे ।।।।।।।। शुद्धम्

मेषाऽर्के मु० सम्बत् १९७७

वै० व० १२ शुक्रे उभाभे ।।ऽ।।ऽ।।।। बुध शुक्र या० ।५३।।।। उपरि नृपवाणः
वै० शु० ३ बुधे ब्राह्मे ।।।।ऽ।।।। रोगवाणः
ज्ये० व० ३ गुरौ मूल रात्रौ ।।।।।।।।

वृषाऽर्के मु०

ज्ये० शु० १ बुधेदिवा ब्राह्मे ।।।।।।।। चन्द्रबलाऽभावः
ज्ये० शु० १ बुधे मृगभेरात्रौ ।।।।।।।। शुद्धम्
ज्ये० शु० २ गुरौ मृगभेदिवा ।।।।ऽ।।।। चोरवाणः

वृश्चिकाऽर्के मु० सम्बत् १९७८

मार्ग व० १ बुधे ब्राह्मे ।।।ऽऽ।।।। रवि जा० ५१।। उ० मृत्युवाणः
मार्ग व० ७ भौमे मघाभे ।ऽ।।।ऽ।।।। प्रातः घ० ४७ या० चोरवाणः ४२
उपरिवैधृतिः
मार्ग व० ११ शुक्रे हस्ते ।।ऽ।ऽ।।।।। भौम गुरु शनि राहुणांयुतिः केतुजा० घ०
४।। उपरि मृत्युवाणः
मार्ग व० १२ शनौ स्वातौऽ।।।।ऽ।।।। भौमला० अग्निवाणः
मार्ग शु० ३ शुक्रे ।।।।ऽ।।।। रोगवाणः
मार्ग शु० ४ शनौ वैश्वे ।।।।ऽ।।।। घ० ३७ बा० रोगवाणः

मेषाऽर्के मु० सम्बत् १९७९

वै० व० ७ भौमे वैश्वेऽ।।।।।।।। राहोर्लातः
वै० शु० ३ रवौ मृगभे ।।।।।।।। शुद्धम्
वै० शु० ९ शुक्रे मघाभे ।।।।।।ऽ। क्रांति साम्यम्
वै० शु० ११ रवौ उफाभे भद्रोपरि ।।।।ऽ।।।। केतु जा०
वै० शु० १३ भौमेस्वातौ ।।।।ऽ।।।। रविजाः व्यतीपातः

वृषाऽर्के सु०

ज्ये० व० ११ चन्द्रे पौष्णे ||||ऽऽ|||| गुरु शनि राहूणामजा० मित्रम घटी ३६/४०
उपरि रोगवाणः

ज्ये० शु० ९ शनौ ब्राह्मे ||ऽ||||| सूर्य युतिः

ज्ये० शु० १ शनौ मृगभेर यावपिदिशा ||ऽ||||| बुधयुतिः रविवासरे
भौमजामित्र नृपवाणश्च

ज्ये० शु० १२ भौमेस्वातौ ऽ|||ऽ||| सूर्यला० १६|| उ० नृपवा०

ज्ये० शु० १४ गुरौ घ० ४०|| यावन्मैत्रभे ||||ऽऽ|||| रविजा० घ० २२|| उ०

मिथुनाऽर्के सु० चोरवाणः

आषा० व० ६ रवौ पौष्णे ||||ऽऽ|||| गुरु शनि राहू ज० ५२ उ० नृपवाणः

आषा० शु० ६ चन्द्रे स्वातौ |||||||| घ० २६|| या रोगवाणः

वृश्चिकाऽर्के सु०

मार्ग शु० १४ रवौ ब्राह्मे भद्रोपरि |||ऽ|||| रवि वुध योजा

पौ० व० ८ भौमेहस्ते ऽ|||ऽऽ|||ऽ बुधला केतुजा० ५३ या० रोगवाणः

मकराऽर्के सु०

माघ शु० १० शनौ ब्राह्मे ||||ऽऽ||ऽ| शुक्रजा० ४० या नृपवाणः

फा० व० ४ चन्द्रे हस्ते ||||ऽऽ|||| भौम जा० ३० या नृपवाणः

फा० व० ६ वुधे भद्रो परि स्वातौ ऽऽ|||||| शुक्रे द्वार्दा पातः

कुंभाऽर्के सु०

फा० शु० ८ शनौ ब्राह्मे वैधृतेरुपरि |ऽ|||||| पतः

चै० व० १ रवौ हस्ते |ऽ|||ऽ|||| पातः अग्निवाणः

मेषाऽर्के सु० सम्वत् १९८०

वै० शु० ३ गुरौ ब्राह्मे ||ऽ||ऽ|||| भौम युतिः घ० ४३ उपरि चोरवाणः

वै० शु० १५ चन्द्रे स्वातौ भद्रोपरि |||ऽ|||| रविजा मित्रम्

प्र० ज्ये० व० ४ शुक्रे मूलभेऽ|||ऽ|||| राहोर्ला ०|८|| या मृत्युवाण

मिथुनाऽर्के सु० उपरिऽग्निवाणः

द्वि० ज्ये० शु० ८ शुक्रे हस्ते ||||ऽ|||ऽ घ० १६ या० चोरवाण ११|| या० दग्धा

आषा० व० १२ भौमे ब्राह्म |ऽ|||ऽ|||| पातः चोरवाणः

आषा० व० १३ बुधे मृगभे ||||||| घ० ५६|३७ उपरि भद्रा

मकराऽर्के सु०

पौ० शु० ११ गुरौ भद्रोपरि ब्राह्मे |||ऽ|||ऽऽ भौमजा क्रांति सा० घ० ४६|
२० उ० दग्धा

माघ व० ५ शनौ हस्ते ||||ऽ|||| घ० ५६|| उ० नृपवाणः

माघ व० ६ वुधे मैत्रे ||ऽ|||||| भौमयु ५४ उ० रोगवः ५६ उ० भद्रा

माघ शु० ४ शुक्रे उभाभे ॥॥॥॥ घ० ३१ उपरि भद्रा
माघ शु० ४ शनौ पौष्णे ।ऽ॥ऽ॥। प्रातः घ० ४२ या० रोगवाणः
कुंभाऽर्के सु०
फा० व० ८ गुरौ मूले ॥ऽ॥ऽऽ॥ भौम युतिः ५२ या० एका उपग्रः
फा० शु० १ गुरौ उभाभे ॥॥॥ शुद्धम्
फा० शु० २ शुक्रे पौष्णे ॥॥ऽ॥। चोरवाणः

वर वधू एकत्र गुण मेलापक चक्र वर नक्षत्र उपर की पंक्ति से हैं कंन्या नक्षत्र नीची लैंन में है परंतु मंगल मिला लेना

*	राशि	ले	मे	मे	वृ	वृ	वृ	मि	मि	मि	क	क	क	सिं	सिं	सिं	कं	कं	कं	*
*	नक्षत्र	*	अ	भ	कृ	कृ	रो	मृ	मृ	आ	पु	पु	पू	श्ले	म	पू	उ	उ	ह	चि
राशि	नक्षत्र	भाग	१	१	।	॥।	१	॥	॥	१	॥।	।	१	१	१	१	।	॥।	१	॥
मे	अ	१	३६	३३	३२	२४	२१	२२	२७	२८	१८	२३॥	३१॥	२८	२७॥	२१॥	३२	११	१२	२४
मे	भ	१	३४	३६	३४	३१	२२॥	२४॥	१६	२६	२७	२१॥	३३॥	२५॥	३२॥	२४॥	३२॥	२१॥	२०	५
मे	कृ	।	२२॥	३२	३६	३३	१०	१६॥	२०	२२	२१	२५	२३॥	२३॥	२३	२६॥	२६॥	१५॥	१५॥	१६॥
वृ	कृ	॥।	१८॥	१८॥	३६	३६	३४	३२॥	१५॥	२५॥	२५॥	२२	२४	२०	१८	२१॥	३१॥	२८	२८	२८
वृ	रो	१	२४॥	१३	३४	३४	३४॥	३५॥	३२	२९	२६	१८	१२	१०	२४	२७॥	३४	३४	३४	१
वृ	मृ	॥	२४	११	११॥	३२॥	३६	३६	३५	३३	२६॥	२६	२०	२१	१८	१५	१५	३१	३४	२१
मि	मृ	॥	२८	२१	२३॥	२७॥	३५	३६	३५	३४	३१	२०॥	१३॥	१४॥	२२॥	१८	२९॥	३१॥	३२॥	२१
मि	आ	१	२०	१८	२३	३३॥	३२॥	३४	३४	३४	३४	३३	२३॥	१५॥	२३॥	१९	२१	२४	२४	२४
मि	पु	॥।	३०	२७॥	२३	२७॥	३०॥	३१॥	३०॥	३४	३४	३४	२३	१६॥	२१॥	२५॥	२०॥	२३	२४॥	२७॥
क	पु	।	२३॥	२९॥	२५॥	२२	२५	२६	२०॥	१३	३३	३४	३४	३२॥	२२॥	२६	२२	१८॥	१८॥	२२॥
क	पू	१	१०	२४	२७	२४	२१	१९	१३॥	२५	२३	३४	३६	३४	२५	२१	३०	१६॥	२६॥	१२॥
क	श्ले	१	२६	२६	२२॥	१३	१२	२०	१४॥	१५॥	१५॥	३२	३४	१४॥	२०॥	२१	१४	२१॥	२०॥	१७॥
सिं	म	१	२२	२८॥	३१	१७	१०	१८	२१॥	२२॥	२०॥	२२	२५	२२॥	३६	३६	२३	२८॥	१५॥	२८
सिं	पू	१	१६	२४॥	३२॥	२०	२४	१६	१२॥	२८	२६॥	२६	१३	१६	३६	३६	३४	१०	२१॥	१४
सिं	उ	।	१७	३२	३२	२०	२६	२५	२८	२०॥	२०॥	२३	३१	३१	३२	३४	३६	३३	१५	११
कं	उ	॥।	१३	३२	१६	३४	३४	३२॥	३१॥	२३॥	२३॥	२०	२८	२३॥	२३॥	३१	३४	३५	३५	३१
कं	ह	१	१३	२०	२७॥	२८	३३	३४	३३	३२॥	२३॥	२०॥	२८॥	२३॥	२४॥	२८॥	२०	३५	३६	३३
कं	चि	॥	१४	७	२०	३१	२८	२०	१६	२४॥	२४॥	२१॥	१३॥	२७॥	२९॥	१५॥	१४॥	३०॥	३३	३४

वरवधू एकत्र गुण मेलापक चक्र दोनो नक्षत्रो के जिस पद का जन्म हो दोनो की सूद में जो अंक हो सो गुण कहनो

*	*	*	तु	तु	तु	वृ	वृ	वृ	ध	ध	ध	म	म	म	कुं	कुं	कुं	मी	मी	मी *
*	*	*	चि	स्वा	वि	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ	उ	श्र	ध	ध	श	पू	पू	उ	रे *
*	*	*	।।	१	।।।	।	१	१	१	१	।	।।।	१	।।	।।	१	।।।	।	१	१ *
तु	चि	।।	३४	३२।।	३२।।	३२।।	७।।	११।।	२१	१२	२२	२६।।	२६	२४	२४	३०।।	२६	२४	५	५	१९
तु	स्वा	१	३३	३६	३३	२२	२०।।	२७।।	२३	२७	१८	२३।।	२४	२७	२७	२८	३४	२०	२१	१३	२०
तु	वि	।।।	३२।।	३३	३४	३६	१०।।	२१।।	२६	२०	१४	१८।।	१६।।	३०	३०	३१	२०	१५।।	१४।।	१७।	२१
वृ	वि	।	१९।।	२६।।	२६	३२	३३	३१।।	२८।।	२३	१७।।	१३	१५।।	२४	२५।।	२५।।	११।।	२६	२५।।।	१९।।	२२
वृ	अ	१	८	३२	१८	२३	३६	३६	२४।।	३२।।	३०।।	२६	३१	१६	११	२१	२४।।	३१	१५	३४	२३
वृ	ज्ये	१	२१।।	१६।।	२१।।	२१।।	२६	३६	२२	२५	२५	२१।।	२५।।	२९।।	२४	२६	१०।।	१६	२८	२८	२४
ध	मू	१	२७	२६	२७	३२।।	१४।।	२४	३४	३५	३२।।	२२।।	२६।।	३०।।	२७	२०।।	१३।।	१६	२६	२८	२५
ध	पू	१	१८	१९	२६	३१।।	१४।।	३२।।	३४	३६	३४	३४	३४	१६।।	१३।।	२३।।	२७	३०।।	१०।।	२२।।	२६
ध	उ	।	२७	१९	१९	२३।।	३२	३२।।	३२।।	२४	३६	२५	२६	३२।।	३३	२२।।	२९।।	३२	३२	२४	२७
म	उ	।।।	३६।।	३१।।	२३।।	१९।।	१७।।	२२	१८।।	२५	३३	३६	३४	३२	३१।।	२८।।	३१।।	३०	३०	२२	२८
म	श्र	१	२७	२३।।	१७।।	१४	१७	२३	१९।।	२८	२७	३४	३६	३३	३६	२३।।	२६।।	२७।।	२६।।	२२।।	२९
म	ध	।।	२४	२६	३०।।	२७	१३	२७	२४।।	६।।	१८	३२	२७	३४	३२	२५	२५	२४	१४	२२।।	३०
कुं	ध	।।	२५	२७	३१।।	२६	१२	२६	२२।।	३५।।	२४।।	२६।।	२९	३१	३४	३३	३२।।	१७।।	८	१५।।	३१
कुं	श	१	२३	२८	२३	१७	२१	१६	३२।।	२४	२४	२६	१८।।	२५	३३।।	३६	३२	१८	१०।।	२७।।	३२
कुं	पू	।।।	२१	३३	३३	२७।।	२७।।	३४।।	१६।।	१९।।	३०।।	३२।।	२३।।	१८।।	३२।।	३३	३४	३४	३४	२१।।	३३
मी	पू	।	१३	२०।।	१४।।	२७	२६	१३	२३।।	३०।।	३१	२३।।	३०।।	३१	१७।।	१७	१७।।	३४	३३	३०।।	३४
मी	उ	१	५	२७	१३।।	२६	१९	३४	३१।।	२३।।	११।।	२९।।	२७।।	२२	८।।	१७।।	२०	३३	३६	३४	३५
मी	रे	१	१८	१२	८	१८।।	२७	२८	२८।।	३०	२२।।	२१।।	२३।।	२९।।	१५।।	१७।।	२०।।	३०।।	३४	३४	३६
*	*	*	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७

(क)

वरवधूएकत्र गुणचक्र ।

०	०	रा.	तु	तु	तु	वृ	वृ	वृ	ध	ध	ध	म	म	म	कुं	कुं	कुं	मी	मी	मी	०
०	०	न.	चि	स्वा	वि	वि	अ.	ज्ये	मू	पू	उ	उ	श्र	ध	ध	श	पू	पू	उ	रे	०
रा	न.	भा	॥	१	॥।	।	१	१	१	१	।	॥	१	॥	॥	१	॥।	।	०	०	०
मे	अ	१	२१॥	२९	२३॥	१९॥	२४	१५	२१	३३	३१	३६	२७	२१	२१	१६	१०	१२	३१	३४	१
मे	भ	१	१३॥	१९॥	१२॥	२६॥	१५॥	१६॥	३४	२६	१४	२०॥	२७॥	११	११	२७	२५	१०॥	२४	३२	२
मे	कृ	।	२७॥	१५॥	१९॥	२६॥	१७॥	२५॥	३३॥	२८	२०	१४॥	२४	२५	२६	२७	२०	२५॥	२६॥	१०॥	३
वृ	कृ	॥।	२०	७॥	१२	२०	१६॥	३०॥	२२॥	२३॥	९॥	१४	२९॥	३१॥	३०॥	३१॥	२४॥	२१॥	२१॥	१४	४
वृ	रो	१	१७	१३॥	६॥	१४	२६॥	२४॥	१५	३१	१३॥	१८	२६	३४॥	३३	११॥	११	२९	१६	१०	५
वृ	मृ	॥	१०	२३	१५॥	२३॥	२१॥	१५॥	१६	१२	१८	२३॥	३५	२१	२०	१८	२॥	१७	१६	२८	६
मि	मृ	॥	२१	३४	३४॥	२४	२१	१५॥	२३	१९	१८	२१॥	२६	१३	१४	१९	२४॥	२७	१९	२८	७
मि	आ	१	३४	१४	३४	२१॥	१५	४	१४	१८	१८	२४॥	१६	१९	१०	११	८	२०॥	१८	२८	८
मि	पु	॥	२७॥	३४	२९	२६॥	२१॥	७	१५	२७	२७	२३॥	२८॥	१८	१९॥	१४	१०	१९	२८	२८	९
क	पु	।	२१	२८	२३	२१	२६	११॥	१०॥	२३॥	२६	२६	२७	२१	१४	८॥	२१॥	२०	३६	२५	१०
क	पु	१	१२	२७	२२॥	२१	१८	११	१६॥	१४॥	२३॥	१६	१७	२१	६	१५	२०॥	८	१८	२७	११
क	श्ले	१	२७	६	१०	२६॥	१०	२६	२५	१७॥	९॥	१३	१३	२६	९	२०	११	२४	१०	१३	१२
सिं	म	१	२७॥	१०	१९	३२॥	२४॥	१२	३२॥	१६॥	१७	४	४	१६	२४॥	२०॥	१८	१८	१८	२२॥	१३
सिं	पू	१	१६॥	२४॥	२८॥	२४॥	१२॥	३०॥	१२॥	२४॥	३२॥	१९॥	१८	५	९॥	१८॥	२४॥	२४	१६	७४	१४
सिं	उ	।	१५॥	२५॥	१५	२५॥	३०॥	१२॥	२३	३४॥	३॥	२९॥	१६	१२	१६॥	१२॥	१०॥	१५	२६	२४	१५
कं	उ	॥।	२०॥	३०॥	२२॥	१८	२७	१३	२४	२९॥	२९॥	१६	२६	१४	१६	९॥	११	१८	३०	२८	१६
कं	ह	१	२६	१२॥	२४॥	२०	२५	१४	१५	२७	१६॥	२५	१६	२१	१७	१०॥	१३	१८	३०	२८	१७
कं	चि	॥	१३	२६	३०॥	२४	११	२५	२६	१२	२२	१८॥	१९	१८	१९	२२॥	१७	२०	११	२२	१८
०	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	०	०

वरवधूएकत्र गुणचक्र ।

०	०	रा.	मे	मे	मे	वृ	वृ	वृ	मि	मि	मि	क	क	क	सिं	सिं	सिं	कं	कं	कं	।
०	०	न०	अ	भ	कृ	कृ	रो	मृ	मृ	आ	पु	पु	पु	श्ले	म	पू	उ	उ	ह	चि	॥
रा	न०	भा.	१	१	।	।।।	१	॥	॥	१	।।।	।	१	१	१	१	।	।।।	१	॥	॥
तु	चि	॥	२३॥	१६	१६॥	२४॥	२१	१३	२०	१७	३५॥	२२	१३	१७	२५	११॥	१७।	१८॥	३४	३४	१
तु	स्वा	१	३०	२९॥	३७॥	१२॥	१५॥	१७	३४	३३	३४॥	२२॥	२८	१५	१३॥	२४॥	२५॥	२६॥	३४	२८	२
तु	वि	॥।	२२॥	१४॥	२७॥	१६॥	११॥	९॥	३५॥	१७॥	२७	२२॥	२२॥	१९॥	३७॥	१९॥	१७॥	१८॥	२५॥	३१	३
वृ	धि	।	१७॥	२५॥	१५॥	२०	१५	२३	१५	१३॥	१३॥	२०	२०	११॥	११॥	२३॥	११॥	१६	१९	२६	४
वृ	अ	१	२५॥	१९॥	१९॥	२४॥	२८॥	१७॥	११	१६	२०॥	१७	१९	२१	२४	२०	१८	२५	२०	१२	५
वृ	ज्ये	१	१२	१९॥	२४॥	१६॥	१३॥	२३॥	१३	३	५	११॥	२१	२६	२३	२०।	२५॥	१०	१२	२५	६
ध	मू	१	२८	२८	१३	२०	१४	१४	२१	२३	१३	१०॥	११॥	२६	३०॥	२६॥	१७	१६॥	१३॥	२७	७
ध	पू	१	३४	२६	३४॥	२५	२०	१२	१९	२७	२७	२४॥	१६॥	२०॥	३२॥	३४॥	३२	३२॥	२०	१२	८
ध	उ	।	३२	३३	३४	१६	११॥	१८	२४	२६	२७	१४॥	२४॥	१०॥	१३	३२॥	१२॥	१२	१८॥	२१	९
म	उ	॥।	२८	२८॥	१५॥	२६	२३	२९॥	२१॥	२३॥	२३॥	२८	१८	१४	१६	१०॥	२०॥	२७	२७	१७	१०
म	श्र	१	२८	१७	२५	२१	११	३४	२५	१७॥	२३॥	२८	२८	१७	१३	१८	१९॥	१६	२७	२०	११
म	ध	॥	२१	१२	२६	३१	२८	१०	११	१८	१६॥	२०	१२	२६	२६	१५	१२	१८॥	२०	२७	१२
कुं	ध	॥	११	१२	२६	३१॥	२८	२०	१३	१९	१७॥	१४	१६	२०	२५	११॥	१८॥	१४॥	१९	१७	१३
कुं	श	१	१६	२२	२८	२२॥	२६॥	२०	१०	१३	१२	८॥	१५	२१	२५॥	१९॥	११॥	७॥	१०॥	२५	१४
कुं	पू	॥।	१९	२६	२०	३४	३२॥	३२॥	२४॥	१७	१७	१३॥	२१॥	१४	१९॥	२५॥	१६॥	१९॥	१५	१७	१५
मी	पू	।	२७॥	२०॥	२३॥	३२॥	२७	२६	२७	२७	१८	१७	२६	७॥	३०	२३	१४	१८॥	१८	२०	१६
मी	उ	१	१९॥	२३॥	३१॥	३१॥	२७	११	११	२७	२८	२६	१९	२०	३०	१५॥	२५	२९	२८	११	१७
मी	रे	१	३२	३०	१८॥	१८॥	१८	२७	१७	२६	२६॥	२४॥	१३	१३	१८॥	२३	२२	२६	२७	१२	१८
०	-	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	०

(चारहजार तीनसौ ४३०० वर्षका क्यालेंडर)

जैसे सन १९१५ जौलाई महीने की २८ तारीख को कौन वार था देखना है तो १९०० की पंक्ति में ऊपरसे नीचे को और १५ की पंक्ति में बाईं ओर से दाहिनी ओर को लेजाने से शुक्र पडता है १ जनवरी से २८जौलाई तक २०९ दिन हुए ७ का भाग देने से ६ बचे सो शुक से ६ तक गिना तो बुध आया बस बुधवार था जिस को आपने जानना चाहा।

युक्ति—जिस सनमें किसी महीनेकी किसी तारीख को कौन वारथा यह देखना हो तो नीचेके कोष्ठक में उस संख्या को देखो और वहां से दाहिनी ओर को अंगुली लेजाओ और इसी प्रकार से शताब्द में ऊपर से नीचे को अंगुली लेजाओ जिस जगह दोनों अंगुली मिलजावें वही वार अलग रखलो फिर उस सन् के व्यतीत दिनों को जैसा कि उदाहरण में दिया है एकत्र जोडकर उस में ७ का भागदेदो जो शेष वचें उतनी संख्या तक उस वार से गिनलो बस अभीष्टवार मालूम होजायगा यदि शून्य शेष रहे तो जो वार अलग रक्खा है उस से प्रथमका वार जानना॥

१७४६

जनवरी	... ३१	जौलाई	... ३१
फरवरी	... २८	अगस्त	... ३१
मार्च ...	... ३१	सितम्बर	... ३०
अप्रैल	... ३०	अक्टूबर	... ३१
मई ...	... ३१	नवम्बर	... ३०
जून ...	... ३०	दिसम्बर	... ३१

०	१००	२००	३००
४००	५००	६००	७००
८००	९००	१०००	११००
१२००	१३००	१४००	१५००
१६००	१७००	१८००	१९००
२०००	२१००	२२००	२३००
२४००	२५००	२६००	२७००
२८००	२९००	३०००	३१००
३२००	३३००	३४००	३५००
३६००	३७००	३८००	३९००
४०००	४१००	४२००	४३००

०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	०	श	शु	बु	सो
१	७	१८	२४	२९	३५	४६	५२	५७	६३	७४	८०	८५	९१	०	सो	श	बृ	मं
२	८	१३	१९	३०	३६	४१	४७	५८	६४	६९	७५	८६	९२	९७	मं	र	शु	बु
३	१४	२०	२५	३१	४२	४८	५३	५९	७०	७६	८१	८७	९८	०	बु	सो	श	बृ
४	९	१५	२६	३२	३७	४३	५४	६०	६५	७१	८२	८८	९३	९९	बृ	मं	र	शु
१०	१६	२१	२७	३८	४४	४९	५५	६६	७२	७७	८३	९४	००	०	शु	बु	सो	श
५	११	२२	२८	३३	३९	५०	५६	६१	६७	७८	८४	८९	९५	०	श	बृ	मं	र
६	१२	१७	२३	३४	४०	४५	५१	६२	६८	७३	७९	९०	९६	०	र	शु	बु	सो

नोट—सदी के सन में ४०० का भाग और मामूली सन् में ४ का भाग देना चाहिये जिस सन् में बाकी कुछ न बचे उसकी फरवरी २९ दिनकी होगी।

(झांस्याम् लग्न सारिणी)

श्रीगणेशायनमः ॥ अथ झांस्यांस्वदेशीयलग्न सारणीयं विराजतेयं ॥झांस्यां, पलभः ।५। ।३०। अयनांशा ॥२३॥ चरखडा ।५५। ४४। १८। अयनांशा ६०। साठ-वर्षसे पलटता है सो सम्वत १९९३ से इस पञ्चाङ्ग में अयनांशा २३ का हुआ सो २३ के अयनांशा की लग्नसारणी नवीन तैयार की है येसारणी सं०२०१९ तक रहेगी।

०	००	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मे०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
०	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०
वृ०	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
१	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१
मि०	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
२	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५
सिं०	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
४	६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१
क०	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३२	३३	३३	३३	३४
५	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	३८	१९	३०	४१	५२	४
तु०	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
६	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४४
वृ०	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	३१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
७	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	१२	२५
ध०	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०
८	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	४८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०
म०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
९	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४४	५३	०	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९
कुं०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
१०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	२	९	१७	२४	३२	३९	४७	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४६	५३	१
मी०	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
११	८	१६	२३	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५३	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३

॥ ॐ ॥

प॰ अयोध्याप्रसाद वैद्य ज्योतिषी झांसीकृत.

श्रीसम्वत् १९०० शकः १७६९ आनन्दनाम संवत्सरः अत्रवर्षे राजा भृगुः मन्त्री भौमः दक्षिण देशे शोभन नाम संवत्सरः प्र॰ १ वृद्धः ११ क्षयः ।

ति.	चैत्र सुदी १५गु॰ ३५।-०चि॰ ५१।५५ ह०४-।३०फा ता०१३ई०ता०२१दि॰ ३१।२०
ग्र	सू॰१।२ चं॰६ मं॰८।२५ बु॰१।२ बृ॰११।१०शु॰११।२१श॰१०।२ रा॰९।१६के ३।१६
ति.	वैशाख सु॰ १४ श॰ १।३० स्वा० ९।१७ व॰ ४७।४१ दिनं ३२५९
ग्र.	सू॰११५कां।सू॰१।२९ चं॰७मं॰९।१०बु-२।८बृ॰११। शु॰११२श॰१०।३रा९।१४के३।१४
ति	ज्येष्ठसुदी १५ चं० १७।१८ ज्ये॰ २१।४४ शु॰५।२।३२दि॰ ३४।४० दिनम्
ग्र.	सू॰ २।२९ चं॰ ९ मं० ९।१८ बु॰ ३।३ बृ॰ ७।११ शु॰ २।० श॰१०।२ रा॰ ९।१३
ति.	आषाढ़ सु॰ १५ मं॰ ४०।४८ पू॰ ३९।५० ऐं॰ १०।५२।८।२४ दि॰ ३४।४० दिनम्
ग्र	सू॰ ३।२७ चं॰ ९ म॰ ८।१५ बु॰ ३।९ बृ॰ ११।६ शु॰ ३।६ श॰ ९।२९ रा॰ ९।११
ति.	श्रावण सु॰ १५ बृ॰ ८।४८ श्रा॰ १।१६ सौ॰ २३।३५ दि॰ ३२।५६
ग्र.	सू॰ ४।२५ च॰१०मं॰ ८।२२ बु॰४।२८ बृ॰ ११।२ शु॰ ४।११ श॰९।२७ रा॰ ९।१०
ति	भाद्रपद १५ शु॰ ४२।५९ श॰ २६।२ धृ॰ ४।।३० दि॰ ३१।१७
ग्र.	सु॰५।२३चं॰११मं॰९।५बु॰६।१८बृ॰१०।२८शु॰५।१७श॰९।२७रा ९।८मा॰सु॰४बृ.१०
ति.	आश्विन शु॰ १५ र० २२।४० रे॰ ६।०।० व्या॰ ६।०।० दि॰ २९।२८
ग्र.	सू॰ ६।२२ चं॰१२ मं॰ ९।२३ बु॰७।२२ बृ॰ १०।२६ शु॰ ६।२६ श॰९।२६ रा॰९।६
ति.	कार्त्तिक सु॰ १५ मं॰ ९।२ भ॰ ३०।१३ व्य॰ १७।३६ दिं॰ २६।५२ दिनम्
ग्र.	सू॰ ७।२२ च॰१ मं॰ १०।२३ बु॰ ७।७ बृ॰ १०।२७ शु॰ ८।३ श॰ ९।२७ रा॰ ९।५
ति.	मार्गशीर्ष सु॰ १५ बु॰ ५५।३१ रो॰ ५८।४३ ति॰ ३१।४६ दि॰ २५।५९ दिनम्
ग्र.	सू॰ ८।२२ चं॰ २ मं॰ १०।४ बु॰ ८।२३ बृ॰ ११।० शु॰ ९।८ श॰ ९।० रा॰ ९।३
ति.	पौष सुदी १५ गु॰ ३९।१५ आ॰ २४।५९ ए॰ ४२।२ दि॰ २५।४८ दिनम्
ग्र.	सू॰ ९।२३ चं॰ ३ मं॰ ११।२३बु॰ १०।१९ बृ॰११।५ शु॰ १०।१५श॰ १०।३ रा॰९।२
ति.	माघ सु॰ १५ र॰ १७।४९ श्ले॰ ४७।५६ सौ॰ ४६।१५ दि॰ २६।४८
ग्र.	सू॰ १०।१५चं॰५मं १२।१३ बु॰ १०।१९बृ॰ ११।१८ शु॰ १०।८ श॰ ९।२८ रा॰९।५
ति.	फागुन सुदी १५ चं॰ ४९।५९ मं॰ ७।१२ धृ॰ ५२।१० दि॰२८।२८ दिनम्
ग्र.	सू॰ ११ चं॰ ६ मं॰ १२।३ बु॰१०।२०बृ॰ ११।१८शु॰१२।२२ श॰१०।९ रा॰ ८।२९

श्रीसम्वत् १९०१ शाके १७६६

चै.	सुदी १५ बु० १८।१९ ह० २१।८ व्य० ५१।३१ दि० ३०।५२ दिनमू
ग्र	सू० १२।२१ चं० ६ म० १।२८ बु०१२ २१ वृ०११।२६ शु०२।३ श०१०।१३रा०८।२७
ात	वै० सु० १५ वृ० ३८।१४ स्वा० ३४।५९ शि० ५७।२९ दि० ३ २।३
ग्र	सू० १।२१ च० ७ मं० २।१८ बु० २।९ वृ० १२।३ शु० ३।६ श० १०।१४रा०८।२५
ते.	ज्येष्ठ शु० १४ शु० ५६।५९ श्रा० ४७।३४ शि० १२।३८ दि० ३३।३८
ग्र	सू० २।१८ च० ८ मं० ३।८ रा० २।९ वृ० १२।८ शु०४।४ श० १०।१४ रा०८।२४
त.	आषाढ़ सु० १५ र० १५।९ मू० ५७।२९ च० १७।६ दि०३३।५६
प	सू० ३।१७ चं० ९ मं० ३।२८ बु० ३।० वृ० १२।१२ शु०४।१६ श०१०।१३रा० ८।२२
ति	श्रा० आधिक सु० १५ च ३४।५६ उ १५।० मी० २४।२८ दि० ३३।१
ग्र.	सू० ४।१४ च०१० मं० ४।१६ बु०४।१९ वृ० १२।१३ शु० ३।६ श०१०।१०रा० ८।२१
त.	श्रा० सु० १४ मं० ५९।१० ध० ३१।३२ अ० ३०।५९ दि० ३१।२९
ग्र.	सू० ५।१२ च० ११ मं० ५।१ बु० ६।१० वृ० १२।१० शु० ४।१ श० १०।८ रा०९।१९
त	भादौ सु० १५ बु० २९।५५ उ० ५३।४८ वृ० ४४।२८. दि० २९।४८
ग्र.	सू० ६।११ चं० १२ मं० ५।२४ बु० ६।५ वृ० १२।६ शु० ४।२६ श० १०।७ रा० ८।१८
तं.	आश्विन सु० २५ श० ८।२७ अ० १९।३० शि० ५८।३३ दि० २८।२
मं.	सू० ७।११ च० १ मं० ६।११ बु० ७।० वृ० १२।३ शु० ५।२७ श० १०।७ रा० ८।१६
त.	कार्तिक सु० १५ र० ५३।४१ सु० ४१।५६ प० १२।५१ दि० २६।३६
ग्र.	सू० ८।१२ च० २ मं० ७।२० बु० ८।१७ वृ० १२।२ शु० ६।२ श० १०।८ रा०८।१५
ते.	मार्गशीर्ष सु० १५ मं० ४३।५ मृ० १६।३३ सु० २७।३१ दि० २६।०
ग्र.	सू० ९।११ चं० ३ मं० ७।२० बु०९।२८ वृ० १२।४ शु० ८।६ श० १०।१२ रा०८।१३
त.	पौष सु० १५ वृ० ३१।१२ पु० ५३।३४ प्रा० ४१।४८ दि० २६।४०
ग्र.	सू० १०।१२ चं० ४ म० ८।९ बु ९।१९ वृ० १२।९ शु० ९।१४ श० १०।१६ रा०८।११
ते	मा० सु० १५ श० १३।५९ मं० १९।२७ शु० ५२।५८ दि० २८।१४
ग्र	सू० ११।१२ चं० ५ मं०८।१७ बु० १०।२२ वृ० १२।१४ शु०१०।११ श० १०।१९ रा०८।१०
तं.	फा० सु० १५ चं० ४९।५९ मं० ७।१२ वृ० ५२।१० दि० २८। २८
ग्र.	सू०१२।११ चं०६ मं०९।१५ बु० ११।१४ वृ०१२।२१ शु० ११।१७ श० १०।२१ रा०८।८

श्रीसम्वत् १९०२ शाके १७६७

ति.	चैत्र सु० १५ मं० १७।२४ वि० ५८।५ व० १२।० द्दि० ३१।० दिनम्
ग्र.	सू० १।१० चं० ७ मं० १०।३ बु० १।२५ बृ० १२।२८ शु० १।४ श० १०।२५ रा० ८।७
ति.	वैशाख सु० १५ बु० ३९।४० वि० १५।५९ प० २०।५४ दि० ३३।११
ग्र.	सू० २।८ च० ८ मं० १०।१७ बु० १।१६ बृ० १।६ शु० २।१२ श० १०।२६ रा० ८।५
ति	ज्येष्ठ सु० १५ बृ० ५८।५२ ज्ये० २८।२० शु० २९।२४ दि० ३३।५
ग्र.	सू० ३।६ च० ९ मं० ११।१० बु० २।११ बृ० १।१२ शु० ३।१७ श० १०।२५ रा ८।३
ति.	आषाढ सु० १५ श० १४।३१ उ० ३७।२७ वि० ३०।१० दि० ३३।३१
ग्र.	सू० ४।५ च० १० मं० ११।४ बु० ४।२ बृ० १।१६ शु० ४।२३ श० १०।२३ रा० ८।१
ति	श्रावण सु० १५ र० ३२।२९ घ० ४९।५८ श० ३७।५४ दि० ३२।०
ग्र	सू० ५।३ च० १० मं० १०।२७ बु० ५।२८ बृ० १।१९ शु० ५।२८ श० १०।२१ रा० ८ १
ति.	भाद्रपद सु० १४ चं० ५४।२४ श० ६।४४ शु० ४६।२७ दि० ३०।४३
ग्र.	सू० ६।१ चं० ११ मं १०।२३ बु० ५।१६ बृ० १।१९ शु० ७।४ श० १०।१९ रा० ७।२
ति	आश्विन सु० १५ बु० २२।१ र० २२।५८ ह० ४९।४९ दि० २८।२८
ग्र	सू० ७।० च० १२ मं० ११।२ बु० ६।२५ बृ० १।१९ शु० ७।४ श० १० १८ रा० ७।२
ति.	कार्ति० सु० १५ बृ० ५७।२६ भ० ४२।०२ ख० ५७।२६ दि० २७ २४
ग्र.	सू० ७।२९ च० १ मं ११।१५ बु० ८ १४ बृ० १।११ शु० ८।१० श० १०।१८ रा० ७।२
ति.	मार्गशीर्ष सु० १५ श० ४०।३५ रा० ७।३८ श० १०।२१ दि० २६।१
ग्र	सू० ९।१ चं० २ मं २।१२ बु० ९।१६ बृ० १।९ शु० १०।१७ श० १०।२१ रा० ७।०
ति.	पौष सु० १५ चं० २९।३ पु० ४२।५ वै० २४।२५ दि० २६।२
ग्र.	सू० १०।३० च० ३ मं० १२।२१ बु० ९।७ बृ० १।८ श० १०।२४ रा० ७।२३
ति.	माघ सु० १५ बु० १८।५० श्ले० १४।२५ श० ४५।२३ दि० २९।२०
ग्र.	सू० ११।१ चं० ५ मं० १।१० बु० १२० बृ० १।१२ शु० ११।२१ श० १०।२ रा० ७।२१
ति.	फागुन सु० १५ शु० ४।३८ उ० ४८।५५ गं० ५७।५ दि० २८।२२
ग्र.	सू १२।१ चं० ६ मं० २।१ बु० १२।११ बृ० १।१७ शु० १।१९ श० १०।२ रा ७।१९

श्रीसम्वत् १९०३ शाके १७६८

ति.	चै० सु० १५ श०४३।० ह०१९।२७ व्य० १३।१३ दि० ३५।१४
ग्र.	सू० १।० च०६ मं २।१२ बु० १।७ बृ० १।२४ शु० ११।१६ श०११।५ रा० ७।१९
ति.	वै०.सु० १५ च० १३।५५ वि० ३४।३७ रा० २४।४३ दि० ३२।४१
ग्र.	सू० १।२८ च० ७ म० ३।७ बु० १।४ बृ० २।० शु० १२।१२ श० ११।७ रा० ७।१६
ति	ज्येष्ठ सु० १५ मं० ३०।२५ ज्ये० ५२।६ सा० ३७।११ दि० ३३।३४
ग्र.	सू० २।२७ चं ८ मं० ३।२६ बु० २।१७ बृ० २।७ शु० १।१३ श० ११।८ रा० ७।१५
ति.	आ० सु० १४ बु० ५४।४७ सू० ८।३८ सू० ४७।५२ दि० ३३।४०
ग्र.	सू० ३।२१ चं ९ मं० ४।१४ बु० ४।१४ बृ० २।१३ शु० २।१७ श० ११।७ रा ७।१३
ति	श्रा० सु० १५ शु० १४।४९ श्र० १८।३७ सौ० ४७।५६ दि० ३२।५६
ग्र	सू० ४।२२ च० १० मं० ५।४ बु० ५।१० बृ० २।२० शु० ३।२२ श ११।५ रा ७।१२
ति	भा० सु० १५ श० ३२।४६ श० ३०।२ शु० ५२।५३ दि० ३१।८
ग्र	सू० ५।२० च० ११ म ५।२२ बु ५।५ बृ० २।२४ शु० ४।२६ श० ११ ३ रा ७।१०
ति	आश्विन० सु० १५ र० ५३ ३७ उ० ४१।५६ बृ० ५२।५६ दि० २८।३०
ग्र	सू० ६।२० च० १२ मं० ६।११ बु० ६।१९ बृ० २।२५ शु० ६।३ श० ११।१ रा०७।९
ति.	का० सु० १५ मं० १७।२२ भ० ५४।२ सि० २।२२ दि० २७।५१
ग्र	सू० ७।१९ च० १ म ७।० बु ८।७ बृ २।२४ शु ७।२८ श० ११ ० रा० ७।७
ति	मार्गशीर्ष सु० १५ बु० ५१।२३ कृ० १२।३ रा० ६।२८ दि० २६।२८
ग्र	सू० ८।१९ च० २ म ७।१९ बु ८।२४ बृ २।२० शु ८।११ श ११।१ रा ७।६
ति.	पौष सु० १५ शु० ३०।२१ आ० ३५।१ वै० १०।१ दि० २६।२०
ग्र.	सू० ९।२० च ३ म ८।९ बु ८।२७ बृ २।१६ शु ९।२४ श ११।४ रा ७।४
ति.	माघ सु० १५ र० १५।२८ पु० २।२८ आ० २१।४ दि० २७।१०
ग्र.	सू १०।१९ च ५ म ९।० बु १०।१२ बृ २।१४ शु ११।२ श ११।७ रा ७।२
ति.	फागु० सु० १५ मं० ३।१६ पु० ४७।१७ शु० ४३।५२ दि० २८।३०
ग्र	[illegible] ११।२० च ५ म ९।१९ बु १२।४ बृ० २।१५ शु १।१७ श ११।११ रा ७।१

श्रीसम्वत् १९०४ शाके १७६९

ति.	चैत्रसुदी १५ बु० ५०।२५ उ० ५।१ ध्रु० ५७।४३ दि० ३०।२०
ग्र.	सू० १२।२३ च० ६ म १०।१३ बु० १। ०वृ २।१९ शु० ११।१९ श० ११।१४२ ६।२९
ति.	वैशाख सुदी १५ गु० ३१।३५ स्वा० ४०।४६ शि० १८।४६ दि० ३२।९
ग्र.	सू० १।२० च ७ म ११।२ बु १२।२४ बृ २।२६ शु २।२१ श ११।१८ रा ६।२७
ति.	ज्येष्ठ सुदी १५ र० ५।४४ अ० ६।४३ पु० उ० ३६।२ दि० ३३।४८
ग्र.	सू० २।१८ च ८ म ११।२३ बु २।२६ बृ ३।२२ शु ३।६ श ११।२० रा ६।२६
ति.	द्वि० ज्येष्ठ सु० १५ चं० ३३।१९ मू० २८।९ वा० ५१।३२ अं०ता० दिन म३४।४
ग्र	सू०३। १४ चं० ९ मं० १ ।१२ बु० ४।६ बृ० ३।८ शु० ४।२८ श०११।२७ रा०६।२४
ति	आषाढ़ सुदी १५ म ५५।४० उ० ४५।३० वि० ९।१६ दि० ३३।२६
ग्र.	सू० ४।१२ च० १० म १२।३० बु० ४।१८ बृ ३।१५ शु ५।२८ श ११।१९ रा ६।२३
ति.	श्रा० सु० १४ बु० २०।५१ श्र० ५६।५२ शो० १८।५३ दि० ३२।५
ग्र	सू० ५।१० च० १ म १।११ बु ४।२४ बृ ३।२१ शु ६।२० श११।१७ र ६।२१
ति	भद्रपद सु० १५ शु० ३५।२७ पु० ११।३७ ग० ७।६ दि० ३०।१०
ग्र.	सू० ६।९ च १२ म १।१३ बु ६।१६ बृ ३।२६ शु ६।१३ श ११।१४ रा ६।२०
ति	आश्विन सु० १४ श० ५३।५२ रे० २२।५७ ह १९।२५ दि० २८।३५
ग्र.	सू ७।७ च १ म १।८ बु ७।२९ बृ ३।२९ शु ६।४ श ११।१३ रा ६।१८
ति	का० सु० १५ चं० २१।३९ कृ० ३१।१० प० १२।५६ दि० २६।४०
ग्र	सू० ८।८ च २ म १।५ बु० ८।८ बृ ३।२९ शु ६।२२ श ११।१३ रा ६।१७
ति.	मार्गशीर्ष सु० १५ म० ५१।५४ मृ० ४५।५४ सु० १४।३३ दि० २६।५६
ग्र	सू० ९।८ च ३ म १।९ बु ८।१७ बृ ३।२६ शु ७।२१ श ११।१४ रा ६।१५
ति	पौ० सु० १५ बृ० २५।५३ मू० ४।१६ वि० १३।५४ दि० २६।१९
ग्र	सू० १०।८ च ४ म १।१९ बु १०।८ बृ ३।२३ शु ८।२४ श ११।१७ रा ६।१४
ति	माघ० सु० १५ श० ५।३६ भ ३०।३ श्र० ०।३५ दि० २७।१०
ग्र	सू० ११।१० च ५ म २।४ बु ११।२४ बृ ३।१९ शु १०।२ श ११।२० रा ६।१२
ति.	फागुन सु० १५ र० ४८।४६ उ० ५८।४९ ग० ३७।१४ दि० २७।२५
ग्र.	सू ११।८ च ६ म २।२० बु ११।२२ बृ ३।१८ शु ११।२४ श ११।२३ रा ६।१०

श्रीसम्वत् १९०५ शाके १७७०

ति	चैत्र सुदी १५ मं ३२।२१ चि० २९।५० व० ५८।२८ दि० ३१।३६
ग्र.	सू ११६ च ६ म ३।७ बु १०।१३ वृ ३।२१ शु १२।१२ श ११।२८ रा ६।९
ति.	वैशाख सु० १५ बृ १५।१३ वि० १।४५ प० २१।३२ दि० ३२।५५
ग्र.	सू २।५ च ८ म ३।२५ बु २।२६ वृ ३।२५ शु ११।८ श १२।१ रा ६।७
ति.	ज्येष्ठ सुदी १५ शु० ११।१६ ज्ये० ३५।३६ श ४४।३२ दि० ३३।४२
ग्र	सू ३।४ च ९ म ४।१३ बु ३।२८ वृ ४।२ शु २।२३ श १२।२ रा ६।६
ति.	आ० सु० १५ र० २२।४७ उ० ५९।३३ न ४।४२ दि० ३३।३२
ग्र.	सू ४।१ च १० म ५।२ बु ४।२९ वृ ४।७ शु ४।१ श १२।३ रा ६।४
ति.	श्रा० सु० १५ च० ५०।५ श्र० १९।१५ मा० २०।३५ दि० ३२।३१
ग्र	सू ५।१ च १० म ५।१८ बु ५।३४ वृ ४।१५ शु ४।७ श ११।० रा ६।२
ति.	भा० सु० १५ बु० १४।२५ पू० ३४।२३ श्र० २५।४० दि० ३०।४६
ग्र.	सू ५।२९ च ११ म ६।८ बु ६।९ वृ ४।२१ शु ६।१७ श ११।२९ रा ६।१
ति.	आश्विन सु० १५ बृ० ३७।३९ र० ४७।१५ व्य० ३०।३४ दि० २९।४
ग्र.	सू ६।२७ च १२ म ६।२८ बु ७।२३ वृ ४।०६ शु ७।१९ श ११।२७ रा ५।२९
ति.	कार्त्तिक सु० १५ श० ५४।३२ कृ० ५५।२० वृ० २४।२० दि० २७।३२
ग्र	सू ७।२७ च १ म ७।१७ बु ८।२३ वृ ५।१ शु ८।२५ श ११।२५ रा ५।२८
ति.	मार्गशीर्ष सु० १५ र० २६।१३ रो० १०।४९ म० २४।५ दि० २६।२८
ग्र	सू ८।२६ च २ म ८।८ बु ८।११ वृ ५।१ शु १०।३ श ११।२६ रा ५।२६
ति.	पौ० सु० १५ च ५३।४७ आ० २३।३५ ए २४।९ दि० २६।१६
ग्र.	सू० ९।२६ च ३ म ८।२८ बु १०।१ वृ ४।१ शु ११।८ श ११।२७ रा ५।२५
ति.	माघ सुदी १५ बु० २४।३० श्ले० ३७।४ सौ० २०।३७ दि० २७।२६
ग्र.	सू १०।२६ च ४ म ९।२० बु ११।१२ वृ ४।२६ शु १२।१२ श १२ रा ५।२३
ति.	फा० सु० १५ बृ० २८।२२ पू० ५७।१३ ध० २७।७ दि० २९।०
ग्र	सू० ११।२७ च० ६ म० १०।१३ बु० ११।५ वृ० ४।२३ शु० १।१३ श० १२।४ रा० ५।२२

सं० १९०६ शाके १७७१

ति.	चै० सु० १५ श० ३५।१४ ह० २१।२६ व० ३९।१५ दि० ३०।०
ग्र.	सू० १२।२६ चं० ६ मं० ११।१ बु० १।८ बृ० ४।२१ शु ११।३ श १।१७ रा० ५।२०
ति.	वैशाख सुदी १५ चं० १४।१४ वि० ५५।१४ व० ५९।२७ दि० ३२।२८
ग्र.	सू० १।२६ चं० ७ मं० ११।२१ बु० २।४ बृ० ४।२२ शु० २।२९ श० १२।१ रा ५।१९
ति.	ज्ये० सुदी १५ म० ५३।५२ अ० २०।२७ सि० २२।१८ दि० ३३।३८
ग्र.	सू० २।२२ चं० ८ मं० १२।१९ बु० ३।१० बृ० ०।२५ शु० १।१६ श० १२।१४ रा० ५।१७
ति.	आषाढ सु० १५ बृ० ३२।२२ पु० ५७।०८ ए० ४९।५३ दि० ३३।०
ग्र.	सू० ३।२१ चं० ९ मं० १।११ बु० ३।७ बृ० ५।० शु० २।६ श० १२।१६ रा० ५।१५
ति.	श्रा० सु० १५ श० ८।९ श्र० २५।५१ आ० १०।५३ दि० ३३।६
ग्र.	सू० ४।२० चं० १० मं० २।२ बु० ४।९ बृ ५।६ शु० ३।४ श० १२।१६ रा० ५।१४
ति.	भा० सु० १५ रा० ४१।२ श० ४९।५६ श्र० २०।२८ दि० ३०।४०
ग्र.	सू० ५।१८ चं० ११ मं० २।१८ बु० ६।६ बृ० ५।१२ शु ४।७ श० १२।१४ रा० ५।२२
ति.	आश्विन सु० १५ मं० ११।१२ उ० ५।५० घ० २६।२५ दि० ३०।२०
ग्र	सू० ६।१७ चं० १२ म० ३।२ बु० ७।११ बृ० ५।१९ शु० ५।१३ श० १२।११ रा० ५।१०
ति.	कार्त्तिक सुदी १५ बु० २९।१६ अ० २६।१६ सि० ४२।४३ दि० २८।६
ग्र	सू० ७।१६ चं० १ मं० ३।११ बु० ७।० बृ० ५।२५ शु० ६।१८ श० १२।९ रा ५।९
ति.	अगहन सुदी १५ शु० ६।९ रो० ३६।२७ शु० २६।४४ दि० २६।२४
ग्र.	सू. ८।१६ चं० २ मं० ३।१० बु० ८।५ बृ ६।१० शु ७।२४ श १२।८ रा. ५।७
ति.	पौष सुदी १५ श. ३२।३७ अ. ४२।२१ ब्रा, ३६।१७ दि. २५।५४
ग्र.	सू० ९।१५ चं० ३ मं० ३।० बु० ९।१० बृ० ६।२ श० ९।२ शु० १२।९ रा० ५।६
ति	माघ सुदी १४।२५।४४।१६ पु० ४।४७ प्री० ३६।१० दि० २६।२५
ग्र	सू० १०।१६ चं० ४ मं० २।२६ बु० १०।२६ बृ० ६।१० शु० १०।८ श० १२।१० रा० ५।५
ति.	फा० सु० १५ मं० २६।२९ मं० १४।३७ सु० ३१।९ दि० २८।२
ग्र.	सू० ११।१६ चं० ५ म० ३।१ बु० १०।१८ बृ० ५।२८ शु० ११।१६ श० १२।१४ रा० ५।३

सं० १९०७ शाके १७७२

ति.| चै०सु० १५ बु० ५४।३४ उ फ० ३०।३६ व्र० ३७।१७ इ० ता० २७ दि० ३२।१

गृ.| सू १२।२६ चं ६ मं ११ ५ बु १२।८ वृ ४।१ शु १ ३ श १२।७ रा ५।२०

ति.| अ० वै० सु० १५ सु० २५।५० स्वा० ५११४५ सि० ४५।५० दि० ३२।९

ग्र | सू० १।१४ चं० ७ म० ३।२७ बु० १।२५ बृ० ५।२२ शु० १।२९ श० १।२।२ रा० ५।०

ति.| वै० सु० १५ श० ५८।४२ वि० १५।७ प० ५।४ दि० ३३।२८

ग्र.| सू० २।१२ चं० ७ मं० ४।१३ बु० २।२८ वृ० ५।२२ शु० ३।४ श० १२।२४ रा० ४।२९

ति.| जे० सु० १५ च० ३३।५७ मू० ४६।५ सू० २५।५५ दि० ३४ ४

ग्र.| सू० ३।११ चं० ८ मं० ५।१ बु० २।२१ बृ० ५।२४ शु० ४।१० श० १२।२८ रा० ४।२७

ति.| अ० सु० १५ बु० १।।२१ उ० १६।३२ मी० ५११३७ दि० ३३।१२

ग्र.| सू ४।९ चं० १० मं० ५।१९ बु० ४।७ वृ० ५।२९ शु० ५।१६ श० १२।१९ रा० ४।२५

ति.| सा० सु० १५ वृ० ५०।२ ध० ४६।५५ शा० १३।१० दि० ३२।४

ग्र.| सू० ५।७ चं० १० मं० ६।७ बु० ५।२८ वृ० ६।४ शु० ६।२० श० १२।० रा० ४।२४

ति.| भा० सु० १५ श० २८।२८ पु० १४।५१ ग० ३३।५ दि० ३३।२१

ग्र | सू० ६।६ चं० ११ मं० ६।२६ बु० ६।२६ वृ० ६।११ शु० ७।२२ श० १२।७ रा० ४।२१

ति | आश्विन सु० १५ चं० ५।१४ अ० ४१।३७ वं० ४४।३ दि० २८।३४

ग्र.| सू० ७।६ च० १ म० ७।१६ बु० ६।१९ बृ० ६।१७ शु० ८।१९ श० १२।२५ रा० ४।२०

ति.| का० सु० १५ मं० ३९।१४ मं० ७।४१ प० ४ ।१८ दि० २६।५९

ग्र.| सू० ८।५ च० १ मं० ८।७ बु० ७।४ वृ० ६।२३ शु० ९।४ श० १२।२२ रा० ४।१९

ति.| मा० सु० १५ वृ० ११।३८ मू० १६।१३ सु० ४८।६ दि० २५।५६

ग्र.| सू० ९।५ चं० २ म० ८।२९ बु० ९।२२ बृ० ६।२८ शु० ८।२३ श० १२।२२ रा० ४।१७

ति.| पौ० सु० १५ शु० ३९।२० पू० ३०।१४ वे० ४८।४२ दि० २६।१८

ग्र.| सू० १०।५ चं० ३ मं० ९।२१ बु० १०।८ वृ० ७।१ शु० ८।२४ श० १२।२३ रा० ४।१६

ति.| मा० सु० १५ र ३८।६६ मघा २८।२२ अ ४१ १३ दिनम २७।१

ग्र.| सू ११।५ चं ५ मं १०।१३ बु १०।८ वृ ७।२ शु ९।१७ श १२।२५ रा ४।१४

ति.| फा० सु १५ चं ३०।५ उ फा ५१ ३५ गंड ४४.२७ दिनम २८.२८

ग्र.| सू १२।४ चं ६ मं ११।५ बु ११।२२ वृ ७।२ शु १०।१८ श १२।२३ रा ४।१६

सम्वत् १९०८ शाके १७७३

ति	चैत्र सुदी १५ म० ५४।४६ ह० ९।४७ ह० ५०।३५ दिं० ३१।१८
प्र.	सू० १।४ चं० ७ मं० ११।२८ बु०१।१५बृ०५।२७ शु०११।२२ श० १।२ रा० ४।११
ति.	वैशाख सुदी १५ वृ० १९।३१ वि० २४।७ व० ५५।२० दि० ३२५२
प्र.	सू० २।३ चं० ८ मं० १२।२१ बु० २।४ बृ० ६।२३ शु० १२।२८ श० १।६ रा० ४।९
ति.	ज्येष्ठसुदी १५ शु० ४६।८ ज्ये० ४४।३४ सा० १४।३१ दि० ३४।२
प्र	सू० २।० चं० ८ मं० ११।३ बु० २।९ बृ० ६।२२ शु० २।२ श० १।९ रा० ४।८
ति.	आ० सु० १५ र० १६।१३ पु० ८।१६ वि० ३०।४८ दि० ३३।५३
प्र	सू० ३।२९ चं० १९ मं० ४।१ बु० २।२६ बृ० ६।२३ शु० ३।८ श० १।१२ रा० ४।६
ति.	श्रा० सु० १५ चं० ५०।५१ श्र ३५।१३ सौ० ५१।९ दि० ३२।९
प्र.	सू० ४।२६ चं० १० मं० २।२५ बु० ५।१९ बृ० ६।२६ शु०४।१३ श०१।१३रा०४।५
ति.	भा० सु० १५ बु० ३१।१३ श० ४।२४ घ० १३।१६ दि० ३१।१५
प्र.	सू० ५।२५ चं० ११ मं० ३।१४ बु० ६।४ बृ० ७।२ शु० ५।२१ श० १।१२ रा०४।११
ति.	आश्विन सु० १५ शु० १२।२५ रे० ४०।२५ व० ३३।४० दि० २९।१
प्र.	सू० ६।२४ चं० १२ मं० ४।० बु० ६।१० बृ० ७।९ शु० ६।२८ श०१।१८रा०४।१
ति.	का० सु० १५ श० ५५।२७ आ० ३।६ व्या० ४८।२४ दि० २७।२१
प्र.	सू० ७।२३ चं० १ मं० ४।१३ बु० ७।२६ बृ० ७।१५ शु० ८।४ श० १।८ रा० ४।०
ति	मार्ग० सु० १५ चं० ३५।४७ रो० ३०।४३ शा० ५६।३१ दि० २६।९
प्र.	सू० ८।२४ चं० २ मं० ४।२१ बु० ९।१३ बृ० ७।२१ शु० ९।१२ श०१।६ रा०३।२८
ति.	पौष सु० १५ बु० १२।८ पु० ५१।६ ऐ ५४।११ दिनम् २५।५८
प्र.	सू० ९।२५ चं० ३ मं० ४।१८ बु० ९।११ बृ० ७।२७ शु० १०।१० श० १।६रा०३।२७
ति.	माघ सु० १५ बृ० ४१।५८ पु० ८।२८ आ० ६।४३ दि० २६।५६
प्र.	सू० १०।२४ चं० ४ मं० ४।९ बु० ९।२ बृ० ८।१ शु० ११।२५ श० १।६रा०३।२५
ति.	फा० सु० १५ श० ११।१४ पू०फा० २४।१८ व्रा० ५२।२५ दि० २७।४८
प्र.	सू० ११।२४ चं० ५ मं० ४।३ बु० ११।२० बृ० ९।२ शु० १।२ श०१।९ रा० ३।२४

सम्वत् १९०९ शाके १७७४

ति.	चैत्र सुदी १५ र० ३३।२९ ह० ३७।१५ ध्रु ७।६ दिनम् ३१।४४
म.	सू० १२।२३ चं० ६ मं० ४।७ बु० १।५ बृ० ८।१ शु० २।६ श० १।१३ रा० ३।२२
ति.	वैशाख सु० १४ चं ११ १स्वा० ४६।२६ सि० १३।१९ दिनम् ३३।५
म.	सू० १।२१ चं० ७ मं० ४।१८ बु० १।१० बृ० ७।२८ शु०३।७श० १।१७ रा०३।२१
ति.	ज्येष्ठसुदी १५ बु० १५।४१ अ ०।१९ सि० १३।४५ दिनम् ३३।२८
म.	सू० २।२० चं० ८ मं० ५।२ बु० २।१ बृ० ७।२४ शु० ४।६ श० १।२१ रा० ३।१९
ति.	आषाढ सुदी १५ गु० ३७।२१ मू० १६।१९ प्रा० २५।२२ दिनम् ३३।२६
म.	सू० ३।१८ चं० ९ मं० ५।१९ बु० ३।२४ बृ० ७।२२ शु० ४।११ श० १।२४रा०३।१७
ति.	श्रा० सुदी १५ श० २२।२८ श्र० २६।२० आ० २६।१५ दिनम् ३२।२०
म.	सू० ४।१६ चं० १० मं० ६।७ बु० ५।१३ बृ० ७।२२ शु० ३।२५ श० १।२६रा०३।१६
ति.	आश्विक भादो सुदी १५ र० ३३।५४ श० ६०।० सु० ५४।१२ दिनम् ३०।५०
म.	सू० ५।१४ चं० ११ मं० ६।२५ बु० ५।२३ बृ० ७।२५ शु०४।२ श०१।२७रा० ३।१४
ति.	द्वि०भादों सु० १५ मं० ११।५७ उ० २८।४७ प्रा० १३।८ दिनम् ३०।२५
म.	सू० ६।१३ चं० १२ मं० ७।१५ बु० ६।२ बृ०८।२शु० ४।२८ श० १।२६रा० ३।१३
ति.	आश्विन सु० १५ बु०५६।१ आ० ५८।३३ वा० ३०।१६ दिनम् ३०।३
म.	सू० ७।११ चं०१ मं० ८।५ बु० ७।११ बृ० ८।६ शु० ५।२९श० १।२४ रा० ३।११
ति.	कार्तिकसु० १५ श० ४१।५३ कृ २८।३४ श० ४७।१५ दिनम् २९।१
म.	सू० ८।१२ चं० २ मं० ८।२७ बु० ९।४ बृ० ८।१३ शु० ७।८ श० १।२२रा०३।१०
ति.	मार्ग० सु० १५ र० २८।३९ अ द्रा ६०।० ब्रा० १८।४३ दिनम् २६।२०
म.	सु० ९।१५ चं० ३ मं० ९।१९ बु० ८।२६ बृ०८।२० शु० ८।९ श० १।२०रा० ३।८
ति.	पौष सु० १५ मं० १०।८ पु० २४।१० सौ० ७।४२ दिनम् २६।८
म.	सू० १०।१४ चं० ४ मं० १०।११० बु० ९।२५ बृ० ८।२६ शु० ९।१७ श०१।२०रा०३।६
ति.	माघसु० १५ बु० ४५।१२ मा० ४४।११ आ०१५।११ दिनम् २७।५२
म.	सू० ११।१४ चं० ५ मं० ११।२ बु० ११।१४ बृ०९।१०शु०१०।२३ श०१।२१ रा०३।३
ति.	फा०सु० १५ गु० १३।५७ उ० ०।५० वा० १५।५० दिनम् ३१।२०
म.	सू० १२।१३ चं० ६ मं० १२।० बु० १२।२८ बृ० ९।३ शु० १२।१श० १।२४रा० ३।३

सम्वत् १९१० शाके १७७५

ति.	चै० सु० १५ श्र २५।२१ ध्रि० १५।५२ व २३।२ दि० ३१।४४
ग्र.	सु १।१२ च० ७ म १२।१२ बु १२।२० बृ ९।४ शु १।७६ श २।२७ रा ३।२
ति	वै० सु० १५ र. ५३।५० म० २९।९ प० ३०।२९ दि० ३३।५
ग्र.	सू २।९ च ८ म १।१६ बु १।२४ वृ ९।१ शु २।१३ श २।२ रा ३
ति	ज्यष्ठ सु० १५ मं० १५।२ मू० ३०।४८ शु० ३१।११ दि० ३३।२८
ग्र.	सू ३।८ च ९ म २।५ बु ३।१९ वृ ८।२७ शु ३।१९ श २।५ रा २।२९
ति.	आष ढ सुदी १५ बु० ३३।१३ उ० ५१।४८ वि० ४०।५१ दिन० ३३।२६
ग्र.	सू ४।६ च १० मं २।२६ बु ५।१ वृ ८।२४ शु ४।२९ श २।९ रा २।२७
ति	श्रावण सु० १५ वृ० ५५।५ श्र० ९।१८ सौ० ५१।२१ दि० ३२।२०
ग्र.	सू ५।४ चं ११ मं ३।१५ बु ४।१० वृ ८।२३ शु ६।० श २।११ रा २।२५
ति.	भादपद्र सु० १५ श० २२।२५ पु० २६।५० स० ५७।३ दि० ३०।५०
ग्र.	सू ६।१ च १२ मं ४।४ बु ५।२६ वृ ८।२५ शु ७।९ श २।११ रा २।२४
ति.	आश्विन सु० १५ र० ५७।१३ र ४८।४६ व्य० १।१ दि० ३०।३
ग्र.	सू ९।२ च ३ मं ५।२० बु ८।१३ बृ ९।११ शु १०।१९ श २।६ रा २।१९
ति.	कार्त्ति० सु० १५ मं० ३९।३९ भ० १६।१० व० २६।३२ दि० २९ १
ग्र.	सू ८।१ चं २ मं ५।६ बु ८।२२ बृ ९५ शु ९।१६ श २।६ रा २।२१
ति.	अगहन सु० १५ बृ० २७।४६ मृ० ५१।२९ शु० ४२।८ दि० २६।२०
ग्र.	सू ९।२ च३ मं ५।१८ बु ७ १० बृ ९।११ शु १०।१६ श २।६ रा २।१९
ति.	पौष सु० १५ श० २७।९ पु० ३२।२० वि० ५७।८ दि० २६।८
ग्र.	सू १०।३ चं. ४ म ५।४ बु ९।१५ बृ ९।१८ शु ११।१५ श २।४ रा २।१८
ति.	माघ सु० १५ च० ३।१० म०.५३।१४ सौ० १।२ दि० २७।५२
ग्र	सू ११।३ च ५ मं ५।१८ बु ११।११ बृ ९।२५ शु ११।२० श २।४ रा २।१६
ति.	फागुन सु० १५ म ४२ २२ पु० १६।११ शु० २२।२८ दि० ३१।२०
ग्र.	सू० १२।२ च ५ म ५।९ बु १२।१२ बृ १०।१ शु ११।६ श २।६ रा २।१५

सम्वत् १९११ शाके १७७६

ति	चै० सु० १५ मू० १४।८ चि० ३६।५७ रु० २९।२१ दि० ३१।२९
ग्र.	सू० १।३ च ६ म ५।१ बु० १२।५ बृ० ७।१० सु ११।६ श २।९ रा २।१३
ति	वै० सु० १५ शु ३८।५० वि० ५३।१६ व ३९।३८ दि० ३६।२५
ग्र.	सू २।० च ७ म ५।१२ बु १।१५ बृ १।३१ शु १२।१३ श २।१२ रा २।१०
ति.	ज्येष्ठ सु० १४ श ४।९ अनु० ११।१ सा० ३८।३० दि० ३३।२५
ग्र	सू २ २७ च ८ म ५।२३ बु ३।८ बृ १।६ शु ११।४ श २।१६ रा २।९
ति.	आ० सु० १५ च० १५।३५ उ० १९।३४ ब्रि० ४९।१० दि० ३३।५०
ग्र	सू ३।२५ च ९ म ६।८ बु ४।१५ बृ १०।३ शु ३।१८ श २।१८ रा २।८
ति.	श्रा० सु० १५ म० ३१।३२ श्र० ३१।३२ आ० ५५।१६ दि० ३२।२७
ग्र.	सू ४।२३ च १० म ६।३६ बु ४।८ बृ ९।२८ शु ३।२२ श २।२५ रा २।७
ति	भा० सु० १५ बु० १२।१६ सा० ४४।११ शु० १३।५८ दि० ३०।३१
ग्र	सू ५।२२ च ११ म ७।१५ बु ५।१९ बृ ९।२५ शु ४।२९ श ६।२२ रा २।६
ति	आश्विन सु० १५ शु० १७।७ रे० ५८।२४ ध० ११।२३ दि० २९।३०
ग्र.	सू ६।२१ च १२ म ८।१ बु ७।८ बृ ९।२७ शु० ६।४ श २।२६ रा २।४
ति	कार्ति० सु० १५ श० ४८।१ अ० १७।१४ सि० १९।३१ दि० २७।५७
ग्र	सू ७।२० च १ म ८।२५ बु ८।७ बृ १०।० श ७।११ श २।२५ रा २।२
ति	मा० सु० १५ च० २८।३ रो० ४२।२८ सि० २४।९ दि० २६।४०
ग्र	सू ८।२० च २ म ८।१९ बु० ७।२९ बृ १०।१ शु ८।१८ श २।२३ रा २।१
ति	पौ० सु० १५ बु १४।७ आ० १०।३१ वै० ३८।६ दि० २६।२४
ग्र.	सू ९।२१ च ३ म १०।१० बु ९।१३ बृ १०।१२ शु ९।२६ श २।२० रा १।२९
ति	मा० सु० १५ शु० ३।९ श्ले० ४८।५ सि० ४४।४५ दि० २७।१०
ग्र	स १०।२० च ४ मं ११।४ बु ११।४ बृ १०।१८ शु ११।१२ श २।१९ रा १।२७
ति	फा० सु० १५ श० ५३।८ म० १३।११ शू० ५।५४ दि० २८।३९
ग्र.	सु ११।२१ च ५ मं ११।२४ बु ११।२८ बृ १०।२५ शु १२।१० श २।२० रा १।२५

सम्वत् १९१२ शाके १७७७

ति.	चै० सु० १५ चं० ३४।२८ ह० ४६।४५ घ० २७।५३ दि० ३०।२
ग्र	सू० १२।२० चं० ६ मं० १२।२२ बु० १०।२३ बृ० ११।३ शु० ११।८ श० २।२१ रा० १।२३
ति.	वै० सु० १५ बु० ९।० स्वा० ०।५४ व्य० ४०।५५ दि० ३२।३०
ग्र.	सू० १।२० च ७ मं० १।१४ बु० १।१३ बृ० १।१८ शु० २।२५ श० २।२४ रा० १।२१
ति	ज्येष्ठ सु० १५ बृ० ३६।१० अ० ३।१६ सि० ५३।१० दि० ३३।४४
ग्र.	सू० २।१८ चं० ८ मं० २।४ बु० ३।४ बृ० ११।११ शु० ३।२७ श० २।२८ रा० १।२०
ति.	आ० सु० १४ शु० ५५।३८ मू० ४७।३१ शु० २१।२१ दि० ३४।३
ग्र.	सू० ३।१६ चं० ९ मं० २।२६ बु० ३।२४ बृ० ११।१२ शु० ३।१ श० ३।१ रा० १।१८
ति	अधिक आ० सु० १५ र० १५।५२ उ० ५६।१ प्री० १४।१८ दि० ३३।१
ग्र.	सू० ४।१४ च० १० मं० ३।१५ बु० ३।२५ बृ० ११।१० शु० ५।२८ श० ३।५ रा० १।१७
ति	श्रा० सु० १५ च० ३३।३४ ध० १२।८६ आ० २०।४९ दि० ३३।५
ग्र.	सू० ५।११ चं० ११ मं० ४।५ बु० ५।१२ बृ० ११।७ शु० ६।२२ श० ३।८ रा० १।१५
ति.	भा० सु० १४ म० ५३।३ पू० २।४ ग० २५।२१ दि० ३०।२१
ग्र	सू ६।११ च ११ म ४।२३ बु ७।५ बृ ११।१ शु ६।३ श ३।१० रा १।१३
ति	कु० सु० १५ पू० १६।३७ आ० २३।३४ व० २५।१९ दि० २८।११
ग्र	सू० ७।९ च० १ म ५।१० बु० ७।१८ बृ० ११।१ शु० ६।३ श० ३।१० रा १।१२
ति.	कार्ति० सु० १५ श० ४५।२५ कृ० ४९।१८ प० ३०।५३ दि० २६।०
ग्र.	सू० ८।९ च० २ म० ५।२६ बु० ७।२९ बृ० ११।३ शु० ६।२१ श० ३।९ रा १।१०
ति	अगह० सु० १५ र० २१।६ मृ० ८।३९ शु० २७।५० दि० २५।५६
ग्र	सू० ९।९ च० ३ म० ६।११ बु० ९।१० बृ० ११।७ शु० ७।१० श० ३।० रा० १।९
ति.	पौ० सु० १५ मं० ३।१० पू० ३६।५१ प्री० ३५।४३ दि० २६।१७
ग्र	सू० १०।१० च० ४ मं० ६।२२ बु० १०।२६ बृ० ११।४ शु० ८।२८ श० ३।४ रा० १।८
ति.	मा० सु० १५ बु० ४८।३ श्ले० ०।४८ अ० ५०।४५ दि० २८।४०
ग्र.	सू० ११।१० च० ५ म० ६।२७ बु० १०।१९ बृ० ११।२० शु १०।२ श० ३।२ रा० १।५
ति	फा० सु० १५ शु० ३६।५० उ० ३८।३१ ग० ९।२० दि० २८।२६
ग्र	० १२।१० च० ६ म० ६।११ बु० ११।११ बृ० १०।२८ शु० १।१६ श० ३।४ रा० १।१

सम्वत् १९१३ शाके १७७८

ति	चै० सु० १५ र० २०।४१ चि० ८।५५ व० ३१।१० दि० ३१।४६
ग्र.	सू० ११९ च ७ म० ६।१० बु० ०।१६ बृ० १।१४ शु० १२।१५ श० ३।५ रा० १।४
ति	वै० सु० १५ च० ५८।१४ वि० ३८।४२ प० ५९।२८ दि० ३३।१३
ग्र	सू० २।७ च० ७ म० ६९ बु० २।२३ बृ० १।२।७ शु० १।१७ श० ३।८ रा १।२
ति.	ज्ये० सु० १५ बु० २९।५२ ज्ये० ३।३० शु० १०।२ दि० ३४।३
ग्र.	सू० ३।१ च० ९ म० ६।१७ बु० ३।२७ बृ० १२।१६ शु० २।३ श० ३।३ रा १।१
ति	आ० सु० १५ बृ० ५३।४२ पु० २३।४ वै० २५।१८ दि० ३३।५३
ग्र.	सू० ४।५ च० ९ म० ६।४ बु० ३।१९ बृ० १२।१७ शु० ४।४ श० ३।१ रा० १।२९
ति.	श्रा० सू० १५ श० १५।७ ध० ३८।२७ सौ० ३०।१६ दि० ३२।८
ग्र.	सू० ५।३ च० १० म० ७।१८ बु० ५।१० बृ० १२।१७ शु ५।१० श ३।२० रा १२।१८
ति.	मा० सु० १५ र० ३५।१२ पु० ४९।४६ शु० ३६।२३ दि० ३०।४५
ग्र.	सू ६।० चं ११ मं ८।६ बु ६।२६ बृ १२।१४ शु० ६।१५ श० ३।२३ रा० १२।२६
ति.	आश्वि० सु० १४ व० ५३।५९ उ० ५।५० व्य० १९।२६ दि० २९।१
ग्र.	सू ६।२८ चं १२ मं ८।२८ बु ६।१६ बृ १२।१० शु० ७।२१ श० ३।२५ रा० १२।२५
ति.	का० सु० १५ बु० १९।२५ म० १४।३८ प० ३२।५० दि० २७।२०
ग्र	सू ७।२८ चं १ मं ९।१८ बु ७।१५ बृ १२।८ शु ८।२८ श ३।२५ रा १२।२३
ति	अगहन सु० १५ बृ० ४६।४३ रो० २५।१५ सा० ३३।५६ दि० २६।८
ग्र	सू० ८।२७ च० २ मं० १०।१० बु० ८।२० बृ० १२।५ शु० ९।२८ श० ३।२३ रा १२।२१
ति.	पोष सु० १५ श० १८।४० पु० ४०।२७ वै० ३१।३२ दि० २६।८
ग्र	पौ० व० २ बु० ९ पौ० व० ४ शु १०
ग्र.	सू ९।२९ च ४ मं ११।४ बु १०।१६ बृ १२।११ शु ११।१० श ३।२१ रा १२।१०
ति.	मा० सु० १५ र० ५५।५० पुष्य ०।५८ सौ० ३७।१४ दि० २७।८
ग्र	सू १०।२९ चं ४ मं ११।२५ बु १०।२४ बृ १२।१५ शु १२।१४ श ३।१९ रा १२।१८
ति.	फाल्गुन सुदी १५ भौम ३७।४० पू० २८।३० शू० ६०।३८ दिन २८।८
ग्र.	सू ११।२९ चं ५ मं १२।१६ बु १०।२९ बृ १२।१९ शु १।१ श ३।१८ रा १२।१८
ति.	चैतवदी १ बुध ११ चैतवदी ११ बु १२

सम्वत् १९१४ शाके १७७९

ति.	चै० सु० १५ भृ० १९।११ चि० ६०।० व्य० ९।७ दि० ३०।५६
ग्र.	सू १२।२८ च० ६ म० १।१२ बु० १।३ बृ० १।० शु० २।२ श० ३।१८ रा० १२।१५
ति.	वै० सु० १५ श० १।५५ वि० ३४।१६ व० ३२।११ दि० ३२।२
ग्र.	सू० १।२७ च० ७ म० २।२४ बु० २।१६ बृ० १।७ शु० १।२० श० ३।२० रा० १२।१३
ति.	ज्येष्ठ सु० १५ र० ४१।४३ अनु० ०।१ सा० ५२।१८ दि० ३३।५८
ग्र.	सू० २।२५ च० ८ मं २।२४ बु० २।९ बृ० १।१२ शु १।१८ श ३।२४ रा० १२।१२
ति.	आ० सु० १५ श० १५।३२ पू० ३२।३१ ए० १७।३३ दि० ३३।५८
ग्र	सू० ३।२३ च० ९ म ३।१४ बु० ३।११ बृ० १।१८ शु० २।९ श० ३।२७ रा० १२।१०
ति.	श्रावण सु० १५ बु० ४५।१ श्र० ५५।१५ श० ३५।१२ दि० ३३।६
ग्र.	सु० ४।२१ च० १० म ४।१ बु० २।१३ बृ० १।२३ शु० ३।७ श० ४।१ रा० १२।९
ति	भा० सु० १५ शु० ११।२५ श० १३।३४ धृ० ४२।४८ दि० ३१।११
ग्र	सू० ५।२० च ११ म ४।२२ बु ६।१६ बृ १।२४ शु ४।१० श ४।५ रा १२।७
ति.	आश्विन सु० १५ शु० ३५।४५ उ० २८।३७ घु ४८।२४ दि० २९।२०
ग्र.	सू० ६।१८ च० १२ म० ५।१० बु० ६।० बृ० १।२३ शु० ५।१४ श० ४।८ रा० १२।८
ति.	का० सु० १४ र० ५।३ अ० ४४।२३ स० ५२।५ दि० २७।२७
ग्र.	सू० ७।१७ च० १ म० ५।२९ बु० ७।८ बृ० १।९ शु० ६।२० श० ४।६ रा० १२।४
ति.	अ० सु० १५ म० २४।६ रो० ४८।४७ सि० ४४।१६ दि० २६।१५
ग्र.	सू० ८।१७ च० २ म० ६।१६ बु० ८।२७ बृ० १।१५ शु० ७।२६ श० ४।९ रा १२।३
ति.	पौ० सु० १५ बु० ५०।३४ मृ० ८।४४ ब्र० ४३।५७ दि० २५।५३
ग्र.	सू० ९।१७ च० ३ म० ७।३ बु १०।६ बृ १।१४ शु ९।३ श ४।७ रा १२।१
ति.	मा० सु० १५ शु० १९।२३ पु० १५।२७ आ० ३८।५२ दि० २६।३६
ग्र.	सू० १०।१७ च० ४ म० ७।१७ बु० ९।२२ बृ० १।१५ शु १०।११ श ४।५ रा ११।२९
ति	फा० सु० १५ श० ५९।१९ म० ३२।४६ सु० ४४।४ दि० २८।३२
ग्र.	सू० ११।१७ च० ५ म० ८।० बु० ११।० बृ० १।१८ शु० ११।१८ श० ४।३ रा० ११।२८

सम्वत् १९१५ शाके १७८०

ति	चै० सु० १५ च० २६।३३ ह० ५५।४२ ध्रु० ५३।३६ दि० ३०।२२
ग्र.	सु० १२।१७ च० ६ म० ८।८ बु० १२।२३ वृ० १।२४ शु० १२।१४ श० ४।२ रा ११।२६
ति.	वै० सु० १५ बु ३।४८ स्वा० २४।२ लि० ९।१२ लि० २६।५७
ग्र.	सू० १।१५ च० ७ म० ८।५ बु० १।२९ वृ० २।१ शु० २।२९ श० ४।३ रा० ११।२५
ति.	अ० ज्येष्ठ सु० १५ शू० ४२।१५ अनु० ५४।१ शि० ३३।८ दि० ३३।२९
ग्र.	सू० २.१४ चं० ८ मं० ७।७ बु १।२१ वृ २।७ शु ३।५ श ४।५ रा ११।२३
ति	ज्येष्ठ सुदी १५ श० २१।१२ मू० २५।२९ ध्रु ५९।४२ दि० ३४।१७
ग्र	सू ३।१२ चं ९ मं ७।२७ बु ३।६ वृ २।१५ शु ४।१४ श ४।९ रा ११।२२
ति.	अ० सु० १५ रा० ५८।२३ उ० ५५।३७ वि० २२।२७ दि० ३३।३६
ग्र.	सू ४।१० चं १० मं० ८ बु ४।२८ वृ २।२१ शु ५।१८ श ४।१२ रा ११।२०
ति	आ० सु० १५ म० ३३।२५ ध० २२।१८ अ० ४२।५७ दि० ३२।९
ग्र	सू ५।९ चं ११ मं ८।१५ बु ६।३ वृ २।२६ शु ६।२१ श ४।१६ रा ११।१८
ति.	भा० सु० १५ वृ० ५।३७ पु० ४४।२२ वृ० ५३।०८ दि० ३०।२१
ग्र.	सू ६।० चं १२ मं ९।३ बु ५।२३ वृ २।२९ शु ७।२२ श ४।१९ रा ११।१७
ति.	क्वार सु० १५ शु० ३५।२७ र० ४।१ ह० ५।५० दि० २८।३१
ग्र.	सू ७।७ चं १ मं ९।२२ बु ७।४ वृ २।२८ शु ८।२० श ४।२२ रा ११।१५
ति.	का० सु १५ र० ५५।२ सू १७।५८ प० ५२।१५ दि० २६।३०
ग्र.	सू ८।७ चं २ मं १०।१४ बु ८।२४ वृ २।२७ शु ९।० श ४।२३ रा ११।१४
ति.	अगहन सु० १५ सु० ३०।३४ मृ० ३०।३४ शु० ५४।११ दि० २५।४४
ग्र.	सू ९।६ चं ३ म ११।५ बु ९।१२ वृ २।२३ शु ८।१८ श ४।२२ रा ११।१२
ति	पौष सु० १४ मं० ५४।६ पु० ४२।३९ वै० ५४।३ दि० २६।११
ग्र.	सू१०।७ चं४ ५४ मं० ११।२८ बु० ९।११ वृ०२।२० शु०८।२२श०४।२१ रा० ११।११
ति.	मा० सु० १५। वृ० २३। ४१ म० ५११५८ अ ५०।२५ २७।०
ग्र.	सू० ११।६ चं० ५ मं० १२।१९बु० १०।२५ वृ० २।१९ शु ९।१७श० ४।१८ रा० ११।९
ति.	फा० सु० १५ शुक्रे ५०।४२ पूर्वा फा० ९।४० शू० ०।५९ दि० २८।३
ग्र	सू १२।६ चं ५ म १।१० बु ११।१८ वृ २।२२ शु १०।२१ श० ४।१६ रा० ११।७
ति.	फा०व० १ बु० ११ चैतबदी ९ बु० १ चै तबदी ८ शु० ११

सम्वत् १९१६ शाके १७८१ (प्रजापतिनामसम्वत्सरे)

ति.	चै. सु. १५ र० १९।१३ चि० २६।५० ह० ४।१७ दि० ३।१२०
ग्र.	सू० १।५ च ६ अ २।२ बु० १।६ बृ २।२७ शु ११।२५ श ४।१६ रा १।१६
ति.	वै. सु. १५ च० ५०।४० वि ४९।११ व १८।५० दि० ३२।५३
ग्र.	सू० २।४ च ७ मं २।२ बु १।९ बृ ३।१ शु १।२ श ४।१७ रा १।१४
ति.	ज्ये. सु. १५ बु. २३।५९ ज्ये. १५।१४ शु ३७।२६ दि. ३४।३
ग्र.	सू० ३।२ चं ९ मं ३।१२ बु २।२७ बृ ३।९ शु २।५ श ४।१९ रा १।१३
ति.	आ० सु० १५ शु० ०।६ उ० ५०।२२ वै० ०।५० दि० ३३।५३
ग्र.	सू० ४।० चं० १० मं ४।२ बु ४।२० बृ ३।१५ शु ३।१२ श ४।२३ रा १।११
ति.	श्रा० सु० १५ श० ३८।३६ श्र ३४।३० सौ० २४।३२ दि० ३२।४७
ग्र	सू० ४।२८ च १० मं ४।२० बु ५।१८ बृ ३।२२ शु ४।१६ श ४।२८ रा १।१०
ति,	भा० सु० १५ च० १८।० पू० ४९।३९ शु० ४६।३४ दि० ३१।१५
ग्र.	सू ५।२७ चं ११ मं ५।९ बु ५।१३ शु ३।२८ श ५।२४ रा १०।२८
ति.	कु० सु० १५ मं० ५६।२७ उ० ११।४४ ध्रु० ३।१ दि० २९।२७
ग्र.	सू ६।२५ चं १२ मं ५।२८ बु ६।२७ बृ ४।२ शु ७।० श ५।४ रा १०।२१
ति.	का० सु० १५ बृ० ३२।४४ आ० ३७।९ व्य० १२।३२ दि० २७।२०
ग्र.	सू० ७।२५ चं १ मं ६।१६ बु ८।१६ बृ ४।३ शु ८।७ श ५।६ रा १०।२५
ति.	अग० सु० १५ शु० ६।१ मृ० ५३।१० सा० १३।४० दि० २६।८
ग्र.	सू ८।२६ चं २ मं ७।५ बु ८।२४ बृ ४।२ शु ९।१४ श ५।७ रा १०।२४
ति	पौ० सु० १५ र० ३६।१८ आ० ११।२ पे० १५।५३ दि० २६।७
ग्र.	सू० ९।२५ चं ३ मं ७।२७ बु ९।५ बृ ३।२९ शु १०।२२ श ५।६ रा १०।२२
ति.	मा० सु० १५ मं ५७।२६ श्ले० २०।१२ शौ० ९।१८ दि० २७।१८
ग्र.	सू० १०।२६ चं ४ मं ८।११ बु १०।२१ बृ ३।२५ शु ११।२९ श ५।४ रा १०।२०
ति.	फा० सु० १५ बु० २८।२८ बु० ३३।१४ धृ० १९।८ दि० २८।५
ग्र.	सू० ११।२५ चं ५ मं ८।२५ बु १२।१० बृ ३।२२ शु ०।१३ श ५।२ रा १०।१८

सम्वत् १९१७ शाके १७८२

ति.	चै० शु० १५ बु ५२।९ ह० ४६।१८ ध्रु १४।४२ दिन २९।५
ग्र.	सू० १२।२३ चं६ मं१०।१२बु०११।१५ बृ०२।१६शु० २।५ श५।१ रा०९।१५ के ३।०
ति.	वै० सु० १५ श० १६।१० स्वा १।५९ व्य० १६।३० दिन ३२।३९
ग्र.	सू ।२३चं७ मं ९।२५ बु १२।२६बृ०३।२७शु०।२५श०४।२५ रा०९०।१६वै-ब०८बु०
ति.	ज्य० सु० १५ र ४०।५७ अ० १९।५२ शि० २९।४ दिन ३३।१५
ग्र.	सू० २।२० चं ८ मं १०।६ बु २।१८ बृ० ४।२ शु० ४।०० श० ५।०० रा ९।१३
ति.	आ० सु० १५ मं ८।३२ पू० ४२।५५ पं ४३।९ दिन ३४।१७
ग्र	सू ३।१९चं९।१७मं१०।१४ बु०४।११बृ०४।१०शु०४।१०श५।४ रा१०।१९अ०सु१बृ०६
ति.	श्रा० सु० १५ बु० ४०।३१ ऊ ४।५३ प्री ३।४५ दिन ३३।३५
ग्र.	सू० ४।१६ च १०।९ मं १०।८ बु०४।२४बृ०४।१७शु० ३।२४ श५।८रा १०।८ स्तशु३श६
ति.	भा० सु० १५ शु० १७।४४ श ३७।४१ शु० २४।३४ दिन ३२।७ शु ४ द्वि अ १४
ग्र.	सू५।१५चं११।१२ मंवक्री१०।१बु५।१बृ०४।२३शु४।३श०५।१२रा० १०।८भा०व०७बु५
ति.	आ० सु० १५ श० ५९।२७ पू १।३१ बृ० ४४।३८ दिन ३०।१९
ग्र.	सू० ६।१४ चं १२।३ मं० १०।१२ बु० ६।१८ बृ०४।२९ शु०४।२८श ५।१५ रा०१०।६
ति.	द्वि आ० सु० १५ श ४३।६ पू० १।३१ बृ २०।० दिन ३०।१९
ग्र.	सू ६।१४ चं १२।३ म १०।१४ बु० ६।१८बृ० ४।२९ शु० ४।८ श० ५।१५ रा १०।६
ति.	का० सु १५ बु० २५।१७ कृ० ३।४।४ शि० १४।४२ दिन २६।४८
ग्र.	सू० ८।१४ चं २।८ मं ११।१२ बु० ८।१ बृ० ५।६ शु० ७।७ श० ५।२० रा० १०।५
ति.	मा० सु० १५ शु० ४।४८ आर्द्रा २७।१४ बृ० १९।५८ दिन २८।१५
ग्र.	सू० ९।१५ चं ३।१३ मं १२।४ बु० ८।२८ बृ० ५।७ शु० ८।१३ श०५।२० रा०१०।१
ति.	पौ० सु० १५ श० ३८।५८ पु० ४६।१ प्री २४।५८ दिन २६।१४
ग्र.	सू १०।१५ च० ४।६मं १२।२४ बु० १०।१४ बृ० ५।१ शु०९।१९ श०५।१९ रा०१०।२
ति.	माघ सु० १५ चं ८।१७ मं० १।५६ शु० २२।२१ दिन २५।१४
ग्र.	सू० ११।१५ चं ५।१२ मं १।१३बु० १२।१९बृ० ४।२९ शु०१०।२८श०५।१७ रा०१०।०
ति.	फा०सु० १५ मं० ३३।६ उ० भा० १४।५२ बृ० २५।१९ दिन २६।१३
ग्र.	सू० १२।१३ चं० ६।६ मं० २।३ बु० ११।२८ बृ० ४।२८ शु० १२।३ श० ५।१६रा०९।२७

सम्वत् १९१८ शाके १७८३

ति.	चै० सु १४ बु० ५४।४ चि० २८।३१ व० ३१।१० दि० ३१।४४
ग्र.	सू० १।१२ चं० ६ म० २।२१ बु० १२।२३ बृ ४।२५ शु० १।८ श ५।१३ रा ९।१७
ति.	वै० सु० १५ गु २५।१८ श० २८।२४ सि० २४।२० दि० ३३।३५
ग्र.	सू० २।११ चं० ८ मं० ३।१७ बु० २।१७ बृ० ४।२७ शु० २।१६ श ५।१३ रा ९।२
ति.	ज्ये० सु० १५ श० ३५।३९ मू० ५३।४९ सू० ४२।४७ दि० ३४।१४
ग्र.	सू ३।९ चं ९ मं ३।२८ बु ४।१ बृ ५।१ शु ३।२१ श ५।१४ रा ९।२४
ति	आ० सु० १५ र० ५७।२८ पू० १२।२५ वै० ५५।२४ दि० ३३।४०
ग्र	सू ४।८ चं १० मं ४।१८ बु ३।२८ बृ ५।७ शु ४।२७ श ५।१७ रा ९।२२
ति.	श्रा० सु० १५ श० २५।५९ ध० ३३।९ सौ० १०।२ दि० ३२।३९
ग्र.	सू ५।५ चं ११ मं ५।७ बु ४।२३ बृ ५।१४ शु ५।२७ श ५।२० रा ९।२०
ति.	भा० सु० १५ बृ ०।२० उ० १०।० ग० २५।२४ दि० ३०।२८
ग्र.	सू ५।१२ चं १ मं ५।२६ बु ६।१८ बृ ५।२० शु ७।९ श ५।२५ रा ९।१९
ति.	कु० सु० १५ शु० ४९।३६ र० ३५।४२ ह० ४२।१६ दि० २८।३५
ग्र.	सू ७।१३ चं १ मं ६।१४ बु ७।२८ बृ ५।२६ शु ८।१४ श ५।२८ रा ९।१८
ति.	का० सु० १५ र० २८।० कृ० ६०।० पु० ६०।० दि० २६।५८
ग्र.	सू ७।३ चं १ मं ६।१४ बु ७।२८ बृ ५।२६ शु ८।१४ श ५।२८ रा ९।१८
ति.	मार्ग० सु० १५ म० १६।३ मृ० ३०।३२ शु० १३।२९ दि० २६।२
ग्र.	सू० ८।४ चं० २ मं० ७।४ बु० ७।२१ बृ० ६।१ शु० ९।१८ श० ६।१ रा ९।१६
ति.	पौ० सु० १५ बृ० ०।१० पु० ९।२७ वि० २३।१९ दि० २६।१२
ग्र	सू ९।४ च ४ मं ८।१३ बु १०।१२ बृ ६।६ शु ११।१४ श ६।३ रा ९।१३
ति.	मा० सु० १५ शु० ३८।४९ श्ले० २०।७ सौ० ३१।१५ दि० २७।२७
ग्र.	सू ११।४ चं ५ मं ९।३ बु ११।१७ बृ ६।५ शु ११।७ श ६।१ रा ९।११
ति	फाल्गुन सुदी १५ र० १०।४५ उ० ३८।४ ग० ३४।३९ दि० २८।१३
ग्र.	सू १२।४ चं ६ मं ९।२३ बु ११।९ बृ ६।१ शु ११।७ श ५।२९ रा ९।१०

सम्वत् १९१९ शाके १७८४

ति.	चै० सु० १५ चं० ३।६।२ चि० ५२।१२ छ० ४१।१६ दि० ३१।२०
ग्र.	सू० ११।३ च ७ म० १०।१२ बु० १२।१५ वृ० ५।२८ शु० ११।१८ श० ५।२७ रा० ९।८
ति.	वै० सु० १५ बुं० ५७।४० स्वा० १०।४४ व्य० ४८।२७ दि० ३२।५६
ग्र.	सू० २।१ च० ७ म० ११।२ बु० २।९ वृ० ५।२६ शु० १२।१५ श० ५।२६ रा ९।७
ति.	ज्ये० सु० १५ बृ० १४।५० ज्ये० १९।३८ शु० ४८।५५ दि० ३३।५६
ग्र.	सू० २।२९ च० ८ मं० ११।२० बु० ३।१८ वृ० ५।२७ शु० १।१७ श० ५।२६ रा ९।५
ति.	आ० सु० १५ शु० ३२।५८ पू० ३५।१५ ए० ५७।१५ दि० ३२।५२
ग्र	सू० ३।२७ च० ९ मं० १२।१२ बु० ३।१० वृ० ६।० शु० २।२१ श० ५।२८ रा० ९।३
ति.	श्रा० सु० १५ श० ५४।१६ श्र० ४६।२९ आ० १२।२० दि० ३२।४८
ग्र.	सू० ४।२५ च० १० म० १२।२७ बु० ४।१९ वृ० ६।५ शु ३।२६ श ६।४ रा ९।०
ति.	भा० सु० १५ च० १७।४ श० २।५५ ध० १८।४६ दि० ३१।४२
ग्र.	सू ५।२३ चं ११ मं १२।१८ बु ६।१० वृ ६।११ शु ५।२ श ६।४ रा ९।०
ति.	आश्विन सु० १५ मं० ४८।८ उ० २३।७ ध्रु० २९।३८ दि० २९।३२
ग्र.	सू० ६।२२ चं १२ मं १२।११ बु ७।१६ वृ ६।१७ शु ६।११ श ६।७ रा ८।२९
ति.	का० सु० १५ बृ० २६।५५ भ० ५०।३५ व्य० ४०।४७ दि० २७।४४
ग्र.	सू० ७।२१ चं १ मं १२।९ बु ७।७ बृ ६।२३ शु ७।१५ श ६।११ रा ८।२७
ति.	आ० सु० १५ श० १२।४० रो० १९।३० शा० ५५।३७ दि० २६।८
ग्र	सू० ८।२३ च० २ मं १२।१७ बु ८।१५ बृ ६।२९ शु ८।२१ श ६।१४ रा ८।२६
ति	पोष सु० १५ च० २।२३ पू० ५४।२ पै० १०।१६ दि० २५।५७
ग्र	सू० ९।२३ चं. ३ म ९।३ बु १०।३ वृ ७।३ शु ९।२८ श ६।१५ रा ८।२४
ति	माघ सु० १५ म० ५०।४२ पू० २०।१९ आ० २५।७ दि० २६।५३
ग्र	सू १०।२२ चं ४ मं ११।७ बु १०।२९ बृ ७।५ शु ११।७ श ६।१५ रा ८।२३
ति	फागुन सु० १५ वृ० ३३।४३ पू० ५१।२३ धृ० ३७।५१ दि० २८।२८
ग्र०	सू० ११।२३ च ५ म २।५ बु १०।२६ वृ ७।५ शु १२।१४ श ६।१३ रा ८।२१

सम्वत् १९२० शाके १७८५

ति.	चै० सु० १५ शु० ८।५४ ह० १३।४९ व्या० ४५।४८ दि० ३०।४९
ग्र.	सू० १२।२२ च० ६ म० २।२३ बु० १२।१३ बृ० ७।३ शु० १।२१ श० ६।११ रा० ८।१९
ति.	वै० सु० १५ र० ३६।३३ स्वा० ३२।२२ सि० ५४।२२ दि० ३२।४०
ग्र.	सू० १।२१ च० ७ म० ३।११ बु० २।५ बृ० ६।२९ शु० ३।२५ श ६।९ रा ८।१८
ति.	ज्ये० सु० १४ च० ५४।५६ अ० ४८।८ शि० १२।१९ दि० ३३।५९
ग्र.	सू० २।१८ च ८ म ३।० बु २।२९ बृ ६।२६ शु ३।२९ श ६।८ रा ८।१६
ति.	आ० सु० १५ बु० १६।१७ मू० ५५।४९ शु १४।१७ दि० ३४।१७
ग्र.	सू० ३।१७ च० ९ म ४।१७ बु २।२८ बृ ६।२६ शु ५।२ श ६।९ रा ८।१५
ति.	श्रा० सु० १५ गु० ३२।५९ उ० १३।२० प्री० २२।११ दि० ३३।३४
ग्र	सू० ४।१६ च० १० म० ५।४ बु० ४।१२ बृ० ६।२८ शु० ५।२६ श० ६।१० रा ८।१३
ति	भा० सु० १५ शु० ५१।१४ ध० २५।१३ आ २८।४९ दि० ३२।७
ग्र	सू० ५।१४ च० ११ म० ५।२५ बु० ६।५ बृ० ७।२ शु० ६।१५ श० ६।१३ रा० ८।१२
ति.	आ० सु० १५ र० १३।२७ उ० ३६।५ बृ० २८।३९ दि० २९।५१
ग्र.	सू० ६।१२ च० १२ म० ६।५ बु० ६।२८ बृ० ७।९ शु० ६।६ श० ६।१७ रा ८।१०
ति	कु० सु० १५ च० ४१।३५ अ० ५३।२२ व० ३५।३६ दि० २८।०
ग्र.	सू० ७।१० च० १ म० ७।५ बु० ६।२५ बृ० ७।१५ शु० ६।२ श० ६।२१ रा १ ८।८
ति.	का० सु० १५ बु० १७।५ कृ० १४।१२ शि० ५०।५३ दि० २६।२७
ग्र.	सू० ८।११ च० २ म ७।२२ बु० ८।९ बृ० ७।२२ शु ६।२४ श ६।२४ रा ८।७
ति.	मा० सु० १५ भृ० ०।९ आ० ४४।२१ बृ० ५१।५८ दि० २५ ४४
ग्र.	सू ९।११ च० ३ म० ८।१२ बु ९।२७ बृ ७।२८ शु ७।२४ श ६।२६ रा ८।५
ति	पौ० सु० १५ श० ४८।३० पू० ०।३६ ब० ५।१६ दि० २६।१३
ग्र.	सू १०।११ च ४ मं ९।३ बु १०।७ बृ ९।३ शु ८।२८ श ६।२७ रा ८।४
ति.	मा० सु० १५ अ० ४७।५५ म० ४२।२२ आ० २३।४ दि० २८।४
ग्र.	सू ११।११ च ५ म ९।२५ बु १०।१५ बृ ८।६ शु १०।५ श ६।२७ रा ८।२
ति.	फागुन १५ बु० २३।२० उ० १६।४० बृ० ४।१९ दि० २९।५६
ग्र.	सू० १२।११ च ६ म १०।१७ बु १२।१८ बृ ८।७ शु ११।१२ श ६।२५ रा ८।०

श्रीशुभसंवत् १९२१ शाके १७८६ चैत्र शुक्ल १५ भृगौ ९।३७ स्वातिभे ४६।५९ सिद्धियोगे ५५।२० बालवकरणे १।४१ दिनं ३१।२३

ति.	१५ भृगौ ९।३७ स्वाति भे ४६।५९ सिद्धियोग ५५।२० बालवकरणे दिनं ३१।३७
ग्र.	सू १।१० च० ७ अ ११।८ बु १।२५ बृ ८।७ शु १२।१६ श ६।२३ रा ८।२९ के २।२९
ति.	वैशाखसुदी १५ शनौ ३२।१६ विशाखा ७।१५ परिघयोग १३।१२ विष्टिकरणे दिनं ३३।२
ग्र.	सू १ अंश ९ च ८ मं १२।१॥ बु २।७ बृ ८।१ शु १।२५ श ६।२१ रा ७।२७ के १।२७
ति	ज्येष्टसु० १५ रवौ ५६।१५ ज्येष्ठाभे २६।२६ शुक्लयोग १७।२ वि०क० २७।३५ दिन ३४।१३
ग्र.	सू ३।७ चं ९ मं १२।२१ बु १२।१८ बृ ७।२७ शु २।३० श ६।२१ रा ७।२६ के १।२६ जो० ब० १० बृ ७ घ०
ति.	आषाढ सुदी १५ भौ० २८।९ उ०षा० ३८।२८ वि०यो० ३२।५९ व० क० दिनं ३३।४९
.	सू ४।५ च १० मं १।१२ बु ४।९ बृ ७।२६ शु ४।६ श ६।२१ रा ७।२४ क १।२४
ति.	श्रावणसुदी १५ बुध ३४ धनि० ४९।६ शो०यो० ३८।११ वि०क० ६।१२ दिनं ३२।३८
ग्र.	सू ५।३ चं ११ मं २।१ बु ६।० बृ ७।२७ शु० ५।१२ श० ६।२३ रा० ८।२८ के २।२८
ति.	भादोंसुदी १५ गुरौ ५२।१२ शतभिषाभे ६०।० शू०यो० वि०क० दिनं ३०।३०
ग्र.	सू ५।० चं ११ मं २।१ बु ६।० बृ ७।२७ शु० ५।१२ श० ६।२३ रा० ८।२३ के २।२३
ति.	कुँवारसुदी १५ शनौ १३।५४ रे० १३।२८ ह०यो० ४०।१० बालवक० १३।२४ दिनं २९।२४
ग्र	सू ६ अंश ३० चं १२ मं २।२१ बु ६।१६ बृ ८।७ शु ७।२६ श ७।० रा ७।२१ के १।२१
ति.	कार्तिकसुदी १५ रवौ ४०।८ भ० ३७।३० व०यो० ४७।५२ वि०क० ११।४३ दिनं २७।३५
ग्र.	सू ७ अंश २९ चं १ मं० २।१८ बु ८।५ बृ ८।१३ शु ९।१ श ७।४ रा ७।१८ के० १।१८
ति.	मार्गशीर्षसुदी १५ भौ० २२।३२ मृग० ४४।५ शु०यो० ३३० बा०क० १२।३३ दि० २५।५८
ग्र.	सू ८।२९ चं २ मं २।११ बु ९।१९ बृ ८।२० शु १०।७ श ७।६ रा ७।१६ के १।१६
ति.	पौषशुक्ल १५ बुधे ५१।१२ आ० ४।३८ वै०यो० ५१।३९ वि०क० २०।५० दि० २५।४९
ग्र.	सू १०।० चं ३ मं २।८ बु ९।१९ बृ ८।२६ शु ११।१२ श ७।८ रा ७।१५ के० १।१५
ति.	माघशुक्ल १५ गु० ३६।१ श्ले० ३४।१५ सौ० ३।४० वि० क० ४।२ दि० २६।५०
ग्र.	सू ११।० चं ४ मं २।१५ बु १०।६ बृ ९।७ शु ११।६ श ७।११ रा ७।१३ के १।१३
ति.	फा० शु० १५ रवौ २२।२७ पू०फा० ५।० शू०यो० २।१७ बा०क० २२।४५ दिनं २८।३०
ग्र.	सू १२।० चं ५ म २।२७ बु १२।१ बृ ९।७ शु ११।६ श ७।११ रा ७।१३ के १।१३

सम्वत् १९२२ शाके १७८७

ति.	चैत्रसुदी १५ मंगलवार ४६।४३ चित्रामे ४३।१७ ह०यो०४२।३५व०क०दिन ३०।२४
ग्र.	सू० ११० चं० ७ मं० ३।१३ बु० १।१४ बृ० ९।८ शु० २।१८ श० ७।६रा० ७।१०
ति.	वै०सु०१५बुधे ४८।४४ स्वातिमे ८।९ व्य० यो० ३।२५ वि० क० दि० ३२।२२
ग्र.	सू० १।२८ चं० ७ मं० ३।२२ बु० १।१६ बृ० ९।७ शु० १।१९ श० ७।१४ रा० ७।९
ति.	ज्येष्ठ सुदी १५शुक्र २२।३९ ज्ये० ३९।१० सा०यो०२२।५९ व०क० २३।५दि०३३।५
ग्र.	सू० २।२६ च० ८ मं० ३।१६ बु० २।१८ बृ० ९।५ शु० १।२० श०७।२ रा० ७।६
ति.	आषाढ सुदी१५श०५०।१७पू०षा०५९।१८ए०यो०४०।१५वि०क०२१।१९दि०३३।३८
ग्र.	सू० ३।२४ चं० ९ मं० ५।४ बु० ४।३ बृ० ९।१ शु० २।९ श० ७।२ रा० ७।६
ति.	श्रावण सुदी १५ चंद्र १३।२४ श्र० १७।५५ सौ० ४७।१० व०क० १३।५१ दि० ३३।१४
ग्र.	सू० ४।२१ च० १० मं० ५।२४ बु० ५।२० बृ०८।२७ शु० ३।१०श० ७।४ रा ७।४
ति.	भाद्रपद सु०१५भौम ३४।१९ श० ३१।६ सु०यो० ११५३ वि०क०७।१४दि० ३१।५६
ग्र.	सू० ५।२० चं० ११ मं०६।११ बु०५।१३ बृ० ८।२८ शु० ४।१२ श० ७।६ रा० ७।२
ति.	आश्विनसुदी १४ बुध ५४।१० उ०भा०४२।४वृ०यो०६।५२व०क०१।१९ दिन२९।५०
ग्र.	सू० ५।१९ च० १२ मं० ७।२ बु० ६।२ बृ० ९।१ शु० ५।१० श० ७।९ रा० ७।१
ति.	का०सुदी१५ भृगौ १७।२३ भरणी०५०।२६ह०यो० ०।२३व०क०१७।४८दिन२८।५९
ग्र.	सू० ७।१९ चं० १ मं० ७।२१ बु० ८।० बृ० ९।६ शु० ६।२ श० ७।१२ रा० ६।२९
ति.	मार्गशीष सु०१५श० ४२।४४कृ० ६।०ह०यो० ०।५२ वि०क०१६।५४दिन२६।४९
ग्र.	सु० ८।१८ च० २ म० ८।१० बु० ९। बृ० ९।८ १० शु० ७।१९ श० ७।१६ रा ६।२८
ति	पोषसुदी १५ चंद्र १२।२१ आर्द्राभे १७।३८ वै०यो०५०।४५व०क०१२।४६दिन२६।१२
ग्र	सू ९।१९ च ३ म ९।३ बु ८।२८ बृ ९।१४ शु ७।२९ श० ७।१६ रा० ६।२७
ति	माघशुक्ल १५ भौमे ४६।४३ पुष्यमें ३६।४आ०यो०५५।१७वि०क०१७।५४दिन२६।५
ग्र	सू १०।१९ चं ४ मं ९।२४ बु १०।२४ बृ ९।१२ शु १०।२८ श ७।२० रा ६।२५
ति.	फाल्गुण शुक्ल १५ गुरौ २५।५५ पू० फा० ६०।० शु० ५।४८ दिन २-।१८
ग्र.	सू० ११।१९ चं० ५ मं० १०।२९ बु० १२।२२ बृ० ९।१० शु ११।२८ श०७।२१रा०६।२२

सम्वत १९२३ शाके १७८८

ति.	चै० सु० १५ श ७।७ ह० ३०।४९ ध्रु० २०।४६ च० ३।२ दि० ३०।२०
ग्र.	सू० १२।१९ च० ५ मं० ११।१० बु० १।२ बृ० १०।८ शु० १२।२८ श० ७।२ रा० ६।२
ति.	वैशाख सु० १५ र० ४९।४४ स्वा० ६०।० सि० ४२।५ वि० १७।१२ दि ३२।०
ग्र.	सू० १।१८ च ७ मं० १२।२ बु० १२।२३ बृ० १०।११ शु० २।४ श० ७।१० रा० ६।१८
ति.	ज्ये० सु० १५ म० ३०।४५ अ० ३४।९ शि० ६।१० व ३०।० दि० ३३।१८
ग्र.	ज्येष्ठ सु० १५ सू० ११।१८ चं० ८ मं० १२।२५ बु० १२३ बृ० १०।११ शु० २।४ श ७।१७ रा ६।१८ के
ति.	आ० जे सु० १५ बृ० ४०।३७ मू० ३।४७ बृ० ३०।२० व० ७।३४ दि० ३३।४८
ग्र.	सू० ३।१४ चं० ९ मं० १।१७ बु० ३।२९ बृ १०।९ शु ४।१६ श ७।१४ रा ८।१५ के ३।१५
ति.	श्रा० सु० १५ शु० ३९।४५ उ० २९।३८ प्री० ४९।४६ वि० ९।११ दि० ३३।१४
ग्र.	सू० ४।१३ च० १० मं० २।१८ बु० ५।६ बृ० १०।५ शु० ५।२० श० ७।१४ रा ६।१५
ति.	भा० सु० १५ र० ९।२ श० ५०।५६ अ० ४।१८ व० ७।५८ दि० ३१।५६
ग्र.	सू० ५।११ चं० ११ मं ३।२७ बु० ४।२७ बृ० १०।२ शु० ६।१५ श ७।१५ रा ६।१२
ति.	भा० सु० १५ च० ३३।१९ पू० ८।२९ ग० १४।१४ वि० ३।१७ दि० ३०।१८
ग्र.	सू० ६।९ च० १२ म० ३।१४ बु० ८।४ बृ० १०।१ शु ७।१६ श० ७।१८ रा ६।१०
ति.	आश्विन सु० १४ मं० २।५९ र० २३।८ ह० १९।१७ ब० २।५८ दि० २८।३८
ग्र.	सू ७।८ च १ मं ३।८ बु ७।५ बृ० १०।३ शु० ८।२१ श० ७।२० रा ६।९
ति.	का सु० १५ बृ० २२।३१ कृ० ३१।२५ प० १३।११ व० २२।२८ दि० २६।५०
ग्र.	सू० ८।८ च २ म ४।६ बु ७।२५ बृ १०।११ शु ७।२८ श ७।२५ रा ६।७
ति	अ० सु० १५ शु० ४८।१७ मृ० ४२।१६ शु० १२।३४ वि० २।२९ दि० २६।१२
ग्र.	सू० ९।८ च ३ म ४।६ बु ८।२५ बृ १०।१३ शु ८।१५ श ७।२८ रा ६।८
ति.	पौष सु० १५ र० १५।५१ पु० ५२।५० वि० ५।६ ब० १५।४७ दि० २६।३६
ग्र.	सू १०।८ चं ४ म ३।२६ बु ९।२७ बृ १०।२० शु ८।२४ श ८।१ रा ६।४
ति	मा० सु० १५ चं० ४६।२६ श्ले० ११।२ शो० १४।२८ ग० ९।५१ दि० २७।५२
ग्र.	सू ११।८ चं ५ मं ३।१६ बु ११।१६ बृ १०।२६ शु ९।२१ श ८।२ रा ६।३
ति.	फाल्गुण सु० १४ बु० १८।३७ उ० फा० २९।४९ ग० ११।२० दिन २८।४४
ग्र.	सू० १२।८ चं० ५ मं० ३ बु० १२ बृ० ११ शु० १० श० ८ रा ०६

श्रीसम्वत् १९२४ शाके १७८९

ति.	चैत्रसुदी १५ गुरौ ५३।४३ चित्रामे ५३।५५ह० यो० २४।५१ ग०क०दि०मा०३१।१०
ग्र.	सू० ११६ चं० ६ मं० ४।४ बु० १२।८ वृ०११।१४शु०११।२६श०८।०रा०६।०के०१२।०
ति.	वैशाखसुदी १५ शनौ ३१।१४ विशा० २१।५८ प० यो० ४४।१६ दिन ३३।५
ग्र.	सू० २।६ चं० ८ मं ४।१५बु ३।२२ गु ११।१६ शु २।८श ७।२६ रा ५।२६ के ११।२६
ति.	ज्येष्ठसुदी १५ चंद्रे ९।५२ मूलभे ५९।८ शु० यो० ८।३० दिनं ३३।२६
ग्र	सू ३।४ चं ९ मं ५।५ बु ३।२२ वृ ११।१६ शु २।१८ श ७ २६ रा५। २६के ११।२६
ति.	आषाढसुदी १५ भौमे ४८।७ पू० षा० २३।४१ वै० धृ० यो० ३३।१६ दिन३३।२७
ग्र.	सू० ४।२ चं०९मं०५।२२बु०३।२२गु०११।१६शु०३।१३श०७।२५रा०५।२५के०११।२५
ति.	आ० शुद्ध १५ गुरौ २४।४३ धनि० ५७।११ शो० यो० ५५।५९ दिनं ३२।५२
ग्र	सू० ५।०चं०१०मं०६।१०बु०४।१४वृ०११।१३शु०४।२०श०७।२५रा०५।२३के०११।२३
ति	भाद्रपदशुद्ध १५ भृगौ ५८।५४ शत० १९।६ धृ० यो १४।१४ दिनं ३१।३०
ग्र.	सू०५।२८चं०११मं०६।२९बु०५।२९वृ०११।९शु०५।२६श०७।२७रा०५।२२के०११।२२
ति.	आश्विन शु० १५ रवौ ३०।३५ रेवती० ४१।४० व्या० यो २४।१४ दि०२९।६
ग्र.	सू० ६ अ० २७ चं० १२मं०७।१९बु७।१९वृ०११।६शु०७।३श०८।०रा०५।२०के०११।२०
ति.	कार्त्तिक शु० १५ बुधे ५५।५१ कृ० ५५।४० वर्या० यो० २०।१२ दिन २७।५०
ग्र	सू० ७ अं० २६ चं० १ मं०८।१०बु०८।७वृ०११।६शु०८।९श०८।२रा०५।१९के०११।१९
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ बुधे २७।५८ रो० मे ११।१५ सा० यो० २४।५७ दिनं २६।३६
ग्र	सू० ९।२७ चं० २ मं० ९।२ बु० ८।६ वृ०११।१० शु ९।१७ श ८।७ रा ५।१७
ति.	पौष शु० १४ गुरौ ०।५४ ३४।१३ आर्द्रामे २४।४१ रो० यो० ३३।४९ दिनं २६।२५
ग्र.	सू० ९ अ० २७ चं० ३ मं० ९।२३बु०९ २३वृ०११।१५शु०१०।२१श० ८।१० रा० ५।१५
ति.	माघ शुद्ध० १५ शनौ २१।१५ श्लेषामे ३३।४ आ० यो० २५।२ दिनं २७।२
ग्र.	सू० १० अं० २७ चं ५ मं १०।१९ बु ११।११ वृ ११।२१ शु ११।२१० श८।१२ रा५।१४
ति.	फा० शुद्ध १५ रवौ ४७।४४ पूर्वा० ४७।४ धृ० यो० २९।५४ दिनं २८।४२
ग्र.	सू १०।२७ चं०५ मं०११।१९ बु०११।२१ वृ०११।२८ शु० ११५ श० ८।१३ रा० ५।१३

(सिद्धबीसा यंत्र) १।-, ए० पी० ज्यो०झांसी

श्रीसंवत् १९२५ शाके १७९०

ति	चैत्र शु० १५ भौमे १४।४४ हस्त० २।४९ व्या० यो० २०।२७ दिन ३०।४६
ग्र.	सू० १२।२६ चं० ६ मं० ११।१४ बु० १२।० बृ० ११।१४ शु० २।९ श० ८।११ रा० ५।१२
ति.	वैशा० सुदी १५ बुधे ४३।२६ स्वाति न० २२।३२ व्य० यो० ११।१६ दिनं ३२।४२
ग्र.	सू० १।२४ चं० ७ मं० १२।२६ बु० १।२१ बृ० १२।११ शु० ३।१० श०८।११रा०५।११
ति.	ज्येष्ठ शुद्ध १५ भृगौ १४।४७ ज्येष्ठा ५०।१९ सा० यो० ४८।३४ दिनं ३४।८
ग्र.	सू २।२३ चं ८ मं ११।१८ बु ३।१४ बृ १२।१८ शु ४।३ श ८।९ रा ५।११
ति.	आषाढ शु० १५ श० ४८।५८ मू० ६।३ ब्रह्मयो० १०।१३ दिनं ३४।३०
ग्र.	सू ३ अं० २० चं ९ मं २।९ बु० वक्र ४ बृ १२।२२ शु० ४।७ श० ८।७ रा ५।८ बु३अं२६
ति.	श्रावण शु० १५ चंद्रे २६।१४ श्रवण न० ४९।५० आ० यो० ३४।४५ दिनं ३३।३८
ग्र.	सू ४।१९ चं० १०।१३ मं० ३।० बु ४।३ बृ १२।२३ शु० ३।१५ श ८।६ रा ५।६
ति.	भाद्रपद शु० १५ बुधे ५।५१ शतभि० १९।४३ धृति० यो० ५८।८ दिनं ३१।५३
ग्र.	सू० ५ अं १८ चं० ११ मं ३।१७ बु ५।१९ बृ १२।२१ शु० ४।० श ८।७ रा ५।५
ति.	आश्विन शु० १५ गुरौ ४५।३६ उत्तरा भा० ४७।२१ वृ० यो० १५।४६ दिनं २९।५०
ग्र.	सू० ६।१६ चं १२ मं ४।७ बु ७।११ बृ १२।१७ शु ५।२ श ८।११ रा ५।१ के ११।१
ति	कार्तिक शु० १५ शनौ २३।११ अश्विनी ६१।२४ सि० यो० ३१।२८ दिनं २७।५०
ग्र.	सू ७ अं १६ चं १ मं ४।२२ बु ७।१५ बृ १२।१४ शु ७।४ श ८।११ रा ५।१
ति.	मार्गशीर्ष शु० १४ र० ५।८।५६ कृ ३२।२३ शि० ३६।५९ दिनं २५।५०
ग्र	सू ८।१६ चं २ मं ५।५ बु ७।२९ बृ १२।१२ शु ७।९ श ८।१५ रा ५।०
ति.	पौष शु० १५ मं० ३१।२९ आ० ४७।४८ वृ० ३५।८ दिनमू २६।२
ग्र.	सू ९।१६ चं ३ मं ५।१३ बु ९।१५ बृ १२।१३ शु ८।१० श ८।१८ रा ४।२८
ति.	माघ शु० १५ बु० २४।२६ पु० ५६।३७ आ० २९।१३ दिनमू २७।५६
ग्र.	सू १०।१६ चं ४ मं ५।९ बु ११।२ बृ १२।१७ शु ९।२१ श ८।२१ रा ४।२८
ति.	फाल्गुण शु० १५ भृ० २६।४७ म० १६।४३ शु० ३०।२५ दिन २९।५४
ग्र.	सू० ११।१६ चं० ५ मं० ४।२८ बु० १०।२८ बृ० १२।२३ शु० १०।० श ८।२४ रा ४।२५

श्रीसम्वत् १९२६ शाके १७९१ राजा रविःमंत्री रविः पूर्वधान्येशो बुधः पश्चिमधान्येशो चंद्रः।

ति.	चै० सु० १५ शनौ ५१।१२ उ०फा०२७ पु०यो० दि०३०।२२
प्र.	सू०१२अं०१४ चं६ मं०४।२१बु०११।२१ बृ० ११० शु०१२।४ श८।१०रा०४।२१
ति.	वै० सु० १५ भौमे ३७।१९ अनु ५५।४८ शिवयो० १४।०० दिनं ३३।४१
प्र.	सू १।१४ चं ७ मं ४।२७ बु १।१५ बृ० १।७ शु १।११ श० ८।२० रा० ४।२०
ति.	ज्ये० शु० १५ वृ १।४ मू० १५।४७ वृ०यो० ५६।४४ दिनं ३४।१२
प्र,	सू० ३।१० चं ९ मं ५।२३ बु २।१९ बृ० १।२१ शु० ३।२४ श० ८।१७ रा ४।१७
ति.	आ० शु० १५ भृगौ ३२।१९ उ०षा० ३८।३१ वि०यो० दिनं ३३।३१
प्र	सू ४।८ चं१० मं ६।९ बु० ३।२५ बृ० १।२६ शु० ५।० श ८।१६ रा०४।१५
ति.	श्रा० शु० १५ रवौ० ६।४३ ध०न० ७।१३ अ०यो० ३६।४४ दिन ३२।२
प्र.	सू० ५।७ चं ११ मं ६।२८ बु० ५।१९ बृ० १।२९ शु०६।६ श० ८।१६ रा० ४।१२
ति.	भा० शु० १५ चंद्र ४६।३१ पू०भा० ३५।१२ ग०यो० ५७।१८ दिनं ३०।१३
प्र.	सू० ६।५ चं० १२ मं० ७।१७ बु०७।० बृ० १।२९ शु० ७।११ श० ८।१६ रा० ४।१२
ति.	आ० शु० १५ बुधे ३०।१५ रेवति५।१६ व०यो० १५।३२ दिनं २८।१०
प्र.	सू० ७४ चं १ मं० ८।८ बु० ६।२६ बृ०१।२७ शु० ८।१७श ८।१९ रा० ४।१०
ति.	का० शु० १५ भृगौ १४।१ कृ० ३८।३१ पयो० ३०।१६ दिनं २७।३१
प्र	सू० ८।४ चं २ मं ९।० बु० ७।२३ बृ० १।२३ शु० ९।२१ श० ८।१२ रा० ४।९
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ शनौ ५६।७ मृगभे ३०।४० शु०यो० ४०।४८ दिनं २५।४७
प्र	सू० ९अं०४ चं २ मं ९।० बु० ९।१२ बृ० १।२० शु० १०।२१ श०८।२४ रा०४।७
ति.	पौ० शु० १५ चंद्र ३३।१८ पु० २३।२४ वि०या० दिनं २६।२३
प्र.	सू १०।४ चं० ४ मं १०।१५ बु० १०।१८ बृ० १।१९ शु०११।११ श०९।२८ रा०४।६
ति.	माघ शु १५ बुधे ५।५६ मघा ३८।४३ अ०या० ४०।५० दिनं २७।५६
प्र.	सू० ११।५ चं ५ मं ११।८ बु० १०।१२ बृ० १।२२ शु० ११।७ श० ९।० रा० ४।४
ति.	फा०शु० १५ बृ० ३२।६ उ० फा० ५३।५६ गं०यो० ४५।२९ दिनं २९।५४
प्र.	सू० ११।२५ च० ६ मं० १२।२ बु० ११।१६बृ० १।२७ शु० १२।१० श० ९।२ रा० ४।२

नेत्रज्योति सुर्मा) २) तो० ए० पी० ज्यो० झांसी

अथ शुभनाम सम्वत्सरे सम्वत् १९२७ शाके१७९२ चैत्रादौ राजा शनिः मन्त्रीचन्द्रः पूर्वधान्येशो गुरुः पश्चिमधान्येशो बुधः ॥

ति.	चैत्र शु०१४ भृगौ ००।३० हस्त० १०।४ ह० यो० ४९।४५ दिन ३१।२०
ग्र.	सू० १।३ चं० ६ मं० १२।२६ बु० १।११ वृ० २।३ शु० ११।१६ श० ९।५रा० ४।२
ति.	वै०शु०१५रवौ १४।४५ विशा० १८।५५ प० यो० ५६ दि० ३३।१०
ग्र	सू० २।२ चं० ७ मं० १।१७॥ बु० २।२० वृ० ९।२ शु० १२।१८ श० ९।४ रा० ४।१
ति.	ज्येष्ठ शु० १५चंद्रे ३४।६ ज्ये० ३१।१ सा०यो० दि० ३४।१६
ग्र.	सू० ३।० चं० ८ मं० २।९ बु० २।१२ वृ० २।१६ शु० १।२० श० ९।२ रा० ४।९
ति.	आषाढ शु० १५ भौमे ५४।९पू० षा० ४८।५० ऐ० यो० १६।१ दि० ३४।२०
ग्र.	सू० ३।२८ चं० ९ मं० २।१९॥ बु० ३।१८ वृ० २।२२ शु०२।२३ श०९।० रा० ३।२९
ति.	श्रावण शु० १५ गुरौ १९।५५ श्रवण ७।२० सौ०यो० २४।३० दि० ३३।१४
ग्र.	सू० ४।२६ चं० १० मं० ३।१९ बु० ५।१० वृ०२।२८ शु० ४।० श० ८।२८ रा ३।२७
ति.	भाद्रपद शु०१५भृगौ ५०।५० शतभिषा २९।१६ धृति० यो० ३९।३१दि० ३१।२८
ग्र.	सू० ५।२४ चं० ११ मं०४।८ बु०६।२२ वृ० ३।२१ शु० ५।६ श० ८।२८
ति.	आश्विनशु० १५ रवौ २९।९ रेव० ३।५९ व्या० यो०५५।९ दिनं २९।२२
ग्र	सू० ६।२३ चं० १२ मं० ४।२६॥ बु० ६।१० वृ०३।५ शु० ६।१३ श० ९।०रा० ३।२४
ति.	का०शु० १५ भौमे १३।३५ भरणी० २९।९ व्य० यो० ११।५० दिनं २७।२०
ग्र	सू० ७।२३ चं० १ मं० ५।१२॥ बु० ७।१६ वृ० ३।३ शु० ७।१९ श० ९।२ रा० ३।२२
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ गुरौ १।३० मृगमे ६०।० सा० यो० २७।४४ दिनं २६।५४
ग्र.	सू० ८।२३ च० २ म० ५।२७ बु० ९।५ वृ० ३।० शु० ८।१६ श० ९।५ रा०३।२१
ति	पोषशु० १५ भृगौ ४८।१५ आर्द्रा० २७।४० ऐ० यो० ४०।४० दिनं २५।३४
ग्र.	सू० ९।२४ चं० ३ म० ६।१९ बु० १०।१५ वृ० २।२७ शु०१०।३श० ९।९ रा० ३।१९
ति	माघशुक्ल १५ रवौ ३०।२० श्ले० न ५५।४३ सौ० यो० ४९।१ दिनं २६।३६
ग्र.	सू० १०।२४ चं० ४ मं० ६।१४ बु० ९।२८ वृ० २।२५ शु० ११।१२श० ९।९ रा ३।१७
ति.	फाल्गुण शुक्ल १५ भौमे ५।४० पू० षा० १६।१ शुक्ल यो० ५२।२० दिनं २८।२८
ग्र.	सू० ११।२४ चं० ५ मं० ६।८ बु० ६।११ वृ० २।२५ शु० १२।१९ श० ९।१५रा० ३।१६

दवाई बुखार तिजारी ।।।) ए० पी० ज्यो० झांसी

श्रीसम्वत् १९२८शाके १७९३

ति	चैत्र सुदी १५ बुधे ३४।२ हस्त० ३३।५ ध्रु० यो० ५।५९ दिनं ३०।२४
ग्र	सू १२।२३ चं ६ मं ५।२७ बु १।२८ बृ २।२८ शु १।२२ श ९।१६ रा ३।१४
ति.	वैशा० शु० १४ गुरौ ५७।४० स्वा० न० ४८।४८ सि० यो० १३।१६ दिनं ३२।१२
ग्र.	सू १।२२ चं ७ मं ५।२५ बु २।२ बृ ३।३ शु २।२७ श ९।१६ रा ३।१२ वै० बृ ९।३
ति.	ज्येष्ठ शु० १५ शनौ १६।३५ अनु० १।४९ सि० यो १४।३९ दिनं ३३।४१
ग्र	सू २।२० चं ८ मं ६।२ बु १।२८ बृ ३।१० शु ४।२ श ९।१४ रा ३।११ जे० व२ शु३
ति	आषाढशु० १५ रवौ ३३।४६ मूलमे १६।१८ ब्र० यो० २४।५० दिनं ३४।१३
ग्र	सू ३।१८ चं ९ मं ६।१५ बु ३।१३ बृ ३।१७ शु५।३ श९।१४ रा३।११ अषाढ व१बु१
ति.	श्रावणशु० १५ चंद्र ५१।५७ उ० षा० २७।०० प्री० यो० ३१।७दिनं ३३।३३
ग्र.	सू ४।१५ चं १० मं ७।१ बु ५।६बृ ३।२३शु६।० श ९।१०रा३।८ बु०१०।४सावनवदी
ग्र.	मलभाद्रपदशु० १५ बुधे १७।१३ शतभि० ४०।२ धु० यो० ३४।२१ दिनं ३२।७
ति.	सू० ५।१४ चं० ११ मं० ७।१९ बु० ६।४ बृ० ४।० शु० ६।४ श० ९।८ रा० ३।६
ति.	भाद्रपद शु० १५ गुरौ ४१।२० उ० भा० ५८।५३ वणि० यो० दिन ३०।१६ ४४।२८
ग्र	सू० ६।१२ चं० १२ मं० ८।९ बु० ५।७ बृ० ४।४ शु० ६।१ श० ९।९ रा० ३।४
ति	आश्विन शु० १५ शनौ १६।२७ अश्वि० २१।५२ वि० यो० ५४।३१ दिनं २८।३३
ग्र.	सू ७।१२ च १ मं ९ बु ७।११ बृ ४।८ शु ६।२ श ९।११ रा ३।२
ति	कार्तिक शु० १५ रवौ ५९।१२ कृत्तिका० ४८।५५ परिघयो ८।२दिन २६।३४
ग्र.	सू० ८ मं०११ चं० २ म० ९।२२ बु० ९।० बृ० ४।८ शु० ६।२५ श० ९।१४ रा० ३।१
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ भौमे ४७।४९ मृगभे १७।४८ शुक्ल यो० २३।१६ दिनं २५।३९
ग्र.	सू० ९।१२ चं० ३ मं० १०।१५ बु० ९।१७ बृ० ४।५ शु० ७।२७ श० ९।१७ रा०३।०
ति.	पौषशुक्ल १५ गुरौ ३७।३३ पु० यम० ५४।४४ प्रीति यो०३९।४३ दिनं २६।२८
ग्र	सू० १०।१३ चं ४ मं ११।८ बु ९।१७ बृ ४।१ शु ९।२ श ९।२१ रा २।२८
ति.	माघशुक्ल १५ शनौ २३।३१ मघा० २३।३७ शुभयो० ५४।७दिनं २७।४६
ग्र	सू ११।१३ चं ५ मं० १२।२ बु० ११।६ बृ० ३।२८ शु० १०।८ श० ९।२४ रा० २।२५
ति	फाल्गुनशुक्ल १५ चंद्र २।२६ हस्त न० ५२।२८ ब्र० यो० ९।३९ दिनं२९।४१
ग्र.	सू० १२।१३ च० ६ मं० १२।२५ बु १२ २७ बृ ३।२७ शु ११।१५ श ९।२६ रा २।२५

श्रीशुभसंवत् १९२९ शाके १७९४ अथ शुभनाम संवत्सरे
चैत्रादौ राजा चंद्र मंत्री गुरुः

ति	चैत्रसुदी १५ मंगलवार ३३।१७ चित्रा० १०।१७ वज्र० यो० १६।४९ दिनं ३१।२०
ग्र.	सू० ११।२ चं० ७ मं० ११।६ बु० ११९ बृ० ४।० शु० १२।२० श० ९।२७ रा० २।२२
ति	वैशाखसुदी १५ बुध ५७।४४ विशा० २८।१२ प० यो० २९।३१ दिनं ३२।५३
ग्र.	३।८ च० ९ मं० २।२८ बु० ३।९ बृ० ४।१० शु० ३।३ श० ९।२५ रा० २।२०
ति.	ज्येष्ठसुदी १५ शुक्रे १७।२ मूलमे० ३९।१८ शु०यो० ३२।९ दिनं ३४।२
ग्र.	सू० ३।८ चं० ९ मं० २।२८ बु० ३।९ बृ० ४।१० शु० ३।३ श० ९।२५ रा० २।२९
ति,	आषाढसुदी १५ शनौ ३३।५१ उ०षा० ५१।३० वि०यो० ४०।३५ दिनं ३३।५४
ग्र.	सू० ४।६ चं० १० मं० ३।२० बु० ४।२२ बृ० ४।१६ शु० ४।१० श० ९।२३ रा० २।१९
ति.	श्रावणसुदी १५ रवौ ५१।८ श्रव० ७।१९ शो०यो० ४७।३२ वि०क० २४।१० दिनं ३२।५४
ग्र.	सू० ५।३ चं० ११ मं० ४।७ बु० ५।१३ बृ० ४।२३ शु० ५।१४ श० ९।२२ रा० २।१७
ति.	भाद्रपद शु० १५ भौमे ११।१२ पू०भा० १५।५५ गजया० ४६।२० बा० क० ११।१२ दिनं ३१।३०
ग्र.	सू० ६।२ च० १२ मं० ४।२६ बु० ५।१८ बृ० ४।२९ शु० ६।२१ श० ९।२० रा० २।१६
ति.	आश्विनशुभ १५ बुधे ३६।१९ रेवती ३०।५५ ध्रु०यो० ५३।१५ वि०क० ८।११ दिनं २९।३१
ग्र.	सू० ७।१ चं० १ मं० ५।१४ बु० ७।५ बृ० ५।४ शु० ७।२७ श० ९।२१ रा २।१४
ति	कार्तिक शु० १५ भृगौ ८।३६ कृत्ति० ५०।५ वर्या० यो० ।५ वि०क० ८।३६ दिनं २७।२
ग्र	सू० ८।१ चं० २ मं० ६।२ बु० १८।२१ बृ० ५।८ शु० ९।४ श० ९।२३ रा० २।१३
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ शनौ ४८।२० रो० १०।३२ सा०यो० ८।२१ वि०क० १७।२८ दिनं २६।१०
ग्र	सू० ९।१ चं० ३ मं० ६।२१ बु० ९।२० बृ० ५।९ शु० १०।१५ श० ९।२८ रा० २।९
ति	पौष शु० १५ चंद्र ३८।११ पुनर्व० ४२।३० वै०या० १९।२० बि०क० २१।३८ दिनं २५।५६
ग्र.	सू० १०।१ चं० ४ मं० ७।३ बु ९।९ बृ ५।९ शु० १०।१५ श ९।२९ रा २।११
ति.	माघ शुक्ल १५ बुधे २३।३० श्लेषा० १३।३२ शो०यो० ३६।२ बा०क० २३।३० दिनं २६।४९
ग्र.	सू ११।२ चं ५ मं ७।१४ बु ११।० बृ ५।५ शु १२।१८ श १०।३ रा २।८
ति.	फाल्गुण शुक्ल १५ भृगौ ११।७ उ०फा० ५०।५६ ग०यो० ५३।३ २ बा०क० ११।७ दिनं २८।५२
ग्र	सू० १२।२ चं० ६ मं० ७।२० बु० १२।१८ बृ० ५।२ शु० ११।६ श० १०।६ रा २।६

सम्वत् १९३० शाके १७९५

ति.	चै० सु० १५ शनौ ५२।४९हस्त०१५।१व्या०यो० १२।२१वि०क०२१।१७ दि० ३१।२४
ग्र.	सू० १।१ च ६ म० ७।१६बु०१२।१५वृ० ५।२ शु० १।१६ श०१०।६रा० २।८
ति.	वै० शु० १५ चन्द्र २७।१४ विशा०४३।३ वर्या०यो०२८।१७बा०क०२७।४ दि०३२।२७
ग्र.	सू० २।० च० ७ म० ७।६ बु० १।९ वृ० ५।०शु० १।१४ श०१०।९ रा २।४
ति.	ज्ये० शुद्ध १५मंग०५३।५९ ऽनु०३।३१ला०यो० ४३।१० वि०क० २५।८दि० ३३।५२
ग्र.	सू० २।२७ च० ८ मं० ७।१२ बु० ४।१२ वृ० ५।८ शु० २।२० श० १०।६ रा २।१
ति.	आ० शु०१५गुरौ१५।३८पू०षा०१९।२४ वै०धृ०यो०४९।१५बव०क०१५।१८दि०३४।१७
ग्र.	सू० ३।२६ च० ९ मं० ७।१२बु० ४।२१ वृ० ५।१८ शु० २।१० श० १०।६ रा०२।१
ति.	श्रा०शु०१५शुक्रवार ३४।१४श्रव०३२।४८आ०यो०४५।१वि०क०७।१०दि०३२।५४
ग्र.	सू० ४।२३ च० १० म० ७।२६ बु० ४।२० वृ० ५।१४ शु ३।१० श १०।४ रा ०।१
ति.	भाद्रपदशु१५शनै४४।३ •सुकर्मयो११।११शततारका४४।३०वि०क०२५।४१ दि३१।४७
ग्र.	सू ५।२१ च ११ मं ८।१३ बु ५।१० वृ ५।२१ शु ४।१३ श १०।२ रा १।२६
ति.	आश्विन शु०१५ चंद्रे१२।४६ रेव०५१।५५ धृ०यो०७।१३बा०क०१२।४६दि० २९।५३
ग्र.	सू० ६।२२ चं १२ मं ९।३ बु ७।२ वृ ५।२८ शु ५।१९ श १०।२ रा १।२६
ति.	कार्तिक शु०१५मं०३६।५०अश्वि० ७।५८ सि०यो० ९।२७वि०क०९।१९दि० २८।१४
ग्र.	सू० ७।२० चं १ मं ९।२४ बु ८।१४ वृ ६ ३ शु ६।२४ श १०।३ रा १।२४
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५गुरौ६।१२रो० २०।५२सिद्धि०यो०६।१४वा०क०६।१२ दि० २६।२
ग्र.	सू० ८।२० चं०३ मं ११।८ बु ८।६ वृ ६।८ शु ९।८ श १०।५ रा १।१३
ति.	पौष शु० १५ भृगौ ४१।४८ आर्द्रा०४०।३० ज्ञ०यो०११।१३वि०क०१२।५दि०२५।४४
ग्र.	सू० ९।२० चं. ३ म ११।८ बु ९।२ वृ ६।१० शु ९।८ श १०।८ रा १।२१
ति.	माघ शु० १५ रवौ २३।२१ पुष्यमे ४।३८ आ०यो०१८।३० दि० २६।२९
ग्र.	सू १०।२० च ४ मं १२।१ बु १०।२४ वृ ६।१० शु १०।१६ श १०।१२ रा १।२०
ति.	फाल्गुण शु० १५ सौ० ९।३७ पू. फा. ३९।२६धृ०३४।२६ दिन २८।२५
ग्र.	सू० ११।२१ चं ५ म०१२।२४ बु १।२५ वृ ६।७ शु ११।२४ श १०।१५ रा १।१८

सम्वत् १९३१ शाके १७९६

ति	वै॰ सु॰ १५ पु॰ ५५।१ उ॰ ४४९ ध्रु॰ ५१।१८ वि॰ ३२।१८ दि॰ ३०।१६
ग्र.	सू॰ १२।१९ चं॰ ६ मं॰ १।१६ बु॰ ११।२९ बृ॰ ६।६ शु॰ १।० श॰ १०।१७ रा॰ १।१५
ति.	वै॰ सु॰ १५ गु॰ ३८।१ स्वा॰ ४२।२५ सि॰ १५।१ व॰ ८।१ दि॰ ३३ ७
ग्र.	सू॰ १।१९ चं॰ ७ मं॰ २।१७ बु॰ १।३ बृ॰ ६।० शु॰ २।७ श॰ १०।२० रा॰ १।१४
ति.	जे॰ सु॰ १५ र॰ १५।५ अ॰ ११।८ सि॰ ३६।२७ कौ॰ १५।७ दि॰ ३३।५५
ग्र.	सू॰ २।१८ चं ८ मं २।२६ बु॰ २।२७ बृ॰ ६।२ शु॰ ३।१३ श॰ १०।२० रा॰ १।१२
ति.	अधि॰ आ॰ सु॰ १५ चं॰ ४५।५४ मू॰ ३५।३० बृ॰ ५५।४५ दि॰ ३४।३
ग्र.	सू॰ ३।१५ चं॰ ९ मं॰ ३।१६ बु॰ ४।१० बृ॰ ६।२ शु॰ ४।१८ श॰ १०।१९ रा॰ १।१०
ति.	आसाढ सु॰ १५ बु॰ ११।१८ आ॰ ५४।१९ प्री॰ ८।३० दि॰ ३३।१४
ग्र	सू॰ ४।१४ चं १० मं॰ ४।६ बु॰ ३।२९ बृ॰ ६।६ शु॰ ५।२२ श॰ १०।१६ रा॰ १।९
ति.	श्रावण सु॰ १५ शु॰ ५।४ पू॰ २४।३५ गं॰ २६ ३९ दि॰ ३०।२३
ग्र	सू॰ ५।१२ चं॰ ११ मं॰ ४।२८ बु॰ ४।१६ बृ ६।१३ शु॰ ६।२४ श॰ १०।१५ रा॰ १।७
ति.	भा॰ सु॰ १५ शु॰ ५४।२८ पू॰ २४।३५ ग॰ २६।३९ दि॰ ३०।२३
ग्र.	सू॰ ६।१० चं॰ १२ मं॰ ५।१४ बु॰ ६।२७ बृ॰ ६।१९ शु॰ ७।२६ श॰ १०।१३ रा॰ १।६
ति	कु॰ सु॰ १५ रा॰ १६।२० आ॰ ३२।१२ व॰ २०।३८ बृ॰ १६।२० दि॰ ३८।१९
ग्र.	सू॰ ७।९ चं॰ १ मं॰ ६।१५ बु॰ ८।५ बृ॰ ६।२६ शु॰ ८।१३ श॰ १०।१२ रा॰ १।४
ति.	का॰ सु॰ १५ चं॰ ४०।१९ कृ॰ ४३।३९ वा॰ २१।६ दि॰ २७।५४
ग्र.	सू॰ ८।८ चं॰ २ मं॰ ६।२० बु ७।२० बृ ७।० शु ८।१५ श १०।४ रा॰ १।१
ति.	अगहन सु॰ १५ बु॰ ८।० आ॰ ५४।२५ शु॰ १४।३० दि॰ २५।४८
ग्र.	सू॰ ९।७ चं॰ ३ मं॰ ७।२ बु॰ ८।२६ बृ॰ ७।४ शु ९।२ श॰ १०।१६ रा १।१
ति.	पौ॰ सु॰ १५ बृ॰ ३९।४५ पू॰ १२।४१ वि॰ १७।२७ दि॰ २६।२१
ग्र.	सू॰ १०।८ चं॰ ४ मं॰ ७।२२ बु॰ १०।१५ बृ॰ ७।१० शु॰ ८।२३ श॰ १०।२० रा॰ १२।२८
ति.	मा॰ सु॰ १५ श॰ ५६।१७ म॰ ३४।३२ अ॰ २१।२० दिन २८।२०
ग्र.	सू॰ ११।९ चं॰ ५।५ मं॰ ८।५ बु ११।२२ बृ ७।१२ शु ९।२२ श १०।२३ रा १२।२८
ति.	फा॰ सु॰ १५ र॰ ५६।१० उ॰ फा॰ ६०।० गं ३४।३३ दिन ३०।१५
ग्र.	सू॰ १२।८ चं ५।२७ मं ८।२४ बु १२।२२ बृ ७।१० शु १०।२४ श १०।२६ रा १२।२६

सम्वत् १९३२ शाके १७९७

ति	चै० सु० १५ मं० ३७।६ चि० २१।४० प ५३।२० षि० ३१।५२
ग्र.	सू० १।७ च ७ म ९।६ बु १२।१५ बृ ७५ शु ११।२९ श ११।१ रा १२।२५
ति	वै० सु० १५ बृ० १८।५४ वि० ११।३२ प० १७।८२ दि० ३३।२६
ग्र.	सू० २।६ च० ८ म० ९।१० बु० २।२१ बृ० ७।२ शु० ११।५ श० ११।२ रा० १२।२३
ति	ज्ये० सु० १५ शु० ५७।३ं ज्ये० ३२।४८ शु० ४१।१४ दि० ३४।८
ग्र.	सू० ३।५ च० ९ म० ९।१ बु० ३।२२ बृ० ७।० शु० २।१० श० ११।२ रा० १२।२१
ति.	आषाढ सुदी १५ र० ३२।१३ पू० ११।५ वै० ३।५१ दि० ३४।४१
ग्र.	सू० ४।३ च १० म ९।२९ बु ३।१५ बृ ७।१ शु ३।१६ श ११।० रा १२।२०
ति	श्रा० सु० १५ मं० २।५४ ध० २७।२४ शो० १९।५७ षि० ३३।२६
ग्र.	सू० ५।२ च० ११ म० ९।३ बु ४।२९ बृ० ७।५ शु ४।२३ श० १०।२८ रा १२।१८
ति.	मा० सु० १५ बु० ३१।३१ पू० ४५।३१ मू० ३३।३० दि० ३०।४०
ग्र.	सू० ६।० च १२ म ९।१५ बु० ६।२१ बृ० ७।१० शु० ५।२९ श० १०।२६ रा० १२।१७
ति.	कार० सु० १५ बृ० ५४।१५ उ० २।३९ व्या० ३८।१५ दि० २८।५०
ग्र.	सू० ६।२९ च० १२ म० १०।२ बु० ७।१४ बृ ७।१६ शु ७।५ श १०।२५ रा १२।१५
ति.	कातिक सुदी १५ श० २०।५० भ० १३।१४ व० ३३।३९ षि० २७।६
ग्र.	सू० ७।२९ च० १ म० १०।२१ बु० ७।२ बृ ७।२३ शु ८।१२ श १०।२५ रा १२।१५
ति.	अगहनसुदी १५ र० ४६।१५ रो० २४।५४ सा० ३३।१८ दि० २६।०
ग्र.	सू० ८।२९ च २ म ११।१२ बु ८।२२ बृ ७।२९ शु ९।१५ श ११।२७ रा १२।१२
ति	पौ० सु० १५ म० १२।५० भ० ३३।४ वै० २५।११ दि० २५।२९
ग्र.	सू० ९।२८ च ३ म १२।३ बु १०।१२ बृ ८।५ शु १०।२६ श ११।२० रा १२।११
ति	माह सुदी १५ बु ४९।४६ श्ले० ४७।३९ सौ० २६।५३ दि० २६।१८
ग्र.	सू० १०।२७ च ४ म १२।२४ बु १०।२६ बृ ८।९ शु ८।१२ श ११।३ रा १२।९
ति.	फागुनसुदी १५ शु १२।५ पू० ५।२९ शू० २७।४० छि० २८।४४
ग्र.	सू० ११।२८ च ५ म १।१५ बु० १०।० बृ ८।११ शु ११।८ श ११।७ रा १२।७

सम्वत् १९३३ शाके १७९८

ति.	चै० सु० १५ श० ४५।१३ ह० २६।४२ आ० १९।१३ दि० ३०।१२
म.	सू० ११।२७ च ६ म २।११ बु १०।१५ बृ ८।१० शु २।१० श ११।१४ रा ११।१६
ति	वैशाखसुदी १५ च० २१।३४ वि० ४५।२५ दि० ३२।३३
म.	सू० १।२६ च० ७ म० २।२७ बु० २।२३ बृ० ८।६ शु० ३।१९ श० ११।११ रा० ११।१४
ति.	ज्येष्ठसुदी १५ सो० ५८।५४ अनु० १९।५२ शि० १९।१८ दि० ३३।५५
म.	सू० २।२३ चं० ८ म० ३।१४ बु० ३।० बृ० ४।४४ शु० ४।२ श० ११।१४ रा० १२।१३
ति	आ० सु० १५ मं० ५८।५४ पू० १९।१२ शौ० १९।१५ दि० ३२।५५
म.	सू० ३।२१ च० ९ म० ४।५ बु० ३।४ बृ० ८।१ शु० ४।२९ श० ११।१४ रा० १२।११
ति.	श्राव० सु० १५ म० ५८।१४ आ० १९।५२ श० १९।१९ दि० ३२।५५
म.	सू ४।२१ च १० म ४।२६ बु ४।२७ बृ ८।१ शु ३।२० श ११।१२ रा० १२।०
ति	भा० सु० १५ बृ० २७।१३ पु० ५६।५६ ध० ३४।३८ दि ३१।५८
म.	सू० ५।१९ च ११ म ५।१६ बु० ६।२५ बृ ८।५ शु ४।९ श ११।९ रा ११।२८
ति.	आश्व० सु० १५ शु २४।४६ उ० १६।५० ध्रु० ४०।३६ दि० २९।२४
म.	सू० ६।१८ च० १२ म० ६।१ बु० ६।२५ बृ० ८।८ शु० ५।३ श० ११।७ रा० ११।२६
ति.	कार्तिकसुदी १५ शु० ३१।१६ रे० २१।१२ सो० ५५।२७ दि० २६।४५
म.	सू० ७।१७ च० १ म० ६।१५ बु० ७।२ बृ० ८।१४ शु० ६।६ श० ११।७ रा० ११।२५
ति	अगहनसुदी १५ श ५२।५७ मृ० ५।४६ व ४५।५० दि० २५।५३
म.	सू० ८।१७ च० २ म० ७।१० बु० ८।१२ बृ० ८।१९ शु० ७।१४ श० ११।६ रा० ११।२३
ति.	पौ० सु० १५ श० ५२।५७ मृ० ५।४६ वृ ४५।५० दि० २५।५६
म.	सू० ९।१७ च० ३ म० ७।२९ बु० १०।५ बृ० ८।२८ शु० ८।२१ श० ११।९ रा० ११।२१
ति.	माहसुदी १५ च १९।३७ पू० १९।२१ आ ३८।१ दि० २६।५१
म.	सू० १०।१७ च० ४ म ८।२० बु १०।३ वृ० ९।४ शु० ९।२५ श० ११।३ रा० ११।२१
ति.	फा० सु० १५ म० ४५।८३ म० २७।१७ सु० ३९।४२ दि० २८।३२
म.	सू० ११।१७ च० ५ म० ९।६ बु० १०।२२ वृ० ९।९ शु० ११।० श० ११।१७ रा० ११।१९

(कर्णतैज ।।)) ए. पी. ज्यो. झांसी.

सम्वत् १९३४ शाके १७९९

ति.	चै० सु० १५ बृ० ११।८ ह० ३९।५५ ध्रु० ३७।५४ दि० ३०।२९
प्र	सू० १२।१७ च ६ म ९।१३ बु ११।१२ बृ ९।१२ शु १२।७ श ११।१९ रा ११।२०
ति.	वै० सु० १५ शु० ३८।३ स्वा० ५८।४० सि ४८।२० दि० ३२।९
प्र.	सू० १।१५ च० ७ म० १०।११ बु० २।४ बृ० ९।१३ शु० १।१३ श ११।१३ रा ११।१७
ति.	ज्य० सु० १५ र० ७।४८ अनु० २।१८ शि० ३।१७ दि० ३३।४५
प्र.	सू० २।१४ च ८ म १०।१८ बु २।६ बृ ९।११ शु २।१० श ११।१६ रा ११।१५
ति.	आ० सु० १५ च० ३९।५४ मू० ४७।४ शु २२।४८ दि० ३४।१३
प्र	सू० ४।१० च १० म ११।१९ बु ४।१८ बृ ९।१ शु ५।३ श ११।१६ रा ११।१२
ति	श्रा० सु० १५ बु० १५।२४ उ० १६।० प्री० ४६।१ दि० ३३।३६
प्र	सू० ५।८ च० ११ म० ११।१६ बु० ६।५ बृ० ९।१ शु० ८।९ श १०।२४ रा ११।११
ति	भा० सु० १५ बृ० ५४।२६ ध० ४६।१८ शो० ७।२७ दि० ३२।३
प्र.	सू० ६।७ च० १२ म० ११।९ बु० ६।४ बृ० ९।३ शु० ७।१३ श० ११।२२ रा११।९
ति	क्वार सु० १५ श० ३४।४४ पू० १५।४६ म० २९।११ दिन ३०।१६
प्र.	सू० ७।७ च० २ म० ११।१४ बु० ६।२४ बृ० ९।७ शु० ८।१८ श ११।२० रा १०।८
ति	कातिक सुदी १५ म० ५२।२५ भ० ७।७ प० ५३।५८ दि० २६।४४
प्र.	सू० ८।७ च० २ म० ११।२७ बु० ८।८ बृ० ९।१२ शु० ९।२२ श ११।१९ रा ११।६
ति	अगहन सुदी १५ बु० २७।४ मृ० २६।४० शु० ५४।२१ दि० २५।४८
प्र	सू० ९।६ च० ३ म० १२।१२ बु० ९।२६ बृ० ९।२० शु० १०।२३ श ११।२० रा० ११४
ति	पौ० सु० १४ शु० २।८ पु० ४२।३१ दिन २६।१९
प्र.	सू० १०।७ च० ४ म० १२।१८ बु० ९।१८ बृ० ९।२६ शु० ११।१४ श ११।२३ रा ११।३
ति	माहसुदी १५ र० २५।२४ म० ५२।५७ आ० ५०।४८ दि० २७।४९
प्र०	सू० ११।२७ च ५ म ११।८ बु १०।१७ बृ १०।३ शु ११।६ श ११।२६ रा ११।१
ति.	फा० सु० १५ च० ४९।५७ पू० ९।२५ शु ११।८ दि० २९।४४
प्र.	सू० १२।६ च० ६ म० २।६ बु० १२।१५ बृ० १०।८ शु० १०।२८ श १२।० रा ११।१

(अनुपम केशरंजन तैल ॥।) (ए. पं. ज्यो. फार्मा.

सम्वत् १९३५ शाके१८००

ति.	चै० सु० १५ बु० ११।४९ चि० १८।५५ धृ० ५१।२५ दि० ३२।४४
ग्र.	सू० ११९ च ७ म २।२६ बु० १।२२ बृ १०।१३ शु ११।१९ श १२।२ रा १०।२६
ति.	वै० सु०१५ बृ०३५।१७ वि० ३४।१३ प० ६।४४ दि० ३३।११
ग्र.	सू० २।४ च ८ म ३।१३ बु ११८ बृ १०।१६ शु १२।१८ श १२।५ रा १०।२५
ति.	ज्ये० सु० १५ श०५८।५३ अवं दिनमू जेठसुदी १४ शु० ११४१ ज्ये० ५७।० दिन ३४।४
ग्र.	सू० ३।२ च ८ म ४।१ बु २।१५ बृ १०।१६ शु १।२० श १२।७ रा १०।२३
ति.	आ० सु० १५ र० २५।३३ पू० १२।४० वै० ३०।१० दि० ३३।४९
ग्र.	सू ४।० च ९ म ४।२४ बु ४।९ बृ १०।१३ शु २।२५ श १२।८ रा १०।२२
ति.	श्रा० सु० १५ च० ५७।१० श्रा ३७।५६ सौ०४८।४२ दिन०३२।३५
ग्र.	सु० ४।२७ च १७ म ५।८ बु ५।२२ बृ १०।९ शु० ४।० श १२।७ रा १०।२०
ति.	भा० सु १५ बु० ३४।१६ श० ४।१० धा ८।१८ दि० ३०।५१
ग्र.	सू ५।२५ च ११ म ५।२७ बु ५।१ बृ १०।७ शु ५।५ श १२।५ रा १०।१९
ति.	कु० सु० १५ शु० १७।६ र०४०।७ व्यै० २८।९ व० १७।६ दि० २८।५६
ग्र.	सू ६।२५ च १२ म ६।१६ बु ६।१४ बृ १०।७ शु ६।१२ श१२।३ रा १०।१७
ति	का० सु० १५र० १।५९ म० ९।१३ धृ० ४४।२३ दिन० २७।६
ग्र	सू० ७।२५ च १ म ७।६ बु ८।६ बृ १०।१० शु ७।१९ श १२।१ रा १०।१५
ति.	अ०सु०१५ च० ४५।४७ रो० ३५।३६ स्वा० ५६।१७ वि १५।२७ दि० २६।०
ग्र.	सू०८।१४चं वृषमामं१ ७।२५बु०९।१३ बृ० १०।१५ शु०८।२५श०१२।१रा १०।१४
ति.	पौ०सु० १५ बु० १५।४८ पु० ५९।५७ रो० ४।५० व० २५।४८ दि० २६।५
ग्र.	सू० ९।२५ च ३ म ८।१६ बु ९।३ बृ० १०।२१ शु १०।३ श ३।१२ रा १०।१२
ति.	माह सु० १५ शु ०।३६ श्ले० १७।३७ सो० ६।३३ व० ०।१६ दि० २७।१५
ग्र	सु० १०।२५ चं० ४ मं ९।६ बु १०।९ बृ १०।१८ शु ११।११ श १२।५ रा १०।११
ति	फा० सु० १५ श० २९।५० पु० ३३।४५ धृ ११।४ वि० २९।५० दि० २९।०
ग्र.	सू ११।२५ चं ५ मं १०।० बु १२।१ बृ० ११।४ शु१२।१७ श १२।६ रा १०।९

(दंतमंजन ।=)) ए. पी. ज्यो. फार्मा.

श्रीसम्वत् १९३६ शाके १८०१

ति.	चै० सु० १५ र० ५३।३५ ह० ४७।२ ग्र १५।४३ वि० ३।१४
ग्र.	सू० ११।२४ च ६ म १०।२० बु० १।६ बृ ११।१० शु ११।२४ श ११।१४ रा १०।८
ति.	वै० सु० १५ मं० १४।१२ वि० ५९।१९ वि० १५।६ दि० ३३।००
ग्र.	सु० १।२४ च० ७ म ११।११ बु १२।१८ बृ ११।१७ शु ३।१ श १२।१७ रा १०।६
ति.	ज्ये० सु० १५ बु० ३३।३४ अनु १३।१६ सि० १८।१२ वि० ६।३६ दि० ३४।१२
ग्र.	सू० १।२ च ८ म १२।१० बु २।२२ बृ ११।२० शु ४।३ श १२।२०रा१०।५
ति.	आ० सु० १५ बृ० ५३।६ मू० २७।११ बृ० ३२।२८ वि० २५।२४ दि० ३४।२५
ग्र.	सू० ३।१९ च ९ म १२।१५ बु ४।६ बृ ११।२२ शु ५।४ श १२।२२ रा १०।३
ति.	श्रा० सु० १५ श० १५।२५ श्र० ४३।१४ आ० ३९।१७ व० १५।२५ दि० ३३।२७
ग्र	सू० ४।१९ च १० म० १।९ बु० ५।१ बृ ११।२१ शु ६।३ श १२।२३ रा १०।१
ति.	भा० सु० १५ र० ४३।१ घ० २।३५ सु० ५३।५९ वि० १३।१५ दि० ३१।४२
ग्र	सू० ५।१५ च० ११ म० १।२३ बु० ५।० बृ ११।१६ शु ६।१२ श १२।२२ रा १०।०
ति	प्र० आश्विन सुदी १५ मं० १७।४० उ० २९।१ धृ ८।२८ व० १७।४० दि० २९।३६
ग्र.	सू० ६।१४ च १२ म १।२९ बु ६।१२ बृ ११।१२ शु ५।२७ श १२।१९ रा ९।२९
ति.	आश्वन सु० १५ गु० ९।२६ अ० ५७।४ व० २३।४३ लि० २७।१५ दि० २८।६
ग्र.	सू० ७।१३ च १ म १।२५ बु ८।२ बृ ११।११ शु ६।९ श १२।१७ रा ९।२७
ति.	का० सु० १५ शु० ४६।३१ कृ० २६।५४ शि० ४०।१९ वि० १३।३९ दि० २८।६
ग्र.	सू० ८।१३ च २ म १।१८ बु ८।२६ बृ ११।१० शु ६।२७ श १२।१६ रा ९।२५
ति.	अ० सु० १५ र० ३४।५५ आ० ६०।० धृ० ५४।२५ वि० २।२९ दि० २५।४१
ग्र.	सू० ९।१४ च ३ म १।१९ बु ८।२१ बृ ११।१६ शु ७।२९ श १२।१६ रा ९।२४
ति.	पौ० सु० १५ मं० २०।५ पू० २८।५३ प्री० ६।४८ वि० २६।३ व० २०।५
ग्र	सू० १०।१५ च० ४ म० १।२९ बु० १०।७ बृ० ११।२२ शु० ९।४ श १२।१७ रा ९।२२
ति	मा० १५ सु० १५ बु० ५८।५७ म० ५।२७ आ० १७।४० दि० २८।०
ग्र	सू० ११।१४ च० ५ म० २।१२ बु० ११।१६ बृ० ११।२९ शु १०।१० श १२।२० रा ९।२१
ति	फा० सु० १५ शु० ३०।३८ उ० १२।१० वृ० २२।३९ वि० २।५ दि० ३०।८
ग्र	सू० १२।१४ च० ६ मं० २।२८ बु० १२।१६ बृ० १।१६ शु० ११।१६ श १२।२४ रा ९।१९

(अर्कपूर ।)) ए. पी. ज्या. झांसी.

सम्वत् १९३७ शाके १८०२

ति.	चै० सु० १४ शा० ५५।६ चि० ३१।११ व० ३१।१० दि० ३२।१५
म०	सू १।१२ च ७ म०३।१४ बु० १२।२६ बृ० १२।१३ शु०१२।२२ श०१२।२८ रा९।१८
ति.	वै० सु० १५ च० १६।५८ अ० ३१।५ शि ३१।४४ दि० ३१।४१
म.	सू २।११ च० ८ म० ४।३ बु० २।७ बृ० १२।२० शु १।२९ श० १।१ रा ९।१६
ति.	ज्ये० सु० १५ म० ३४।३४ मू० ५१।२९ शु० ३१।५७ अ०७।३८ दि०३९।१४
म.	सू० ३।९ च ९ म० ४ बु० ४।१९ बृ १२।२५ शु ३।४ श १।४ रा ९।१४
ति.	आ० सु० १५ बु० ५१।५३ पू० ७।५५ वि० ४८।३१ म० २४।३१ दि० ३३।२७
म.	सू ४।६ चं० १० म० ५।७ बु० ४।२० बृ० १२।२८ शु ४।१० श० १।६ रा ९।१३
ति.	श्रा० सु० १५ शु० ११।२० ध० १८।२१ आ० ५१।४२ दि० ३२।८
म	सू० ५।५ चं ११ मं० ५।२६ बु० ४।२० बृ० १२।२८ शु० ५।१७ श० १।६ रा०९।११
ति	भा० सु० १५ श० ३६।१९ पू० ३५।९ शु० ६।४० अ० ७।३५ दि० ३०।१७
म.	सू० ६।४ च० १२ मं० ६।१५ बु० ६।६ बृ० १२।२५ शु० ६।२३ श०१।५ रा० ९।१०
ति.	कु० सु० १५ चं० ८।२७ अ० ५७।५२ इ० १३।६ दि० २८।१९
म.	सू० ७।३ चं० १ मं० ७।५ बु० ७।२६ बृ० १२।२१ शु० ८।० श० १।३ रा० ९।८
ति.	का० सु० १५ मं० ४८।२१ भ० १९।२७ व० २५।० दि० २६।४२
म.	सू० ८।२ चं० २ मं० ७।२५ बु० ८।७ बृ० १२।१८ शु० ९।२ श० १।० रा० ९।७
ति.	अगहन सु० १५ गु० ३५।६ मृ० ५३।३४ शु० ३८।४२ दि० २५।५०
म.	सू० ९।३ चं० ३ मं०८।१५ बु० ८।१२ बृ०१२।१७ शु०१०।१२ श०१२।२०रा ९।५
ति.	पौ० सु० १५ श० २४।४५ पू० २४।१७ वि० ५४।१४ दि० २६।१८
म.	सू० १०।१ चं० ४ मं० ९।७ बु०१०।१० बृ०१२।२० शु०११।१६ श० १२।२९रा९।३
ति.	मा० सु० १५ ध० १२।३९ म० ५१।१९ शा० ९।६ दि० २७।२८
म	सू० ११।४ चं० ५ मं० ९।२९ बु० ११।१९ बृ० १२।२५ शु० १२।२० श०१।१०रा९।२
ति	फा० सु० १५ म० १४।३८ पू० २२।१७ शु० २३।२१ दि० २९।४१
म	सू० १२।३ चं० ५ मं० १०।२१ बु० ११।२१ बृ० १।२ शु० १।१६ श०१।४ रा ९।८

सम्बत् १९३८

ति.	चैत्रसु० १५ वृ २८।१६ वि० ४६।१२ कृ० ३३।४१ वृ० २८।१६ दि० ३०।३२
ग्र.	सू० ११२ च० ७ मं० ११।१४ बु० १२।८ वृ० ११८ शु० ११२५ श० ११८ रा० ८।२९
ति.	वैशाख सुदी ११ शु० ५५।५३ स्वा० ६।६ रा० ४५।१ दि० ३३।७
ग्र.	सू० २।१ च० ७ मं० १२।७ बु० २ वृ० ११।० शु० ११।२ श० ११६ रा० ८।२७
ति.	ज० सु० १५ र० ७।० ज्ये० १०।६ शु० ४९।४७ दि० ३४।२
ग्र.	सू० २।२९ चं० ९ मं० १२।२९ बु ३।२२ बृ ११२२ शु ११।७ श ११।५ रा ८।२६
ति.	आसाढ सुदी १५ च० ३४।४० पू० ३३।५ ऐं० ५।५५ दि० ३३।५५
ग्र.	सू० ३।२७ चं०१०मं० ११।९ बु० ३।२५बृ० ११२८शु० २।११ श० ११।९ रा० ८।२४
ति.	श्रावण सुदी १५ श० ५१।४२ श्रा० ४४।५५ आ० ११।१२ दि० ३३।४५
ग्र.	सू० ४।२४ च० १० मं० २।१० बु० ४।११ बृ०२।२ शु० ३।१२ श०१।२० रा०८।२३
ति.	भा० सु० १५ बु० १०।१८ पू० ५३।१४ धृ० १३।५१ दि० ३।१८
ग्र.	सू० ५।२३ चं०११ मं० २।२७ बु०६।२ बृ० ३।४ शु० ४।१५ श०१।२० रा०८।२१
ति.	क्वार सु० १५ गु० ३।११ उ० ९।४१ धृ० १७।१ वि० ५।१४ दि० २९।१२
ग्र.	सू० ६।२२ चं० १२ मं०३।११ बु० ७।१९ बृ० २।३ शु० ५।११ श० ११६९रा०८।१९
ति.	का० सु० १५ रं० ११२६ भ० २५।१ व्य० १७।१४ व० ११।६ दि० २७।२१
ग्र.	सू० ७।२२ चं १ मं ३।२० बु ७।१६ बृ २।२९ शु० ६।२७ श ११।६ रा ८।१८
ति.	अगहन सुदी १५ च० ३७।२३ रो०८६।१ सि० २४३१ वि० ७।१८ दि० ३६।९
ग्र.	सू० ८।२१ चं २ मं० ३।१ बु ८।४ वृ ११२६ शु ८।१ श ११।४ रा ८।१६
ति.	पौष सुदी १५ बु० २०।२९ आ० ११।२७ ऐं० ३४।३३ व० २०।१९ दि० २५।५९
ग्र.	सू ९।२२ चं ३ मं ३।११ बु ९।२५ वृ ११२३ शु ९।२१ श ११।३ रा ८।१५
ति.	मा० सु० १५ शु० ८।२३ श्ले० ४७।२१ सौ० ४८।५५ दि० २७।१२
ग्र.	सू० १०।२२ चं ४ मं ३।४ बु ११।८ वृ ११२४ शु १०।१९ श ११।४ रा ८।१३
ति.	फागुन सुदी १५ श० ५७।१२ म० १२।२९ सु० ४।४६ दि० २८।२६
ग्र.	सू ११।२२ चं ५ मं ३।८ बु ११।० वृ० १।२८ शु ११।२६ श ११६ रा ८।११

(नमक सुलेमानी १)) ए. पी. ज्यो. झांसी.

सम्वत् १९३९ शाके १८०४

ति.	वै० सु० १५ च० ४०.५७ ह० ४७।५७ घु० २३।१९ दि० ३०।२३
ग्र.	सू० १२।१२ च० ६ म० ३।२० बु० १।११ बृ० २।३ शु० १।३ श० १।१८ रा० ८।१०
ति	वै० सु० १५ क० १।१ स्वा० १४।१७ व्य० ४०।१ दि० ३२।२३
ग्र.	सू० १।२२ च० ७ म० ४।६ बु० १।२७ बृ० २।२९ शु० २।८ श० १।२९ रा० ८।८
ति.	ज० सु० १५ बृ० ४७।४८ अ० ३६।४० लि० ५५।२५ दि० ३३।२१
ग्र.	सू० २।२९ च० ८ म० ४।२९ बु० ३।१९ बृ० २।२७ शु० ३।१७ श० १।२७ रा० ८।०
ति.	अ० सु० १५ श० ११।१० पू० ५९।२८ व्रा० ७।५३ दि० ३४।१९
ग्र.	सू० ३।१७ चं० ९ मं० ५।७ बु० ३।८ बृ २।२३ शु० ४।२० श० २।० रा० ८।५
ति	आ० सु० १५ र० ३०।४० उ० ९।१६ प्री० १७।५० दि० ३३।१७
ग्र.	सू० ४।१६ च १० म ५।२५ बु ४।३ बृ ३।२९ शु ५।२४ श २।३ रा ८ ३
ति.	भा० सु० १५ चं० ४९।१९ घ० २१।५९ अ० २५।१३ दि० ३१।१४
ग्र.	सू० ६।१४ च० १२ म० ७।४ बु० ७।८ बृ ३।९ शु ७।२८ श २।४ रा ८।०
ति.	कु० सु० १५ बु० ९।० उ० २९।४० वृ० २२।१० दिन २९।१३
ग्र.	सू ७।१२ च० १ मं ७।२३ बु ६।२८ बृ ३।९ शु ८।१९ श० २।२ रा ७।२९
ति.	का० सु० १५ बृ ३१।४९ अ० ४२।२१ व २५।५८ दि० २७।१२
ग्र.	सू० ८।११ चं० २ मं० ८।१४ बु० ८।० बृ० ३।० शु० ८।२६ श० २।० रा० ७।२७
ति.	अगहन सु० १४ शु० ३।८ कृ० ५६।४९ पा० २८।३१ दि० २६।११
ग्र.	सू० ९।११ चं० ३ मं० ९।५ बु० ९।२२ बृ० ३।८ शु० ८।१४ श० १।२८ रा ७।२६
ति.	पौ० सु० १५ सोमे १०।१३ पु० ३८।२० प्री० ३२।१२ दि० २७।४३
ग्र.	सू० १०।१० चं० ४ मं० ९।२० बु० १०।२८ बृ० ३।० शु ८।२५ श० १।२७ रा ७।२४
ति.	माहसुदी १५ बु० ५४।८ आ० १।८ अ० ४५।१९ दि० २८। ४७
ग्र.	सू० ११।१० चं० ५ मं० १०।२० बु० १०।१४ बृ० २।२९ शु० ९।२२ श १।२८ रा ७।२३
ति.	फागुन सुदी १५ शुक्रे ४१.५९ उत्तराषाढ ३८।२ गं० ४।१९ दिन ३०।७
ग्र.	सू० १२।१० चं० ६ मं० ११।१५ बु० ११।२२ बृ० ३।२ शु० १०।२६ श० २।१ रा० ७।२१

श्रीसम्वत् १९४० शाके १८०५

ति.	चैत्रसुदी १५ रवौ २५।३९ चि०९।५१ वज्र यो० २१।२१ बा०क २५।३९ दिनं ३२।००
ग्र.	सू० १।१० चं६ मं१।२६ बु१।१८ बृ०३।६ शु१।२ श २।४ रा ७।२०
ति.	वैशाखसुदी १५ मंग०५।४७ अनु०४९।२६ शिव यो० ४८।५० बा क ५।४७ दिनं ३२।२२
ग्र.	सू २।९ च ८ मं १।१ बु ८।२५ बृ ३।१२ शु ८।१ श २।८ रा ७।१८
ति	ज्ये० शु० १५ बु ३९।३६ ज्ये० न० ८।१७ वि० १०।१३ क० ८।१३ दिन ३४।११
ग्र	सू ३।८ च ९ मं० ५।२२ बु २।२७ बृ ३।१७ शु २।१२ श २।१३ रा ७।१६
ति.	आषा० शु १५ गुरौ ७।३६ उ० षा० ३।३१ वै० यो० २४।५१ व० क० ७।३६ दिनं ३४।११
ग्र.	सू ४।५ चं १० मं २।१३ बु० ४।० बृ ३।२४ शु० ३।१९ श २।१५ रा ७।१५
ति.	श्रा० शु० १५ शनौ ३।४० श्र० ४०।४८।४३ आ० यो० ३६।४७ वि० क० ३।१२ दिनं ३४।११
ग्र.	सू ५।२ च ११ मं ३।२१ बु ५।२९ बृ ४।१ शु ४।२५ श २।१९ रा ७।१३
ति.	भाद्र० शु० १५ रवौ ५३।४० शत० ५।२५ शु० यो० ४८।१ २।२९ बं० ३६।२ क० दिनं ३१।२६
ग्र.	सू ६।१ चं १२ मं ३।२१ बु ६।२१ बृ ४।६ शु ६।१ श २।२९ रा ७।१२
ति.	आश्विन शु० १५ मंगल० १५।२९ रे० १८।३५ ह० यो० ४०।३० बा० क० ४५।२५ दिनं २८।४०
ग्र.	सू ७।० चं १ मं ४।७ बु ६।१४ बृ ४।११ शु ७।८ श २।१ रा ७।१०
ति.	कार्ति० शु० १५ बुध ३८।३८ भं० २५।४९ व्या० यो० क० ४२।२३ दिनं २७।००
ग्र.	सू ७।२९ चं २ मं ४।२० बु ७।२४ बृ ४।१३ शु ८।१४ श २।१७ रा ७।८
ति.	मार्गशीर्ष० शु० १५ भृगौ ४।३३ मृग मं ३।४८ शु० यो० ३४।१० बा० क० ४।३६ दिन २५।५७
ग्र.	सू ८।३० अ० सु० ९ अं० चं० ३ मं० ४।२८ बु ९।१२ बृ ४।१२ शु ९।२१ श २।१४ रा ७।७
ति.	पौ० शु० १५ शनौ ३४।८ पु० ३९।३६ वै० ३२।४० वि० क० ६।५ दिनं २६।११
ग्र.	सू ९।२९ च ४ मं वक्री० ४।२७ बु १०।११ बृ ४।८ शु० १०।२८ श २।१२ रा ७।६
ति.	माघ शु० १५ चन्द्र ७।४४ श्ले० न० ८।२२ शो० यो० ३७।३ बा० क ७।४४ दि २७।२८
ग्र.	सू० १०।२९ चं० ५ मं ४।१७ बु १०।१ बृ ४।४ शु० १२।३ श २।१२ रा ७।४
ति.	फा० शु० १५ मंगलवार ४५।२ पू० फा० ३१।१७ शू० यो० ४८।२१ बु० क० १४।४१ दिनं २९।११
ग्र.	सू ११।२९ चं ६ मं ४।१० बु ११।१८ बृ ४।२ शु० ११।९ श २।१३ रा ७।२

(अभ्रक) १०) तोला।

श्रीशुभसंवत् १९४१ शाके १८०६

ति	चैतसुदी १५ बृह० २५।१२ चि० ८।० व्या० यो० ४।५ बा० क० २५।१२ दिनं ३१।२४
म.	सू १।१ १ चं० ७ मं ४।१४ बु १।१ १ बृ ४।३ शु ०।१४ श २।५ रा ७।१
ति	वै० शा० शु० १२ श० ६।१२ वि० ३३।१८ वयो० श० ३।०१ ७ब० णे० क० ३८।४८ दिनं ३२।५८
म	सू० १।२७ चं० ८ मं० ४।२५ बु २।४ बृ० ४।१ शु० ३।१३ श० २।१९ रा ६।२९
ति.	ज्ये० शु० १५ रवौ ४५।५९ ज्येष्ठा ६०।० स० यो० २३।१२ वि० क० १३।१९ दिनं ३४।६
म.	सू० २।१५ चं० ८ मं० ५।१९ बु० २।३ बृ० ०।१० शु० ४।८ श० २।२३ रा ६।२८
ति	आ० शु० १५ मं० २३।२० पू०षा० ३५।९ प० यो० १५।२५ बा० क० ५४।३ दिनं ३३।५५
म.	सू० ३।२४ चं० ९ मं० ५।२५ बु० ३।१५ बृ० ४।१६ शु ३।२ श० २।६ रा० ६।२६
ति.	श्रा० शु० १५ बुध ५५।१९ श्रवण० ५९।१२ आ० यो० ३५।५७ वि० क० २४।२६ दिनं ३२।५६
म.	सू० ४।२३ चं० १० मं० ६।१३ बु० ५।१६ बृ० ४।२१ शु० ३।१८ श० ३।१ रा ६।२४
ति.	भाद्रपद शु० १५ भृगौ २५।११ शतभि० २१।५४ धृत यो० ४७।४९ बा० क० २५।५१ दिनं ३१।११
म.	सू० ५।२० चं० ११ मं ७।४ बु० ६।४ बृ० ५।० शु० ४।५ श० ३।१ रा ६।२३
ति.	आश्वि० शु० १५ शनौ ५२।५६ उ०भा० ८०।३ वृद्धि० यो० ६।२६ व० णि० क० ५४।५१ दिनं २९।१८
म.	सू० ६।१९ चं० १२ मं० ७।२२ बु० ६।३ बृ ५।६ शु० ५।६ श० ३।४ रा० ६।२१
ति	का० शु० १५ चंद्रे १८।५८ भ० न० ५३।४३ सि० यो० १।२५ बा० क० ५३।५७ दि० २७।२३
म	सू ६।२७ चं १ मं ८।११ बु० ७।१९ बृ ५।१० शु० ६।८ श ३।३ रा ६।२०
ति.	मार्गशीर्ष शु १५ मं० ४४।१५ कृ० ७।३६ शि० यो० २।२१ ग० क० ३३।१३ दिनं २६।६
म.	सू ८।२० च २ मं ९।८ बु ९।८ बृ० ५।१२ शु ७।१७ श० ३।० रा ६।१९
ति.	पौष शु १५ बृ० ९।५८ आ० १८।२८ ऐं ४८।५७ ब० ३६।५ दिनं २६।६
म.	सू० ९।१९ चं० ३ मं ९।२७ बु० ९।२५ बृ ५।१४ शु० ८।१८ श ३।० रा० ६।१९
ति.	माघ शु० १५ शनौ ३७।१६ पुष्य न० २०।५ आ० यो० ४३।३ वि० क० १०।१३ दिनं २६।१४
म.	सू १०।१८ चं ४ मं १०।१९ बु० ९।२२ बृ ५।१९ शु ९।२५ श ८।२२ रा ६।१५
ति.	फाल्गुन शु० १५ चंद्रे ६।२८ पू०फा० ४१।११ धृ० यो० ४४।१६ बा० क० ३५।८ दिनं २८।४४
म	सू ११।१९ चं ५ मं ११।१२ बु ११।११ बृ० ५।८ शु ११।३ श २।२६ रा ६।१४

(मूँगाकी भस्म) ॥) तोला ।

श्रीसम्वत् १९४२ शाके १८०७

ति.	चैत्रसुदी १५ चंद्र ३६।१९ हस्त ५१।५४ धृ यो ५१।५६ वि क०६।५७ दि० ३०।३६
प्र.	सू० १२।१८च०६ मं० १२।२१ बु० ११।१७ बृ० ५।८ शु०१२।१६ श०२।२रा६।१२
ति	वै०शु० १५ बु०१०।३२ स्वा० २५।६ सि०यो० ७।३७वा०क० ३८।३२ दि०३२।२८
प्र	सू० ११।७ च० ७ मं० १।० बु० ११।७ बृ० ५।४ शु० १।१६ श ३।२ रा ६।१२
ति	प्रथम ज्येष्ठशु०१५गुरौ४७।१६अनु४३।३१सा०यो०२८।१०व०क०१५।३४दि०३३।४५
प्र	सू० २।१४ चं० ८ मं० १।१५ बु १।१३ बृ ५।६शु०२।१२ श० २।२९ रा० ६।८
ति	द्वितीय ज्येष्ठ शु० १५ शनौ २५।२१ मूल १५।१ ब्र० यो० ५२।५३ दिन ३४।८
प्र	सू०३।११च०९मं०२।११बु०३।१७बृ०५।२शु०३।२९श० ३।८रा६।९
ति	आषाढ शु० १५ चं० ३।२ श्र० ६०।० प्री०यो १६।५९ ब०क ३।१५ दिनं ३३।२६
प्र	सू० ४।१२ चं० १० मं० ३।१ बु० ५।६ बृ ५।१५ शु० ५।४ श० ३।१२ रा ६।८
ति.	श्रा० शु० १५ मं० ४०।२० धनि० २३।२० व० ३८।३० ब०क०८।३३ दिनं३१।५६
प्र	सू० ५।११ चं ११ मं० ३।२१ बु० ५।१५ बृ० ५।२१ शु० ६।११ श०३।१५ रा६।८
ति	भाद्रपद शु० १५ गुरौ १।३२ उ०भा० ५११६ धृ०यो० ५३।९ दिनं २८।५६
प्र.	सू० ६।९ चं० १२ मं ४।११ बु० ५।२७ बृ० ५।२७ शु० ७।१७ श ३।१८ रा०६।८
ति	आ०शु० १५ भृगौ ४८।२१ रेव० ११।४ ध्रु०यो० ७२०।वि०क०१८।२० दिनं२८।४
प्र.	सू० ७।८ चं०१ मं ४।२८ बु० ७।१६ बृ० ६।३ शु० ८।२१ श ३।१९ रा६।२
ति.	कार्त०सुदी १५ रवौ १८।३५ कृ०१७।४ प०यो०८।११ बा०क० १८।३५दिनं २६।१७
प्र.	सू ८।९ चं २ मं० ५।१३ बु० ९।० बृ० ६।९ शु० ९।२४ श० ३।१८ रा ५।०
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ चंद्र ४६।१२ मृग०४०।२३ शु०यो०९।४९वि०क०१८।५०दिनं२६।४८
प्र	सू० ९।८ चं १ मं० ५।२७ बु० ८।२७ बृ० ६।११ शु० १०।२५ श० ३।१३रा ५।२९
ति	पौष शु० १५ बु २२।१९ पु० ४८।३४ वि०यो० १।८१ बा० क० १२।३९दिनं२६।२२
प्र	सू० १०।८ चं० ४ मं० ६।११ बु० ९।१५ बृ० ६।१४ शु० ११।१८श०३।१३ रा५।२८
ति	माघ शु० १५ गुरौ ३८।३९ आश्ले० ५।१ शो०या० २।२३ दिनं २७।१६
प्र.	सू० ११।७ चं० ५ मं० ६।० बु० १०।२७ बृ० ६।११ शु०११।१२ श० ३।८ रा० ५।२४
ति.	फा० शु० १५ रवौ ५।८ उ० फा०१५।१८धृ०या० ५२।१७बा०क०५।८दिनं २८।१६
प्र.	सू०१२।७ चं० ६ मं०६।१७ बु० १२।१४ बृ० ६।११ शु० ३।२५ श ३।८ रा० ५।२३

(योगराजगूगल) ५) तोला।

सम्वत् १९४३ शाके १८०८

ति.	चैत्र शु० १५ रवौ ३५।२२ चि० ३६।७ ह०यो० ९।२७ म० क० ७।१२ दिनं ३१।५४
ग्र.	सू १।८ चं० ७ मं ५।१२ बु १।२।१६ बृ ६।६ शु ११।१९ श ३।१२ रा ५।२२
ति.	वैशा० शु १५ भौमे २।५३ अनु० ५६।४५ प० यो० १७।५५ बा० क० २।५३ दिनं ३३।२८
ग्र.	सू २।६ चं ८ मं ०५।१७ बु ११।५ बृ ६।८ शु १।१९ श ३।१५ रा ५।२०
ति	ज्येष्ठ शु० १५ बुध ३२।५७ ज्येष्ठ १८।३१ न० शु० यो० ३५९ अ० क० ०२।२५ दिनं ३३।१५
ग्र.	सू ३।३ चं ९ मं ६।० बु ०।८ बृ ६।४ शु १।१२ श ३।१९ रा ५।१९
ति.	आषा० शु १५ भृगौ ७।२९ उ० षा ५०।११ विष्क० ५७।१२ बा० ७।२९ दिनं ३३।४४
ग्र	सू ४।१ चं १० म ६।१५ बु ४।२६ बृ ६।७ शु २।२९ श ३।२२ रा ५।१७
ति.	श्रा० शु० १५ शनौ ४३।४० श्र० १४।५१ सौ० यो १९।२७ म० क० ११।२८ दिनं ३३।२७
ग्र.	सू ४।२९ चं १० मं ७।२ बु ४।२४ बृ ६।१२ शु ४।२ श ३।२६ रा ५।१६
ति	भाद्रपद शु० १५ चंद्र २३।५८ पू० भा० ५०।३१ शू० यो ४२।५९ दिनं ३१।५
ग्र.	सू ५।२८ च १ मं ७।२२ बु ७।७ बृ ६।२८ शु० ५।२९ श ४।० रा ५।१४
ति.	आश्विन शु० १५ बुध ५।६ रे० १९।२ ध्रु० यो० १।१ बा० ५।६ दिन २८।४१
ग्र	सू ६।२७ चं १२ म ८।११ बु ७।० बृ ६।२५ शु० ६।१४ श ४।२ रा ५।१२
ति.	कार्त्ति० शु० १५ भृगौ ४७।१४ भर० ४७।३ व्य० यो० १४।२५ भ० क० १४।५ दिनं २६।५९
ग्र.	सू ७।२७ च १ मं ९।४।११ बु ८।१८ बृ ७।१ शु ७।२ श ४।३ रा ५।११
ति.	मार्गशीर्ष० शु० १५ शनौ ११।३० रो० ५।१५ सा० यो० १९।८ दिनं २६।२५
ग्र.	सू० ८।२७ च २ मं ९।२९ बु मार्गी ८।९ बृ ७।७ शु ९।० श ४।१ रा ५।९
ति.	पौष शु० १५ रवौ ५३।४६ आ० मं० २३।२ ऐं० यो २३।१३ म० क० २५।४० दिन २६।९
ग्र.	सू० ९।२७ चं ३ मं १०।११ बु ९।१७ बृ ७।११ शु० ७।१२ श ३।२९ रा ५।७
ति.	माघ शु० १५ मंग० २३।१७ आश्ले० २४।४७ सौ० यो० १८।१६ वणि० २३।१७ दि० ३१।०
ग्र.	सू १०।२६ चं ४ मं ११।१२ बु ११।५ बृ ७।१४ शु ११।१३ श ३।२७ रा ५।६
ति.	फाल्गुण शु० १५ बु० पू० फा० ४७।५४ धृति० २०।५६ भ० क० २१।४६ दिनं २९।१५
ग्र.	सू० ११।२८ च ५ म० १।१६ बु० १२।८ बृ ७।१४ शु १२।२० श ३।२५ रा ५।४

चन्द्रोदय ६०) तोला।

श्रीसम्वत् १९४४ शाके १८०९

ति	चैत्र सु० १५ शु० ११।३० चि० ४६।६ व्या०यो१६।३४ ब० क०११।३० दिनं३१।८
ग्र.	सू० १२।२५ चं ६ मं १२।२९ बु ११।२९ बृ ७।१२ शु १।२९ श३।२५रा ५।३
ति.	वैशा० शु० १५श० ३३।१९ स्वाति० १३।४१ व्य० यो० बृ० क०५।५७ दिनं ३२।४८
ग्र.	सू० १।२५ चं ८ मं २।१२ बु ३।६ बृ७।५ शु४।६ श ३।२६ रा ५।१जे० सु१०श८।०
ति.	ज्ये० शु० १५ चंद्र ५५।३७ अनु०२९।३७ शि०यो० ३४ ५ व ब०क१३।५दिनं३३।५२
ग्र.	सू २।२४ चं ८ मं २।१२ बु।।६ बृ७.५ शु ४।५ श ४।० रा ५।०
ति.	आषाढ़ शु१५ मंग १९।५९ पू० षा० ४८।११ ऐं०यो०३।२३वाल०क०१९।५९दि३४।१
ग्र.	सू ३।११ चं ९ मं३।२ बु ४।१३ बृ७।४ शु ५।६ श ४।४ रा ४।१८
ति	श्राव०शु१५बु८८।३७ उ० षा ८।८ प्री० यो०।१४ ब०क०१८।१९दिनं १३।१०
ग्र	सू ४।१९ च १० मं ३।११ बु ४।१ बृ ७ ६ शु६।० श ४।८ रा ४।२७
ति	भाद्रपद शु० १५।भृगौ १३।११ शत० ३८।२२ सुक०यो० २०।२ दिनं ३१।३१
ग्र.	सू ५।१७ च ११ मं ४।११ बु ५।९ बृ ७।१० शु ६।१० श ४।११ रा ४।२५
ति.	आश्विन शु०१५रवौ १।४२ उ०भा० ७।१२ वयो०या ३८।२७वि०क०८।४१दि२९।१६
ग्र.	सू ६।१७ चं १२ मं ५ बु ७।३ बृ ७।२५ शु ५।२५ श ४।२४ रा ४।२४
ति.	का०शु०१५ चं० ४८।२२ आश्वि०३७।२० सिद्ध यो०५७।५१गर०१५।४५दिनं।२७।४४
ग्र	सू ७ १६ चं १ मं ५।२१ बु८।० बृ७।२४ शु६।७ श४।७ रा ४।२२
ति.	मार्गशीर्ष शु० १५ बुध ३३।४८ कृ० ६।२ शि० यो० १३।६ दिनं ३०।२६
ग्र	सू ८।१५ चं २ मं ६।३।। बु ७।२५ बृ ७।२८ शु० ६।७ श ४।१ रा ४।२०
ति.	पौष शु० १५ शुक्र १६।३४ आर्द्रा ३४।४४ वृ०यो २१।२८ दिनं २६।५२
ग्र	सू ९।१५ च ३ म ६।१९ बु ९।४वृ०८।४ शु ८।० श ४।१३ रा ४।१७
ति	माघ शु०१५ श ५४।१० पुष्य ५५।३७ प्री० यो२९।४ दि०२६।४१
ग्र	सू १०। अं१६ चं४मं ७।२ बु १०।२१ बृ ८।१० शु० ९।५श ।१। रा ४।१७
ति.	फा० शु ११ चं० १६।१८ पू० फा० ११।२१ सु० या० २९।१७ दिनं २८।२४
ग्र.	सू ११।१४ चं० १ म ७।५ बु ११।११ बृ ८।१४ शु १०।१२ श ४।१० रा४।१६

रूपरस ६) रु० तोला ।

सं १९४५ शाके १८१० सर्वधारी संवत्सरे चैत्रादौ राजा गुरुः मंत्री बुधः पूर्वधान्येशो शनिः पश्चिमधान्येशो गुरुः।

अधिक चैत्र० शु० १५

ति	चैत्रसुदी १५ मंगलवार ५३।११ उत्त० फा० २९।२८ वृ० यो० ५।५१ म.क. ३५।४३ दिनं ३०।३०
प्र	सू १२ अ १४ चं ६ मं ७।१ बु ११।१८ बृ ८।१५ शु ११।१७ श ४।६ रा ४।१३ द्वि० चै० व० ९ बु १२
ति	चैत्र शु० १५ गुरौ ५०।० स्वाति ३८।३८ सि० यो० ३३।२ बा० क० १५।० दिनं ३१।२२
प्र	सू १ अ० १४ चं ७ मं ६।२१ बु १५ बृ ८।१३ शु १२।२४ श ४।७ रा ४।१२
ति	वैशा० शु० १५ भृगौ ३८।२१ अनु ५१।१ शि० यो० मे० क० ७।२० दिन ३३।४२
प्र	सू २। अं १२ चं ८। मं ६।१ बु ३।० बृ० ८।१० शु २।१ श ४।९ रा ४।१०
ति	ज्ये० शु० १५ शनौ ५२।५९ ज्ये० ८।३१ शु० यो० ४९।४६ म० क० २५ दिनं ३४।१३
प्र.	सू० ३।९ च ९ मं ६।२४ बु० ३।१२ बृ ८।८ शु० ३।६ श ४।१२ रा ४।९ मार्गी बुधः
ति	आषाढ शु० १५ चंद्र १३।३७ उ० षा० २१।१४ वि० यो० ५४ दिनं ३३।५
प्र.	सू ४।८ चं १० मं ७।८ बु ३।२० बृ ८।६ शु ४।१२ श ४।११ रा ४।७ सा० व ७ बु ४
ति.	श्रावण शु० १५ भौमे ३८।३० ध० ४०।६ शो० यो० १२।३७ म० क ९।२० दिन ३२।४
प्र.	सू० ५।५ चं ११ मं ७।२४ बु ५।६ बृ ८।८ शु ५।१८ श ४।१९ रा ४।६
ति	भाद्र० शु० १५ गुरौ १०।११ पूभा० ३।२० गंज यो० २४।१४ बा० क० १०।१० दिनं ३०।९
प्र	सू ६।८ चं १२ मं ८।१३ बु ६।२८ बृ ८।११ शु ६।२५ श ४।२३ रा ४।४
ति	आश्विन शु० १५ शुक्रे ९।५ रेवती० २८।१८ ह० यो० ३९।५० म० क० १४।१७ दिनं २८।१५
प्र	सू ७।३ चं १ मं ९।३ बु० ७।१४ बृ ८।१५ शु ८।२ श ४।२५ रा ४।३
ति	कार्त्तिकसुदी १५ रवौ ३८।३२ कृत्ति ६।१ प यो. ५६।३९ अ क आ. व. १ बु. ७ आ ३।२२ दि. २६।३५
प्र	सू० ८।१ चं २ मं ९।२५ बु ७।१७ बृ ८।२१ शु ९।८ श ४।२५ रा ४।१ का. व १० शु० ७ मार्गी बुध.
ति	मा० शी० शु० १५ भौमे २७।५८ मृगस ३३।३० शु० वा० ११।१९ दिन २५।४८
प्र	सू ९।४ चं ३ मं १०।१८ बु ९।१ बृ ८।२८ शु १०।१५ श ४।२७ रा ३।२९ बा. क २२।५९
ति	पौषसु० १५ गुरौ १०।१२ पुष्य० १।२४ ब० कु० यो० २४।११ बा० क० १०।१२ दिन २६।२२
प्र	सू १०।५ चं ४ मं ११।१० बु १०।१६ बृ ९।३ शु ११।१८ श ४।२५ रा ३।२८
ति	माघ सु० १५ सुक्र ५२।२४ आश्ले २७।३६ शो० यो० ३४। ५ म २७।५ दिनं २७।५१
प्र	सू ११।८ चं० ५। मं. ०५ बु १।१४ बृ. ९।९ शु १२।२१ श ४।२२ रा ३।१७
ति	फागुन सुदी १५ रवौ २७।१५ उ० फा० ४९।६ ग० यो० ४०।३० बा० ३।७१५ दिन २९।४९
प्र.	सू १२।८ च. ६। मं० ९।२८ बु ११।८ बृ ९।१३ शु ११।८ श ४।२० रा ३।२५

(कांतिसार) २) तोला।

श्रीसम्वत् १९४६ शाके १८११ शुक्लनाम सम्वत्सरे राजा सूर्यः
मंत्री गुरुः पूर्वधान्येशो रविः पश्चिमधान्येशो भृगुः

प्र	चैत्र सु० १५ चं० ५११४ हस्त० ४।३३ ध्रु०यो० ४५।८ वि०क० २३।१७दिनं३१।४०
ति	सू ११३ चं७ मं. ९।१९ बु ११० बृ ९।१७ शु ११० श ४।२४ रा ३।२१
प्र	वैशाख सु०१५ बुध ११।२४ वि शा १०।६।२९ प.यो ४६।१५वा०क०१३।२४दिनं ३१।८
ति	सू २।२ चं०८ मं १।११ बु२।२१ बृ९।१७ शु११७ श४।२४ रा ३।२२पश्चीबुधजे०सु०१
ति.	ज्ये०सुदी ११ गु० ३१।३९ ज्ये०२९।१६ शु०४७।१वि०के० ४।४३ दिनं३४।३
प्र.	सू ३१० चं ९ मं० ३।१॥ बु ३१० बृ ९।१४ शु ११७ श ४।२४ रा ३।२२
ति.	आषाढ सु० १५शु०८।२९ पू०षा० ४१।२५वैं०यो०८।३७वि०क२१।२९दिनं०३३।५३
प्र.	सू ३।२८ चं ९ मं ४।१० बु ३।११ बृ ९।११ शु ९।१४ श ४।२९रा० ३।१९
ति.	सावनसुदी १५ रवी ६।४४ ध० ७।१४७ सौ०यो०१०।४३व०क०६।४४दिनं३३।४४
प्र.	सू ४।२६ चं०१० मं४।१० बु ५।३ बृ ९।११ शु २।१२ श ५।३ रा ३।१९
ति.	भाद्रपद सुदी १५ चंद्र २९।१४ शत० ९।२४ धृ०या०२०।७ वि०क०५९।४ दिनं३१।४
प्र.	सू ५।२४ चं० ११ मं ४।२८ बु ६।२१ बृ ९।७ शु ४।१८ श ५।६ रा ३।१६
ति	कुआँर सुदी १५ म०५८।१७पूभा०३७।३७ध्रुव०२९।४५यो०वि०क०२६।५४दिनं२९।१८
प्र	सू ६।२३ चं०१२ म ५।१७ बु० ६।२६ बृ ९।१० शु ५।२२ श ५।१० रा ३।१४
ति.	कातिकसुदी १५बृ०३५।०भरणी५९।१७व्य०यो ३८।५ वि०क०४।१५दिनं२८।१८
प्र.	सू ७।२३ चं०१ मं०६।१५ बु०७।० बृ ९।४ शु ६।२९ श ५।१३ रा ३।११
ति.	अगहन सुदी १५ श १२।४४ रो०१०।३ सा०यो०५०।५८ व०क०१८।४४ दिनं २७।७
प्र.	सू ८।२३ चं०२ मं०६।२२ बु ८।२६ बृ ९।२० सू ५।१३ श ५।१८ रा ३ ११
ति.	पूस सुदी १५ चंद्र ७।१५ पुनर्व० ५३।० ऐं०यो० ४।५८ व०क० ७।१५ दिनं २५।३
प्र.	सू ९।२४ चं०२ मं ७।९ बु १०।११९।२० शु ९।१४ श ५।१३ रा ३।१३
ति.	माघ सुदी १५मंगल५६।१५ पु०अश्ले२०।३४आ० यो०१०।१२क०वि०३३।८९दिन२७।१२
प्र.	सू १०।२३ चं०३मं ७।२५ बु १०।११ बृ १०।४ शु १०।१४ श ५।१२ रा ३।८
ति.	फागुन सु० १५ गु० ४३।२३ पु० फा०४१।३१ धु०५५।५सि ९।५३ दिन०२८।५९
प्र	सू०११ २४ चं०५ मं०८।८ बु०११।० बृ० १०।११ शु०११।२९ श० ५। ९ रा ३।७

(वंग) १) रु० तो०

श्रीसम्बत् १९४७ शाके १८१२

ति.	चै०सु०१५शा१९।२४ ह०१८।१८ ठबा ४१।२१ ब १६।२४ वि०३१।२५
ग्र.	सू०१२।२३ च ६ म ८।१७ बु ११।२५ बृ १०।१६ शु ११६ श ५।७ रा ३।५
ति.	वै०सु०१५ र ४९।२१ स्वा ३९।३० सि ३।११ वि०२०।२७ दि०३२।२४
ग्र.	सू १।२२ च ७ म ८।१७ बु २।१० बृ २।१२ शु ५।६ श १०।२० रा ३।३
ति.	जेठ सु०१५ म०१२।५२ ज्ये०५३।४२ सि०९।५० प्रा ११।५१ दि०३३।२७
ग्र	सू २।२० च ८ म ८।९ बु ३।६ बृ १०।२१ शु ३।१८ श ५।७ रा ३।२
ति.	आषाढसु० १५ बु० ३१।४५ मू० १०।३५ व्र० १८।५८ वि० ४।११ दि० ३४।२०
ग्र.	सू० ३।२० च० ९ म० ८।५ बु० ३।४ बृ० १०।१९ शु० ४।२१ श ५।१० रा ३।०
ति.	श्रा० सु० १५ गु० ४८।४१ उ०४०।२२ प्री २६।११ वि०२६।४४ दि०३३।१८
ग्र.	४।१५ च १० मं ८।११ बुद्ध ४।२७ बृ १०।१६ शु ५।२६ श ५।१३ रा २।२९
ति.	भाद्र सु० १५ शं ६।४६ श ३०।३० सु०१६।४६ वि० -३२।१६
ग्र.	सू०५।१४ च० ११ म० ८।२४ बु० ६।१२बृ १०।१२ शु० ७।० श० ५।१७ रा०२।२७
ति.	द्वि० भाद्रो सुदी १५ र० २८।९ उ०४४।१२ बृ० ३९।९ व, ०।३९ वि० २९।१४
ग्र.	सू० ६।१२ श १२ म ९।११ बु ६।५ बृ १०।१० शु ७।२९ श ५।२० रा २।२६
ति	कुवा।० सु० १५ च० ५४।१६ र० ११।३१ वृ० ३७।१९ वि० २४।२४ दि० २७।१३
ग्र.	सू ७।११ च० १ म १० १ बु० ७।० बृ० १०।१२ शु ८।१९ श ५।२८ रा २।२४
ति.	कार्तिक सुदी १५ बु २७।२६ कृ० १९।७।शि० ४६।२४ वि० २०।५६ दि २६।११
ग्र.	सू ८।१२ च २ म १०।२२ बु ८।२१ बृ १०।१६ शु ८।१५ श ५।२६ रा २।२३
ति.	अगहन सुदी १५ शु ७।२७ भ्र ४५।४५ व्र ४९।१ व ७।४५ दि०२७।१३
ग्र.	सू ९।१२ च ३ म ११।८ बु १०।० बृ १०।२१ शु ८।७ श ५।२७ रा २।२१
ति.	पौषसुदी १५।श० ५३।२० श ८।२० वि० २८ वि० २९।१५ दि० २६।१३
ग्र.	सू १०।१२ च ४ म १२।१ बु ९।१९ बृ १०।२८ शु ८।२५ श ९।२६ रा २।१९
ति.	माघ सुदी १५ च० ४१।५४ घ ४५।२७ अ १६।५७ वि० ९।१८ दि० २८।१३
ग्र.	सू ११।१२ च ५ म १२।२८ बु १०।२६ बृ ११।५ शु ९।२८ श ५।२४ रा २।१९
ति.	फा०सु० १५ बु २८।५ उ० १६।४६ वृ० ३६।११ व० २८।५५ वि० ३०।१४
ग्र.	१२।१२ च ६ म ११।९ बु १२।१७ बृ ११।१२ शु १०।२६ श ५।२३ रा २।१७

श्रीसंवत १९४८ शाके १८१३

ति	चै० सु० १५ गु० ९।२४ स्वा० ४९।११ सि० ५३।५९ दिन ३२।१२
ग्रह	सूर्य ०।११ चं० ७ मं० २।६ बु० १।१६ बृ ११।८ शु० १।२४ श० ५।१८ रा० २।१५
ति	वै० सु० १५ श० ४।०२ वि० ११।२९ प० १३।१० दिन ३३।८
ग्र	सू० २।१९ चं० ८ मं० २।२६ बु० १।१७ बृ० ११।२३ शु० १।१९ श० ५।१९ रा० २।१३
ति	ज्ये० शु० १५ चन्द्रवार ८।५७ मू० १९।३६ शु० २४।० दिन ३३।१४
ग्र	सू० ३।८ चं० ९ मं० ३।१८ बु० २।२७ बृ० ११।२६ शु० २।१५ श० ५।१९ रा० २।१२
ति	आषा० सु० १५ मं० २०।१९ उ० ४६।५१ वि० ३५।२० दिन ३३।२८
ग्र	सू० ४।६ चं० १० मं० ४।६ बु० ४।२० बृ० ११।२६ शु० ३।२० श० ५।२१ रा० २।१०
ति	श्रा० सु० १५ बु० ४९।१८ श्र० ३।२० धृ० ५८।५१ शो० ४३।३४ दिन ३३।२१
ग्र	सू० ५।२ चं० ११ मं० ४।२८ बु० ५।२७ बृ० ११।२४ शु० ४।२६ श० ५।२४ रा० २।८
ति	भा० सु० १५ शु० ८।११ पू० भा० ११।२९ ग० ४१।१३ व० ८।३३ दिन ३३।२०
ग्र	सू० ६।२ चं० ११ मं० ५।१४ बु० ५।७ बृ० ११।१० शु० ६।३ श० ५।२७ रा० २।७
ति	कु० सु० १५ श० ३०।१८ रे० २१।२९ ह० १५।१८ वि० २।५७ दिन २९।२४
ग्र	सू० ७।० चं० १ मं० ६।० बु० ६।२५ बृ० ११।१६ शु० ७।९ श० ६।० रा० २।५
ति	कार्तिक सु० १४ र० ०।४ भ० ३६।१२ व० ४७।४९ ब० ०।४ दिन २७।५१
ग्र	सू० ८।० चं० २ मं० ६।२२ बु० ८।१५ बृ० ११।१० शु० ८।१७ श० ६।३ रा० २।४
ति	मार्ग० सु० १५ मं० २०।११ मृ० ५०।२९ शु० ४५।१३ दिन २६।५५
ग्र	सू० ९।१ चं० ३ मं० ७।१० बु० ९।१३ बृ० ११।१८ शु० ९।२३ श० ६।४ रा० २।२
ति	पौ० सु० १५ बु० ०।३६ पु० १०।०८ वि० ४८।१८ दिन २६।१८
ग्र	सू० १०।१ चं० ४ मं० ८।० बु० ९।१८ बृ० ११।२२ शु० ११।० श० ६।५ रा० २।०
ति	मा० सु० १५ शु० ४१।५१ अ० ३५।१७ सौ० ११।८ दिन २६।३१
ग्र	सू० ११।१ चं० ५ मं० ८।१७ बु० १०।१९ बृ० १२।० शु० १२।६ श० ६।४ रा० १।२९
ति	फा० सु० १५ र० २६।१६ पू० फा० ४।३४ शू० १५।७ दिन २८।३८
ग्र	सू० १२।० चं० ६ मं० ९।५ बु० १२।१७ बृ० १२।७ शु० १।१२ श० ६।३ रा० १।२७

श्रीसंवत् १९४९ शाके १८१४

ति	चै० सु० १५ म० ११ । १२ चि० ४३ । १० ह० ३७ । ४५ दि० ३१ । २९
ग्र	सू० ११० च ७ मं० ९ । २६ बु २।१३ बृ० १२ । १४ शु २।१५ श ६।६ रा ११२६
ति	वै० सु० १५ बु० १४।५५ स्वा० ८।१ वृ० ५९।४६ दि० ३२।८
ग्र	सू १।२८ च ८ मं १ ।१० बु १।४ बृ ११।२० शु ३।१३ श ६।५ रा ११२४
ति	ज्ये० सु० १५ शु० ११।२१ ज्ये० ४१।४ लि० ३१।१५ दि० ३३।१४
ग्र	सू० २।२७ च ८ म १०।२१ बु २।२१ बृ १२।१७ शु ४।१ श ६।५ रा ११२२
ति	आ० सु० १५ र० २।१७ पू० ६।११ वै० १८।२९ दि० ३३।२४
ग्र	सू० ३।२५ च ९ म ११।० बु ४।७ बृ १।१ शु ३।१९ श ६।६ रा ११२०
ति	श्रा० सु० ११ च० २८।१४ श्रा० २६।३१ सौ० ५२।२३ दि० ३३।८९
ग्र	सू० ४।२३ चं० १० म १०।१८ बु० ५।९ बृ० ११२ शु ३।१७ श ६।८ रा १११९
ति	भा० सु० ११ म० ५९।३१ श० ४२।४२ शु ८।६ दि० ३०।४२
ग्र	सू० ५।२१ चं ११ म १०।११ बु० ५।८ बृ ११२ शु ४।६ श० ६।१८ रा १११७
ति	कु० सु० १५ गु० १३।५ रे० ५२।३२ ध्रु० ५२।२६ दि० २९।२५
ग्र	सू० ६।२० चं १२ मं० १०।२० बु० ६।२२ बृ० १२।२९ शु ५।६ श ६।१५ रा १११६
ति	का० सु० १५ शु० २६।८ अ० ८।१७ लि० ५।३५ दि० २८।१४
ग्र	सू० ८।१९ च० १ म ११।० बु० ८।९ बृ० १२।२५ शु ६।९ श ६।१८ रा १११४
ति	अगहनसुदी १५ र० ५४।१६ रा० १६।० लि० ५२।३४ दि० २७।२५
ग्र	सू० ८।१९ च २ म ११।१० बु ८।२१ बृ० ११।२१ शु ७।१४ श ६।२१ रा १११३
ति	पौ० सु० १५ च० २६।०८ आ० २९।२४ श्रा० ५३।२१ दि० २७।२१
ग्र	सू ९।१६ चं ३ म १ ।६ बु ८।२५ बृ ११।२८ शु ८।१० श० ६।२१ रा० १११२
ति	मा० सु० १५ बु० ५८।१० आ० ४८।१८ सौ १४।५८ दि० २८।४
ग्र	सू० १०।१९ चं० ४ म० ११२ बु० १०।११ बृ० ११।२७ शु० ९।२८ श० ६।२३ रा१११०
ति	फा० सु० ११ गु० ३२।१४ म० ५।१८ सू० ६।५४ दि० २९।११
ग्र	सू० ११।१९ चं० ५ म० १।१७ बु० १२३ बृ० ११२ शु० १११४ श० ६।२२ रा ११८

सं० १९५० शाके १८१५

ति	च० सु० १५ श० १३।४३ ह० ३१।१८ ध्रु०१६।२० दि० ३०।१४
प्र	सू० १२।१९ च० ५ म० ११९ बु० १०।१३ बृ० ११८ शु० १०।१३ श० ६।१५ रा० १७
ति	वै० सु० १५ र० ५४।४ स्वा० ६०।० सि० ३६।३३ दि० ३०।१२
प्र	सू० ११।१८ च० ७ म० २।२८ बु० १२।१४ बृ० १।१ श १।१९ श ६।१३ रा ११८
ति	जे० सु० १५ म० ३४।३५ स्वा० ३१।११ सि० १३।० दि० ३३।१९
प्र	सू० २।१६ च० ८ म० ३।१५ बु० २।१ बृ० १।३ शु० १।२६ श० ६।१२ रा १।१४
ति	आ० सु० १५ गु० ११।४५ मू० ६।३१ ब्रा० २५।२१ दि० ३४।६
प्र	सू० ३।१६ चं० ९ मं० ४।७ बु० ४।८ बृ २।० शु० ४। श ६।१३ रा १।२
ति	द्वि० श्रा० सु० १५ शु० ४७।१२ उ० ३१।३ प्री० ४६।३३ दि० ३।२३
प्र	सू० ४।१३ चं० १० म० ४।२३ बु० ४।२० बृ० २।४ शु० ५।१ श० ६।१४ रा ११२
ति	श्र० सु० १५ र० १८।२९ श० ६६।७ अ० ३।३० दि० २१।८
प्र	सू० ५।११ चं ११ म० ५।१४ बु० ४।१ बृ० २।८ शु० ६।२७ श ६।२८ रा १।२६
ति	भा० सु० १५ चं० ४६।५६ पू० १५।१३ ग० १०।५५ दि० २९।४६
प्र	सू० ६।१० च० ११ म० ६।१ बु० ६।१७ बृ० २।७ शु० ७।१६ श० ६।२० रा० १०।२८
ति	आश्विन सु० १५ बु० १३।३५ आ० २६।११ व० १६।३५ दि० २७।२०
प्र	सू० ७।९ च० १ म० ६।२१ बु० ८।३ बृ० २।७ शु ८।२३ श० ६।२३ रा० १२।२६
ति	का० सु० १५ बृ० ३९।२२ कृ० ४९।५३ प. १८।४९ दि० २६।२४
प्र	सू० ८।९ च०२ मं० ७।१० बु० ८।७ बृ० २।३ शु० ६।२६ श० ६।२६ रा० ११।२५
ति	अ० सु० १५ श० ४।४० आ० ४९।११ शु० १०।३५ दि० २५।३५
प्र	सू० ९।९ चं० ३ म० ८।११ बु० ८।१८ बृ० २।८ शु० १०।२५ श० ६।२८ रा० ११।१३
ति	पौ० सु० १५ रा ३०।५३ पू० ५।१९ वि० ९।४७ दि० २८।८
प्र	सू० १०।९ च०४ म० ८।२० बु० १०।१० बृ० २।२९ शु० १०।१ श० ७।० रा १०।२२
ति	मा० सु० १४ चं० ३।२९ श्ले० १९।३ शो० ११।३८ दि० २८।०
प्र	सू० ११।८ चं० ५ म० ९।१० बु० ११।५ बृ० २।१ शु ११।१४ श० ७।० रा० १२।२०
ति	फा० सु० १५ बु० २९।४४ उ ३४।१९ ग० १२।० दि० ३०।०
प्र	सू० १२।८ च० ६ म० १०।१० बु० ११।२३ बृ० २।१ शु० १०।२८ श० ६।२९ रा० १०।१८

संवत् १९५१ शाके १८१६

ति	चै० सु० १५ शु० २।७ स्वा० ५९।८ व० २०।४८ व० ११।७ दि० ३२
ग्र	सू० १।८ च ७ म० १०।१० बु १०।१० बृ २।१० शु ११।२१ श ७।० रा० १२।१७
ति	वैशाखसुदी १५ श ३७।३४ धि २२।३२ प० ४०।२२ वि० ८।१७ दि ३।१६
ग्र	सू० २।५ च०८ म०११।१० बु २।६ बृ २।८७ शु १२।२१ श ६।८ रा १०।१५
ति	जे० सु० १५ च०१४।६ मू० ५७।२७ शु० ३।१७ व० १४।६ दि० ३३।१०
ग्र	सू० ३।५ च०९ म०११।२९ बु० ३।२५ बृ २।२३ शु १।२४ श ६।२५ रा ११।१४
ति	आ० सु० १५ मं० ५२।८ पू २१।५० वै० २१।५ वि० २०।० दि० ३३।४४
ग्र	सू०४।२ च०१० म० १०।१८ बु ४।१३ बृ ३।० शु० ३।० श ६।०७रा१८।१२
ति	श्रा० सु० १५ बृ० २९।३० ध० ५८।११ शो० ५१।११ व० १९।३८ दि० ३१।२५
ग्र	सू० ५।१ च० ११ म० ११० बु० ४।१० बृ ३।७ शु ०।४ श ६।२६ रा ११।१०
ति	भा० सु० १५ श० ८।३१ पू २५।३८ शु० १४।६ व० ८।११ दि० ३।१६
ग्र	सू० ६।० च० १२ म० ११३ बु० ६।९ बृ० ३।११ शु ५।११ श ७।२ रा १।१५
ति	आश्विन सु० १५ र० ४१।३८ रे० ४६।५७ व्य० ३।० वि० ११।३१ दि० २८।४०
ग्र	सू० ६।२९ च० १ म० १।० बु० १०।२३ बृ० ३।१४ शु० ६।२६ श ७।२ रा० ११।७
ति	का० सु० १५ मं० १३।५१ भ० ६।१२ व० २८।२० व० १३।५१ दि० १६।२९
ग्र	सू०७।२९ च २ म १२।२३ बु० ७।१५ बृ ३।१४ शु ७।२५ श ७।५ रा १२।१६
ति	अगहन सु० १५ बु० ४।१० रो० ५२।२८ सा ३०।०१ वि० १५।० दि० २५।५६
ग्र	सू० ८।२८ च० ३ म १२।२८ बु ८।१३ बृ ३।१० शु ६।१ श ७।८ रा ११।९
ति	पौष सु० १५ शु० १०।२४ पु ३१।३१ वै० २३।२ व० १०।१४ दि० २५।११
ग्र	सू०९।२८ च ४ म ११।० बु १०।१ बृ ३।९ शु १०।८ श ७।१० रा ११।३
ति	माह सु० १५ शु ३७।२४ श्ले० ४२।१५ सौ २२।१८ वि० ९।३० दि० २७।२८
ग्र	सू०१०।२७ च ५ म ११२५ बु ११।१० बृ ३।४ शु १०।१५ श ७।११ रा ११।११
ति	फागुनसुदी १५ च० २।३४ उ०५१।३० सु० १७।२९ व व ५०।३४ दि०२९।१०
ग्र	सू०११।२८ च ६ म १।११ बु ११।७ बृ ३।४ शु १२।२४ श ७।११ रा ११।२९

संवत् १९५२ शाके १८१७

ति	चैत्र सु० १५ मं० २८।४३ ह० १२।४९ व्या २३।११ वि० १।५१ दिन ३१।३६
ग्र	सू० १२।१६ चं० ७ मं० १।२५ बु० १३।११ बृ० ३।८ शु० १।२९ श० ७।१९ रा० ११।७ के० ५।१७
ति	वै० सु० १५ बु० ५५।३९ स्वा० २८।११ व्य० ३४।३३ दिन ३२।५४
ग्र	सू० १।१५ चं० ७ मं० ३।१५ बु० २।१ बृ० ३।२१ शु० ३।६ श० ७।१९ रा० ११।२६ के० ५।२६
ति	ज्ये० सु० १५ शुक्र २४।८ ज्ये० ५१।० सा० ४६।१७ दिन ३३।४८
ग्र	सू० २।२३ चं० ९ मं० ४।४ बु० ३।१६ बृ० ३। ६ शु० ४।७ श ७।६ रा० ११।२४ के० ५।१४
ति	आषा० सु० १५ शनौ ५४।५८ मू० १३।१२ बृ० ६।२७ वि० २३।२२ दिन ३३।५८
ग्र	सू० ३।२१ चं० ९ मं० ४।२३ बु ३।४ बृ० ३।२५ शु० ५।८ श० ७।६ रा० ११।२३
ति	श्रा० सु० १५ चं० ३१।४० श्र० ४६।३५ आयु० २८।३५ दिन ३२।५६
ग्र	सू० ४।१६ चं० १० मं० ५।११ बु ४।१२ बृ ४।१ शु ६।१ श ७।७ रा० ११।२१
ति	भादों सु० १५ बु० १०।१७ श १६।३० धृ० ५२।४१ दिन ३१।१६
ग्र	सू० ५।१८ चं ११ मं ६।० बु० ६।१२ बृ ४।७ शु ६।४ श ७।८ रा ११।१९
ति	आश्विन सु० १५ बृ ५१।८ उ० ४७।२५ ब्र ११।३१ वि० १९।१६ दिन २९।२४
ग्र	सू० ६।१६ चं० १२ मं० ६।२० बु० ७।८ बृ० ४।१२ शु ५।२४ श ७।११ रा० ११।१८
ति	का० सु० १५ शनौ ३३।१३ अश्वि० ३४।८ सि० २७।५० दिन २७।३४
ग्र	सू० ७।१६ चं० १ मं० ७।१० बु० ७।२ बृ० ४।१६ शु० ६।७ श० ७।१६ रा० ११।१६
ति	मार्ग० सु० १५ चन्द्रे ११।१९ रो० ४०।४२ सि० ३३।३१ व १९।१९ दिन २६।१२
ग्र	सू० ८।१७ चं० २ मं० ८।० बु० ८।११ बृ ४।१७ शु ६।२९ श० ७।१७ रा० ११।१५
ति	पौ० सु० १५ भौम ४५।४३ आ० ५६।५० ब्र० ३८।१८ दिन २५।५६
ग्र	सू० ९।१६ चं० ३ मं० ८।२१ बु० १०।० बृ० ४।१५ शु० ८।२ श० ७।२० रा० ११।१३
ति	मा० सु० १५ गुरौ १६।४० पुष्य ११।३४ आ० ३४।१० दिन २६।५६
ग्र	सू० १०।१७ चं० ४ मं० ९।१२ बु० १०।२५ बृ० ४।२१ शु० ९।८ श० ७।२३ रा ११।११
ति	फा० शु० १५ शुक्र ४२।५ मघा० २५।१५ शु० ३६।१९ दिन २८।३६
ग्र	सू० ११।१६ चं० ५ मं० १०।४ बु० १०।१९ बृ० ४।२ शु० १०।१४ श० ७।२३ रा० ११।१०

संवत् १९५३ शाके १८१८

ति	चै० सु० १५ र० ७।७ ह० ११।६ धु० ३२।१० व० ७।७
ग्र	सू० १२।१६ च ६ म १०।२६ बु १२४ बृ ४।८ शु ११।२५ श ७।२२ रा ११।८
ति	वै० सु० १५ च० २९।२६ स्वा० ४८।११ सि० ३६।१५ वि० २।१०
ग्र	सू १।१५ च ७ म १०।१८ बु १।२८ बृ ४।१ शु ११।११ श ७।२४ रा ११।७
ति	जे० सु० १५ मं० ५१।१४ वि० ५।१५ शि० ५७।४६ वि० २५।४
ग्र	सू० २।१२ च ८ म १२।१० बु २।२८ बृ ४।१३ शु २।२ श ७।२२ रा ११।५
ति	प्र० जे० सु० १५ बृ० १४।२१ मू० २१।४१ ब्रा० ५४।१० वव २४।३१ दि ३४।१४
ग्र	सू० ३।११ च ९ म १।२ बु २।१९ बृ ४।१८ शु ३।१० श ७।१९ रा ११।४
ति	आसाढ सु० १५ शु० ४१।२६ ब० ४२।३ वि० १४।२८ वि० १२।११ दि० ३३।१२
ग्र	सू० ४।९ च १० मं १।२१ बु ४।५ बृ ४।२४ शु ४।१८ श ७।२० रा ११।२
ति	श्रा० सु० १५ र० १३।३० ध० ७।१५ आ० ११।३८ बव० १३।३० दि० ३२।३
ग्र	सू० ५।७ च ११ म २।१२ बु ६।० बृ ५।० शु ५।२२ श ७ २२ रा ११।१
ति	भा० सु० १५ च० ५२।५० पू० ३५।७ ग० ५२।२१ वि० २०।२५ दि० ३०।१२
ग्र	सू० ६।५ च १२ मं २।२४ बु ६।२२ बृ ५।७ शु ६।२७ श ७।२४ रा १०।२९
ति	कु० सु० १५ बु० ३५।५४ रे० ४।४५ ह० ७।१९ वि २।५९ दि० २८।२३
ग्र	सू० ७।५ च १ म ३।२ बु ६।११ बृ ५।११ शु ८।५ श ७।२७ रा १०।२६
ति	का० सु० १५ सु० २११।३ कृ० ४१।३ प० २७।७ व० २०।१२ दि० १६।३५
ग्र	सू० ८।५ च २ म ३।२ बु ८।९ बृ ५।१६ शु ९।१२ श ७।२७ रा १०।२६
ति	अ० सु० १५ र० ५।२९ मू० ७।१७ शु० ३७।१२ व व०।२६ दि० २५।४६
ग्र	सू० ९।६ च ३ म २।२० बु ९।२५ बृ ५।१८ शु० १०।१९ श ८।० रा १०।२३
ति	पौ० सु० १५ च० ४४।२ पू० २९।२ वि० ४४।५१ वि० १४।१४ दि० २६।२२
ग्र	सू० १०।५ च ४ म २।१५ बु १०।५ बृ ५।१७ शु ११।२२ श ८।२ रा १०।१४
ति	मा० सु० १५ बु० १८।१५ म० ४७।३ आ० ४५।३० व० १८।१२
ग्र	सू ११।६ च ५ म २।२१ बु ११।१० बृ ५।१५ शु १२।१२ श ८।३ रा १०।२१
ति	फा० सु० १५ गु० ४७।२४ पू० ५।३१ मू० ४४।३३ वि० ९।१८ दि० ३९।१८
ग्र	सू १२।५ च ६ मं० ३।२ बु १२।१० बृ ५।१२ शु १।१४ श ८।५ रा १०।२९

संवत् १९५४ शाके १८१९

ति | चै० सु० १५ श० १०।५२ चि० १६।१६ व० ४७।५५ व० १०।५२ दि० ३१।२९

ग्र | सू० १।५ च ७ म ३।१७ बु १।१५ बृ ५।१० शु १।१४ श ८।३ रा १०।१८

ति | वै० सु० १५ र० ३१।२६ वि० ३१।१० व० २।११ वि० ४।२९ दि० ३३।२०

ग्र | सू २।३ च ८ म ४।५ बु २।५ बृ ५।१० शु १।२ श ८।२ रा १०।१६

ति | जे० सु० १५ स्व० ४६।५१ ज्ये० ४२।३१ सा० १०।२० वि० २३।३६ दि० ३३।१

ग्र | सू ३।१ च ९ म ४।२१ बु २।११ बृ ५।१२ शु १।१८ श ८।० रा १०।१५

ति | आ० सु० १५ गु० ९।२२ उ० ५४।४७ वै० १३।२२ व० ६।२२ दि० ३३।४८

ग्र | सू० ३।२८ च ९ म ५।१० बु ४।२० बृ० ५।१७ शु २।१५ श ७।२९ रा १०।१३

ति | श्रा० सु० १५ बृ० ३१।४४ श्रा १३।२१ सौ० २५।२० वि० ३।५ दि० ३२।१७

ग्र | सू० ४।२७ च ११ म ५।१९ बु ५।२१ बृ ५।२१ शु ३।१२ श ७।२९ रा १०।१२

ति | भा० सु० १५ रा० १।१९ पू० ३।१९ शू० ३६।१५ व० १।१९ दि० ३१।१३

ग्र | सू० ५।१५ च १२ म ६।१८ बु ३।६ बृ ५।२९ शु ४।२२ श ८।० रा १०।१०

ति | आश्विन सु० १५ र० ३६।३३ रे० ६०।० व्य० ५२।१४ वि० ५।२२ दि० ३१।०

ग्र | सू० ६।१४ च १ म ७।८ बु ६।१२ बृ ६।५ शु ५।२५ श ८।१ रा १०।९

ति | का० सु० १५ मं० २०।८१ भ० १९।१८ व्य० ७।१६ वव० २०।४१ दि०

ग्र | सू० ७।२४ च २ म ७।२८ बु ७।० बृ ६।१२ शु ७।१ श ८।१ रा १०।९

ति | अ० सु० १५ बृ० ७।१८ रो० ०।४२ सा० २३।१३ व० ७।१८ दि०

ग्र | सू० ८।२४ च ३ म ८।२० बु ९।१३ बृ ६।१५ शु ८।९ श ८।१० रा १०।५

ति | पौ० सु० १५ शु० ५५।१३ आ० २९।८१ पे० ३६।३६ वि० २२।३९ दि०

ग्र | सू० ९।२४ च० ३ म० ९।११ बु० ९।२१ बृ० ६।१८ शु० ९।१६ श० ८।१२ रा १०।१४

ति | माह सु० १५ र० ३९।१५ श्ले० ६०।० सौ० ४७।१८ वि० ८।२७ दि०

ग्र | सू० १०।२५ च० ४ म० १०।३ बु० १०।३ बृ० ६।१७ शु० १०।२४ श० ८।१४ रा १०।११

ति | फाल्गुन सु० १५ मं० १७।८० पु० २१।२१ शु० ४।४१ व० १७।४० दि०

ग्र | सू० ११।२५ चं० ५ म० १०।२६ बु० ११।२६ बृ० ६।१७ शु० १२।३ श ८।१५ रा० १०।१२

सम्वत् १९५५ शाके १८२०

ति	चै० सु०१५ बु० ४८।२१ ह० ४१।१९ बु ०।१२ दि ३१।९
ग्र	सू० १२।२४ च० ६ म ११।१ ७ ० १।११ बृ० ६।१४ शु०१।९ श० ८।१५ रा०९।१६
ति	वै० सु०१५ सु० १३।५ वि० ५४।२१ व्य० ११।३० दि० ३२।४८
ग्र	सू० १।१३ च ७ म १२।१० बु० १।५ बृ० ६।११ शु० २।१३ श० ८।१४ रा ९।०७
ति	जे० सु० १५ श० ३१।२४ अनु ११ १५ सि० १९ ४० दि० ३३।५३
ग्र	सू० २।१० च ८ म० १।४ बु० २।१ बृ० ६।१० शु ३।१९ श० ८।१३ रा ९।२६
ति	आसाढ सु० १५ र०४९। ३८ मू० २३ ३१ब्र०रे ७।१६ दि० ३४।८
ग्र	सू० ३।१८ च० ९ म० १।२७ बु० ३।२७ बृ०६।१० शु० ६ श० ८।१०रा ७।२३
ति	श्रा० सु० १५ म० ७।८ श्र० ३।१८ घ० २८।१२ दि०३३।९
ग्र	सू० ४।१७ च १० म २।१७ बु ५।११ बृ०६।१५ शु ६ श ८।१० रा ६।२२
ति	आ० सु० १५ बु० २७।३१ श० ४८।२१ सु० ३६।१३ दि० ३१।३६
ग्र	सू० ५।१४ च ११ म ३।५ बु ५।१० बृ ६।२० शु ७।२ श ८।१० रा ९।२२
ति	क० सु० १५ बृ० ५३।४५ पू० ४।१८ बृ० ४६।२० दि० २८।४४
ग्र	सू० ६।१३ च० १२ म०३।११ बु० ६।१ बृ० ६।१६ शु०८।० श ८।१२ रा ८।२९
ति	द्वि० कु० सु० १५ श० २६।२० आ० २५।सि०५२।१५ दि० २७।४०
ग्र	सू० ७।१३ च० १ म ४।३ बु० ७।२१ बृ० ७।१ शु० ८।१७ श०८।१४ रा ९।१९
ति	का०सु० १५ च० ६।१० रा० ५४।२० सि० ४।३१ दि० २६।१८
ग्र	सू० ८।११ च० २म ४।१४ बु ८।१ बृ० ७।८ शु०८।१० श ८।१७ रा ९।१८
ति	अगहन सु०१५ मं ५२।४९ मृ० १८।१८ शु०१८।१२ दि० २५।५०
ग्र	सू ९।१२ च० ३ म० ४।१० बु ८।२५ बृ० ७।८ शु. ८।१० श ८।११ रा ९।१५
ति	पौ० सु०१५ बृ०४१।४९ पू० ५५।२४ प्री० ३३।१८ दि० २६।४३
ग्र	सू०१०।११ च० ४५ ४।१ बु ९।२८ बृ ७।१७ शु ९।२४ श ८।२ रा ९।१४
ति	मा० सु० १५ शु० २९ २४ म० २४।२० स० ५०।४१ दि०२८।२४
ग्र	सू० ११।१४ च ५ म ३।२४ बु० ११।१४ बृ ७ १६ शु ९।२५ श ८।२५ रा ९।१२
ति	फा० सु० १५ च० १।१४ ह०५३।५१ ध्रा० ४।२५ दि०३०।२४
ग्र	सू० १२।२४ चं ३ म० ३।२६ बु० १२।२० बृ० ७।१८शु०१।१२श० ८।२६ रा ९।११

संवत् १९५६ शाके १८२१

ति | चै॰ सु॰ १५ मं॰ ४५।॰ चि॰ १५।१ व॰ १८।७ दि॰ ३०।१६

ग्र | सू॰ ६।११ च ७ म ४।८ बु १२।१७ बृ ७।१४ शु १२।७ श ८।२६ रा ९।९

ति | वै॰ सु॰ १५ बृ॰ ११।२५ अनु॰ ३४।१० लि॰ ६।१० दि॰ ३३।४१

ग्र | सू॰ २।११ च ८ म ४।२८ बु १।२८ बृ ७।११ शु १।१४ श ८।२४ रा ९।७

ति | जे॰ सु॰ १५ शु॰ ३२।७ मू॰ ४८।२० शु॰ ३६।२८ दि॰ ३०।१८

ग्र | सू १।८ च ९ म ५।९ बु ३।१२ बृ ७।१० शु २।१८ श ८।२३ रा ९।६

ति | आ॰ सु॰ १५ श॰ ५०।१० पू॰ ५१।११ वै॰ ०४।८० दि॰ ३३।२७

ग्र | सू ४।६ च १० म ५।२७ बु ५।२ बृ ७।१० शु ३।२२ श ८।११ रा ९।८

ति | श्रा॰ सु॰ १५ चं॰ ७।२३ ध॰ १२।२९ आ॰ ४०।१८ दि॰ ३२।९

ग्र | सू॰ ५।५ च ११ म ६।१५ बु ४।२१ बृ ७।१२ शु ५।० श ८।२१ रा ६।१

ति | भा॰ सु॰ १५ मं॰ २६।४२ पू॰ ३५।१२ ग ५०।५१ दि॰ ३१।२०

ग्र | सू॰ ६।१ च १२ म ७।५ बु ५।१८ बृ ७।१९ शु ६।९ श ८।२ रा ६।१

ति | कु॰ सु॰ १५ बु॰ ५१।० रे॰ ४०।५० व्या॰ २।६ दि॰ ३१।२४

ग्र | सू ७।२ च १ म ७।२५ बु ७।२० बृ ८।० शु ७।१३ श ८।२४ रा ९।०

ति | का॰ सु॰ १५ शु॰ २०।११ कृ॰ ५५।४१ व॰ ४०।५४ दि॰ २७।४८

ग्र | सू ८।२ च २ म ८।१६ बु ८।२२ बृ ८।१ शु ८।१९ श ८।२६ रा ८।१८

ति | अ॰ सु॰ १५ श॰ ५६।३२ रा॰ १०।२२ सा॰ ८।३१ दि॰ २५।१२

ग्र | सू॰ ९।१ च ३ म ९।१० बु ८।१८ बृ ८।७ शु ६।१७ श ९।० रा ८।२७

ति | पौ॰ सु॰ १५ च॰ ४०।१६ मू॰ ४३।१५ व॰ १५।१० दि॰ २५।१७

ग्र | सू॰ १०।१ च ४ म १०।१ बु ६।२० बृ ८।१२ शु ११।५ श ९।३ रा ८।२५

ति | मा॰ सु॰ १५ बु॰ २७।२४ श्ले॰ १२।४१ शो॰ ३१।३१ दि॰ २६।०४

ग्र | सू॰ ११।३ च ५ म १०।२५ बु ११।१३ बृ ८।१७ शु १२।१० श ९।८ रा ८।२३

ति | फा॰ सु॰ १५ पु॰ १५।२४ उ॰ ५०।४१ ग॰ ४९।०१ दि॰ २९।४०

ग्र | सू १२।३ च ६ म ११।१८ बु १२।१० बृ ८।१८ शु १।१५ श ९।७ रा ८।२२

संवत् १९५७ शाके १८२२

ति	चै० सु० १५ श० ५९।३० ह० १५।१९ व्या० ७।२६ दि० ३१।३६
ग्र	सू० १।२ च ६ म १२।११ बु १२।४ बृ ८।१९ शु ९।७ श ९।२० रा ८।२०
ति	वै० सु० १५ च० ३६।१५ वि० ४७।११ बृ० २७।६ दि० ३०।१०
ग्र	सू २।० च ८ म १।३ बु १।१९ बृ ८।१७ शु ३।११ श ९।७ रा ६।१९
ति	जे० सु० १५ बु० ६।० ज्ये० ८।३० शु० ३६।१ दि० ३३।२८
ग्र	सू २।२९ चं० ९ म १।२५ बु ३।१४ बृ ८।११ शु ३।५ श ९।४ रा ८।१७
ति	आ० सु० १५ बृ० २९।१९ पू० २७।२ वै० ५१।३० दि० ३३।४९
ग्र	सू० ३।२७ च १० म २।१७ बु ४।१६ बृ० ८।१२ शु ३।४ श ९।३ रा ८।१६
ति	श्रा० सु० १५ शु० ४९।२३ श्रा ४१।१६ आ० ८।४१ दि० ३०।४१
ग्र	सू० ४।०६ च १० म ३।८ बु ४।१० बृ ८।११ शु ३।१६ श ९।१ रा ८।१४
ति	भा० सु० १५ र० च२५ पू० ५०।२० शू० ८।३० दि० ३१।५६
ग्र	सू० ५।१३ च ११ म ३।२७ बु ५।२१ बृ ८।१३ शु ४।११ श ९।२ रा ८।१२
ति	कु० सु० १५ च० २९।२४ उ० ५।१० ध्रु० १२।११ दि० २९।४
ग्र	सू० ६।११ च १२ म ४।१४ बु ५।११ बृ ८।१८ शु ५।११ श ९।३ रा ८।११
ति	का० सु० १५ मं० ५४।८२ आ० १७।२१ सि० १४।११ दि० २७।२१
ग्र	सू० ७।१० च ३ म ४।१८ बु ७।० बृ ८।२१ शु ६।१३ श ९।५ रा ८।९
ति	अ० सु० १५ बृ० २०।१८ रो० १९।११ सि० ९।११ दि० २६।५
ग्र	सू० ८।२१ च २ म ५।११ बु ८।२ बृ ८।१६ शु ७।२८ श ९।८ रा ८।८
ति	पौ० सु० १५ बु० ५३।० आ० ५१।१५ ब्रा० १८।२० दि० २६।२
ग्र	सू० ९।२० च० ३ म० ५।१६ बु० ९।१८ बृ० ९।८ शु० ८।२४ श० ९।११ रा ८।६
ति	माह सु० १५ र० ३०।३२ पू० ७।२१ प्रा० १५।१३ दि० २७।८
ग्र	सू० १०।२१ च० ४ म० ५।१७ बु० ११।३ बृ० ९।११ शु० १०।० श० ९।१४ रा ८।५
ति	फागुन सु० १५ मं० १४।१० पू० ३९।१२ शु० २९।२० दि० २४।०
ग्र	सू० ११।२१ चं० ५ म० ५।४ बु० ११।२० बृ० ९।१६ शु० ११।८ श ९।१६ रा० ८।३

श्रीसंवत् १९५८ शाके १८२३

ति	चै० सु० १५ बु० ५८।४३ उ० ३।९ ध्रु० ४७।८ दि० २६।३५
प्र	सू १२।२० च ६ म ४।२६ बु० ११।१८ बृ ६।२० शु १२।१४ श ६।१८ रा ८।१
ति	वै० सु० १५ शु० ४१।३६ स्वा० ४१।४ सि० ९।३८ दि० ३०।३
प्र	सू १।१९ च ७ म० ५।० बु० १।१३ बृ० ९।२१ शु० १।२१ श० ६।१८ रा ८।०
ति	जे० सु० १५ रे० २१।११ अनु० ११।३२ सि० ३३।१२ दि० १३।५९
प्र	सू २।१८ चं ८ म ५।१३ बु १।८ बृ ९।२० शु २।२८ श० ९।१७ रा० ७।२९
ति	आ० सु० १५ चं० ५४।१३ मू० ३८।० ब्रा० ५३।२२ दि० ३४।५
प्र	सू ३।१५ चं० ९ म० ५।२८ बु० ३।२२ बृ ९।१७ शु ४।३ श० ९।१६ रा० ७।२७
ति	श्रा० सु० १५ मं० २३।११ उ० ६०।० वि० १२।११ दि० ३३।१४
प्र	सू ४।१४ चं० १० म० ६।१६ बु० ३।२७ बृ० ९।१४ शु ५।१० श० ९।१४ रा ७।२५
ति	द्वि० श्रा० सु० १५ बृ० ४६।३८ ध० १८।१० आ० २२।४१ दि० ३१।४०
प्र	सू ५।११ च० ११ मं० ७।४ बु० ५।१६ बृ ९।१२ शु० ६।१६ श० ९।१३ रा० ७।२४
ति	भा० सु० १५ श ९।९ उ० ३१।४० बृ० ३१।१२ दि० २९।४४
प्र	सू० ६।११ च १२ म० ७।२५ बु० ७।६ बृ० ९।१३ शु ७।२१ श० ९।१३ रा० ७।२७
ति	कुवार सु० १५ र० ३१।८ आ० ४३।३१ वा० २६।१० वि० ४।६ दि० २८।५१
प्र	सू० ७।१० च० १ मं ८।१६ बु० ७।१४ बृ० ९।१७ शु० ८।२६ श० ९।१५ रा ७।२०
ति	का सु० १४ च० ५६।२ २।३ कृ० ५४।५० दिन २६।२६
प्र	सू ८।९ चं० २ मं० ६।७ बु० ७।२२ बृ ९।२२ शु ९।२७ श० ९।१७ रा० ७।१९
ति	आ० सु० १५ पु० २२।५१ मृ० ६।१८ शु० १९।५१ दि० २५।४४
प्र	सू० ९।१० चं० ४ मं० १०।२ बु० ९।१० बृ० ९।२८ शु० १०।२४ श० ९।२० रा० ७।१७
ति	पौ० सु० १५ बृ० ५२।२२ पू० २०।१० वि० २०।१५ दि० २६।३३
प्र	सू० १०।९ च० ४ मं १०।२२ बु० १०।१८ बृ० १०।४ शु १०।१४ श ९।२३ रा ७।१६
ति	माह सु० १५ श० २६।११ म ३८।२ आ० २०।८ दि० २८।२६
प्र	सू० ११।१० चं ५ म ११।२६ बु १०।२७ बृ १०।११ शु १०।१९ श० ९।२६ रा ७।१४
ति	फागुन सु० १५ च० ३१।२ उ० २।८ बृ० ३०।१८ दि० ३०।१२
प्र	सू १२।१० चं० ६ म १२।१० बु ११।१५ बृ १०।१८ शु १०।२२ श ९।२८ रा० ७।१३

संवत् १९५९ शाके १८२४

ति	चै० सु० १५ म० ४२।१२ त्रि०३०।४० व४८।३१ ढि० ३२।६
ग्र	सू० १।८ च ७ म १।२१ बु १।७ बृ १०।२२ शु १।२४ श ९।२८ रा ७।१
ति	वै० सु० १५ बृ० २१।२९ वि ०।४१ प० १०।४३ दि० ३३।३७
ग्र	सू २।७ च ८ म १।२८ बु १।० बृ १०।२५ शु १२।२३ श ९।२९ रा ७।८
ति	जे० सु० १५ श० २।२२ सू० ३५।३० शु ३५।३० दि० ३४।१३
ग्र	सू० ३।६ च ९ म २।१६ बु २।२८ बृ १०।२५ शु १।२८ श ९।२८ रा ७।६
ति	आ० सु० १५ र० ३८।१० पू० ११।१ वि० ५९।३४ दि० ३३।४०
ग्र	सू० ४।३ च १० म ३।६ बु ३।१९ बृ १०।२३ शु ३।२ श ९।२७ रा ७।६
ति	श्रा० सु० १५ म० २५।०६ ध० ३१।४ शि० १८।३ दि० ३२।१६
ग्र	सू० ५।२ च ११ म ३।२७ बु ५।१३ बृ १०।१९ शु ४।८ श ९।२५ रा ७।५
ति	भा० सु० १५ बु० ४१।८ पू० ५१।२१ शु० ३२।३५ दि० ३०।२८
ग्र	सू० ६।० च १२ मं ४।१५ बु ६।२७ बृ १०।१६ शु ५।१३ श ९।२४ रा ७।३
ति	कु० सू० १५ शु० १०।३२ रे० ९।३३ ह० ३५।२२ दि० २८।१८
ग्र	सू० ७० च १ म ५।८ बु ६।२४ बृ १०।१६ शु ६।०० श ९।२५ रा ७।२
ति	कार्तिक सु० १५ श० ३७।१७ भ० ११।४ व० ३१।२७ दि० २६।१३
ग्र	सू० ७।२८ च २ म ५।२० बु ७।१० बृ १०।१८ शु ७।२७ श ९।२७ रा ७।०
ति	अगहन सु० १५ च० ३।१२ मू० ३१।३२ शु० ३१।३० दि० २५।५३
ग्र	सू० ८।२९ च ४ म ६।५१ बु ९।६ बृ १७।२३ शु ९।४ श ९।२९ रा ६।२९
ति	पौ० सु० १५ मं० २९।३४ पु० ४३।३८ वै० ३०।५१ दि० २६।५१
ग्र	सू० ९।२९ च ४ म ६।१६ बु १०।१७ बृ ११।२९ शु १०।१२ श १०।१२ रा ६।१७
ति	मा० सु० १४ बु० ५५।५१ ०।५९ पुष्य ०।८ सौ ३९।१० दिन २७।३४
ग्र	सू १०।२८ च ४ म ६।१६ बु ११।१० बृ ११।११ शु १२।१५ श १०।८ रा ६।२४
ति	फा० सु० १५ शु० २४।३२ पू० १२।३१ शू० २६।३ वि० २९।८
ग्र	सू० ११।२८ च ५ मं ६।१६ बु ११।१२ बृ ११।१३ शु १२।२५ श १०।८ रा ६।२४

संवत् १९६० शाके १८२५

ति	चै० सु० १५ श० ५५।४६ ह० ३१।१२ व्या० ३९।३१ दि० ३१।२४
ग्र	सू० १२।२७ च० ६ म० ६।३ बु० ९।१ बृ० ११।१९ शु० ११ श० १०।१० रा६।२२
ति	वै० सु० १५ चं० १८।५८ वि० ५७।२० सि० ५२।४१ दि० ३३।१०
ग्र	सू० १।२६ च० ७ म० ६।१ बु० १।२६ बृ० ११।२५ शु०३।५ श०१०।११रा २६।२१
ति	जे० सु० १५ बु० ४।१७ ज्ये० २६।१० सा० १३।३८दि० ३४।१
ग्र	सू०२।२५ च० ८ म० ६।८ बु० २।: बृ० १।१० शु० ४।९ श० १०।११ रा ६।१९
ति	आ० सु० १५ बृ० ४१।१५ पू० ५६।० पै० ३०।११ दि० ३३।५४
ग्र	सू० ३।२४ चं० ९ मं० ६।२१ बु० ३।१ बृ १२।१ शु० ५।८ श १ ।१९ रा ६।१८
ति	श्रा० सु० १५ श० १९।१५ श्रा २६।२७ आ० १।२९ दि०-३१।५०
ग्र	सू० ४।२१ चं १० म० ७।७ बु० ५।६ बृ० १२।१ शु० ६।१ श १०।१७ रा ६।१६
ति	भा० सु० १५ र० १७।१५ श० ५५।१२ सु० २३।३१ दि० ३८।८
ग्र	सू० ५।१९ च० ११ म० ७।१५ बु० ६।१६ बृ० ११।२७ शु०५।१६श०१०।१रा० ६।१५
ति	कु० सु० १५ म० ३३।४१ ब० २१।५१ ध्रु० १९।१२ दि० २९।८
ग्र	सू० ६।१८ च० १२ म० ८।१६ बु० ६।१० बृ० ११।२३ शु०५।१८श०१०।६ रा०६।१३
ति	का० सु० १५ बृ० ८।१५ भ० ४३।३ व्य ४५।४१ दि० २७।२४
ग्र	सू० ७।१८ चं०१ मं० ९।८ बु० ७।११ बृ० ११।२१ शु०६।३श०१०।६ रा० ६।११
ति	अगहन सु० १५ शु० ४०।११ कृ० ११५८ सि० ४९।३ दि० २६।८
ग्र	सू० ८।१८ चं०२ म० १०।० बु०९।० बृ०११।२२ शु०७।२ श०१०।८ रा० ६।१०
ति	पौ० सु० १५ र ८।२० आ० १२।१२ पै० ४३।१५ दि० २६।०
ग्र	सू० ९।१८ च०३ म० १०।२२ बु० १०।१ बृ० ११।२६ शु० ८।६ शं० १०।११ रा ६।८
ति	मा० सु० १५ चं० ३५।२२ पू० २४।४२ आ० ४०।१७ दि० २६।५७
ग्र	सू० १०।१८ चं० ४ म०११।१५बु० ९।२३ बृं०१।११ शु ९।९ श० १०।१४ रा०६।७
ति	फा० सू० १५ बु० ०।५१ पू ३३।५ धृ० ३६।४१ दि० ५८।४८
ग्र	सू० ११।१८ चं० ५ म० ११।१६ बु० ११।४ बृ०१२।९ शु०१०।१७श१०।१७ रा० ६।५

संवत् १९६१ शाके १८२६

ति	वै० सु० १५ गु० २५।१५ ह० ५२।३९ ध्रु० ४७।५१ पु० ३०।४१ दि०
ग्र	सू० १२।१७ च० ६ म० ११३ बु० १२।११ बृ० १२।१५ शु० ११।१२ श० १०।२२ रा५।४
ति	वै० सु १५ शु० ५४।३१ चि० १०।१५ सि० ५३।२६ दि ३०।१
ग्र	सू० ११२५ च०७ म०१।२४ बु० २।३ बृ० १२।१२ शु० १२।१७ श १०।२४ रा ६।१
ति	जे० सु० १५र०१०।४१ अ० २७।४६ सि० ६।११ दि०
ग्र	सू० २।१४ च० ८ म० २।१५ बु० १।२४ बृ० १२।२८ शु २।४ श १०।२५ रा ६।१
ति	द्वि० जे० सु० च० ४१।४१ मू० ५०।४१ शु० २१।४५ दि०३४।८
ग्र	सू० ३।१२ च० ९ म० ५।३ बु० ३।२ बृ० १।१ शु० ३।१० श १०।२४ रा ५।२९
ति	आषाढ सुदी १५ बु० २२।४४ वी० १७।१० प्री० ४१।१७ दि० ३३।२४
ग्र	सू० ४।१० च० १० म ३।१५ बु० ४।२६ बृ १।७ शु ४।१७ श १०।२१ रा ५।२८
ति	श्रा० सु० १५०।१६ श० ५२।४८ श्रा० ३।९ व० ०।१६ दि० ३१।५०
ग्र	सू० ५।८ च० ११ म० ४।३ बु० ६।३ बृ० १।८ शु० ५।२४ श १०।२० रा ५।२६
ति	भा० सु० १५ श० ४१।११ भा० १६।३७ ग० २५।५६ वि० ८।८९ दि० २६।६५
ग्र	सू० ६।७ च० १२ म० ५।२ बु० ५।२३ बृ० १।६ शु० ६।० श १०।१९ रा० ५।२५
ति	क्वार सु० १५ व० २३।४८ अ० ५१।१२ व० ५३।५६ दि० २७।४९
ग्र	सू० ७।७ च १ म ५।१९ बु० ७।२ बृ १।२ शु ७।६ श १०।१९ रा ५।२३
ति	का० सु० १५ बु० ५।३ कृ० १६।१३ शि० ५३।५६ व० ५।३ दि० २६।२३
ग्र	सु० ८।७ च० २ म० ६।० बु ८।२२ बृ ११।२९ शु ९।१२ श १०।२२ रा ५।२२
ति	म० सु० १५ गु० ४७।५० मृ० ३७।१५ शु० ४।२४ दि० २५।०
ग्र	सू० ९।७ च ३ म ६।१३ बु० ९।२० बृ १२।१८ शु १०।१७ श १०।२२ रा ५।२०
ति	पौ० सु० १५ श० १६।१६ पु० ५३।० वि० ५३।४६ व० ११।१६ दि० २७।६
ग्र	सू० १०।७ च ४ म ७।७ बु ९।११ बृ १।० शु ११।२१ श १०।२५ रा ५।१८
ति	माहसुदी १५ र० ४५।१३ श्ले० १०।१० शो० ७।१८ वि० १७।४ दि० २८।१
ग्र	सू० ११।७ च ५ म ७।१९ बु १०।२५ बृ १।५ शु १२।१२ श १०।२५ रा ५।१८
ति	फागुन सु० १५ म० १०।१२ उ० २०।३ ग० २५।१६ व० १०।१२ दि० ३०।१.
ग्र	सू० १२।७ चं० ६ म० ७।२६ बु० १२।१८ बृ० १।१० शु० १।१४ श० १।१२ रा ५।१५

श्रीसंवत् १९६२ शाके १८२७

ति	चै० सु० १५ बु० ३२।२० चि० ३३।१ ह० ७।३६ वि० ५।२० दि० ३१।५६
ग्र	सू० ११५ च ७ म ७।२७ बु १।१५ बृ १।१७ शु १।१४ श ११।४ रा५।१४
ति	वै० सु० १५ गु० ५२।१० वि० ४६।४२ व० १४।४७ वि० २५।५० दि० ३३।२६
ग्र	सू० २।१ च० ८ म० ७।१६ बु० १।१० बृ० १।२४ शु० १।३ श० ११।६ रा ५।१३
ति	जेठसुदी १५ श० १४।१३ ज्ये० २।६ शु० १८।४१ च० १४।२३ दि० ३४।४०
ग्र	सू० ३।२ च० ६ म० ७।१६ बु० २।२७ बृ० २।१ शु० १।१९ श० ११।६ रा ५।११
ति	आषाढसुदी १५ र० ३८।११ पू० २०।१३ वै० ३२।३१ वि० ९।१३
ग्र	सू० ४।० च० १० म० ७।१२ बु० ४।१९ बृ० २।७ शु० २।१६ श० ११।६ रा० ५।९
ति	श्रावणसुदी १५ म० ६।२७ ध० ४४।१८ शो० ४६।५४ दि० ३२।२६
ग्र	सू० ४।२८ च ११ म ८।७ बु ५।१६ बृ २।११ शु ३।१८ श ११।४ रा ५।८
ति	भादौसुदी १५ बु० ४१।५६ श० ६।२६ धृ० ५।४४ दि० ३४।४१
ग्र	सू० ५।२६ च० १२ म० ८।३५ बु० ५।१० बृ० २।१४ शु ४।२१ श ११।२ रा ५।६
ति	आश्विन सु० १५ शु० २३।२९ रे० ४०।३४ व्या० २४।२६ दि० २८।४३
ग्र	सू० ६।२१ च १ म० ९।१५ बु० ६।२५ बृ २।१४ शु ५।२७ श ११।० रा ५।४
ति	कार्तिक सु० १५ र० ९।५ भ० १०।५५ व० ४२।४२ दि० ४२।४३
ग्र	सू० ७।२६ च० २ म १०।६ बु ८।१५ बृ० २।११ शु० ७।४ श ११ १ रा ५।१
ति	अ० सु० १५ च० ५५।३८ रो० ४६।५८ सा० ५४।१७ दि० २५।५४
ग्र	सू० ८।२५ च० २ म० १०।१७ बु० ८।० बृ० २।७ शु० ८।१० श ११।२ रा ५।१
ति	पौ० सु० १५ बु० ३८।१९ आ० ६।१९ पे० ७।२० ह० ६ दि० २६।१०
ग्र	सू ९।२६ च० ३ म ११।१९ बु ९।२ बृ २।५ शु० ९।१८ श ११।४ रा ५।०
ति	मा० सु० १५ शु० १६।५४ श्ले० २९।२५ सौ० १२।४ दि० २७।१८
ग्र	सू० १०।२६ च ४ म० ११।१२ बु० १०।२१ बृ० २।५ शु १०।२६ श ११।८ रा ४।२८
ति	फा० सु० १५ श० ४८।१६ पू० ४६।४५ धृ० १८।१७ दि० २७।६
ग्र	सू० ११।२६ चं० ५ म० १।२ बु १२।१० बृ २।८ शु १२।२ श ११।११ रा० ४।२७

संवत् १९६३ शाके १८२८

ति	वै० सु० १५ र० १८।४३ ह० ५६।२७ व्य० १७।५१ दि० ३१।१६
ग्र	सू० १२।२५ च० ६ म० १।२४ बु० १२।२१ बृ० २।१३ शु १।९ श ११।१४ रा ४।२५
ति	वै० सु० १५ मं० ३४।४८ स्वा० १५।१८ व्य० २४।२७ वि० ७।४६ दि० ३२।५५
ग्र	सू० १।४ च० ७ म० २।१४ बु० १।० बृ २।१९ शु० २।१५ श० ११।१७ रा० ४।२१
ति	जे० सु० १५ बु० ५३।२५ अनु० १७।५४ सि० ११।१९ दि० ३३।५६
ग्र	सू० २।२१ च० ८ म ३।४ बु० २।२१ बृ० २।२५ शु० ३।१० श० ११।१८ रा० ४।२१
ति	आ० सु० १५ शु० ११।११ पू० ३७।४५ पे० ३३।४३ दि० ३१।१३
ग्र	सू० ३।२० च० ९ म० ३।२३ बु० ४।१३ बृ० ३।१ शु० ४।२५ श० ११।१९ रा० ४।२०
ति	श्रा० सु० १५ श० ३५।१९ श्र० ५३।६ आ० ४४।१७ वि० २।३१ दि० ३३।७
ग्र	सू० ४।१७ च० १० म० ४।११ बु० ४।२४ बृ० ३।९ शु० ६।० श० ११।१७ रा० ४।१९
ति	भा० सु० १५ र० ५६।३२ ध० ११।३९ ग० ५५।४६ दि० ३१।४४
ग्र	सू० ५।१५ च ११ म ५।० बु ५।१ बृ ३।१४ शु ७।१ श ११।१५ रा ४।१७
ति	कु० सु० १५ मं० २८।३३ भ० ३३।३४ बृ० ९।३५ दि० २९।३८
ग्र	सू० ६।१५ च० १२ मं ५।१८ बु० ६।१० बृ ३।१८ शु ८।० श १०।१३ रा ४।१६
ति	कार्तिक सु० १५ गु० ८।५ बृ० ६०।० सि० २२।५५ दि० २७।३४
ग्र	सू ७।१४ च १ मं० ६।७ बु ८।७ बृ ३।१९ शु ८।१८ श ११।१२ रा ४।१४
ति	अ० सु० १५ गु० २४।१० कृ० २८।४७ श० ४०।१७ दि० २६।१४
ग्र	सू० ८।१४ च १ म ७।१२ बु० ८।२४ बृ० ३।१५ शु ८।६ श ११।१५ रा ४।११
ति	पौ० सु० १५ र० ४३।२५ आ० ६०।० ब्रा० ५२।१२ दि० २५।५४
ग्र	सू० ९।१४ च १ म ७।१२ बु० ८।२४ बृ ३।१५ शु ८।६ श ११।१५ रा ४।११
ति	मा० सु० १५ मं ३१।२ पु० ३४।१७ प्री० ६।५७ दि० ५६।५२
ग्र	सू १०।१५ च ४ म ८।० बु० १०।१५ बृ ३।११ शु० ८।२९ श ११।१० रा ४।९
ति	फा० सु० १५ गु० १२।१७ म० ०।७ सु० १७।३७ दि० २८।३६
ग्र	सू० ११।१५ च० ५ म० ८।१८ बु १२।१ बृ ३।१० शु १०।० श ११।२१ रा ४।८

संवत् १९६४ शाके १८२९

ति	चै० सु० १५ शु० ४७।२५ फा० ५२।२१ वृ० २८।७ दि० ३४।३२
ग्र	सू० १२।१४ च० ६ म० ९।४ बु० ११।२८ बृ० ३।११ शु ११।३ श ११।२४ रा ४।६
ति	द्वि०चै०सु०र०१४।४३स्वा० ३८।४३ सि० ३२।१२ दि०३२।२३
ग्र	सू० १।१४ च० ७ म० ४।१० बु० १२।२६ बृ ३।१५ शु० १२।८ श०११।१८रा० ४।०
ति	वै० सु० १५ च० १६।८ मू० ५२।१३ सि० ४०।४४ दि० ३३।४३
ग्र	सू० २।११ च० ८ म ९।२९ बु० २।१७ बृ० ३।१० शु० १।१३श० ११।० रा० ४।३
ति	जे० सु० १५ म० ५११२६ ज्ये० ९।४६ शु० ४९।१० दि० ३४।१२
ग्र	सू० ३।१० च९ म० १०।२ बु० ४।३ बृ० ३।२६ शु० २।१९ श० १२।१ रा४।२
ति	आ० सु०१५गु० १।१९ पा० १७।४६ प्री० ५०।६ दि०३४।१२
ग्र	सू० ४।८ च० १० म० ९।२४ बु० ४।१ बृ० ४।३ शु० ३।२५ श० १२।१ रा ४।०
ति	श्रा० सु० १५ शु० २९।११ घ० ३०।२५ शो० ५।१६ दि० ३८।३
ग्र	सू० ५।१५ च ११ म ९।२१ बु ४।२४ बृ ४।१० शु ५।० श १२।० रा ३।२९
ति	भा० सु० १५ शु० ५१।३२ पू० ४०।६ श० १२।३० दि० ३०।१२
ग्र	सू० ६।३ च० १२ म १०।० बु० ६।१८ बृ ४।१५ शु ६।८ श ११।१९ रा ३।२७
ति	कु० सु० १५ च० ९०।१८ रे० २।२४ ह०१५।१४ दि० २८।२८
ग्र	सू ७।२ च १ म० १०।२६ बु ७।२७ बृ ४।२० शु ७।१३ श ११।२३ रा ३।२५
ति	का० सु० १५ म० १७।१० भ० २३।२५ व० २४।१३ दि० २३।१५
ग्र	सू० ८।९ च २ म ११।३ बु० ७।२० बृ० ४।२२ शु ८।१९ श ११।२५ रा ३।२४
ति	मार्ग० सु० १५ गु० ८।१८ मृ० ५३।१३ शु० ३४।२८ दि० २५।४९
ग्र	सू० ९।३ च ३ म ११।३ बु० ७।१७ बृ ४।२२ शु ८।१९ श ११।२५ रा ३।२४
ति	पौ० सु० १५ श०२८।५२ पु० २३।५२ वि० ४९।२७ दि० २६।२०
ग्र	सू १०।८ च ४ म १२।१३ बु० १०।६ बृ ४।२० शु० ९।१४ श ११।२८ रा ३।२१
ति	मा० सु० १५ च० १८।५९ च० ६०।० शा० ४।४४ दि० २७।५१
ग्र	सू० ११।४ च० ५। म० ११४ बु० १११ बृ० ४।१६ शु० १२।१ श ११।१ रा ३।१९
ति	फा० सु० १५ बु० ३।४५ फ० २९।३३ ग ३।१८ दि०२९।११
ग्र	सू १२।४ च ६ म १।२५ बु ११।१० बृ० ४।१४ शु ११।१५ श ११।१५ रा ३।१७

संवत् १९६५ शाके १८३०

ति	चै० सु० १५ बु० ४।१९ वि० १५।४९ ह० ३६।१८ दि० ४५
ग्र	सू० ११३ च० ७ म० २।१४ बु० १२।१६ बृ० ४।१४ शु० २।१७ श० १२।८ रा।३।६
ति	वै० सु० १५ श० १९।१४ वि० १४।५६ व० ४५।५२ दि० ३।३१
ग्र	सू० २।२ च० ८ म० ३।३ बु० १।११ बृ० ४।१६ शु० ३।१६ श १।११ रा ३।१४
ति	जे० सु० १५ र० ३।१३ ज्ये० ३।२६ सा० २४।२ दि० ३।६
ग्र	सू० ३।० च० ९ म० ३।२१ बु० ३।२१ बृ० ४।२० शु० २।८ श० ११।१४ रा ३।१३
ति	आ० सु० १५ चं० ५१।१२ पू० ४६।११ पे० १०।१७ दि० ३३।८
ग्र	सू० ३।१७ चं० ९ मं० ४।२ बु० ३।१२ बृ० ।२६ शु० ३।१४ श ११।१५ रा ३।११
ति	आ० सु० १५ बु० ११।८ घ० ५५।१८ सा० १५।० दि० ३१।२४
ग्र	सू० ४।२६ चं १० मं० ४।२८ बु० १६।१४ बृ० ४।१८ शु० ५।२ श ३।१६ रा।३१०
ति	मा० सु० १५ बु० २६।८ श० १६।६१ धृ० २३।५ दि० ३०।२२
ग्र	सू० ५।२३ च० ११ म० ५।१७ बु० ६।१० बृ० ५।२ शु० ।८ श० १२।१३ रा० ३।८
ति	आ० सु० १५ शु० २६।१४ भ० २२।२९ ध्रु० २५।१७ दि० २८।२८
ग्र	सू० ३।२२ च० १२ म० ६।५ बु० ७।१५ बृ० ५।१५ शु० ५।८ श० १२।११ रा० ३।७
ति	का० सु० १५ र० १७।५८ भ० ३५।१२ व्य २२।२८ दि० २७।१०
ग्र	सू० ७।२२ च० १ मं० ६।२४ बु० ७।५ बृ० ५।२० शु० ६।१४ श० १२।१९ रा० ३।५
ति	मार्ग० सु० १५ च० ५१।३ रो० ५४।२ सि० २८।८ दि० २६।४
ग्र	सू० ८।२१ चं० २ म० ७।१२ बु० ८।११ बृ० ५।२३ शु० ७।८ श० १३।८ रा० ३।३
ति	पौ० सु० १५ बु ३।१७ आ० १६।१८ ऐ० ३३।३० दि० २६।५
ग्र	सू० ९।२९ च० ३ म० ८।२ बु० १०।३ बृ० ५।२४ शु० ८।२५ श० १२।१९ रा ३।२
ति	मा० सु० १५ शु० १६।२० श्ले० ४८।१० सौ० ४६।२० दि० २७।१६
ग्र	सू० १०।२३ चं० ४ म० ८।२२ बु० ११।३ बृ० ५।१३ शु १०।२ श० १२।१२ रा० ३।०
ति	फा० सू० १५ र० ३।५४ पू फा० १९।४० धृ० २।४५ दि० २८।६
ग्र	सू० ११।२२ चं० ५ म० ९।१३ बु० १०।२६ बृ० ५।१९ शु० ११।६ श० १२।१५ रा ३।२८

संवत् १९६६ शाके १८३१

ति | चै० सु० १५ च० ४९।९ ह० ५०।५७ ध्रु २१।५१ दि० ३१।१

ग्र | सू० १२।११ च ६ म० १।१४ बु १२।९ बृ ५।१६ शु १२।१६ श १२।१९ रा २।२७

ति | वै० सु० १५ बु० २९।१७ स्वा० २०।१४ व्य० ४२।५ दि० ३२।३०

ग्र | सू १।११ च ७ म १०।१४ बु १।४ बृ ५।१५ शु १।२३ श १२।२३ रा २।२५

ति | जे० सु० १५ शु० ३।४६ ज्ये ७।३१ सि० ५७।९ दि० ३३।१४

ग्र | सू २।२० चं ८ म ११।१३ बु ३।४ बृ ५।१६ शु ३।१ श १२।२५ रा २।२४

ति | आ० सु० १५ श० २६।१५ मू० ७।४८ ब्रा० १६।४० दि० ३४।१

ग्र | सू० ३।१७ च ९ म ११।२८ बु ३।० बृ ५।१६ शु ४।४ श १२।२८ रा २।२१

ति | श्रा० सु० १५ र० ५१।०७ व० २ ।१७ प्री २६।२९ दि० ३३।९

ग्र | सू० ४।१५ च १० म १२।९ बु ४।१२ बृ ५।२८ शु ५।११ श १।०।९ रा २।२१

ति | अ० श्रा० सु० १५ म० ११।४८ श० ३६।३१ सु० ३३।१२ दि० ३१।१४

ग्र | सू० ५।१४ च ११ म १।१२ बु ६।० बृ ६।० शु ६।१७ श १।२८ रा २।१६

ति | भा० सु० १५ बु० २।११ श्रा० ४८।१० वृ० ३३।७ दि० २९।३८

ग्र | सू० ६।११ च १ म १।१० व ६।१९ बृ ६।१० शु ७।२१ श १२।२६ रा २।१८

ति | कु सु० १४ गु० ५३।०७ रे० २६।१४ व ३८।३५ दि० २७।४६

ग्र | सू० ७।२१ च ३ म १।१ बु ७।६ बृ ६।१३ शु ८।२५ श १२।२४ रा २।१६

ति | का० सु० १५ श० १९।४७ कृ० १२।०७ सि० ३१।१२ दि० २६।८

ग्र | सू० ८।११ च २ म १२।११ बु ८।७ बृ ६।१८ शु ९।२७ श १२।२२ रा २।१५

ति | मा० सु० १५ र० ४९।५७ मृ० २०।१३ शु० ३४।१६ दि० २५।५०

ग्र | सू० ९।१० च० ३ म० १२।२४ बु० ९।२६ बृ० ६।२२ शु० १०।२३ श० १२।२१ रा २।१३

ति | पौ० सु० १५ म० २ १।८ पु० ४६।२७ प्री० ३५।१० दि० २५।१८

ग्र | सू० १०।११ च० ४ म० १।१० बु० १०।१३ बृ ६।२४ शु ११।१ श० १२।२४ रा २।११

ति | मा० सु० १५ गु० ५१।७ म० १०।४६ सु० ४५।११ दि० २८।३१

ग्र | सू० ११।१२ चं० ५ म० १।२७ ब० १०।१६ बृ० ६।२४ शु १०।१९ श १२।२६ रा २।१०

ति | फा० सु० १५ शु० ४८।३४ (उ० फा०) ३९।५ ग ११।० दि० ३०।१७

ग्र | सू० १२।११ च ६ म २।१४ बु १२।३ बृ ६।२१ शु १०।२८ श १२।२९ रा २।८

श्रीसंवत् १९६७ शाके १८३२

ति	चै० सु० १५ र० ३१।४१ चि० ६।५२ व० २२।११ दि० ३२।१२
ग्र	सू० १।३० च ७ म ३।२ वु १।२६ बृ ६।१७ शु ११।२३ श १।१ रा २।७
ति	वै० सु० १५ म० १२।१२ अनु० ४७।८ शि० ४६।२४ दि० ३३।४०
ग्र	सू० २।९ च० ८ म० ३।२० वु० २।११ बृ० ६।१५ शु० १२।२६ श० १।७ रा २।५
ति	जेठसुदी १५ ब० ४८।३२ ज्ये० ९।१० शु० ८।२६ दि० ३४।१६
ग्र	सू० ३।७ च० ९ म० ४।८ वु० २।१८ बृ० ६।१५ शु० १।२९ श० १।१० रा२।४
ति	आषाढसुदी १५ शु० १९।५९ उफा ३०।१६ वि० २७।११ दि० ३३।१६
ग्र	सू० ४।५ च० १० म ४।१६ वु० ४।८ बृ० ६।१८ शु० ३।५ श० १।१२ रा० २।२
ति	श्रावणसुदी १५ श० ४७।२ ध० ५९।१२ शो० ४३।७ दि० ३२।१२
ग्र	सू० ५।३ च ११ म ४।१५ वु ५।२७ बृ ६।२२ शु ४।९ श १।१३ रा २।०
ति	भादौसुदी १५ च० ११।२१ पू० भा १४।१५ गं० ४५।४० दि० ३०।१८
ग्र	सू० ६।२ च० १२ म० ६।८ वु० ६।६ बृ० ६।२८ शु ५।१६ श १।१२ रा १।२९
ति	कु० सु० १५ म० ३४।५० रे० २८।५१ ह० ५०।८ दि० २८।२४
ग्र	सू० ७।० च १ म० ६।२३ वु० ६।१५ बृ ७।४ शु ६।२१ श १।१० रा १।२७
ति	कार्तिक सु० १५ वु० ४।३८ भ० ४०।४३ व० ५९।२८ दि० २८।२६
ग्र	सू० ७।२९ च० २ म ७।१२ वु ८।२ बृ० ७।१० शु० ७।२८ श १।८ रा १।२६
ति	आ० सु० १५ गु० २४।२३ मृ० ४८।३२ शु० ४३।३२ दि० २५।५२
ग्र	सू० ९।० च० ३ म० ८।१ वु ८।१९ बृ० ७।१६ शु० ६।५ श १।६ रा १।२४
ति	पौ० सु० १५ श० ५२।२९ आ० ५।१६ वै० ४४।७ दि० २६।१५
ग्र	सू १०।० च० ४ म ८।२१ वु ९।२१ बृ ७।२० शु० १०।१२ श १।६ रा १।२३
ति	मा० सु० १५ च० २३।३४ श्ले० १८।२६ शो० ४११४८ दि० २७।४०
ग्र	सू० ११।० च ५ म० ९।१५ वु० १०।७ बृ० ७।२३ शु ११।१९ श १।८ रा १।२१
ति	फा० सु० १५ म० ५७।२४ पू० फा० ३८।२३ सु० ५०।२८ दि० २८।१२
ग्र	सू० ११।२९ चं० ६ म० १०।७ वु ११।२७ बृ ७।२४ शु १२।२५ श १।१० रा० १।२०

श्रीसंवत् १९६८ शाके १८३३

ति	चै० सु० १५ गु० ३४।२३ ह० २।५ व्य० ३।५६ दि० ३१।३१
ग्र	सु० १०।२९ च० ७ म० १।१० बु० १।१६ बृ० ७।२२ शु० २।२ श० १।१४ रा०१।१८
ति	वै०सु० १५ श० १३।१६ वि० ३५।२८ व० २३।५० दि० ३३।१०
ग्र	सू० १।१८ च० ८ म० ११।२१ बु० १।१६ बृ० ७।१८ शु० ३।७ श० १।१८ रा०१।१६
ति	जे सु० १५ र० ५१।८ अनु० ०।९ सा० ४७।४७ दि० ३४।२
ग्र	सु० २।२६ च० ८ म० १२।१२ बु० २।८ बृ० ७।१५ शु ४।१० श १।२२ रा १।१५
ति	आ० सु० १५ म ३०।१० पू० ३७।० पै० १२।२९ दि० ३३।५२
ग्र	सु० ३।२४ च० ९ म० १।२ बु० ४।२ बृ० ७।१५ शु० ५।९ श १।२५ रा १।१३
ति	श्रा० सु० १५ गु० ५।१६ आ० ५।१० सा० ३४।४१ दि० ३२।४१
ग्र	सू० ४।१३ च० १० म० १।२१ बु० ५।१९ बृ० ७।१६ शु० ६।० श० १।२७ रा०१।१२
ति	भा० सु० १५ शु० ३४।२१ श० २९।२९ ध० २१।२६ दि० ३१।२
ग्र	सू० ५।२१ च० ११ म० २।६ बु० ५।१६ बृ० ७।२० शु० ५।२८ श० १।२७ रा० १।१०
ति	आश्विनसुदी १५ र० ९।० रे० ४५।३८ ध्रु ५५।४ दि० २९।०
ग्र	सू० ६।२० च० १२ म० २।१५ बु० ६।१६ बृ० ७।२५ शु० ५।१७ श० १।२६ रा० १।९
ति	का० सु० १५ च० ३७।९ आ० ७।६ सि० ८।४२ दि० २७।१३
ग्र	सु० ७।१९ च० १ म० २।१७ बु० ८।० बृ० ८।१ शु० ६।५ श० १।२४ रा० १।७
ति	मार्ग० सु० १५ बु० ५४।१४ रो० १७।४७ सि० ५२।२६ दि० २६।६
ग्र	सू० ८।२० च० २ म० २।८ बु० ९।९ बृ० ८।८ शु० ७।४ श० १।२२ रा० १।५
ति	पौ० सु० १५ गु० ३०।३६ आ० ३०।७ ग्रा० ५२।११ दि० २६।१
ग्र	सू० ९।१९ च० ३ म० २।५ बु० ९।१ बृ० ८।१४ शु० ८।७ श० १।२१ रा० १।४
ति	मा० सु० १५ शु० ३।५ पू० ४२।४२ प्री० ५२।२० दि० २७।४
ग्र	सू० १०।१९ च० ४ म० २।९ बु० १०।० बृ० ८।१९ शु० ९।११ श० १।२१ रा १।२
ति	फा० सु० १५ र० २४।५१ पू० फा० ५३।५१ ध्रु० ५१।२९ दि० २८।५१
ग्र	सू० ११।१८ च ५ म २।२१ बु० ११।१३ बृ० ८।१३ शु० १०।१८ श० १।१३ रा० १।१

संवत् १९६९ शाके १८३४

ति	चै० सु० १५ च० ५३।३० फा० १२।१७ वृ० ५४।५७ दि० ३०।४६
ग्र	सू० १२।८ च० ६ म० ३।५ बु० १।४ बृ० ८।२४ शु० ११।२३ श० १।२५ रा० १२।२१
ति	वै० सु० १५ बु० २३।३४ स्वा० ३२।४ सि० १।१७ दि० ३२।३५
ग्र	सू० १।१७ च० ७ म ३।२० बु १२।२६ बृ ८।२४ शु १।० श १।२९ रा १२।२८
ति	जे० सु० १५ गु० ५६।२३ अनु ५६।१३ सि० २८।४ दि० ३३।४८
ग्र	सू० २।१५ च ८ म ४।७ बु २।१ बृ ८।२० शु ३।६ श २।३ रा १२।२६
ति	आ० सु० १५ श० ३१।५२ मू० ३५।१७ ब्रा० ५०।२० दि० ३।१६
ग्र	सू० ३।१४ च ९ म ४।२५ बु ३।२६ बृ ८।१७ शु ३।११ श २।७ रा १२।१४
ति	अधि० आ० सु० १५ च० ९।१६ आ० ६।१० प्री० १४।२२ दि० ३३।१८
ग्र	सू० ४।१२ च १० म ५।१३ बु ५।७ बृ ८।१५ शु ४।२० श २।९ रा १२।२३
ति	श्रा० सु० १५ मं० ४८।१२ ध० २६।६ आ० ३७।३८ दि० ३२।४६
ग्र	सू० ५।१० च ११ म ६।१ बु ४।२८ बृ ८।१६ शु ५।२५ श २।११ रा १२।२१
ति	भा० सु० १५ बु० ३३।३१ पू० आ० ५८।५० बृ० ५६।३४ दि० २६।४२
ग्र	सू० ६।९ च १२ म ६।२१ बु ६।१ बृ ८।१९ शु ७।२ श २।१२ रा १२।२०
ति	कु० सु० १५ श० ३।३८ आ० २१।९ व० ९।१२ दि० २७।५२
ग्र	सू० ७।९ च० १ म ७।११ बु ७।४ बृ ८।२४ शु ८।९ श २।१० रा १२।१८
ति	का० सु० १५ र० १७।३७ कृ० ४।३७ व० १६।५५ दि० ३७।२४
ग्र	सू० ८।८ च २ म ८।१ बु ८।२६ बृ ९।० शु ९।१४ श २।८ रा १२।१७
ति	अग० सु० १५ मं० ८।५७ आ० ५७।२६ शु० १४।१७ दि० २५।३७
ग्र	सू० ९।९ च० ३ मं० ८।२४ बु० ८।१६ बृ ९।२५ शु १०।१३ श ११।२३ रा १२।१५
ति	पौ० सु० १५ बु० ३७।१९ आ० ११।१६ वि० १५।२५ दि० २६
ग्र	सू० १०।८ च ४ म ९।१६ बु० ९।२५ बृ ९।११ शु ११।२३ श २।५ रा १२।१४
ति	मा० सु० १५ शु० ११।९ म० २०।१ गं० ८।२१ दि० २८।१०
ग्र	सू० ११।९ च ५ म १०।८ बु० ११।२८ बृ ९।१८ शु ११।२४ श २।६ रा १२।१२
ति	फा० सु० १५ श० २७।५७ फा० ३२।५७ गं० ११।२१ दि० ३४।१६
ग्र	सू० ११।८ च० ६ मं० ११।१ बु० १२।१९ बृ० ९।२३ शु० ११।३ श० २।७ रा० १२।१०

संवत् १९७० शाके १८३५

ति| चै० सु० १५ र० ५२।१ चि० ४७।३६ हं० १६।५७ दि० ३१।०

ग्र| सू १।६ चं ७ म ११।२३ बु १२।११ बृ ९।२६ शु ११।१० श २।१० रा १२।१

ति| वैं० सु० १५ म० १६।४० स्वा० ५।५२ भ० ११।११ दि० ३३।११

ग्र| सु २।५ च ८ म १२।११ बु १।२५ बृ ९।२६ शु ११।१ श २।१४ रा १२।७

ति| जे० सु० १ बु० ४३।१५ ज्ये० २४।२३ सु० १६।२४ दि० ३४।११

ग्र| सू ३।१ च ९ म १।७ बु ३।१९ बृ ९।२४ शु १।१९ श २।१८ रा १२।६

ति| आ० सु० १५ शु १३।४८ वा० ५।१४५ वि० ५४।२२ दि० ३३।४२

ग्र| सु ४।१ च १० म १।१९ बु ४।११ बृ ९।२० शु २।१८ श २।२१ रा १२।४

ति| श्रा०सु० १५। शु० ४८।११ श्रा १४।४८ सौ० १५।३६ दि० ३२।१२

ग्र| सू ५।० च ११ म २।१८ बु ४।१३ बृ ९।१७ शु ३।१० श २।२४ रा १२।१

ति| भा०सु० १५ च० १८।५९ पू०भा० ५०।२६ शू० ३७।५८ दि० ३०।३२

ग्र| सु ५।२८ च १२ म ३।६ बु ५।१६ बृ ९।१७ शु ०।२४ श २।२६ रा १२।१

ति| कु०सु० १५ बु० ११।४८ रे० २०।१३ ह० ५७।१८ दि० २८।३६

ग्र| सु ६।२८ च १ म ३।२१ बु ७।१८ बृ ९।१९ शु ६।० श २।२६ रा ११।२९

ति| का० सु० १५ गु० ५१।१३ भ० ४७।५९ व्य० १२।३४ दि० २६।५०

ग्र| सु ७।२८ च २ म ४।० बु ८।१० बृ ९।११ शु ७।६ श २।२४ रा ११।२८

ति| मार्ग० सु० १५ श० ३४।२३ रो० १२।११ सा० २१।३४ दि० २६।६

ग्र| सु ८।२७ च २ म ४।२ बु ८।५ बृ ९।१० शु ८।१३ श २।२२ रा ११।२६

ति| पौ०सु० १५ चं १०।४६ पु० ३३।७ वै० ३२।१० दि० २६।१४

ग्र| सू ९।२८ च ३ म ३।२३ बु ९।२१ बृ १०।६ शु ९।२१ श २।२० रा ११।२५

ति| मा०सु० १५ म० ४२।१२ श्ले० ४७।१० सौ० २६।२८ दि० २७।३२

ग्र| सु १०।२७ च ४ म ३।१४ बु ११।११ बृ १०।१३ शु १०।२८ श २।१९ रा ११।२३

ति| फा० सु० १५ गु० ८।३९ पू०फा २६।३ सु० २२।१८ दि० २८।२५

ग्र| सु ११।२८ च ५ म ३।१६ बु ११।२७ बृ १०।१९ शु ५।१२ श २।२० रा ११।२२

संवत् १९७१ शाके १८३६

ति| चैत्रसुदी १५ भृगौ ३१।४८ हस्त १४।४८ व्य० २६।२८ वि० ४।४१ दिनम् ३१।२०

ग्र | सु ११।२६ चं ३।२६ मं ३।२६ बु १।२।२ बृ १०।२४ शु १।१।१ श २।२२ रा ११।१२० के ५।२०

ति| वैशाखवदी ३० शनौ २५।५४ अ० ३३।१२ पृ० ३९।१८ ना० २५।५४ दि० ३२।१५

ग्र | सु १।११ चं १।१६ म ४।२ बु १२।२३ बृ १०।२७ शु २।० श २।२४ रा ११।१९ के ५।१९

ति| वैशाख सुदी १५ श० ५२।४० स्वा० २८।० व्या० ३२।३६ वि० २५।३५ दि० ३३।०८

ग्र | सु १।२४ च ७।१६ म ४।९ बु १।१९ बृ १०।१८ शु २।१७ श २।२५ रा ११।१९ के ५।१९

ति| जेठ व० ३० च ५।२१ कृ० २।५१ गं १।२१ न० ५।२१ दि० ३३।४१

ग्र | सु २।१० चं २।१६ म ४।१८ बु ३।११ बृ ११।० शु ३।६ श २।२७ रा ११।१८ के ५।१८

ति| ज्ये० सु० १५ चं १२।५६ ज्ये० ३९।१९ सा० ३४।१० व० १२।५६ दि० ३३।५८

ग्र | सु २।२३ च ८।२२ म ४।२५ बु ३।१३ बृ ११।० शु ३।२३ श २।२९ रा ११।१७ के ५।१७

ति| आषाढ वदी ३० मं ३८।३७ मृ० २५।३१ गं २१।४६ च० ७।५२ दि० ३८।१५

ग्र | सु ३।७ च ३।२ म ५।४ बु ४।१ बृ ११।० शु ४।११ श ३।१ रा ११।१६ के ५।१६

ति| आषा० सु० १५ मं २४।४९ पू०षा० ५६।४० पं ४७।३१ त्रि ६।१६ दि० ३३।५७

ग्र | सू ३।२१ च ९।१८ म ५।१२ बु ४।१ बृ ११।० शु ४।२७ श ३।३ रा ११।१५ के ५।१५

ति| श्रा० व० ३० गु० ६।२९ पु० ५१।४४ घ० ३५।२७ न० ६।२९ दि० ३३।३६

ग्र | सू ४।६ च ४।७ म ५।२२ बु ३।२१ बृ १०।२८ शु ५।१५ श ३।५ रा ११।१५ के ५।१५

ति| श्रा० सु० १५ गु ०।२८ श्र० १।७ आ० २।३१ बा० ०।२८ दि० ३२।५४

ग्र | सु ४।१९ च १०।२१ म ६।० बु ४।३ बृ १०।२६ शु ६।१ श ३।६ रा ११।१४ के ५।१४

ति| भादौं व० ३० शु० ३०।१५ श्लेषा १०।१ पा० ४७।२० चा० १।५२ दि० ३२।८

ग्र | सु ५।४ च ४।२८ म ६।१० बु ४।२६ बृ १०।२४ शु ६।१८ श ३।८ रा ११।१३ के ५।१३

ति| भादौं सु० १५ शुक्र ३२।१४ श० ता० ४१।१४ शु० १९।३ वि० १।२९ दि० ३२।१६

ग्र | सु ५।१७ च ३।९ म ६।१९ बु ५।२० बृ १०।२४ शु ७।३ श ३।९ रा ११।१२ के ५।१२

ति| आश्व० व० ३० श ५२।२२ पू० फा० २४।३० सा० १।१७ चं० २४।३७ दि० ३०।१८

ग्र | सु ६।२ च ५।२५ मं ६।२९ बु ६।१७ बृ १०।२३ शु ७।१८ श ३।१० रा ११।११ के ५।११

संवत् १९७१ शाके १८३६

ति	आश्व० सु० १५ र० १०।५४ उ० भा० ८।४४ ध्रु० ३७।१४ व० १०।१४ दि० २६।२०
ग्र	सू०६।१६ च०१२।१८ म०७।३ बु०७।१० बृ०१०।२१ शु०८।१ श०३।१० रा ११।११ के०५।११
ति	का० व० ३० च १४।१० चि० ३३।३२ वि० ५०।३५ ना० १४।१० दि० २८।२०
ग्र	सू०७।१ च०६।१९ म ७।२० बु ७।२४ बृ १०।२१ शु ८।१० श ३।१० रा ११।१० के ५।१०
ति	का० सु० १५ च० ५५।२१ अ ३८।११ सि० ५४।४६ वि २८।४८ दि० २७।३२
ग्र	सू० ७।१५ च १।० म ८।० बु ७।२० बृ १०।२२ शु ८।१४ श ३।१० रा ११।१६ के ५।१६
ति	मार्ग० व० ३० म० ३७।४१ वि० ४५।६ शो० ५१।३३ चा० १०।३८ दि० २६।४३
ग्र	सू० ८।० च ७।२५ म ८।११ बु ७।१३ बृ १०।२३ शु ८।१० श ३।१० रा ११।१८ के ५।१८
ति	मार्ग सु० १५ बु० ४१।३१ कृ० ८।२५ शि० १०।६ वि १०।५ दि० २२।१२
ग्र	सू० ८।१६ च ८।८ म ८।२२ बु ७।२७ बृ १०।२५ शु ८।१ श ३।९ रा ११।८ के ५।८
ति	पौ० ३० गु ३।५ मू० ५४।१८ गं० ४४।५१ ना० ३।५६ दि० २५।११
ग्र	सू० ९।१ च ९।१ म ९।१ बु ८।१९ बृ १०।२८ शु ७।२८ श ३।७ रा ११।७ के ५।०
ति	पौ० सु० १५ शु० १८।११ आ० ४९।१२ ब्र० २०।३८ व २८।११ दि० २५।१८
ग्र	सू० ९।१६ च ३।११ म ९।१५ बु ९।१५ बृ ११।० शु ८।६ श ३।६ रा ११।६ के ५।६
ति	मा० व० ३० भू० ११।१६ पू०षा १२।१९ ह० ४७।१२ च ५४६ दि० २६।१६
ग्र	सू० १०।१ च० ९।२५ म ९।२६ बु १०।१० बृ ११।३ शु ८।१५ श ३।५ रा ११।५ के ५।५
ति	मा० सु० १५ रवौ ९।१७ पुष्य० ४।१२ आ० २६।३५ वा ९।१७ दि० २६।२८
ग्र	सू १०।१७ च ४।२४ म १०।८ बु ११।३ बृ ११।७ शु ९।० श ३।४ रा ११।४ के ५।४
ति	फा० व० रवौ ७।५९ धनिष्ठा ३०।१६ पा० ४९।१० ना ७।४९ दि० २७।४४
ग्र	सू० ११।१ च० ११।१ म० १०।१९ बु ११।११ बृ ११।१० शु ९।१५ श ३।४ रा ११।४ के ५।४
ति	फा० सु० १५ चंद्रे ४१।४८ म० २४।४५ सु० ३६।१२ वि० १४।५८ दि० २८।४८
ग्र	सू० ११।१६ च ४।७ म ११।१ बु० १।१४ बृ ११।१४ शु १०।१ श ३।४ रा ११।३ के ५।३
ति	चै० व० ३० बु० ६।१८ पू०भा० ५३।१७ सा० २।४ चा० १५।६ दि० २९।३६
ग्र	सू० १२।० च १।२१ म ११।११ बु० ११।८ बृ ११।१७ शु १०।१७ श ३।४ रा ११।२ के ५।२

संवत् १९७२ शाके १८३७

ति	चै० सु० १५ बु० १२।१ हस्त० १९।११ ध्रुव ३६।२१ बा १२।१ दि० ३०।४०
ग्र	सू०११२।१६च०६।१०म०११।२४बु०११।१९बृ०११।२१शु०११।६श०३।५रा१११।१के५।१
ति	वैशाखवदी ३० बुधे २५।४७ रेवती २१।१८ वै० १७।४४ नाग २५।४७ दि० ३२।१५
ग्र	सू०१।०च०११।२६म०१२।५बु०१२।१७बृ०१ ।२४शु०१।१२श०३।६रा११।०के५।०
ति	वै० सु० १५ गुरौ ११।३५ स्वाती ५३।९ सिद्ध ४२।११ वि० ७।१ दि० ३२।२६
ग्र	सू०१।१५ च०७।४ म०१२।१६बु०१।१५बृ०१२।२७शु० १२।१०श०३।७रा १।१० के५।०
ति	द्वितीयवै० व० ३० भृ० ६।५२ कृ० ५८।१७ शो० ४०।४६ ना० ६।५१ दि० ३३।१३
ग्र	सू० १।२१ चं० १।१९ मं० १२।२८ बु० २।१२ वृ १।१० शु १२।१८ श३।८ रा १०।२९
ति	द्वि० वै०सु० १५ भृ० ०।८ धि० ९।५५ शि० ४९।१२ वा० ।१४ दि० ३३।४६
ग्र	सू० २।१२ चं ८।१ म०१।०बु०३।४ बृ०१।२१ शु०१।१५ श ३।१० रा १०।२८के ४।२८
ति	ज्ये० व० ३० शनौ ४६।१८ रो० २१।१८ ध्रु० ३।११ चा० ११।५५दि० ३४।३
ग्र	सू० २।१७च०२।२०म०१।२ ०बु०३।१५बृ०१२।३ शु०२।३श०३।१२रा० १०।१७के४।१७
ति	जे० सु० १५ रवौ ११।५९ मू० १८।३७ ब्रा० ५०।५१ पा० ११।१२ दि० ३४।१०
ग्र	सू० ३।११ च०९।८ म०२।० बु०३।६ बृ० १२।५ शु०२।२२ श३।१४ रा०१०।२७के४।२७
ति	आ० व० ३० ० चंद्रे१२।५९ पु० ५७।४८ व्या० १८।६ना०२२।२५ दि० ३३।२७
ग्र	सू०३।२५ च०२।११ म०२।११बु०३।०बृ०१२।६शु०३।१०श०३।१६ रा१०।१६ के ४।१६
ति	आ०सु० १५ च०३०।११ उ०षा० ३२।१६ वी० ७।८ वि०२।५१ दि० ३३।२८
ग्र	सू० ४।९ च० १०।४ म० २।२२ बु३।१४ बृ०१२।६शु३।२७श३।१८ रा१०।१५के४।१५
ति	श्रा० व० ३०भौमे ५५।४२ पुष्य १९।५२ व्या ४७।५८ चां०२८।१० दि०३३।४१
ग्र	सू०४।२३च०४।१६म०३।१ बु०४।१९ बृ०१२।६ शु०४।१५ श० ३।१४रा०१०।१४के४।१४
ति	श्रा०सु० १५ भौ० ५२।१८ ध० ४८।२२ शो० १७।१९ वी० २४।१ दि० ३३।०
ग्र	सू०५।६ चं०१०।२९ म०३।१० बु०५।१४ बृ०१२।५शु४।२ श०३।१२रा०१०।२१ के४।२१
ति	भाद्रौवदी३०गुरौ ५।० पू०फा० ४३।१८ सिद्ध ३।९ ना०२५।० दि० ३०।५८
ग्र	सू० ५।१२ चं०५।२०म०३।२०बु०६।१२ बृ०१२।१शु०५।८२श३।१२रा १०।२१के४।२१

संवत् १९७२ शाके १८३७

ति	आ० सु० १५ गुरौ २०।४४ पू० आ० ७।२९ ग० २४।८९ वा० २०।४४ दि० ३०।४
प्र	सू ६।५ चं १२।१ म ३।१८ बु ७।१ बृ १२।१ शु ६।६ श ३।१२ रा० १०।२२ के ४।२२
ति	पा० व० ३० भृ० ५१।५९ उ०फा ११।३ व० ११।१२ चा० २३।६४ दि० २९।४
प्र	सू० ६।२० च० ६।४ बु ७।९ बृ ११।२६ शु ६।२८ श ३।२४ रा १०।२१ के० ४।२१
ति	आ० सु० १५ भृ० ५६ ४६ रेवती ३०।१९ ध्रु० ३७।३९ वी २५।११ दि० २८।१०
प्र	सू ७।८ च १२।२९ म ४।१३ बु ६।२९ बृ ११।२८ शु ७।१५ श ३।२५ रा १०।२८ के ४।२०
ति	का० व० ३० रवौ १७।३८ स्वांति १४।० प्र० ११।७ नाग १७।३८ दि० २७।१६
प्र	सु ७।२० च० ७।२० म ०।२९ बु ७।२ बृ ११।२७ शु ८।५ श ३।२५ रा १०।२० के ४।२०
ति	का०सु० १५ रवौ ४०।२२ कृ० ६।०।० पा ५१।३१ वि ८।१५ दि० २६।३१
प्र	सू ८।१ च ११२७ म ४।२६ बु ७।१९ बृ ११।२७ शु ८।१३ श० ३।२४ रा १०।१९ के ४।१९
ति	मा० व० ३० ध० ४३।१४ प्र० २६।१५ सु० १।१० चा० १६।४ दि० २६।१
प्र	सु ८।१९ च ८।७ म ५।१ बु ८।११ बृ ११।२८ शु ६।११ श ३।२४ रा १०।१८ के ४।१८
ति	मा०सु० १५ भौ० २८।४७ मृ शि० ३।१६ सु० ६।९ बा० १८।४७ दि० २५।४६
प्र	सु ९।५ च ३।१ म ५।३ बु ९।१० बृ ११।१९ शु १०।० श० ३।२३ रा १०।१७ के ४।१७
ति	पौ० ३० बु० ९।२५ पू०ष० ३।२६ ध्रु० ३।४१ ना० ९।२५ दि० २६।२
प्र	सु ९।२० च ९।११ म ५।४ बु १०।४ बृ १२।१ शु १०।१९ श ३।२१ रा १०।१६ के ४।१६
ति	पू० सु० १५ गुरौ० १७।५२ पुनर्वसु ३।३० बी २१।१७ वा० १७।५२ दि० २६।२१
प्र	सु० १०।५ च० ४।५ म ५।२ बु० १०।१२ बृ० १२।३ शु ११।७ श ३।२० रा १०।१६
ति	मा० व० ३० गुरौ ३७।१० श्र० ४८।३ सि० ४।० चा ९।४२ दि० २७।७
प्र	सू० १०।२० च० १८।९ म ४।२७ बु० १०।२४ बृ० १२।६ शु ११।०४ श ३।२९ रा० १०।१५
ति	मा० सु० १५ शनौ ३।३ म० ३५।२१ धृति० ३।१९ बा ३।३ दि० २७।५९
प्र	सू० ११।६ च ५।० म० ४।२१ बु० १०।१४ बृ० १२।९ शु १२।१३ श ३।१९ रा० १०।१४ के ४।१४
ति	फा० व० ३० शनौ ६।४० सप्तारिका ३।१ सि० ०।८ ना० ६।४० दि० २८।५५
प्र	सू० ११।२० च० ११।२१ म ४।१७ बु १०।२४ बृ १२।१२ शु १।० श ३।१८ रा १०।१३ के ४।१३
ति	फा० सु० १५ सौ ४१।११ उ०फा० ५८।२६ गं० ४४।२५ वि० ११।११ दि० २९।५५
प्र	सू० १२।५ च० ५।१८ म० ४।१५ बु० ११।१५ बृ० १२।१६ शु० १।१७ श ३।१८ रा १०।१२
ति	चै० व० ३० सौ ३०।८ उ०भा० २१।५८ प्रा० ६।३४ चा० ८।५६ दि० ३०।५१
पू	सू० १२।१६ च० १२।८ म ४।१६ बु १२।१० बृ० १२।१९ शु १।३ श ३।१९ रा १०।१२ के ४।१२

संवत् १९७३ शाके १८३८

ति	चैत्र सु० १५ भौमे ११।३७ चित्रा १७।११ वा० ४९।४३ चा० २२।१७ दि० ३१।४
ग्र	सु० १।५ चं० ७।६ मं० ४।१९ बु० ११।० बृ० १२।२३ शु० ४।२० श० ३।१९ रा० १०।११ के० ४।११
ति	वैशाख व० ३० भौमे ११।५० भरणी ४८।४० आ० २१।२५ नाग ११।५० दि० ३२।३८
ग्र	सु० १।१८ चं० १।२० मं० ४।२४ बु० २।१ बृ० १२।२६ शु० ३।३ श० ३।२० रा० १०।१० के० ४।१०
ति	वैशाख सु० १५ बुधे ३५।२६ विशाखा ३३।२५ वा० ५१। चृष्ट ७।५ दिनम् ३३।१४
ग्र	सु० २।३ चं० ७।२१ मं० ५। बु० २।२३ बृ० १।० शु ३।१६ श ३।२२ रा० १०।९ के० ४।५
ति	जेठ ब० ३० बुधे ४८।१ कृतिका १२।५ सु० ४१।० चा० १६।२३ दिनम् ३३।४९
ग्र	सू० ३।१६ चं० २।५ मं० ५।६ बु० २।२५ बृ १।३ शु २।२३ श ३।२३ रा० १०।९ के० ४।९
ति	जेठ सु० १५ बुधौ ०।१४ ज्येष्ठा ४८।३ साध्य १४।२९ घा०।१४ दि० ३४।८
ग्र	सु० ३।० चं० ८।२५ मं० ५।१४ बु० २।१५ बृ० १।५ शु ३।२५ श० ३।२५ रा० १०।८ के० ४।८
ति	आषाढ़ व० ३० भृगौ २५।३५ आर्द्रा ४७।५६ व्रा० ५।२७ नाग २५।३९ दिनम् ३४।७
ग्र	सु० ३।१५ चं० ३।१० मं ५।२२ बु० २।२६ बृ १।८ शु ३।१८ श ३।२७ रा० १०।७ के० ४।७
ति	आषाढ सु० १५ शनौ १९।३४ उ० षा० ५५।४८ वै० १५।३९ वा० १९।३४ दि ३३।४१
ग्र	सू० ३।२९ चं० ६।२८ मं ६।२ बु० ३।८ बृ १।१० शु ३।१० श ३।२९ रा १०।६ के० ४
ति	श्रा० व० ३० रवौ ३।३५ पुष्य १८।४६ सिद्ध ३१।३६ नाग ३।३५ दिनम् ३३।१४
ग्र	सु ४।१३ चं० ४।१५ मं ६।१० बु ४।५ बृ १।१२ शु ३।१ श ४।१ रा १०।५ के ४।५
ति	श्रावण सु० १५ रवौ २८।५६ श्रवण १७।८ सौ० २३।२४ वि० १५।४ दिनम् ३२।३२
ग्र	सु ४।२६ चं० १०।२० मं ६।१९ बु० ५।० बृ १।१२ शु ३।१६ श० ४।३ रा १०।५ के० ४।५
ति	भादौंवदी ३० चंद्र ४०।४६ मघा ४७।२७ शिव ५३।४ चा० ९।० दिनम् ३१।४२
ग्र	सु० ५।११ चं ५।१० मं ६।२९ बु ५।१ बृ० १।१३ शु ३।२७ श ४।४ रा १०।४ के ४।४
ति	भादौं सु० १५ चंद्र ४९।९ शत० २५।११ ध्रु० ३०।४० वी २१।३६ दिनम् ३०।४८
ग्र	सु० ५।२४ चं ११।१० मं ७।८ बु ६।२० बृ १।१२ शु ४।९ श ४।६ रा १०।३ के ४।३
ति	आश्विन व० ३० बुधे १६।२६ उ० फा० १२।५२ शु ९।४२ ना १६।२६ दिनम् २९।४५
ग्र	सु ६।१० चं० ६।५ मं ७।१९ बु ६।१८ बृ १।२१ शु ४।२६ श ४।७ रा १०।२ के ४।२

संवत् १९७३ शाके १८३८

ति	आश्विन सु० १५ बुधे १४।५१ रेवती १९।२१ व्या ११।२४ वा० १४।५१ दि०२८।१
ग्र	सू० ६।२४ चं० १२।१३ मं ७।२ बु ६।११ बृ १।१० शु ५।१२ श ४।८ रा १०।२ के४।२
ति	कार्तिक व० ३० गुरौ ४९।३८ चित्रा ३४।२१ वि० २०।५७ चा २०।८ दिनम २७।५२
ग्र	सू ७।९ चं ७।१ मं ८।१० बु० ६।२२ बृ १ ८ शु ५।२९ श ४।९ रा १०।१ के ४।१
ति	कार्तिक सु० १५ गुरौ ४७।४० भरणी ५०।१९ व्या ४०।५१ वि १८।२५ दिनम् २७।७
ग्र	सू० ७।२३ चं १।१८ मं ८।२१ बु ७।१३ बृ १।६ शु ६।१५ श ४।९ रा १०।० के ४।०
ति	मार्ग व० ३० शनौ१०।२३ अनुराधा ४९।५८ अतिगंड २१।२९ ना१०।२३ दि०२६।२०
ग्र	सू० ८।१ चं० ८।५ मं० ९।३ बु० ८।१० बृ० १।४ शु ७।४ श ४।९ रा९।२९ के ३।२९
ति	मार्ग सु० १५ शनौ २८।१५ रोहिणी ८३।४२ साध्य ४६।२० वा २८।१५ दिनम२६।२
ग्र	सू० ८।२३ चं० २।१३ मं ९।१४ बु ९।४ बृ १।३ शु ७।२१ श ४।९रा ९।२८ के ३।२८
ति	पौष व० ३० रवौ ४९।८ ज्येष्ठा ६।४३ गंड २२।५८चा २१।३४ दिनम् २५।४७
ग्र	सू ९।९ चं ९।१ मं ६।२५ बु ९।१६ बृ १।३ शु ८।९ श ४।८ रा ९।२८ के ३।२८
ति	पौष सु० १५ चंद्रे १४।४९ पुनर्वसु ५७।३९ ऐन्द्र २।२३ वा १४।४९ दिनम् २६।८
ग्र	सू ९।२१ चं ३।२३ मं १०।७ बु १०।९ बृ १।४ शु ८।२८ श ४।७ रा ९।२७ के ३।२७
ति	माघव० ३० भौमे १६।२१ उ० षा० १४।५६ वा १५ ३७ नाग १६।२१दिनम् २६।३४
ग्र	सू १०।९ चं १०।५ मं १०।१८ बु १०।१बृ १।५ शु ९।१७ श ४।६ रा ९।२६ के ३।२६
ति	माघ सु० १५ बुधे ४।१६ अश्लेषा २८।३२ सौभाग्य १८।३८ वा० ४।१६ दि०२७।२२
ग्र	सू १०।२५ चं ४।५ मं ११।० बु० ९।२९ बृ१।७ शु १०।५ श ४।४ रा ९।२५के३।२५
ति	फागुन व० ३० बुधे ४३।१० धनिष्ठा २८।२६ वा० १६।२६ चा १५।२१ दि० २८।१०
ग्र	सू ११।६ चं ११।१ मं ११।११ बु १०।१५ बृ १।९ शु १०।२३ श ४।४ रा९।२५के४।२५
ति	फागुनसु० १५ गुरौ ५१।३७ पू० फा० ५८।४८ प्र० ३७।४८ वी १९।२२ दिनम२९।१०
ग्र	सू ११।२४ चं ५।२० मं ११।२३ बु ११।९ बृ १।१२ शु ११।१२ श ४।१रा९।२४के३।२४
ति	चैत्र वदी ३० भृगौ ८।१ उ० भा० ३६।० सू १३।१७ ना ८।१ दिनम ३०।१०
ग्र	सू १२।९ चं १२।५ मं १२।४ बु १२।३ बृ १।१५ शु ११।० श ४।२३ रा ९।२३ के३।२३

संवत् १९७४ शाके १८३९

ति	चैत्रसुदी १५ शनौ ३२।५६ हस्त २६।३१ व्या० ५९।७ वी०१।४६ दिनम् ३१।९
प्र	सू ११।२४ च ६।३६ म ११।१६ बु १।३ बृ १।१८ शु ११।१६ श४।३रा ३।१२ के३।१२
ति	वैशाख ष० ३० शनौ ३४।२ अश्विनी ५५।५४ वी०२०।७ चा०५।५० दि०३२।१
प्र	सु १।७ च १।४ म ११।२७ बु १।२५ बृ १।२१ शु १।७ श ४।९ रा ९।२१ के ३।२१
ति	वैशाखसु० १५ चंद्र ६।३० विशाखा ५१।१९ व्य ५।४९ बा ६।३० दि०३१।५३
गू	सू १।२३ च ७।२५ म १।९ बु २।७ बृ १।२५ शु १।२६ श ४।४ रा ९।२१ के ३।२१
ति	ज्येष्ठ ष० ३० चंद्र १।३० कृत्तिका १६।२१ अतिगंड २५।१३ नाग१।३०दि०३३।३६
प्र	सू २।६ च २।५ म १।१८ बु १।२६ बृ १।२८ शु २।१४ श ४।१५ रा ९।१० के ३।२०
ति	ज्येष्ठ सु० १५ भौमे ३२।४७ अनुराधा १०।५८ सिद्ध १९।२३ विष्ट ४।१ दि ३३।५५
प्र	सु २।२१ च ८।२८ म २।० बु २।० बृ २।२ शु ३।२ श ४।६ रा ९।१४ के ३।१९
ति	आषाढ ष० ३० भौमे ३१।३० मृगशिर ४०।२ गंड ४७।३५ चा १।२३ दि० ३४।११
प्र	सु ३।४ च ३।१ म २।१० बु २।१६ बृ २।५ शु ३।१९ श ४।८ रा ९।१८ के ३।१८
ति	आषाढ़ सु० १५ बुधे ५३।४७ मूल २७।२२ ब्र० ३१।१३ वा० २६।४ दि ३१।०
प्र	सू ३।१८ च ९।८ म २।२१ बु ३।११ बृ २।८ शु ३।८ श ४।१० रा ९।१७ के ३।१७
ति	श्रावणव० ३० गुरौ ५।१६ पुन ७।१३। ह० ९।१६ ना० ५।१६ दि ३३।४१
प्र	सु ४।२ च ४।१ म ३।१ बु ४।३ बृ २।११ शु ४।१६ श ४।१२ रा ९।१७ के ३।१७
ति	श्रावण सु० १५ शुक्र ११।५५ श्र ३७।२२ आ० ३३।१६ व ११।५५ दि० ३३।२
प्र	सु ४।१७ च १०।२२ म ३।१२ बु ५।६ बृ २।१४ शु ५।१४ श ४।२४ रा ९।१६के३।१६
ति	भादौं व० ३० शुक्र ४१।४२ श्ले ३७।० व० ३१।२० च १०।२२ दि० ३१।२०
प्र	सू ५।० च ४।२५ म ३।१० बु ५।२६ बृ २।१६ शु ६।० श ४।१६ रा ९।१५ के ३।१५
ति	भादौं सु० १५ शनौ २९।५२ श० ४९।९ सु० ३६।४३ वि० २।५४ दि० ३१।२६
प्र	सू ५।१४ च १।१६ म ३।२९ बु ६।६ बृ २।१७ शु ६।१८ श ४।१८ रा ९।१४ के ३।१४
ति	द्वि० भादौंव० ३० रवौ २३।१ यूफ ६।५३ शु ५४।१९ ना० २३।३ दि ३०।२९
प्र	सु ५।२८ च ५।२५ म ४।८ बु ५।१६ बृ २।१८ शु ७।६ श ४।१९ रा ९।१४ के३।१४
ति	द्वि० भादौं सु० १५ रवौ ४९।५५ पूभा ४।१७ बृ ४४।२६ वि० २३।४७ दि २९।३४
प्र	सू ६।१३ च १२।६ म ४।१७ बु ५।२७ बृ २।१९ शु ७।२३ श ४।२१रा ९।१३ के३।११

श्रीसंवत १९७४ शाके १८३९

ति| कार व० ३० भौमे ४।१४ चित्रा ४०।४९ वैधृत १२।२१ नाग ४।१३ दि० २८।३१

ग्र| सू ६।२९ च ६।२८ म ४।२६ बु ६।१६ बृ २।१९ शु ८।११ श ४।२२ रा९।१२ के३।१२

ति| कार सु १५ भौमे १४।२ अश्विनी १४।१५ सिद्धि ४२।३९ बा० १४।२ दि० २७।४०

ग्र| सू ७।११ च ११।५ म ५।३ बु ७।८ बृ १।१८ शु ८।२७ श ३।२३ रा ९।११ के ३।११

ति| कार्तिक व० १० बुधे ४४।१ स्वांति २।२७ सौभाग्य २४।५६ चा० १३।१४ दि २६।५२

ग्र| सू ७।८ च ८।१२ म ५।११ बु ८।५ बृ २।१६ शु ९।१३ श ४।२३ रा ९।१० के ३।१०

ति| कार्तिक सु १५ बुधे ४४।१ कृतिका १०।२१ शिव० ४६।१० वि० ११।४१ दि०२६।१६

ग्र| सू ८।१२ च २।४ म ५।१८ बु ८।२७ बृ २।१४ शु ९।२८ श ४।२३ रा ९।१० के३।१०

ति| मार्ग व० ३० भृगौ २०।३५ ज्येष्ठा ५५।१८ शू० २९।११ ना० २०।३५ दि० २५।५५

ग्र| सू ८।२८ चं ८।२५ म ५।२५ बु ९।१७ बृ २।१२ शु १०।१३ श ४।२३ रा ९।९के३।९

ति| मार्ग सु० १५ भृगौ २०।२१ आर्द्रा ५१।४५ ब्रा० ४९।३१ वा २०।१२ दि० २५।५२

ग्र| सू ९।१२ च ३।५ म ६।० बु ९।२१ बृ २।११ शु १०।१२ श ४।२३ रा ९।८ के ३।८

ति| पौष व० ३० शनौ ५३।१६ पू०षा० ४३।१९ व्या० १२।४९ चा० १४।५९ दि० २६।११

ग्र| सू ९।१८ च ९।२४ म ६।४ बु ९।१० बृ० २।१० शु ११।१ श ४।२२ रा ९।७ के३।७

ति| पौष सु० १५ रवौ ३।२४ पुष्य १७।४८ प्रीत ०।१४ बा० ३।२४ दि० २६।४६

ग्र| सू १०।१३ च ४।२२ म ६।५ बु ९।१८ बृ २।१० शु १०।१९ श ४।२१ रा ९।६के३।६

ति| माघ व० ३० चंद्रे २२।८ धनिष्ठा ५३।३१ वरियान २८।३ ना० २२।८ दि० २७।३५

ग्र| सू १०।२८ चं १०।२५ म ६।५ बु १०।८ बृ २।१० शु १०।२१ श४।२० रा ९।६ के३।६

ति| माघ सुदी १५ चंद्रे ४९।५७ मघा ४७।१० अतिगं० १४।१६ विष्ट १७।४१ दि०२८।२५

ग्र| सू ११।१४ च ५।५ म ६।१ बु ११।३ बृ २।११ शु १०।१६ श ४।१९ रा ९।५ के३।५

ति| फागुन व० ३० भौमे ४६।३६ सतारका १०।२५ साध्य १०।१८ चा० २०।२३ दि२३।२९

ग्र| सू ११।२८ चं ११।२२ मं ५।२४ बु ११।० बृ२।१३ शु१०।२७ श ४।१८ रा९।४के ३।४

ति| फागुन सु० १५ बुधे १६।११ उ०फा १८।३१ व्र० १४।२ वृष्ठ ३।५१ दि० ३०।२५

ग्र| सू १२।१२ चं ६।५ म ५।१८ बु ११।२६ बृ २।१५ शु १०।२८ श ४।१७ रा९।३के३।३

ति| चैत्रव० ३० गुरौ १०।४१ रेवती ९।१५ वई २६।४९ नाग० १०।४१ वि० ३३।२४

ग्र| सू १२।२७ चं १२।१ म ५।११ बु १।१४ बृ २।१७ शु ११।११ श ४।१५ रा ९।३के ३।१२

श्रीसंवत् १९७५ शाके १८४०

ति	चै० सु० १५ भृगौ १८।१० स्वाति ५४।४५ सिद्ध ५५।० वा १९।१० दि० ३२।१८
ग्र	सू० ०।१२ च० ७।८ म० ५।१७ बु० १।१६ बृ० २।१० शु० ११।२६ श० ४।१७ रा० ९।२ के० ३।१
ति	वै० व० १० भृगौ ३१।३४ भरणी ११।२७ सौभाग्य १४।६ वा ५।८ दि० ३३।१
ग्र	सू० १।१५ च० ११।१२ म० ५।१८ बु० १।१७ बृ० २।११ शु० १२।११ श० ४।१८ रा ९।१ के० ३।१
ति	वै० सु० १५ शनौ ४५।४६ विशाखा १८।१ प० १५।२४ वी० २४।४१ दि० ३३।४१
ग्र	सू० २।१० च० ८।१ म० ५।२५ बु० १।१७ बृ० २।२६ शु० १।२७ श० ४।१९ रा ९।० के ३।०
ति	ज्ये० व० १० शनौ ५४।५१ रोहिणी ४९।३२ धृ० ४४।३९ चा० २६।४१ दि० ३३।५८
ग्र	सू० २।२१ च० २।८ म० ५।२८ बु० २।८ बृ० ३।० शु० १।१४ श० ४।२० रा ८।२९ के० २।२९
ति	ज्येष्ठ सु० १५ चन्द्रे २५।२६ मूल ४४।० शु० ३१।४१ वा २५।३९ दि० ३४।१३
ग्र	सू० ३।८ च० ९।२ म० ६।६ बु० ३।७ बृ० ३।४ शु० २।२ श० ४।२१ रा० ८।२९ के० २।२९
ति	आषाढ़ व० सु० १० चन्द्रे १९।२४ आर्द्रा ८।२५ व्या० ५५।२५ नाग १६।१४ दिनमू ३३।५५
ग्र	सू० ३।२२ च० ३।२२ म० ६।११ बु० ४।३ बृ० ३।० शु० २।१९ श० ४।२३ रा० ८।२८ के २।२९
ति	आषाढ़ सुदी १५ भौमे ५०।९ पू० षा० ३।३९ विष्टि ४५।२२ वी० २२।२६ दिनमू ३३।२९
ग्र	सू० ४।६ च० १०।८ म० ६।२२ बु० ४।१८ बृ० ३।१० शु० ३।६ श० ४।२५ रा० ८।२७ के २।२७
ति	श्रा० व० १० भौमे ४८।३९ पुष्य ३०।११ सिद्ध १५।६ चा० १८।१४ दिनमू० ३३।५४
ग्र	सू० ४।१९ च० ४।८ म० ७।० बु० ५।१५ बृ० ३।१३ शु० ३।२१ श० ४।२६ रा० ८।२६ के २।२६
ति	श्रावण सु० १५ गुरौ ११।२६ ध० १७।३१ अ० ग० ४९।२९ व ११।२६ दि० ३३।५
ग्र	सू० ५।५ च० ११।५ म० ७।१० बु० ५।१६ बृ० ३।१६ शु० ४।१२ श० ४।२९ रा० ८।२६ के २।२६
ति	भाद्रौ० व० १० गु० २३।१८ पू० फा० ६०।० सि० ३३।१२ नाग २३।३९ दि० ३२।१२
ग्र	सू० ५।१८ च० ५।२५ म० ७।२० बु० ५।१७ बृ० ३।१९ शु० ४।२९ श० ५।० रा० ८।२५ के २।२५
ति	भा० सु० १५ भृगौ ३१।३७ पू० भा० ३०।१३ शू० २।४२ वी० ४।२५ दि० ३०।१४
ग्र	सू० ६।१ च० ११।२६ म० ८।० बु० ५।१७ बृ० ३।२१ शु० ५।१७ श० ५।२ रा ८।२४ के २।२४
ति	आश्विन व० ३० शनौ ४।४५ हस्त ११।२० ऐन्द्र ५४।० नाग ४।४५ दि० २९।०
ग्र	सू० ६।१७ च० ६।२५ म० ८।११ बु० ६।९ बृ० ३।२२ शु० ६।६ श० ५।४ रा० ८।२३ के० २।२३

श्रीसंवत् १९७५ शाके १८४०

ति| आ० शु० १५ शनौ ५३।२ रेवती ४९।१४ व्य० ६।१५ वी० २६।२ दि० २८।२०

ग्र| सू ७।१ च १२।२५ म ८।२१ बु ७।३ बृ ३।२४ शु ६।२३ श ५।५ रा ८।२२ के २।२२

ति| का० व० ३० रवौ ७९।१८ स्वाति ६०।० प्रीति ६०।२९ चा० १७।५ दि० २७।२०

ग्र| सू ७।१६ च ७।१ म ९।२ बु ७।२९ बृ ३।२८ शु ७।१२ श ५।६ रा ८।२१ के २।१२

ति| कार्तिक शु० १५ च० १६।१६ कृत्तिका ५०।२ परिघ ५१।१८ चा० १६।५६ दि० २६।८०

ग्र| सू ८।६ च ३।८ म ९।१४ बु ८।२१ बृ ३।१४ शु ८।१ श ५।७ रा ८।२१ के २।२१

ति| अगहन व ३० शनौ २०।३१ अनुराधा २९।४० सुकर्मा २५।२२ चा० ३।५६ दि० २६।१०

ग्र| सू ८।१७ च ८।१० म ९।२९ बु ९।१ बृ ३।२२ शु ८।१९ श ५।८ रा ८।२८ के २।१०

ति| मार्ग० शु० १५ म० ४४।२२ रोहिणी ६।३९ साध्य ८।२० वी० १६।४५ दि० २५।११

ग्र| सू ९।१ च १।२३ म १०।६ बु ९।० बृ ३।२२ शु ९।७ श ५।८ रा ८।१९ के २।१९

ति| पूस व ३० गुरौ ६०।१६ पूर्वा० ५०।१ ध्रुव ३३।४६ ना० १७।१६ दि० २५।१८

ग्र| सू ९।१७ च ९।२१ म १०।१८ बु ८।२५ बृ ३।१० शु ९।१७ श ५।१० रा ८।१८ के २।१८

ति| पू० शु० १५ गुरौ १७।३७ पुन० २१।४३ वी० २३।५८ चा० १७।३७ दि० २६।३८

ग्र| सू १०।२ च ३।२६ म १०।२९ बु ९।१९ बृ० ३।१० शु १०।१५ श ५।७ रा ८।१८ के २।१८

ति| मा० व० ३० भृगौ ५४।१८ उ०षा ७।१ सिद्धि ६०।३९ चा० २५।२० दि० २६।११

ग्र| सू १०।१७ च १०।२५ म ११।१० बु १०।२ बृ ३।१६ शु ११।७ श ५।६ रा ८।१७ के २।१७

ति| माघ शु० १५ भृगौ ५५।४ श्लेषा ४३।५ सौभाग्य ४।६१ चा० २४।५८ दि० २७।४४

ग्र| सू ११।१ च ०।२६ म ११।२ बु १०।२७ बृ ४।१५ शु ११।२१ श ५।५ रा ८।१६ के २।१६

ति| फा० व० ३० रवौ २५।५९ शत० ३३।२९ शिव ३६।२६ ना० २५।२६ दि० २८।०४

ग्र| सू ११।१७ च ११।१० म १२।० बु ११।२६ बृ ३।१५ शु १२।१ श ५।१ रा ८।१५ के २।१५

ति| फागुन शु० १५ रवौ ३६।२२ पू०फा० ८।४६ शूल १०।०६ वी० ४।५६ दि० २९।४०

ग्र| सू १२।१ चं ५।२८ मं १२।१४ बु १२।१७ बृ ३।१५ शु १२।२८ श ५।२ रा ८।१५ के २।१५

ति| चैत्र व० ३० चंद्रे १२।११ उ०भा० ४८।८ ब्रा० ४४।५८ चा० २४।३० दि० ३०।४०

ग्र| सू १२।१६ चं १२।५ म १२।२६ बु १२।२९ बृ ३।१६ श ०।१६ श ५।२ रा ८।१४ के २।१४

संवत् १९७६ शाके १८४१

ति	चै० सु० १५ भौमे० १९।२४ चि० ४३।५१ हर्षण३३।५८ वा०१९।१४ दि० ३१।३६
ग्र	सू० ११९ च० ६।२६म०१।७बु०१२।२१बृ० ३।१७शु०२।४श५।१ रा० ८।१३ के २।१३
ति	वै० व० ३० बुधे० १३।३४ अश्विनी ११२८ घा० ४१।४५ना०१३।३४ दि० ३२।३०
ग्र	सू० ११९६च०१।१५म०१।१८बु०१२।२१बृ०३।१९शु०२।१२श०५।१रा०८।१२के २।१२
ति	वै० सु० १५ गुरौ ०।५८ वि० १५।१७ पा० ५७।५१ वा० ०।५८ दि० ३३।१६
ग्र	सू० २।० च० ८।२ म० १।२९बु० १।४बृ०३।२२शु०३।११श०५।२रा०८।११के० २।११
ति	जे० व० ३० गुरौ ३२।५८ कृ० १४।१८ सु० ५०।१५ चा० ५।५८ दि० ३३।४६
ग्र	सू० २।१३ च० २।६ म० २।९ बु० २।३ बृ० ३।२४शु३।२०श०५।२रा०८।११के०२।११
ति	ज्येष्ठ सु० १५ भृ० ३४।१७ ज्येष्ठा ४०।४१ सा० २०।१५ वी० ७।२२ दि० ३४।४
ग्र	सू० २।१८ च० ८।२६ म० २।२० बु०३।१बृ३।२७शु०४।१२श५।३रा०८।१०के०२।१०
ति	आ० व० ३० भृगौ ५१।३४ मृ०सि० २७।३३ गं०६।२४ चा० २४।२१ दि० ३४।१०
ग्र	सू० ३।११ च० ३।२ म० २।२९ बु० ३।२७ बृ०४।०शु०४।२६श०५।४रा० ८।९के०२।९
ति	आ० सु० १५ रवौ० १३।४७ पू०षा० १२।२५ वैधृत ४१।१वा०१३।४७ दि० ३३।३८
ग्र	सू० ३।२६ च० ९।२६ म० ३।१० बु० ४।२१बृ०४।४शु०५।११श० ५।६रा०८।८के२।८
ति	आ० व० ३० रवौ १२।५ पु० ४०।५२ वा० ५०।४६ ना० १२।५ दि० ३३।१६
ग्र	सू० ४।९ च० ४।८ मं०३।१६बु० ४।१ बृ० ४।७ शु० ५।२२ श० ५।७रा०८।८के० २।८
ति	श्रा० सु० १५ चंद्रे ४२।५० श्र० ३५।२१ आयुष्मान ०।८० वी० १३।० दि० ३२।४०
ग्र	सू० ४।२४ च० १०।२२म०३।२६बु०४।१३बृ०४।११शु०६।१९श०५।९रा०८।७के०२।७
ति	भा० व० ३० चंद्रे ३७।९ मघा ६०।० प० २३।३०चा० ७।५७ दि० ३१।५६
ग्र	सू० ५।७ च० ५।१ म० ४।८ बु० ४।२२ बृ०४।१४शु०६।०श०५।११ रा०८।६के०२।६
ति	भा० सु० १५ बु० ८।५१ पू०भा० ५२।३१ ध्रु० ९।२५ वा० ८।५१ दि० ३०।५४
ग्र	सू०५।२३च०११।१५म०४।१७बु०५।१०बृ०४।१७ शु० ५।२३ श० ५।१३रा०८।५के२।५
ति	आ० व० ३० बुधे ९।२ उ०फा० २३।१६ शू० ३५।४८ ना० ९।५ दि० ३०।०
ग्र	सू० ६।६ च० ६।९ म०४।२६बु० ६।३बृ०४।२०शु०५।१६श०५।१५रा०८।४ के० २।४

संवत् १९७६ शाके १८४१

ति	आ० सु० १५ गुरौ ३३।११ उ०भा० ९।३७ ध्रुव १६।२१ वी० ५।२३ दि० २९।०
ग्र	सू० ६।११ च० १२।१ म० ५।५ बु० ६।१९ बृ० ४।२२ शु० ५।१७ श० ५।१७ रा० ८।१ के० २।३
ति	का० व० ३० गुरौ ४८।३४ चि० ३९।५४ वी० ५९।३१ चा० १६।४७ दि० २८ ५
ग्र	सू० ७।५ च० ६।१६ म० ५।१३ बु० ७।२३ बृ० ४।२४ शु० ५।२४ श० ५।१८ रा० ८।३ के० २।३
ति	का० सु० १५ भृगौ ५४।२२ आ० ३२।४० सिद्ध १८।५४ बा० ३।३४ दि० २७।०
ग्र	सू० ७।२० च० १।५ म० ५।२२ बु० ८।१२ बृ० ४।२६ शु० ६।५ श० ५।१९ रा० ८।२ के० २।२
ति	मार्ग व० ३० शनौ ३४।२५ विशाखा २९।१६ शोभन ६।४४ चा० १।५३ दि० २६।२८
ग्र	सू० ८।५ च० ८।२ म० ६।० बु० ८।१९ बृ० ४।२७ शु० ६।१९ श० ५।२० रा० ८।१ के० २।१
ति	मार्ग सु० १५ रवौ २२।० रोहिणी ३०।२४ शिव १०।० वी० २२।८ दि० २६।५
ग्र	सू० ८।२० चं० २।१० म० ६।८ बु० ८।९ बृ० ४।२७ शु० ७५ श० ५।२१ रा० ८।१ के० २।१
ति	पू० व० ३० चंद्रे २२।५८ मूल ५५।४२ गं० २२।४१ नाग २२।५८ दि० २५।४४
ग्र	सू० ९।६ च० ६।५ म० ६।१६ बु० ८।१३ बृ० ४।२७ शु० ७।२२ श० ५।२१ रा० ८।० के० २।०
ति	पू० सु० १५ चंद्रे ४८।५४ आर्द्रा ४३।६ ब्र० ११।३२ विष्टि २१।३५ दि० २६।२
ग्र	सू० ९।२० च० ३।९ म० ६।२२ बु० ९।१ बृ० ४।२६ शु० ८।८ श० ५।२१ रा० ७।२९ के० १।२९
ति	मा० व० ३० बुधे १०।२ उ०भा० २३।५० वा० ३५।१९ नाग १०।२ दि० २६।२६
ग्र	सू० १०।६ च० १०।८ म० ६।२९ बु० ९।२८ बृ० ४।२५ शु० ८।२७ श० ५।२३ रा० ७।२८ के० १।२८
ति	मा० सु० १५ बुधे० १८।२८ श्लेषा ५५।३२ आयुष्मान ५।५२ बा० ५८।२२ दि० २७।१०
ग्र	सू० १०।२१ च० ४।२२ म० ७।४ बु० १०।२३ बृ० ४।२३ शु० ८।१४ श० ५।२० रा० ७।२७ के० १।२७
ति	फा० व० ३० गुरौ ५९।३१ ध० ४८।५१ परिघ ४६।४ चा० २१।११ दि० २८।०
ग्र	सू० ११।६ च० १०।२८ म० ७।८ बु० ११।१८ बृ० ४।२० शु० १०।२ श० ५।१९ रा० ७।२७ के० १।२७
ति	फा० सु० १५ गुरौ ५०।५८ मघा १४।१६ सुकर्मा १९।११ वि० २१।४९ दि० २८।५६
ग्र	सू० ११।२० च० ५।१० म० ७।९ बु० १२।६ बृ० ४।१९ शु० १०।२० श० ५।१८ रा० ७।२७ के० ७।२६
ति	चैत्र व० ३० शनौ २६।६ पू०भा० १०।१२ शु० ५०।५५ नाग २६।६ दि० ३०।०
ग्र	सू० १२।६ च० १२।२ म० ७।१० बु० १२।९ बृ० ४।१८ शु० ११।६ श० ५।१७ रा० ७।२५ के० १।२५

संवत् १९७७ शाके १८४२

ति	चैत्र सु० १५ शनौ २५।१९ हस्त ३७।२७ ध्रुव १८।३७ वा १५।१९ दिनम् ३०।५५
ग्र	सु ११।२० चं ६।२२ मं ७।७ बु १।१० बृ ४।१० शु ११।२६ श ५।१६ रा ७।२४ के १।२४
ति	वैशाख व० ३० रवौ ५३।३१ रेवती २७।२५ वै ५।१ चा २५।३० दिनम् ३१।५४
ग्र	सू १।२ चं ११।२५ मं ७।१ बु १।२९ बृ ४।१८ शु १२।१५ श ५।१५ रा ७।२३ के १।२३
ति	वैशाख सु० १५ चंद्र १।३१ स्वा ३।१ व्या ३५।२४ वा १।३१ दिनम् ३२।४१
ग्र	सु १।१९ चं ७।२२ मं ६।२६ बु १।१ बृ ४।१९ शु १।३ श ५।१५ रा ७।२३ के १।२३
ति	ज्येष्ठ व० ३० भौमे १५।७ कृत्तिका २८।५५ सोमन ७।१४ नाग १५।७ दिनम् ३३।२८
ग्र	सु २।४ चं २।५ मं ६।२४ बु १।२८ बृ ४।२० शु १।२२ श ५।१५ रा ७।२२ के १।२२
ति	ज्येष्ठ सु० १५ भौमे ४१।१७ अनुराधा ३३।३४ सिद्ध ५८।२८ वी १।२ दिनम् ३३।५०
ग्र	सु २।१७ चं ८।१२ मं ६।२६ बु २।२५ बृ ४।२२ शु २।६ श ५।१५ रा ७।२१ के १।२१
ति	आषाढ़ व० ३० बुधे ३३।१५ मृगशिर ५१।४३ शूल १५।३६ चा ६।१९ दिनम् ३४।९
ग्र	सू ३।१ चं २।२५ मं ६।२८ बु ३।२१ बृ ४।२४ शु २।२८ श ५।१६ रा ७।२८ के १।२०
ति	आषाढ़ सु० १५ गुरौ १९।४२ मूल ४।४७ ब्र २३।३ वा १९।४२ दिनम् ३४।३
ग्र	सू ३।१५ चं ९।२२ मं ७।३ बु ४।१० बृ ४।२७ शु ३।१६ श ५।१७ रा ७।२० के १।२०
ति	प्रथम श्रावण व० ३० गुरौ ३०।२२ आर्द्रा ८।१५ व्या २३।४३ चा २३।२३ दि ३३।४६
ग्र	सू ३।२६ चं ३।२२ मं ७।१० बु ४।१२ बृ ५।० शु ४।३ श ५।१८ रा ७।१९ के १।१९
ति	प्र० श्रावणसु० १५ भृगौ ५६।४३ उ०षा० ३५।३ प्रीति ४६।५५ वी २४।४१ दि ३३।१४
ग्र	सु ४।१३ चं १०।२ मं ७।१७ बु ४।२ बृ ५।३ शु ४।२१ श ५।२० रा ७।१८ के १।१८
ति	द्वि० श्रा० व० ३० शनौ ८।३७ श्र० २७।३९ वा २५।१५ नाग ८।३७ दिनम् ३२।२८
ग्र	सु ४।२७ चं ४।२५ मं ७।२६ बु ४।११ बृ ५।६ शु ५।१० श ५।२२ रा ७।१७ के १।१७
ति	द्वि० श्रा० सु० १५ रवौ ३१।२४ ध० २।३६ अ० ७।१० वी ०।१८ दिनम् ३१।१८
ग्र	सू ५।१० चं ११।५ मं ८।४ बु ५।३ बृ ५।९ शु ५।२८ श ५।२३ रा ७।१६ के १।१६
ति	भादौं व० ३ रवौ ३१।२ पू० फा० ३२।५६ सा० ३४।७ चा० २।५० दिनम् ३०।४४
ग्र	सू ५।२५ चं ५।२६ मं ८।१५ बु ५।२७ बृ ५।१२ शु ६।१५ श ५।२५ रा ७।१६ के १।१६

श्रीसंवत् १९७७ शाके १८४२

ति	भादोंसु० १५ भौमे ३।३७ उ० भा० २७।१३ व्रा १९।८ वा० ३।३७ दि० २९।४१
ग्र	सू ६।०१ चं १२।१० मं ८।२६ बु ६।२५ बृ ५।१६ शु ७।५ श ५।२७ रा ७।१५ के ११५
ति	आश्व०व०१४ चंद्र १।१३ ह० ५१।१२ अ० ४१।१८ शा० १।१३ दिनम २८।१०
ग्र	सू ६।२४ चं ६।१२ म० ९।५ बु ७।१६ बृ ५।१८ शु ७।२' श ५।२९ रा ७।१४ के १।१४
ति	आश्व० सु० १५ बुधे ३३।१३ अ० ४४।५३ वा २७।३ वी ४।४३ दिनम् २७।१६
ग्र	सु ७।१० च ०।१८ म ९।१६ बु ०८।१ बृ ५।२१ शु ८।१० श ६।१ रा ७।१३ के १।१३
ति	कार्तिक व० ३० बुधे ३६।२१ स्वाति १३।८ सौ ५१।४३ चा ५।४२ दिनम् २७।४
ग्र	सू ७।२४ च ७।२७ म ९।१६ बु ८।० बृ ५।२३ शु ८।२७ श ६।२ रा ७।१३ के १।१३
ति	कार्तिक सु १५ भृगौ १।३० रोहिणी ५।१ शिव २३।३५ वा १।३० दिनम् २६।१९
ग्र	सु ८।१० च २।८ म १०।८ बु ७।२२ बृ ५।२६ शु ९।२७ श ६।३ रा ७।१२ के १।१२
ति	मार्ग व० ३० भृगौ २०।१५ ज्येष्ठा ४४।१८ श्र० १।२ नाग २०।१५ दिनम् २६।०
ग्र	सू ८।२४ च ८।२२ म १०।१९ बु ८।३ बृ ५।२७ शु १०।३ श ६।४ रा ७।११ के १।११
ति	मार्ग सु० १५ शनौ २८।४४ मृ०शि० १३।६ शू २३।४३ वी १।६६ दिनम् २५।४८
ग्र	सु ९।१० च ३।५ म ११।० बु ८।२६ बृ ५।२८ शु १०।२१ श ६।४ रा ७।१० के १।१०
ति	पौष व० ३० रवौ ८।१५ पू०षा० १४।२५ व्या० १९।० ना ८।५९ दिनम् २६।९
ग्र	सु ९।२५ च ९।२५ म ११।११ बु ९।२२ बृ ५।२८ शु ११।९ श ६।५ रा ७।६ के १।९
ति	पौष सु० १४ रवौ १।११ पुनर्वसु २४।१७ वी २३।२९ वा १।११ दिनम् २६।३४
ग्र	सू २०।१९ च ३।२८ म ११।२२ बु १०।१७ बृ ५।२८ शु ११।२५ श ६।४ रा ७।९ के १।९
ति	माघव० ३० चन्द्र ५८।२५ श्रवण ४५।११ व्य० ३३।५९ चा २५।२४ दिनं २७।२३
ग्र	सु १०।२५ चं०१०।२५म१२।३ बु११।१० बृ ५।२७ शु १२।११ श ६।४ रा ७।८ के १।८
ति	माघ सु० १५ भौम २२।५ मघा ३३।२७ अति० १७।५ वा० २२।५ दिनम् २८।१४
ग्र	सू ११।१० च ५।५ म १२।१४ बु ११।२३ बृ ५।२६ शु ११।२४ श ६।३ रा ७।७ के १।७
ति	फागुन व० ३० बुध ४३।२६ स० १४।१५ सा० ४९।१२ चा० ११।५२ दिनम् २९।१०
ग्र	सू १२।२५ च ११।२२ म १२।२८ बु ११।१६ बृ ५।२४ शु १।५ श ६।२ रा ७।६ के १।६
ति	फागुन सु० १५ बुध ४९।१७ उ०फा० ४८।४७ गड २१।४१ विष्टि २१।१९ दि० ३०।१०
ग्र	सू ११।१६ च ६।१ म १।६ बु ११।१३ बृ ५।२२ शु १।१३ श ६।१ रा ७।५ के ०।१५
ति	चैत्रव० ३० भृगौ २१।२४ रेवती ४२।१७ ऐन्द्र ३।१५ नाग २१।२४ दिनम् ३१।१४
ग्र	सू १२।२५ चं०म १।१८ बु १२।१ बृ ५।२० शु १।१३ श ६।० रा ७।५ के १।५

संवत् १९७८ शाके १८४३

ति	चैत्र सु० १५ भृगौ १७।४६ चित्रा ७।६ वा० १६।४ वा० १७।४६ दिनम् ३२।६
ग्र	सु १।८ च ७।५ मं १।२८ बु १२।२४ बृ ५।१९ शु १।५ श ५।२९ रा ७।४ के १।४
ति	वैशाख व०३० शनौ ५।१६ अश्विनी२५९ आयुष्मान१६।५३ चार२।१५दि३२।५०
ग्र	सू १।२३ चं १।१० मं २।८ बु १।२२ बृ ५।१९ शु १ ।२८ श ५।२८ रा ७।३ के १।३
ति	वैशाख सु० १५ शनौ ४८।३४ विशाषा२९।१ परिघ४१।२८ विष्ट १८।३२दि०३३।३६
ग्र	सु २।६ चं ७।२८ म २।१८ बु २।१८ बृ ५।१९ शु १।१ श ५।२८ रा७।२ के०१।२
ति	ज्येष्ठ व० ३० चंद्र १४।३७ रोहिणी १९।१५ ध्रुव २३।१२ नाग १४।३७दि० ३३।५६
ग्र	सु २।११ चं २।२२ मं २।२९ बु ३।१३ बृ ५।२० शु १।८ श ५।२८ रा ७।२ के १।२
ति	ज्येष्ठ सु० १५ चंद्र २०।४६ मूल ५९।२८ शुभ १।२६ वा २१।४६दि० ३४।१४
ग्र	सू ३।१ चं ६।१ मं ३।८ बु ३।२५ बृ ५ २१ शु १।२० श ५।२९ रा ७।१ के १।१
ति	आषाढ व० ३० भौमे ३३।२८ आर्द्रा ३३।२२ ध्रुव ३३।४ चा ६।२४ दि० ३३।५८
ग्र	सु ३।१९ चं ३।१० मं ३।१७ बु ३।१८ बृ ५।२३ शु २।४ श ६।० रा ७।० के १।०
ति	आषाढ सु० १५ भौमे ५८।२१ पू०षा० २३।१८ वै २४।२१ विष्ट २६।११ दि०३३।४१
ग्र	सु ४।२ चं ९।२८ मं ३।२६ बु ३।१६ बृ ५।२५ शु २।१९ श ६।१ रा ६।२९ के १२।२९
ति	श्रावण व० ३० बुधे ५०।४५ पुष्य ४५।४५ सिद्ध ४१।१४ चा० २३।४६ दि०३३।२
ग्र	सु ४।१७ चं ४।१ मं ४।६ बु ४।२ बृ ५।२८ शु ३।५ श ६।२ रा ६।२८ के १२।२८
ति	श्रावण सु० १५ गुरौ ३६।४८ धनिष्ठा ६०।० शोभन ४९।१३ विष्ट ४।१७ दि०३२।१६
ग्र	सु ५।१ चं १०।२५ मं ४।१५ बु ४।२६ बृ ६।१ शु ३।२२ श ६।४ रा ६।२८ के १२।२८
ति	भादौं व० ३० भृगौ ८।४६ पू०फा० ५३।४५ सिद्ध ४०।१२ नाग ८।४६ दि० ३१।३०
ग्र	सु ५।१५ चं ५।१० मं ४।२५ बु ५।२३ बृ ६।४ शु ४।९ श ६।१ रा ६।२७ के १२।२७
ति	भादौं सु० १५ शनौ १६।१५ पू० भा० २९।७ शूल १०।९ वा० १६।१५ दि० ३०।२५
ग्र	सु ६।० चं ११।२८ मं ५।८ बु ६।१९ बृ ६।७ शु ४।२७ श ६।७ रा ६।२६ के १२।२६
ति	क्वार व० ३० शनौ २९।४६ उ०फा० १०।५ ब्र० ४६।० चा० २।१९ दि० २९।३०
ग्र	सू ६।१४ चं ६।१५ मं ५।१३ बु ७।९ बृ ६।१० शु ५।१४ श ६।९ रा ६।२५ के १२।२५

संवत् १९७८ शाके १८४३

ति| क्वारसु० १५ रवौ ५४।४७ रेवती ५५।३३ व्यापात२६।२४ विष्ट२३।४०दि०२८।११

ग्र| सु ६।२९ च १२।११ म ५।२२ बु ७।१८ बृ६।१३ शु ६।२ श६।११ रा ६।१५के१२।१५

ति| कार्तिकव० ३० रवौ ५६।९ चित्रा १४।१६ प्रीति ५१।१३ चा० ९७।५१ दि० १७।४०

ग्र| सू ७।१३ च ७।५ मं ६।१ बु ७।९ बृ ६।१६ शु ६।१८ श ६।१२ रा ६।२४ के १२।२४

ति| कार्तिकसु० १५ भौमे ३१।७ भरणी १७।४३ वा० ३४।१६ विष्ट १।१७ दि० २६।४८

ग्र| सु ७।२६ चं १।२३ मं ६।१० बु ७।१० बृ ६।१६ शु ७।९ श ६।१४ रा ६।२३ के१२।२३

ति| अगहनव० ३०भौमे २९।१५ अनुराधा ४२।२४ शुभ५३।३३ नाग २९।१५ दि०२६।१६

ग्र| सू ८।१३ चं ८।१२ मं ६।१८ बु ७।२६ बृ ६।१२ शु ७।२६ श ६।१५ रा ६।२२ के१२।२२

ति| मार्गसु० १५ गुरौ ४।७ मृगशिर ३४।३५ शुभ ३३।४३ वा० ४।७ दि० २५।५४

ग्र| सु ८।२९ चं ३।१ मं ६।२८ बु ८।२१ बृ ६।२४ शु ८।१६ श ६।१६ रा ६।२१ के१२।२१

ति| पौषव० ३० गुरौ ९।४० मूल ५।३९ व्र० २।३८ मा० ९।४० दि० २५।१४

ग्र| सू ९।२३ चं ९।७ मं ७।३ बु ९।१७ बृ ६।२६ शु ६।४ श ६।१७ रा ६।२१ के १२।२१

ति| पौष सु० १५ भृगौ ३४।१६ पुनर्वसु ४८।१९ वैधृत ३५।१२ विष्ट ६।३४ दि० २६।१४

ग्र| सु ९।२९ च ३।२५ मं७।१४ बु१०।१२ बृ ६।२७ शु ९।२३ श६।१७ रा ६।२०के१२।२०

ति| माघ व० ३० भृगौ ५५।४९ उ० षा० ३१।२७ वा० १४।३९ चा० २३।५१ दि०२६।४६

ग्र| सु १०।१३ चं १०।१ मं ७।२१ बु१११० बृ६।२८ शु १०।१० श ६।१७ रा६।१९के१२।१९

ति| माघ सु० १५ रवौ १।२५ श्लेषा २०।० शो० २८।२१ वा० २७।८ दि० २७।३८

ग्र| सू १०।२९ चं ४।२९ मं ८।० बु ११।४ बृ ६।२८ शु११।१ श ६।१७ रा ६।१८के१२।१८

ति| फागुनव० ३० रवौ ४४।७ धनिष्ठा ३।५४ शिव ३१।१३ चा० ११।१३ दि० २८।३०

ग्र| सु० ११।१३ चं १।१५ मं ८।८ बु१०।२५ बृ६।२८ शु११।१८ श ६।१६रा६।१७के१२।१७

ति| फागुन सु० १५ चंद्रे २६।३३ पू०फा० १४।४२ सु०३०।३० ध० २१।३३ दि०२९।३०

ग्र| सु०११।२६ च ५।२५ म ८।१५ बु ११।२ बृ ६।२७ शु १२।७ श ६।१६रा६।१७के१२।१७

ति| चैत्र ब० ३० भौमे ३०।१३ उ०भा० ४१।१४ व्र० ५०।३२ नाग ३०।१३ दि०३ ०।२९

ग्र| सू०१२।१३ चं १२।१०मं८।२१बु०११।२१बृ६।२५शु १२।२६ श६।१४ रा६।१४के१२।१६

संवत् १९७९ शाके १८४४

ति	चैत्रसु० १५ भौमे ५।१० हस्त २८।० व्याघात ३५।१ विष्टि २२।४७ दिनम् ३१।२४
ग्र	सू० १२।२७ चं० ६।२५ मं० ८।१७ बु० ११।१८ बृ० ६।२३ शु० ११।१ श० ६।१३ रा० ६।१५ के० १।१
ति	वै० व० ३० गुरौ १।४५ अश्विनी ९।५४ प्रीति ९।३ नाग १०।४५ दिनम् ३२।२१
ग्र	सू० १।१३ चं० १।१२ मं० ९।१ बु० १।१८ बृ० ६।२१ शु० २।१ श० ६।११ रा० ६।१४ के० १२।१४
ति	वै० सु० १५ गुरौ १३।४२ विशाखा ४।१९ व० २७।२९ बा० १३।४२ दि० ३३।४
ग्र	सू० १।२६ च० ७।२५ मं० ९।१९ बु० २।१९ बृ० ६।२० शु० २।२० श० ६।१२ रा० ६।१४ के० १२।१४
ति	जे० व० ३० भृगौ० ४३।५९ कृत्तिका २०।४९ अतिगंड २६।५२ चा० १३।४५ दि० ३३।४१
ग्र	सू० २।११ चं० २।५ मं० ९।४ बु० ३।२ बृ० ६।१९ शु० ३।८ श० ६।११ रा० ६।१३ के० १२।१३
ति	जेष्ठ सु० १५ भृगौ ३८।३० अनुराधा ०।१२ साध्य ५०।१६ विष्टि ६।३९ दि० ३४।०
ग्र	सू० २।१४ चं० ८।२५ मं० ९।२ बु० ३।१६ बृ० ६।१९ शु० ३।२५ श० ६।११ रा० ६।१२ के० १२।१२
ति	आषाढ व० ३० रवौ १०।२१ आर्द्रा ५४।३९ वृ० ३८।१ नाग १०।२१ दि० ३४।१२
ग्र	सू० ३।९ चं० २।७ मं० ८।२८ बु० २।२६ बृ० ६।१९ शु० ०।१३ श० ६।११ रा० ६।११ के० १२।११
ति	आषाढ सु० १५ रवौ ६।२४ पू० षा० २२।५६ ऐन्द्र ८।६ व० १६।२४ दि० ३३।१४
ग्र	सू० ३।१३ चं० ९।२७ मं० ८।१५ बु० ३।४ बृ० ६।२० शु० ५।० श० ६।११ रा० ६।१० के० १२।१०
ति	सावन व० ३० चंद्रे २३।३ पुनर्वसु० ११।३२ वरयान ४९।२६ चा० ४।३ दि० ३३।२४
ग्र	सू० ४।७ चं० ४।१ मं० ८।२५ बु० ३।२६ बृ० ६।२२ शु० ५।१७ श० ६।१३ रा० ६।१० के० १२।१०
ति	सावन सु० १५ चंद्रे १८।५४ श्रवण ४९।२ आयुष्मान २७।४० वि० ७।२९ दि० ३२।४१
ग्र	सू० ४।२० चं० १०।२७ मं० ८।२८ बु० ४।२० बृ० ६।२४ शु० ६।३ श० ६।१४ रा० ६।९ के० १२।९
ति	भा० व० ३० भौमे ५।१५ अश्लेषा २६।३३ वरयान ४।३५ चा० २४।० दि० ३२।५
ग्र	सू० ५।१ चं० ४।२५ मं० ९।१ बु० ५।१७ बृ० ६।२६ शु० ६।१९ श० ६।१५ रा० ६।८ के० १२।८
ति	भाद्रो सु० १५ बुधे १६।१६ सतारका १७।१५ धृ० ४९।५२ बा० १६।१४ दि० ३१।८
ग्र	सू० ५।१६ चं० ११।२५ मं० ९।९ बु० ६।१२ बृ० ६।२८ शु० ७।३ श० ६।१७ रा० ६।७ के० १२।७
ति	आ० व० ३० गुरौ १०।३९ उ० फा० ३४।१६ शुभ ३।१४ नाग १०।३९ दि० ३०।१०
ग्र	सू० ६।४ चं० ६।२ मं० ९।१७ बु० ६।२९ बृ० ७।१७ श० ७।१८ रा० ६।६ के० १२।६

श्रीसंवत् १९७९ शाके १८४४

ति| आ० सु० १५ गुरौ ५८।१४ उ०भा० ४८।४ व्रा० ८।१६ वि० २६।२४ दि०२९।१५

ग्र| सू० ६।१७ च १२।१५ म ९।२४ बु ७।० बृ ७।४ शु ८।१ श ६।२० रा६।६ के१२।६

ति| का० व० अ० भृगौ ३१।५२ चित्रांभे ४६।१६ वैधृत ६।२३ चा० ४।५० दि० २८।१६

ग्र| सू ७।१ च ६।२८ म १०।४ बु ६।१० बृ ७।८ शु ८।९ श ६।२२ रा ६।५ के १२।५

ति| कार्तिक सु० १५ श० ४२।४३अश्विनी१७।३३सिद्ध २६।३६ वि०१०।४१ दि २७।२४

ग्र| सू ७।१७ च १।१० म १०।१३ बु ७।० बृ ७।११ शु ८।११ श ६।२४ रा ६।४ के १२।४

ति| अगहन व १४ शनौ ११।५२ स्वाति ३।१९ सौभा० ७।५८शा० ११।५२ दि२६।४०

ग्र| सू ८।१ च ७।२५ म १०।२३ बु ७।१९ बृ ७।१४ शु ८।२ श ६।२५ रा ६।१ के १२।३

ति| मार्ग०सु १५चं० २५।२१ रोहिणी १७।४४ सिद्ध ३७।५४ वा०२५।२१ दि० २६।१.

ग्र| सू ८।१८ चं ३।२५ म ११।४ बु ८।१६ बृ ७।१७ शु०७।२७ श ६।२७ रा०६।३के१२।१

ति| पौष व १० चं२७।२०ज्येष्ठ१४।२९ सू० ३।३३ नाग २७।२० दि० २५।५०

ग्र| सू०९।२च०८।२५म०११।१४बु० ९।११ बृ०७।२०शु०७।२७ श०६।२८रा०६।२ के०१२।२

ति| पौ० सु० १५ बुधे० ४।१ आर्द्रा ९।१४ अईन्द्र ४९।३१ वा ४।१ दि० २६।२

ग्र| सू० ६।१८च०३।२३म०११।२५बु०१०।५बृ०७।२२शु०८।५श०६।२९रा०६।१के०१२।१

ति| मा० व० ३० बुधे ३।१८ उ०षा० २४।५४ हर्षण ४।३६ ना० ३।१७ दि० २६।१९

ग्र| सु०१०।३च०१०।१५म०१२।५बु०१०।१८बृ०७।२४शु०७।१६श०६।२९रा०६।०के०१२।०

ति| मा० सु० १५ गुरौ ३७।४८ पुष्य २७।२८ आ०वा०४५।३१वी० १०।२० दि० २७।२

ग्र| सू० १०।१८ म० १२।१६ बु०१०।१२बृ०७।२६शु०९।१श०६।२९रा०५।२६के०११।२६

ति| फा० व० ३० गुरौ ४४।३८ धनिष्ठा ६०।० वा० १४।४३ चा०१३।३५ दि० २७।४७

ग्र| सू०११।२च०१०।२५म०१२।१६बु०१०।८बृ०७।२०शु०६।१६श०६।२९रा०५।२९के११।२०

ति| फा० सु० १५ शनौ ६।२६ पू०फा० ३९।४५ धा० ४१।४३ वा० ६।२६ दि० २८।४८

ग्र| सू०११।१८च०८।२५म०१।७बु०१०।२४बृ०७।२८शु०१०।४श०६।२९रा०५।२८के०११।२८

ति| चै० व० ३० शनौ २९।३ पू०भा० २९।२५ शुभ २९।४१ नाग २९।३ दि० २९।४४

ग्र| सू०१२।२च०११।२८म०१।१७बु०११।१६बृ०७।२८शु०१०।२०श०६।२८रा०५।२७के११२७

संवत् १९८० शाके १८४५

ति	चैत्र सु० १५ रवौ ३०।५१ हस्त ५२।४७ ध्रुव ४५।१५ विष्टि ३।४९ दिनम् ३०।१४
ग्र	सू ११।१७ चं ६।१५ मं १।२७ बु १।११ वृ ७।२८ शु ११।७ श ६।२७ रा ५।२६ के ११।२६
ति	वैशाख व० ३० च० १३।१८ रेवती ०।४० वि० ५।१० ना १३।१८ दिनम् ३१।४३
ग्र	सू १।२ चं १।१ मं २।७ बु १।११ वृ ७।२६ शु ११।२५ श ६।२६ रा ५।२६ के ११।२६
ति	वैशाख सु० १५ चंद्रे ५२।२४ चि ९।५८ सिद्ध ५०।४७ वि २५।२१ दिनम् ३२।३०
ग्र	सू १।१५ च ७।६ म २।१७ बु २।३ बृ ७।२५ शु १२।१२ श ६।२५ रा ५।२५ के ११।२५
ति	ज्येष्ठ व० ३० भौमे ५४।४६ भरणी ३१।५३ सौ० १२।९ चा० २२।२६ दिनम् ३३।१६
ग्र	सू २।० चं १।२८ मं २।२६ बु २।१८ वृ ७।२३ शु १।० श ६।२४ रा ५।२४ के ११।२४
ति	ज्येष्ठ सु० १५ बुधे १२।८ अनुराधा १९।१४ सिद्ध ५१।४७ वा १२।८ दिनम् ३३।४७
ग्र	सू २।१४ चं ८।१० मं ३।६ बु २।१२ वृ ७।२१ शु १।१८ श ६।२३ रा ५।२३ के ११।२३
ति	द्वि० ज्ये० कृ० ३० गु० ३०।५५ रो० १।७ शू० ३४।४० नाग ३०।५५ दि० ३४।६
ग्र	सु० २।१९ चं० ११३ मं० ३।१६ बु० २।९ बृ० ७।२० शु० २।६ श० ६।२३ रा ५।२२
ति	द्वि० ज्ये० शु० १५ गु० ३१।१२ मं० ३४।३० शु० ८।४६ वि० ४।४१ दि० ३४।८
ग्र	सू० ३।११ चं० ९।१८ मं० ३।२५ बु० २।१४ वृ० ७।१९ शु० २।२३ श० ६।२३ रा० ५।२२
ति	आषाढ़ व० ३० शनौ १।३७ पुनर्वसु २७।५५ हर्षण ५०।३५ नाग १।३७ दिनम् ३३।४८
ग्र	सू ३।१७ चं ३।२८ मं ४।५ बु ३।२० वृ ७।१९ शु ३।१३ श ६।२४ रा ५।२१ के ११।२१
ति	आषाढ़ सु० १५ भृगौ ५५।१८ उषा ५२।१० विष्टि २०।६ वी २६।४८ दिनम् ३३।२५
ग्र	सू ४।९ चं ९।२८ मं ४।१३ बु ४।१३ वृ ७।१९ शु ३।२८ श ६।२४ रा ५।२० के ११।२०
ति	श्रावण व० ३० रवौ २७।४१ श्ले० ४६।१७ सि० व्य ८।३७ ना २७।४१ दि ३२।३६
ग्र	सू ४।२५ चं ४।२५ मं ४।२३ बु ५।१३ वृ ७।२० शु ४।१८ श ६।२५ रा ५।१९ के ११।१९
ति	श्रावण सु० १५ रवौ २४।२ ध० १३।१८ अति० ३२।५६ वा २४।२ दि ३१।५२
ग्र	सू ५।८ चं ११।१२ मं ५।२ बु ६।८ वृ ७।२२ शु ५।४ श ६।२६ रा ५।१९ के ५।१९
ति	भा० व० ३० चं० ५०।४८ मघा ४।३५ सि० १९।१० चा० २२।५० दिनम् ३०।५४
ग्र	सू ५।२३ चं ५।१५ मं ५।११ बु ६।१५ वृ ७।२४ शु ५।२४ श ६।२८ रा ५।१८ के ११।१८
ति	भा० सु० १५ च० ५९।२२ पू० भा ३७।५९ गं० ४९।४८ वि० २८।४ दिनम् ३०।१२
ग्र	सू ६।६ चं ११।२ मं ५।२० बु ६।८ वृ ७।२६ शु ६।१९ श ६।१९ रा ५।१७ के ११।१७
ति	क्वार व० ३० बुधे १३।७ हस्त १५।२५ ऐन्द्र १७।५१ नाग १३।७ दिनम् २८।५६
ग्र	सू ६।२२ चं ६।२५ मं ६।० बु ६।६ वृ ७।२९ शु ७।१ श ७।१ रा ५।१६ के ११।१६
ति	आ० सु० १५ बु० ४१।५७ रे० ५।५६ ह० ६।३७ विष्टि ९।३८ दि० २८।१
ग्र	सू ७।६ चं १२।२६ म ६।९ बु ६।२१ वृ ८।२ शु ७।१८ श० ७।३ रा ५।१५ के ११।१५

संवत् १९८० शाके १८४५

ति	का व० ३० गु० ३६।८ स्वा१८।११ वृ० आयु०१६।४८चा०९।४दि०२७।१२
ग्र	सू० ७।२१ चद्र ७।१५ म० ६।१८बु०७।१५बृ०८।५शु०८।७श०७।५ रा५।१५ के११।१५
ति	का० सु०१५भृ० १८।४७ कृ० ४२।२१परि०२३।४९वा०२८।४७ दिनम् २६।२४
ग्र	सू० ८।६ चं २।२ म० ६।२८ बु ८।१२ बृ० ८।८ शु० ८।२६श०७।६रा५।१४ के११।१४
ति	मा०व०३०श०१।९ ज्येष्ठा३४।१०ध्रुव१३।१८नाग१।९ दिनम् २६।४
ग्र	सू० ८।२१चं० ८।२५ म० ७।७ बु० ९।२६बृ० ८।१२शु०९।१४श०७।८रा०५।१३के११।१३
ति	मा०सु१५रवौ१६।११मृगशिर११।३५शुभ३७।५३वा१६।११दिनम्२५।०५
ग्र	सु० ९।७ च० ३।१५ म०७।१७बु० ९।२५बृ०८।१५शु०१०।१३श०७।१६रा ५।१२के११।१२
ति	पौ०व ३०रवौ२९।२१पू०षा४९।२६ ध्रु०१२।३४चा० ११३९ दि०२६।४
ग्र	सू० ६।२१च०९।२५ म०७।२६बु०१०।१बृ०८।१८शु१०।२०श०७।१०रा०५।११के११।११
ति	पौ०सु१५भौ० ०।४पु० ४०।३३ प्री०४६।२६वा ०।४ दिनम् २६।२८
ग्र	सू १०।७ च ४।१५म ८।६ बु ६।२० बृ ८।११ शु ११।१० श ७१० रा ५।११के११।११
ति	मा० व० ३० भौ ११८अ० ६।१२ व्यतीपात १०।१६नाग ११८ दि० २७।१३
ग्र	सू १०।२२ च १०।२६ म ८।१५बु६।२६बृ०८।२३शु११।२७ श ७।११ रा५।१०के११।१०
ति	मा० सु० १५ बु० ३७।५८ श्ले० ११७ अति० ५३।५७ वि० ८।२५ दि० २८।३०
ग्र	सू ११।७ च ४।२९ म ८।२५ बु १०।१६ बृ ८।२५ शु १२।१५श७।११ रा५।९के११।९
ति	फा० व० ३० बु० ३६।१४ सत्तारिका २६।५९ सि १८।२८ चा० ६।५८ दि० २९।०
ग्र	सू ११।२१ च०११।२५ म ९।५बु११।१० बृ ८।२७ शु ०।१ श७।११ रा ५।८ के११।८
ति	फा० सुदी १५ भृगौ ६।० उ०फा०१९।२७ गं० ०।२१ वा० ६।० दि०३०।४९
ग्र	सू १२।७ च६।१५ म ९।१५ बु १२।९बृ ८।२८ शु १।२०श७।१०रा५।८ के०११।८
ति	चै० व०३० भृगौ १४।५१ रे०५५।५६अइन्द्र ३०।४५ नाग १४।५१दि०३०।५६
ग्र	सू १२।२१चं १२।२५ मं ९।२८ बु १।३ बृ८।२६ शु २।५ श७।९रा५।७ के११।७

अथ कार्याकार्यप्रश्नविचार ।

श्लो०-दिशाप्रहरसंयुक्तातार कावार मिश्रिता, अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषंप्रश्नस्य लक्षणम् ।
पंचैकत्वरितासिद्धि षटतुर्यैंच दिनत्रयम्, त्रिसप्तके विलग्नश्च द्वौचाष्टौनचसिद्धिदौ॥

अर्थ-प्रश्नकर्त्ताका मुख जिस दिशामें हो सो दिशा और प्रहर, नक्षत्र, वार को एकत्रकर ८ का भाग दे शेषको देख इस प्रकार फल कहनौ-१ तथा ५ बचै तो शीघ्र कार्य सिद्धि, ६ और ४ बचैं तो ३ दिनमें कार्यसिद्धि हो जो ३ व ७ बचैं तो बिलम्ब से कार्य सिद्धि हो और २ व ८ बचैं तो कार्यसिद्धि न हो-

अथ सूतिका स्नानमुहूर्त्त ।

पुनर्वसुद्वयंचित्रा विशाखा भरणीद्वयं, मूल माद्रामिघा हेया श्रवणो दशमस्तथा ।
सोम शुक्र बुध:सौरि:प्रसूति स्नान कर्मणी, हेया प्रतिपदा षष्ठी नवमी च तिथित्रय:॥

यह त्याग करिये—

प्रथम वधूप्रवेशमुहूर्त्त ।

हस्त त्रयेत्र्युगेमघायां पुष्येधनिष्ठा श्रवणोत्तरेषु-
मूलानुराधा हयरेवतीषु स्थिरेषु लग्नेषुवधूप्रवेश: ।

विवाह शोधन क्रिया ।

विवाहेपूज्यगुरु: १० । ६ । १ । १	पूज्यरवि: १ । २ । ५ । ७ । ९
शुद्धगुरु: ९, ५, ११, २, ७	शुद्धरवि: ३ । ६ । १० । ११
शुद्धचन्द्र: १।२।३,५,६,७,९,१०,११	नेष्टागुरु रविचन्द्रा: ४ । ८ । १२

अथ दिशाशूल ज्ञानम् ।

चन्द्र, शनिपूर्व, गुरुदक्षिण, रविशुक्र पश्चिम, बुध, मंगल उत्तर

कालराहु ज्ञानम् ।

शनिपूर्व, गुरु दक्षिण, मंगल पश्चिम, रवि, उत्तर, शुक्र अग्निकोण, बुध नैर्ऋत्य, सोम वायव्य ।

योगिनी ज्ञानम् ।

१, ९ पूर्व ३, ११ अग्निकोण ५, १३ दक्षिण ४, १२ नैर्ऋत्य, ६, १४ पश्चिम, ७, १५ वायव्य २, १० उत्तर ३०, ८ ईशान ।

चन्द्रवास ज्ञानम् ।

मेष, सिंह, धनपूर्व वृष कन्या मकर दक्षिण, मिथुन तुला कुंभ पश्चिम कर्क मीन वृश्चिक उत्तर ।

कालज्ञानम् ।

त्र्यंगुलं शंकुकर्त्तव्यं शंकु छाया समन्वितं, चतुपष्ठ्याहरेद्भागं शेषंदंडंपलं स्मृतम् ।

अर्थ-तीन अंगुलीका शंकुबना सूर्यके प्रत्यक्ष सम भूमिमें स्थिर होकर छाया नापनी जितनी शंकुकी छाया हो उसमें तीन और जोड़कर ६४ में से जितनी वार अंक जावै उतनी वार घटावै तो लब्धि की घटी शेषके पलहोते हैं-मध्यह्न के प्रथमकी लब्धिघटीसे गत दिवस वा तदुपरान्त की से शेष दिवस ज्ञातहोता है ।

कर २ नगा७ऽङ्क९ कलानिधि१सम्मिते शनिदिनेहि गजानन सत्तिथौ ।

नभसि मासिसिते शुभवत्सरेरचितवा निहगाथक सत्क्रियाम् ॥ १ ॥

इति शुभम्.

भूषणादि घटना मुहूर्तः यदाह वाशिष्ठः ।

श्लोक—क्षिप्रचलाचल ऋक्षे रिक्तामा वर्जितेपु दिवसेपु ।

निखिलेश्वपिवारेश्वपित्रि पुष्करे भूषणं कार्यम् ॥

अर्थ-हस्त अश्विनी पुष्य अभिजित स्वाति पुनर्वसु श्रवण धनिष्ठा और शत्तारिका में और तिथि ४, ९, १४ और अमावास्या इन करके रहित तिथियों में अर्तात् २, १२, ७ वार शनि, रवि, मंगल, विशाखा उत्तरा फाल्गुणी उत्तरा भाद्रपद कृतिका उत्तराषाढ़ इन नक्षत्रोंमें आभूषण बनवानो-

क्रय विक्रय नक्षत्राणि दीपिकाया ।

श्लोक—यमादि-शक्रादि हुतांश पूर्वानिष्ठाः क्रये विक्रयणेति शस्ताः ।

पौष्णाश्वि चित्राश्विनि विष्णुवाताः शस्ताः क्रयेविक्रयणे निषिद्धाः ॥ २ ॥

अर्थ-भरणी ज्ये० कृ०पू०इन नक्षत्रों में विक्रय शुभ है क्रयये नेष्टाः रे० अश्विनी चित्रा शत्तारिका श्रवण स्वाति ये नक्षत्र क्रयो शुभः विक्रये नेष्टः २

औषधि सेवन मुहूर्तौ वशिष्ठोपि ।

श्लोक—हस्तत्रये पुष्य पुनर्वसौ च विष्णुत्रयेचाश्विनि पौष्णभेषु ।
मित्रेन्दु मूलेषु च सूर्यवारे भैषज्य मुक्त शुभ वासरेपि ॥ ३ ॥

अर्थ—हस्तसे तीन नक्षत्र, पुनर्वसु, पुष्य, और श्रवणसे तीन नक्षत्र अ० रे० अनुराधा मृगसिर मूल इन नक्षत्रों में और रविवार इत्यादि शुभवारों में औषधि सेवन शुभ है ॥ ३ ॥

खड्गादि धारण शय्याद्युपभोग मुहूर्त्ताः तदुक्तं व्यवहारोच्चये ।

श्लोक—पुष्ये चादितिचित्रपद्मतनये शक्रोत्तरा रेवती,
वाजीहरतविशाखमित्रसहिते भानौ गुरौ भार्गवे ।
कुंभे कीट गृहे वृषे मृगपतौ चन्द्रे शुभैर्वीक्षते,
सन्नाहःशर खड्ग कुंत छुरिका धार्या नृपाणां हिताः ॥ ४ ॥

अर्थ—पुष्य पुनर्वसुचित्रा उत्तरा ३ रो० ह० अभिजित ज्ये०वि० मृ० रे० अनुराधा इन नक्षत्रों में ४ । ९ । १४ रहित तिथि में भृ० गु० र० इन वारों में कुंतादि शस्त्र धारण करनौ कुंभ कर्क वृष मकर इन लग्नों में चन्द्र रवि शुभ हों अनुराधा मृग० पुन०भरणी पुष्य श्रवण रोहणी तीनों उत्तरा, चन्द्र गुरु, बुध, शुक्र इन वारों में खड्गादि धारण व पालकी इत्यादि में बैठना शुभ है—

कूप खोदने का मुहूर्त्त ।

रोहिणीं आदि नक्षत्रं कोपस्थानेति चंद्रमा। त्रिभिस् त्रिभिसश्च दातव्यं कूपचक्रं विचारयेत् मध्ये सुराजलासिंधं पूर्वभूम विनाशनम् । आग्नेयां जलदाहंच दक्षिणे जल विलंब के नैर्ऋत्यां अमृतं वारि पश्चिमे सुखसम्पदा । वायव्याम् जलदाहं च उत्तरं जलविलंब के ईशाने सुखसम्पत्ति सर्वमंगलदायकः ।

	ईशानकोण अ० भ० कृ०	पूर्व पु० पुष्य अश्ले०	अग्निकोण मघा०पू०फा०उ०फा०	
उत्तर	पू० भा० उ० भा० रेवती	मध्य रो० मृ० आ०	ह० चि० स्वा०	दक्षिण
	श्र० ध० शतभिषा वायव्यकोण	मू० पू०षा० उ० षा०	वि० अनु० ज्ये० नैर्ऋत्य कोण	

पश्चिम

संवत्	मास तिथि	शुद्धग्रह	शुद्धराशि अंश	संवत्	मास तिथि	शुद्धग्रह	शुद्धराशि अंश
१९००	ज्ये॰ शु॰ १५	बृ॰	११।७	१९११	आ॰ शु॰ १५	शु॰	५।१
१९०१	ज्ये॰ शु॰ १५	बु॰	२।६	१९१२	पौ॰ शु॰ १५	बृ॰	११।१४
१९०२	आ॰ शु॰ १५	रा॰	७।२७	१९१२	फा॰ शु॰ १५	बृ॰	११।२८
१९०२	मार्ग शु॰ १५	रा॰	७।२४	१९१२	फा॰ शु॰ १५	रा॰	१।५
१९०२	मार्ग शु॰ १५	मं॰	१२।२	१९१३	ज्ये॰ शु॰ १५	शु॰	२।१०
१९०२	मार्ग शु॰ १५	श॰	१०।२८	१९१३	ज्ये॰ शु॰ १५	श॰	३।१३
१९०२	फा॰ शु॰ १५	श॰	११।२	१९१३	आषा॰ शु॰ १५	म॰	६।२४
१९०३	भा॰ शु॰ १५	चं॰	११	१९१३	पौ॰ शु॰ १५	रा॰	१२।२०
१९०३	का॰ शु॰ १५	शु॰	७।८	१९१४	आ॰ शु॰ १५	बु॰	५।१
१९०४	ज्ये॰ शु॰ १५	बृ॰	३।२	१९१४	आ॰ शु॰ १५	रा॰	१२।६
१९०४	ज्ये॰ शु॰ १५	शु॰	३।२६	१९१४	का॰ शु॰ १५	बृ॰	१।१९
१९०४	द्वि॰ ज्ये॰ शु॰ १५	मं॰	१२।१२	१९१६	आश्वि॰ शु॰ १५	रा॰	१०।२७
१९०४	द्वि॰ ज्ये॰ शु॰ १५	श॰	११।२०	१९१७	वै॰ शु॰ १५	शु॰	३।९
१९०४	आ॰ शु॰ १५	चं॰	११	१९१७	ज्ये॰ शु॰ १५	रा॰	१०।१४
१९०४	फा॰ शु॰ १५	शु॰	११।६	१९१७	द्वि॰ आ॰ शु॰ १५	सू॰	७।१४
१९०४	फा॰ शु॰ १५	श॰	११।२४	१९१७	द्वि॰ आ॰ शु॰ १५	बु॰	८।६
१९०५	आ॰ शु॰ १५	बु॰	५।२४	१९१७	द्वि॰ आ॰ शु॰ १५	बृ॰	५।१
१९०५	आ॰ शु॰ १५	श॰	१२।१	१९१७	अग॰ शु॰ १५	रा॰	१०।१
१९०५	मा॰ शु॰ १५	श॰	१२।०	१९१८	भा॰ शु॰ १५	सू॰	६।४
१९०६	भा॰ शु॰ १५	रा॰	५।१२	१९१८	आश्विन॰ शु॰ १५	सू॰	७।३
१९०६	मार्ग शु॰ १५	बृ॰	६।०	१९१८	पौष शु॰ १५	सू॰	१०।४
१९०६	पौ॰ शु॰ १५	श॰	१२।६	१९१९	आ॰ शु॰ १५	रा॰	९।२
१९०७	चै॰ शु॰ १५	सू॰	१२।१५	१९२१	चै॰ शु॰ १५	रा॰	७।२९
१९०७	चै॰ शु॰ १५	बृ॰	५।२५	१९२१	वै॰ शु॰ १५	सू॰	२।६
१९०७	आषा॰ शु॰ १५	श॰	१२।२९	१९२१	ज्ये॰ शु॰ १५	बु॰	२।१८
१९०७	फा॰ शु॰ १५	श॰	१२।२७	१९२१	आ॰ शु॰ १५	रा॰	७।२३
१९०७	फा॰ शु॰ १५	रा॰	४।१३	१९२१	मा॰ शु॰ १५	शु॰	१२।१६
१९०८	चै॰ शु॰ १५	बृ॰	६।२३	१९२२	आ॰ शु॰ १५	सू॰	६।१९
१९०८	ज्ये॰ शु॰ १५	सू॰	३।०	१९२२	पौ॰ शु॰ १५	शु॰	९।६
१९०८	फा॰ शु॰ १५	बृ॰	८।२	१९२२	ज्ये॰ शु॰ १५	सू॰	२।१६
१९१०	अगहनशु॰ १५	बु॰	८।१३	१९२३	ज्ये॰ शु॰ १५	शु॰	३।१०
१९१०	पौ॰ शु॰ १५	मं॰	५।२४	१९२३	प्र॰ ज्येष्ठशु॰ १५	रा॰	६।१५
१९१०	फा॰ शु॰ १५	सू॰	१२।३	१९२३	अग॰ शु॰ १५	रा॰	६।६
१९११	चै॰ शु॰ १५	बृ॰	१०।५	१९२४	वै॰ शु॰ १५	बु॰	११२७
१९११	चै॰ शु॰ १५	शु॰	११।१८	१९२४	वै॰ शु॰ १५	रा॰	५।१८
१९११	वै॰ शु॰ १५	बृ॰	१०।७	१९२४	भा॰ शु॰ १५	रा॰	५।२२
१९११	ज्ये॰ शु॰ १५	बृ॰	१०।६	१९२४	अग॰ शु॰ १५	सू॰	८।७
१९११	आषा॰ शु॰ १५	शु॰	२।१९	१९२४	फा॰ शु॰ १५	सू॰	११।२७
१९११	आ॰ शु॰ १५	मं॰	६।२६	१९२५	फा॰ शु॰ १५	बृ॰	१२।२३
१९११	भा॰ शु॰ १५	बृ॰	९।२६	१९२६	पौ॰ शु॰ १५	श॰	८।२८
१९११	फा॰ शु॰ १५	सू॰	७।२०	१९२७	वै॰ शु॰ १५	श॰	२।९
१९११	अग॰ शु॰ १५	बु॰	८।२६	१९२७	मा॰ शु॰ १५	श॰	९।१२
१९११	अग॰ शु॰ १५	मं॰	९।१९	१९२९	का॰ शु॰ १५	बु॰	८।२२
१९१२	चै॰ शु॰ १५	बु॰	११।२२	१९३०	मा॰ शी॰ १५	म॰	१०।१६

संवत्	मास तिथि	शुद्धग्रह	शुद्धराशि अंश	संवत्	मासतिथि	शुद्धग्रह	शुद्धराशि अंश
१९३१	का० शु० १५	श०	१०।१४	१९४३	ज्ये० शु० १५	बु०	३।८
१९३२	पौ० शु० १५	श०	१।११	१९४३	भादौ शु० १५	बु०	५।१८
१९३३	आषा०शु०१५	सु०	३।२२	१९४३	का० शु० १५	शु०	७।२२
१९३४	क्वार शु० १५	रा०	११।८	१९४३	पौ० शु० १५	शु०	१०।७
१९३४	मा० शु० १५	सु०	११।७	१९४४	वै० शु० १५	मं०	११।२०
१९३५	भा० शु० १५	बु०	५।१७	१९४४	वै० शु० १५	बु०	११।१०
१९३५	मा० शु० १५	बृ०	१०।१८	१९४४	वै० शु० १५	शु०	३।१
१९३६	ज्येष्ठ शु० १५	सु०	२।२१	१९४६	चै० शु० १५	मं०	१।१९
१९३६	फा० शु० १५	बृ०	१२।६	१९४६	चै० शु० १५	शु०	११।२२
१९३९	चैत्र शु० १५	सु०	१२।२२	१९४६	आ० शु० १५	शु०	३।१४
१९४०	भा० शु० १५	श०	२।१९	१९४६	पौ० शु० १५	रा०	३।१०
१९४०	क्वार शु० १५	श०	२।१९	१९४७	वै० शु० १५	बृ०	१०।१०
१९४१	चैत्र शु० १५	सु०	१२।१९	१९४७	वै० शु० १५	शु०	२।१२
१९४१	का० शु० १५	सु०	७।१९	१९४७	वै० शु० १५	श०	५।६
१९४२	प्र०ज्ये०शु०१५	श०	३।३	१९४७	द्वि०भा०शु१५	चं०	१२
१९४२	प्र०ज्ये०शु०१५	रा०	६।११	१९४७	अगहनशु०१५	मं०	११।१४
१९४२	मा० शु० १५	शु०	११।२	१९४७	पौ० शु० १५	श०	५।२६

सम्वत्१९१०आश्विनशु०१५को सु०७।२चं१मं४।१बु७।१६बृ८।२९शु८।१२श२।१०रा१।२२

सम्वत् १९१६ भादौंशुक्ल १५ को बृ० ३।२८ शु० ५।२४ श० ५।१ रा० १०।१८

सम्वत् १९१७ चैत्रशुक्ल १५ को मं० ९।१५ बृ० ३।१४ रा० १०।१७

सम्वत्१९१८कार्तिकशुक्ल१५को सु८।४ चं२ मं७।४ बु७।२१ बृ६।१शु९।१८ श६।१रा ९।१६

सम्वत्१९१८अग०शुक्ल१५को सू९।४चं३ मं७।२२ बु८।१५ बृ६।५ शु१०।१९ श६।२रा९।१४

सम्वत्१९२१भाद्रशुक्ल१५को सू६।० चं११ मं२।१३ बु६।९ बृ८।३ शु६।१७ श६।२८रा७।२२

सम्वत् १९२३ फाल्गुण शुक्ल १५ को

सम्वत् १९२६ प्रथम वैशाख सु० १५ चन्द्रवार १३।५० स्वा० ३८।२७ दिनम् ३१।५८

सम्वत्१९२६द्वि०वै०शु०१५को सू२।११ चं८ मं५।७ बु३।२ बृ१।१४ शु२।१७श८।२१रा४।१२

सम्वत्१९२९वैशाखशु०१५को सु१।१०चं८ मं२।७ बु१।१७बृ ४।४ शु१।१६ श९।२७ रा१।२२

सम्वत् १९३४ द्वि० ज्ये० शु० १५ चन्द्रवार ४०।६ मू० ४६।३६ दिनम् ३३।५९

सम्वत्१९३४द्वि०ज्ये.शु१५को सु१।११चं९मं११।१८बु१।२३बृ९।८शु३।२५श११।२५रा११।१२

सम्वत् १९३६

सम्वत्१९३९द्वि०श्रा०शु०१५ को सु५।१६चं११ मं६।१४बु५।२८ बृ३।५शु६।२८श२।५रा८।२

संवत	मास	तिथि	शुद्ध वार	शुद्ध तारीख अंग्रेजी	संवत	मास	तिथि	शुद्ध वार	शुद्ध तारीख अंग्रेजी
१६४८	वैसाख	सु०१५	शनि	वैशा ४२	१६६०	ज्ये०	सु० १५	बु०	२।६
,,	,,	,,	बु०	१।१७	,,	आ०	,, ,,	श०	१०।६
,,	अ०	,, ,,	सु०	४।५	१६६१	वै०	,, ,,	शु०	११।२२
१६४६	वै०	,, ,,	सं०	१०।११	,,	वै०	,, ,,	रा०	६।४
,,	आ०	,, ,,	बु०	४।१३	,,	वै०	,, ,,	सू०	२।१५
,,	आ०	,, ,,	गु०	१०।२५	,,	का०	,, ,,	श०	१०।२०
,,	का०	,, ,,	सू०	७।१३	१६६३	वै०	,, ,,	सू०	१।२४
,,	मार्ग०	,, ,,	बृ०	१२।२३	१६६४	मा०	,, ,,	श०	११।२८
,,	पौ०	,, ,,	मं०	१२।१३	,,	मार्ग०	,, ,,	सं०	११।२३
१६५०	वै०	,, ,,	बु०	१।१६	,,	,,	,, ,,	बु०	८।१७
,,	प्र०आ०	,, ,,	सु०	३।१५	,,	,,	,, ,,	शु०	६।२७
,,	प्र०आ०	,, ,,	शु०	४।२	,,	मा०	,, ,,	बृ०	४।१६
,,	आश्वि	,, ,,	सं०	८।१	,,	,,	,, ,,	शु०	१२।१०
,,	पौ०	,, ,,	बु०	१।२१	१६६५	ज्ये०	,, ,,	शु०	३।२८
,,	मा०	,, ,,	बृ०	२।१	,,	आ०	,, ,,	बु०	४।१८
१६५१	आ०	,, ,,	रा०	१२।१२	,,	,,	,, ,,	बृ०	५।२
,,	आश्वि	,, ,,	बु०	६।२२	,,	,,	,, ,,	शु०	३।१६
१६५२	ज्ये०	,, ,,	श०	७।६	,,	,,	,, ,,	श०	१२।१४
१३५३	वै०	,, ,,	शु०	१२।२६	,,	भा०	,, ,,	शु०	४।८
१३५५	भा०	,, ,,	शु०		,,	मार्ग०	,, ,,	शु०	७।१८
,,	आश्वि	,, ,,	मं०	३।२७	१६६६	वै०	,, ,,	मं०	१०।४
,,	आश्वि	,, ,,	रा०	६।२०	,,	वै०	,, ,,	सं०	१०।२४
,	का०	,, ,,	बु०	६।३	,,	ज्ये०	,, ,,	मं०	११।१३
,,	पौ०	,, ,,	बृ०	४	,,	आ०	,, ,,	श०	१२।२१
,,	पौ०	,, ,,	सं०		,,	अ आ०	,, ,,	सं०	१२।१२
१६५६	वै०	,, ,,	सू०	१।१२	,,	,,	,, ,,	बु०	६।५
१६५७	वै०	,, ,,	शु०	३।१७	,,	मा०	,, ,,	सं०	१२।५
,,	वै०	,, ,,	रा०	८।१६	,,	,,	,, ,,	बु०	६।२१
१६५६	वै०	,, ,,	सं०	१।३	,,	आश्वि	,, ,,	मं०	१२।२
,,	,,	,, ,,	शु०	११।२५	,,	,,	,, ,,	शु०	६।२१
,,	,,	,, ,,	रा०	७।११	,,	पौ०	,, ,,	बु०	१०।१३
,,	भा०	,, ,,	बृ०	१०।१६	,,	,,	,, ,,	शु०	११।३
,,	आश्वि	,, ,,	बृ०	१०।१६	१६६७	का०	,, ,,	मं०	७।१२
,,	मार्ग०	,, ,,	सं०	६।४	१६६८	मा०	,, ,,	बु०	८।२१
,,	मार्ग०	,, ,,	बृ०	१०।२३	१६६६	आ०	,, ,,	बु०	८।१७
,,	पौ०	,, ,,	बृ०	१०।२६	,,	मार्ग०	,, ,,	बृ०	६।६
,,	पौ०	,, ,,	शु०	१०।२	,,	,,	,, ,,	शु०	१०।२०
,,	मा०	,, ,,	सं०	६।२३	,,	,,	,, ,,	श०	२।६
,,	मा०	,, ,,	बृ०	१।१५	,,	मा०	,, ,,	शु०	१२।२४
,,	मा०	,, ,,	शु०	११।२१	,,	,,	,, ,,	श०	२।६
,,	भा०	,, ,,	शु०	१०।५	१६७०	मार्ग०	,, ,,	बृ०	१।२१
,,	मा०	,, ,,	रा०	६।२६	१६७२	द्वि वै०	,, ,,	सं०	१।८

(ज्योतिर्विद पं. अयोध्या प्रसाद वैद्यभूषण कृत)

सम्वत	मास तिथि	शुद्ध ग्रह	शुद्ध राशि अंशा	सम्वत	मास तिथि	शुद्ध ग्रह	शुद्ध राशि अंशा
१९७२	आ० सु० १५	श०	३।२१	,,	ज्ये० व० ३०	रा०	६।२०
,,	भा० वदी ३०	श०	३।२२	१९७५	चै० सु० १५	सू०	११।२
,,	आश्वि व० ३०	मं०	४।६	,,	वै० व० ३०	सू०	१।२५
,,	चै० व० ३०	शु०	२।३	१९७६	आ० व० ३०	सू०	६।६
१९७३	आ० सु० १५	बु०	५।१०	१९८०	आ० व० ३०	रा०	५।१६
१९७४	चै० सु० १५	रा०	३।२२	,,	फा० व० ३०	शु०	१।१
,,	वै० व० ३०	मं	१२।२७				

। शुद्धि पत्रे शुद्धम् ।

सम्वत १९२३ फा० सु० १५ मं ३।२२ बु० १२।१८ बृ० ११।३ शु० १०।२२ श० ८।२ रा० ६।१

सम्वत् १९२४ आपा० सु० १५ सू० ८।२७

सम्वत् १९३९ द्वि० आ० सु० १५ चं० ४६।१९ क्रान्ति० २१।५१ दिन ३१।३४

सम्वत् १९३९ द्वि० आ० सु० १५ को सू० ५।१६ चं० ११ मं० ६।१४ बु० ५।२८ बृ० ३।५ शु० ६।२८ श० २।५ रा० ८।२

इतिश्री

विश्वजन्माङ्क भास्कर पञ्चाङ्गे

।❋।।चतुर्थ प्रकरणम् समाप्तम्।।❋।।

श्री सम्वत् १६८१ शाके १८४६

ति.	चैत्र सुदी १५ श० ३३।५० चि० ३३।५३ ह० ७।५६ वि० ६।२४ दि० ३१।५८
ग्र.	सू० १।६ चं० ६ मं० १०।४ बु० १।२३ बृ० ८।२६ शु० २।२१ श० ७।८ रा० ५।६ के० ११।६
ति.	वै० व० ३० श० ५५।११ अ० १६।२८ आ ५०।३० च० २३।७ दि० ३२।४१
ग्र.	सू० १।१६ चं० १ मं० १०।१३ बु० १।२८ गु० ८।२८ शु० ३।४ श० ७।७ रा० ५।५ के० ११।५
ति.	वै० सु० १५ सू० ५४।५ वि० ४७।२१ व० १५।२५ व० २७।३ दि० ३३।२८
ग्र.	सू० २।४ चं० ७ मं० १०।२१ बु० १।१८ गु० ८।२७ शु० ३।१५ श० ७।६ रा० ५।४ के० ११।४
ति.	जे० व० ३० चं० ३५।१० रो० ५६।४३ श्रु० १४।२ चं० २।४४ दि० ३३।५२
ग्र.	सू० २।१८ चं० २ मं० १०।२६ बु० १।२६ गु० ८।२५ शु० ३।२२ श० ७।५ रा० ५।४ के० ११।४
ति.	जे० सु० १५ मं० ११।५३ ज्ये० ५६।६ शु० १५।५१ व० ११।५६ दि० ३४।११
ग्र.	सू० ३।२ चं० ६ मं० ११।६ बु० २।१८ गु० ८।२३ शु० ३।२२ श० ७।५ रा० ५।३ के० ११।३
ति.	आ० व० ३० बु० १३।१३ आ० २७।१६ ध्रु० ३६।३६ ना० १३।१३ दि० ३४।२
ग्र.	सू० ३।१६ चं० ३ मं० ११।१० बु० ३।१४ गु० ८।२१ शु० ३।१३ श० ७।५ रा० ५।२ के० ११।२
ति.	आ० सु० १५ बु० २६।३६ पू० षा० १२।५७ वै २४।४६ वि० २।२५ दि० ३३।४५
ग्र.	सू० ४।० चं० ६ मं० ११।१४ बु० ४।१० गु० ८।२० शु० ३।७ श० ७।५ रा० ५।१ के० ११।१
ति.	श्रा० व० ३० गु० ४८।३५ पु० ५५।१८ व० १।३६ च० १७।० दि० ३३।११
ग्र.	सू० ४।१४ चं० ४ मं० ११।१५ बु० ५।६ गु० ८।१६ शु० ३।६ श० ७।५ रा० ५।१ के० ११।१
ति.	श्रा० सु० १५ गु० ४६।४० श्र० २७।११ सौ० ३४।१३ वि० २१।४६ दि० ३२।२८
ग्र.	सू० ४।२७ चं० १० मं० ११।१३ बु० ५।२३ गु. ८।१६ शु. ३।१५ श. ७।६ रा. ५।० के० ११।०
ति.	भा० व० ३० श० १६।४७ मं० १६।६ शि० १८।१६ ना० १६।४७ दि० ३१।३४
ग्र.	सू० ५।१३ चं० ५ मं० ११।८ बु ५।२७ गु० ८।२० शु० ३।२८ श० ७।७ रा० ४।२६ के० १०।२६
ति.	भा० सु० १५ श० १४।४७ पू० भा० ४३।५४ शु० ४०।२२ च० १४।४७ दि० ३०।४०
ग्र.	सू० ५।२६ चं ११ मं० ११।५ बु० ५।१७ गु० ८।२१ शु० ४।१२ श० ७।८ रा० ४।२८ के० १०।२८
ति.	आ० व० ३० सू० ४८।२० उफा० ३६।१८ शु० ३०।३ च० १६।२२ दि० २६।४१
ग्र.	सू० ६।११ चं० ६ मं० ११।४ बु० ५।२५ गु ८।२३ शु ४।२७ श० ७।१० रा० ४।२७ के० १०।२७

श्री० सम्वत् १६८१ शाके १८४६

ति.	आ० सु० १५ सू० ४७।१३ उ०भा० ३।३६ व्या० ५२।३७ वि० १६।५५ दि० मा० २८।४६
ग्र.	सू० ६।२५ चं०१२ मं० ११।८ बु० ६।१४ गु० ८।२५ शु० ५।१३ श० ७।११ रा० ४।२७ के० १०।२७
ति.	का० व० ३० मं० १५।२४ स्वा० ५०।६ प्री० ३०।२२ ना० १५।२४ दि० मा० २७।४६
ग्र.	सू० ७।११ चं० ७ मं० ११।१२ बु० ७।११ गु० ८।२८ शु० ६।२ श० ७।१३ रा० ४।२६ के० १०।२६
ति.	का० सु० १५ मं० २७।१० म० ३१।४ व्य० ५।३९ व० २७।१० दि० मा० २७।०
ग्र.	सू० ७।२५ चं० १ मं० ११।१८ बु० ८।६ गु० ९।० शु. ६।१८ श. ७।१५ रा० ४।२५ के० १०।२५
ति.	मा० व० ३० बु० ४१।२३ वि० ८।३६ गं० ३१।२२ च० १४।४ दि० मा० २६।१९
ग्र.	सू० ८।१० चं० ८ मं० ११।२६ बु० ८।२९ गु० ९।३ शु. ७।६ श. ७।१७ रा० ४।२४ के० १०।२४
ति.	मा० सु० १५ गु० १३।५४ रो० ०।५३ सा० १९।५८ व० १३।५४ दि० मा० २५।५९
ग्र.	सू० ८।२५ चं० २ मं० १२।४ बु. ६।१४ गु० ६।७ शु. ७।२४ श. ७।१८ रा० ४।२३ के० १०।२३
ति.	पौ० व० ३० शु० ७।३७ मूं० १६।२६ वृ० २३।४७ ना० ७।३७ दि० मा० २५।५०
ग्र.	सू० ६।११ चं. ६ मं. १२।१३ बु. ६।१० गु. ६।१० शु. ८।१२ श. ७।१६ रा. ४।२३ के. १०।२३
ति.	पौ० सु० १५ श० ३।२४ पुन० ३६।५५ वै० ३५।३८ व० ३।२४ दि० मा० २६।१०
ग्र.	सू० ९।२६ चं. ३ मं० १२।२२ बु० ६।४ गु. ६।१३ शु० ६।१ श. ७।२० रा० ४।२२ के० १०।२२
ति.	माघ० ब० ३० श० ३४।३१ उषा० २८।४२ व० २३।४३ च ७।१७ दि० मा० २६।३७
ग्र.	सू० १०।१० चं. १० मं. १।० बु. ६।१६ गु. ६।१६ शु. ६।१८ श. ७।२१ रा. ४।२१ के० १०।२१
ति.	मा० सु० १५ सू० ५१।१७ पु० १।३५ सौ० ४६।१६ वि० १६।१७ दि० मा० २७।२६
ग्र.	सू० १०।२६ चं. ४ मं. १।१० बु. १०।६ गु. ६।२० शु. १०।७ श. ७।२२ रा. ४।२० के० १०।२०
ति.	फा० व० ३० चं० २।३२ श० ४०।२० शि० १६।११ ना० २।३२ दि० मा० २८।१८
ग्र.	सू० ११।११ चं. ११ मं. १।१६ बु. ११।६ गु. ९।२२ शु. १०।२६ श. ७।२२ रा. ४।२० के. १०।२०
ति.	फा० सु० १५ मं० ३३।८ पूफ० ३२।१३ ध० २।३२ वि २।२३ दि० मा० २९।१६
ग्र.	सू० ११।२६ चं. ५ मं. १।२६ बु. १२।३ गु. ६।२५ शु. ११।१५ श. ७।२२ रा. ४।१६ के. १०।१६
ति.	चै० व० ३० मं० ३२।१७ उभा० ५८।२३ श्रु २६।८ च ३।३७ दि० मा० ३०।१४
ग्र.	सू० १२।१० चं. १२ मं. २।८ बु. १२।२५ गु. ६।२७ शु. १।२२ श. ७।२२ रा. ४।१८ के १०।१८

श्री सम्वत् १९८२ शाके १८४७

ति.	चै० सु० १५ गु० ७।१४ चि० ५३।५७ व्या० ११।२३ व० ७।१४ दि० मा० ३१।१७
ग्र.	सू० १२।२५ चं०६ मं०२।१८ बु०१।१० गु०६।२६ शु०१२।२२ श०७।२१ रा०४।१७ के०१०।१७
ति.	वै० व० ३० गु० ३।४९ अ० २०।४५ प्री० ३५।७ न ३।४६ दि० मा० ३२।१०
ग्र.	सू० १।६ चं० १ म० २।२६ बु० १।४ गु० १०।० शु० १।१० श०७।२० रा० ४।१६ के० १०।१६
तिं.	वै० सु० १५ शु० ३३।५६ स्वा० १३।२ व्य २२।३ वि० ५।४० दि० मा० ३२।५६
ग्र.	सू० १।२४ चं० ७ मं० ३।५ बु० १।१ गु० १०।१ शु० १।२८ श० ७।१६ रा० ४।१६ के० १०।१६
ति.	जे० व० ३० शु० ३८।६ कृ० ४६।२१ ऽगं० ५३।५६ च० ७।७ दि० मा० ३३।३७
ग्र.	सू० २।७ चं० २ मं० ३।१४ बु. १।१६ गु. १०।१ शु. २।१६ श. ७।१८ रा० ४।१५ के० १०।१५
ति.	जे० सु० १५ श० ५४।४६ अनु० २८।२५ सि० ३१।० वि० २७।२२ दि० मा० ३३।५६
ग्र.	सू० २।२१ चं० ८ मं० ३।२३ बु० २।११ गु० १०।० शु. ३।४ श. ७।१७ रा. ४।१४ के. १०।१४
ति.	आ० व० ३० सू० १४।२८ मृ० १५।३० गं० १६।३८ ना० १४।२८ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू० ३।६ चं० ३ मं० ४।२ बु० ३।८ गु० ६।२६ शु० ३।२२ श० ७।१६ रा० ४।१३ के० १०।१३
ति.	आ० सु० १५ चं० १२।३२ पू० पा० ३७।४८ ऐं ३३।४० ब० १२।३२ दि० मा० ३३।५७
ग्र.	सू० ३।२० चं० ६ मं० ४।१२ बु० ४।६ गु० ६।२७ शु० ४।११ श. ७।१६ रा. ४।१२ के० १०।१२
ति.	श्रा० व० ३० चं० ५२।१६ पुन० ४६।१५ ह० ४१।१३ च० १६।४८ दि० मा० ३३।४०
ग्र.	सू० ४।३ चं० ३ मं० ४।२१ बु. ४।२७ गु० ६।२५ शु. ४।२७ श० ७।१६ रा. ४।११ के० १०।१२
ति.	श्रा० सु० १५ मं० २६।२७ श्रा० ४६।५१ आ० ४१।३७ वि २।३१ दि० मा० ३३।०
ग्र.	सू० ४।१७ चं० १० मं० ५।० बु० ५।११ गु. ६।२३ शु. ५।१५ श. ७।१६ रा. ४।११ के. १०।११
ति.	भा० व० ३० बु० ३०।२३ श्ले० १६।३६ व० ४।४८ ना० ३०।२३ दि० मा० ३२।१६
ग्र.	सू० ५।२ चं० ४ मं० ५।१० बु० ५।५ गु० ६।२२ शु० ६।३ श० ७।१७ रा० ४।१० के० १०।१०
ति.	भा० सु० १५ बु० ४८।५ ध० ६।३ सु० ४८।४१ वि० २०।४८ दि० मा० ३१।२३
ग्र.	सू० ५।१५ चं० ११ मं० ५।१८ बु० ५।१ गु० ६।२१ शु० ६।२० श० ७।१८ रा० ४।६ के० १०।६
ति.	आ० व० ३० शु० ७।४१ उफा० ५८।१८ श्रु० २४।१७ ना ७।४१ दि० मा० ३०।२१
ग्र.	सू० ६।१ चं० ५ मं० ५।२६ बु० ५।१८ गु० ६।२२ शु० ७।६ श० ७।१६ रा० ४।६ के० १०।६

श्री० सम्बत् १९८२ शाके १८४७

ति.	आ० सु० १५ शु० १०।५७ उभा० १७।११ ध्रु० ४६।३४ व० १०।५७ दि० मा० २६।२६
ग्र.	सू० ६।१५ चं० १२ मं०६।७ बु० ६।१० गु० ६।२२ शु० ७।२५ श० ७।२० रा० ४।८ के० १०।८
ति.	का० व० ३० श० ४३।६ ह० ६।२१ वै० ३७।२६ च० १२।४६ दि० मा० २८।२६
ग्र.	सू० ६।२६ चं० ६ मं० ६।१७ बु०७।६ गु०६।२४ शु०८।१३ श०७।२२ रा० ४।७ के० १०।७
ति.	का० सु० १५ श० ४०।१७ अ० ३४।२६ व १।२६ वि० ११।१३ दि० मा० २७।३७
ग्र.	सू० ७।१३ चं० १ मं० ६।२६ बु० ८।० गु० ६।२५ शु० ८।२८ श०७।२३ रा० ४।६ के० १०।६
ति.	मा० व० ३० चं० १५।४० त्रि० २६।४ शो० ४०।३० ना० १५।४० दि० मा० २६।४५
ग्र.	सू० ८।० चं० ७ मं० ७।७ बु० ८।२१ गु० ६।२८ शु० ६।१६ श० ७।२५ रा० ४।५ के० १०।५
ति.	मा० सु० १५ चं० १७।१४ रो० ५८।२६ शि० ५।५६ व० १७।१४ दि० मा० २६।१४
ग्र.	सू० ८।१४ चं० २ मं०७।१६ बु०८।२६ गु०१०।० शु०६।२६ श. ७।२७ रा०४।५ के०१०।५
ति.	पौ० व० ३० मं० ४५।५३ ज्ये० ४४।१५ शु० ४२।५३ च० १५।५३ दि० मा० २५।५४
ग्र.	सू० ८।२६ चं०८ मं०७।२६ बु०८।१८ गु० १०।३ शु० १०।१४ श.७।२८ रा०३।४ के०१०।४
ति.	पौ० सु० १५ बु० १।७ आ० २५।३८ ब्र० १६।३१ व० १।७ दि० मा० २५।५५
ग्र.	सू० ६।१४ चं. ३ मं० ८।६ बु० ८।२१ गु०१०।६ शु० १०।२२ श. ७।० रा०४।३ के० १०।३
ति.	मा० व० ३० गु० १३।५५ उपा० ५३।५३ ह० ३६।८ ना० १३।५५ दि० मा० २६।१६
ग्र.	सु० १०।० चं० ६ मं०८।१७ बु०६।१० गु०१०।१० शु०१०।२८ श.८।१ रा०४।२ के०१०।२
ति.	मा० सु० १५ गु० ४६।४६ पु० ५५।५८ प्री० ३०।३७ वि० १७।१६ दि० मा० २६।५०
ग्र.	सू० १०।१४ चं. ४ मं. ८।२७ बु. १०।२ गु. १०।११ शु. १०।२४ श. ८।२ रा. ४।२ के. १०।२
ति.	फा० व० ३० शु० ४०।२४ श० १०।१५ व० ३६।२१ च० १३।१६ दि० मा० २७।३८
ग्र.	सू० १०।२६ चं. १० मं. ६।८ बु. ११।० गु. १०।१७ शु. १०।१६ श. ८।३ रा. ४।१ के. १०।१
ति.	फा० सु० १५ श० ३८।२३ म० २७।६ सु० ४७।५५ वि० ५।५१ दि० मा० २८।३४
ग्र.	सू० ११।१४ चं. ५ मं. ६।१६ बु. ११।२६ गु. १०।२० शु. १०।१३ श. ८।३ रा. ४।० के. १०।०
ति.	चै० व० ३० सू० ५।४६ पू० भा० १६।१६ शु० ३१।२१ ना० ५।४६ दि० मा० २६।३४
ग्र.	सू० १२।२६ चं.११ मं०१०।० बु०१२।१६ गु १०।२३ शु १०।२० श ८।३ रा.३।२६ के ६।२६

श्री० सम्वत् १९८३ शाके १८४८

ति.	प्रथम चै० सु० १५ चं० २२।४८ ह० ६०।० वृ० ५।२४ व० २२।४८ दि० मा० ३०।३३
ग्र.	प्र.चैत्र शु.सू.१२।१४चं.६मं.१०।११ बु.१२।२१गु.१०।२६श्रु.१०।२९श.८।३रा.३।२८के.९।२८
ति.	द्वितीय चै० कृ० ३० चं० ३०।४७ रे० ३४।१७ वै ३७।१९ च० ३।२ दि० मा० ३१।२८
ग्र.	सू. १२।२८ चं. १२ मं.१०।२१ बु. १२।११ गु.१०।२९ श्रु.११।१२ श. ८।२ रा. ३।२८के.९।२८
ति.	द्वितीय चै० सु. १५ बु. ५९।४८ स्वा० २६।३९ सि० २०।१५ व० २९।५४ दि० मा० ३२।२४
ग्र.	सू. १।१४ चं. ७ मं. ११।३ बु. १२।१९ गु. ११।१ श्रु० ११।२८ श० ८।१ रा० ३।२७ के. ९।२८
ति.	वै० व० ३० मं० ५६।४१ म० ५१।५२ सौ० ४७।४६ च० २८।७ दि० मा० ३३।५
ग्र.	सू० १।२९ चं० १ मं. ११।१२ बु. १।८ गु. ११।३ श्रु. १२।१२ श. ८।० रा० ३।२६ के. ९।२६
ति.	वै० सु० १५ गु० २९।२५ ऽनु० ४७।३९ शि० ३४।५७ वि० ०।१७ दि० मा० ३३।४३
ग्र.	सू० २।१२ चं० ८ मं. ११।२३ बु. २।६ गु० ११।५ शु० १।० श० ७।२९ रा० ३।२५ के. ९।२५
ति.	ज्ये० व० ३० गु० २४।३१ रो० १२।४३ धृ० २।५७ ना० २४।३१ दि० मा० ३४।१
ग्र.	सू० २।२५ चं. २ मं. १२।२ बु० ३।२ गु० ११।५ श्रु. १।१६ श० ७।२८ रा० ३।२५ के० ९।२५
ति.	ज्ये० सु० १५ श्रु ५२।५१ ज्ये० ७।५ श्रु० ४७।४७ वि० २४।३८ दि० मा० ३४।१२
ग्र.	सू. ३।९ चं० ८ मं० १२।१२ बु. ३।२८ गु. ११।५ श्रु० २।४ श० ७।२७ रा० ३।२४ के० ९।२४
ति.	आ० व० ३० श्रु ५५।५४ आ० ३७।९ ध्रु० २१।२२ च० २५।० दि० मा० ३३।५४
ग्र.	सू. ३।२३ चं० ३ मं० १२।२१ बु० ४।१७ गु. ११।५ श्रु. २।२० श. ७।२७ रा. ३।२३ के.९।२३
ति.	आ० सु० १५ सू० १२।१४ उफा० २९।१६ प्री० ५०।५८ व० १२।१४ दि० मा० ३३।३१
ग्र.	सू. ४।८ चं० १० मं० १।० बु० ४।२३ गु० ११।३ श्रु० ३।९ श० ७।२७ रा० ३।२३ के० ९।२३
ति.	श्रा० व० ३० सू० ३१।२५ पु० ४।५८ व्य० ४३।१५ ना० ३१।३५ दि० मा० ३२।४८
ग्र.	सू० ४।२१ चं. ४ मं. १।८ बु. ४।१३ गु. ११।२ श्रु. ३।२६ श. ७।२७ रा० ३।२१ के० ९।२१
ति.	श्रा० सु० १५ चं० २०।१६ ध० ३१।१० शो० ५।४८ वि० ३।१३ दि० मा० ३२।२
ग्र.	सू. ५।५ चं० १० मं० १।१५ बु० ४।१९ गु० ११।० श्रु० ४।१४ श. ७।२८ रा. ३।२१ के.९।२१
ति.	भा० व० ३० मं० १०।५२ पू० फा० ४१।४ सि० ५।३५ ना० १०।५२ दि० मा० ३१।४
ग्र.	सू. ५।२० चं. ५ मं. १।२० बु० ५।१० गु० १०।२८ श्रु ५।२ श० ७।२८ रा० ३।२० के० ९।२०
ति.	भा० सु० १५ मं० ४९।१७ पू० भा० ४२।४२ श्रू० ११।८ वि० २१।३७ दि० मा ३०।१०
ग्र.	सू. ६।४ चं. ११ मं. १।२३ बु. ६।४ गु० १०।२७ श्रु. ५।१९ श० ७।२९ रा० ३।१९ के. ९।१९

श्री सम्वत् १९८३ शाके १८४८

ति.	आ० व० ३० बु० ५२।३९ उफा० ४।५३ ब्र० २५।२२ व० २०।२१ दि० मा० २९।११
ग्र.	सू० ६।१८ चं० ६ मं० १।२४ बु० ७।१ गु० १०।२६ शु० ६।८ श० ८।० रा० ३।१८ के० ९।१८
ति.	आ० सु० १५ गु० ११।२९ अ० ५१।५६ ह० ७।११ ब० ११।२९ दि० मा० २८।१२
ग्र.	सू० ७।३ चं० १ मं० १।२२ बु० ७।२४ गु० १०।२६ शु० ६।२६ श० ८।२ रा० ३।१७ के० ९।१७
ति.	का० व० ३० शु० ३४।१० स्वा० ३७।३८ आ० ४०।३८ च० २।४६ दि० मा० २७।२१
ग्र.	सू० ७।१८ चं० ७ मं० १।१८ बु० ८।११ गु० १०।२७ शु० ७।१५ श० ८।४ रा० ३।१७ के० ९।१७
ति.	का० सु० १५ शु० ३८।४१ भ० ८।४२ व० १०।७ वि० १०।३१ दि० मा० २६।३६
ग्र.	सू० ८।२ चं० १ मं० १।१४ बु. ८।१० गु. १०।२८ शु. ८।२ श० ८।५ रा० २।१६ के० ९।१६
ति.	मा० व० ३० सू० १३।१५ अ० ०।५८ धृ० ४७।१२ ना० १३।१५ दि० मा० २६।७
ग्र.	सू० ८।१९ चं० ८ मं० १।१३ बु० ८।१ गु० ११।० शु. ८।२२ श० ८।७ रा. ३।१५ के. ९।१५
ति.	मा० सु० १५ सू० १२।१ मृ० २५।४० शु० ९।२२ व० १२।० दि० मा० २५।४८
ग्र.	सू० ९।३ चं० ३ मं० १।१५ बु० ८।११ गु० ११।२ शु० ९।१० श. ८।९ रा. ३।१४ के. ९।१४
ति.	पौ० व० ३० चं० ४८।१० पू० २०।५१ ध्रु० ५१।५२ च० १९।२० दि० मा० २६।०
ग्र.	सू० ९।१८ चं० ९ मं० १।१८ बु० ९।३ गु० ११।५ शु० ९।२९ श० ८।१० रा० ३।१४ के० ९।१४
ति.	पौ० सु० १५ चं० ५१।४५ पुन० ४८।३४ बै० १७।१ बि० २१।८ दि० मा० २६।१९
ग्र.	सू० १०।३ चं० ३ मं० १।२२ बु० ९।२७ गु० ११।८ शु० १०।१७ श० ८।११ रा० ३।१३ के० ९।१३
ति.	माघ० व० ३० बु० १९।११ श्र० ३४।३२ व्य० ४७।५६ ना० १९।११ दि० मा० २७।६
ग्र.	सू० १०।१९ चं० १० मं. १।२९ बु. १०।२६ गु. ११।११ शु. ११।७ श. ८।१२ रा. ३।१२ के. ९।१२
ति.	मा० सु० १५ बु० ३६।३० श्ले० १५।४६ शो० २८।१२ वि० ४।४२ दि० मा० २७।५०
ग्र.	सू० ११।३ चं० ४ मं० २।५ बु. ११।१८ गु. ११।१४ शु. ११।२४ श. ८।१३ रा. ३।११ के. ९।११
ति.	फा० व० ३० गु० ४५।५८ श० ४८।१५ सि० ४९।५४ च० १८।४४ दि० मा० २८।४८
ग्र.	सू० ११।१८ चं. ११ मं० २।१२ बु. १२।३ गु. ११।१८ शु. १२।१३ श. ८।१४ रा. ३।१० के. ९।१०
ति.	फा० सु० १५ शु० २२।५८ उफा० १२।३६ गं० ४६।२५ व० २२।५८ दि० मा० २९।४८
ग्र.	सू० १२।३ चं० ५ मं० २।२० बु० ११।२८ गु. ११।२२ शु० १।१ श. ८।१४ रा. ३।१० के. ९।१०
ति.	चै० व० ३० श० ९।४७ उ०भा० ५५।५४ ऐं ४५।४२ ना० ९।४७ दि० मा० ३०।४८
ग्र.	सू० १२।१८ चं० १२ मं० २।२८ बु० ११।२३ गु० ११।२५ शु० १।१९ श. ८।१४ रा. ३।९ के. ९।९

श्री० सम्वत् १९८४ शाके १८४९

ति.	चै० सु० १५ सू० ७।१७ चि० २३।४६ ह० ६।३३ व० ७।१७ दि० मा० ३१।४७
ग्र.	सू० ११३ चं० ७ मं० ३।६ बु० १२।९ गु० ११।२८ शु० २।७ श० ८।१३ रा० ३।८ के० ९।८
ति.	वै० व० ३० सू० ३१।३७ अ० १४।२० आ० १२।० च० ४।२७ दि० मा० ३२।३३
ग्र.	सू० १।१६ चं० १ मं० ३।१४ बु० १।१ गु० १२।१ शु० २।२४ श० ८।१३ रा० ३।७ के० ९।७
ति.	वै० सु० १५ चं० ४६।५० वि० ५२।४५ व० २७।४६ वि० १५।८ दि० मा० ३३।१९
ग्र.	सू० २।१ चं० ७ मं० ३।२३ बु० १।२९ गु० १२।४ शु० ३।११ श० ८।१२ रा० ३।७ के० ९।७
ति.	जे० व० ३० चं० ५२।५१ कृ० २८।३६ ऽगं० ७।७ च० २५।११ दि० मा० ३३।४७
ग्र.	सू० २।१४ चं० २ मं० ४।१ बु० २।२६ गु० १२।६ शु० ३।२७ श० ८।११ रा० २।६ के० ९।६
ति.	जे० सु० १५ बु० १९।१७ ज्ये० १८।३६ शु० ४५।५६ व० १९।४७ दि० मा० ३४।७
ग्र.	सू० ३।० चं० ८ मं० ४।११ बु० ३।२१ गु० १२।९ शु० ४।१४ श० ८।९ रा० ३।५ के० ९।५
ति.	आ० व० ३० बु० १५।३१ आ० ४४।२९ वृ० १३।२४ ना० १५।३१ दि० मा० ३४।७
ग्र.	सू० ३।१३ चं० ३ मं० ४।१९ बु० ४।५ गु० १२।१० शु० ४।२८ श० ८।९ रा० ३।४ के० ९।४
ति.	आ० सु० १५ गु० ४७।९ पू० षा० ४०।७ ऐं० ५।३२ वि० १७।५१ दि० मा० ३३।४८
ग्र.	सू० ३।२७ चं० ९ मं० ४।२९ बु० ४।० गु० १२।११ शु० ५।१२ श० ८।८ रा० ३।३ के० ९।३
ति.	श्रा० व० ३० गु० ४१।४७ पुन० ४।९ व० २८।११ च० १२।५ दि० मा० ३३।२२
ग्र.	सू० ४।१० चं० ४ मं० ५।७ बु० ३।२५ गु० १२।११ शु० ५।२१ श० ८।८ रा० ३।२ के० ९।२
ति.	श्रा० सु० १५ श० १०।७ ध० ५४।५४ सौ० १२।२४ व० १०।७ दि० मा० ३२।३३
ग्र.	सू० ४।२६ चं० १० मं० ५।१७ बु० ४।११ गु० १२।११ शु० ५।२९ श० ८।८ रा० ३।२ के० ९।२
ति.	भा० व० ३० श० १३।४५ म० ३०।५१ शि० ४५।४५ ना० १३।४५ दि० मा० ३१।४८
ग्र.	सू० ५।९ चं० ५ मं० ५।२६ बु० ५।३ गु० १२।१० शु० ५।२७ श० ८।८ रा० ३।१ के० ९।१
ति.	भा० सु० १५ सू० ३१।५ श० ११।६ वृ० २१।३ वि० ३।३७ दि० मा० ३०।१०
ग्र.	सू० ५।२४ चं० ११ मं० ६।६ बु० ६।० गु० १२।८ शु० ५।१९ श० ८।९ रा० ३।० के० ९।०
ति.	आ० व० ३० सू० ५२।१७ उफा० ५६।२ शु० ४।२४ च० २०।११ दि० मा० २९।५६
ग्र.	सू० ६।७ चं० ५ मं० ६।१५ बु० ६।२४ गु० १२।६ शु० ५।१३ श० ८।१० रा० ३।० के० ९।०

श्री सम्बत् १९८४ शाके १८४९

ति.	आ० सु० १५ चं० ५२।१६ उभा० २३।५४ ध्रु० २५।५५ वि० २५।११ दि० मा० २८।५६
ग्र.	सू. ६।२२ चं०१२ मं० ६।२५ बु० ७।१६ गु० १२।४ शु०५।१६ श० ८।११ रा. २।२६ के.८।२६
ति.	का० व० ३० मं० ३६।६ चि० २८।५६ वि० २३।२४ च० ३।३५ दि० मा० २७।५७
ग्र.	सू. ७।७ चं० ७ मं० ७।४ बु० ७।२७ गु० ११।३ शु० ५।२४ श० ८।१२ रा० २।२८ के. ८।२८
ति.	का० सु० १५ बु० १५।१ भ० ३१।२२ व्य० २०।० व० १५।१ दि० मा० २७।६
ग्र.	सू. ७।२२ चं० १ मं० ७।१५ बु० ७।१६ गु० १२।२ शु० ६।७ श० ८।१४ रा. २।२७ के. ८।२७
ति.	मा० व० ३० गु० २२।२६ ऽनु० ६०।० ऽगं० ३६।५६ ना० २२।२६ दि० मा० २६।२२
ग्र.	सू. ८।७ चं० ८ मं० ७।२५ बु. ७।१८ गु० १२।२ शु० ६।२१ श. ८।१५ रा० २।२६ के. ८।२६
ति.	मा० सु० १५ गु० ४१।४ रो० ४४।१० सि० २०।४० वि० १३।३६ दि० मा० २६।४
ग्र.	सू. ८।२१ चं० २ मं० ८।५ बु० ८।३ गु० १२।॰ शु० ७।६ श० ८।१७ रा० २।२६ के० ८।२६
ति.	पौ० व० ३० श० ७।३ पू० ३०।४१ वृ० ५०।२२ ना० ७।३ दि० मा० २५।४६
ग्र.	सू. ९।८ चं०९ मं० ८।१७ बु० ८।२८ गु० १२।४ शु ७।२४ श० ८।१९ रा०२।२५ के० ८।२५
ति.	पौ० सु० १५ श० ११।२५ पुन० ५७।५८ ऐं० १५।५२ ब० ११।२५ दि० मा० २६।५
ग्र.	सू. ९।२२ चं० ३ मं. ८।२७ बु. ९।२३ गु० १२।५ शु० ८।११ श० ८।२०रा० २।२४ के. ८।२४
ति.	माघ व० ३० सू० ४७।२४ उषा० ५३।२० ह० १।३० चं० १७।२४ दि० मा० २६।२८
ग्र.	सू० १०।७ चं० ९ मं० ९।९ बु० १०।१९ गु. १२।८ शु. ८।२९ श० ८।२२ रा.२।२३ के.८।२३
ति.	मा० सु० १५ सू० ४६।१६ पु० १७।४६ आ० २१।७ वि० १६।५६ दि० मा० २७।१४
ग्र.	सू. १०।२२ चं. ४ मं. ९।१९ बु. ११।८ गु० १२।१० शु० ९।१६ श.८।२३ रा. २।२२ के. ८।२२
ति.	फा० व० ३० मं० २१।३६ ध० १२।४९ प० ४।२४ ना० २१।३६ दि० मा० २८।८
ग्र.	सू. ११।८ चं०११मं.१०।१बु० ११।१५गु० १२।१३ शु०१०।५श० ८।२४रा०२।२२के० ८।२२
ति.	फा० सु० १५ मं० २५।२० पूफा० ४३।७ धृ० २८।५७ व० २५।२० दि० मा० २९।४
ग्र.	सू. ११।२२ चं.५ मं.१०।१२ बु. ११।५ गु. १२।१६ शु० १०।२२ श.८।२४ रा.२।२१ के ८।२१
ति.	चै० व० ३० बु० ५०।० पूफा० २९।५ शु० १०।१० व० २२।१६ दि० मा० ३०।४
ग्र.	सू. १२।७ चं. ११ मं. १०।२३ बु. ११।१० गु. १२।२०शु.११।११श.८।२५ रा.२।२०के.८।२०

श्री सम्वत् १९८५ शाके १८५०

ति.	चै० सु० १५ गु० ६।५६ ह० ११।३० व्य० ४५।५० व० ६।५६ दि० मा० ३१।३
ग्र.	सू. १२।२२ चं. ६ मं. ११।५ बु. १२।० गु. १२।२३ श्रु. ११।२६ श.८।२५ रा.२।१६ के. ८।१६
ति.	वै० ब० ३० शु० १३।८ अ० ३८।४३ वि० ६।६ ना० १३।८ दि० मा० ३२।१
ग्र.	सू. १।६ चं. १ मं. ११।१६ बु. १२।२७ गु. १२।२७ श्रु. ११।?८ श.८।२५ रा.२।१६ के. ८।१६
ति.	वै० सु० १५ शु० ४६।६ स्वा० ४२।८ सि० ५।५६ वि० १६।४२ दि० मा० ३२।४५
ग्र.	सू. १।२० चं. ७ मं. ११।२६ बु. १।२३ गु. १।० शु. १।५ श० ८।२४ रा० २।१८ के० ८।१८
ति.	ज्ये० ब० ३० श० ३३।० कृ० ५१।३५ शो० १५।५० च० ६।० दि० मा० ३३।३१
ग्र.	सू० २।४ चं० १ मं. १२।८ बु. २।२० गु. १।४ शु. १।२४ श० ८।२३ रा० २।१७ के. ८।१७
ति.	ज्ये० सु. १५ सू० २६।१२ ऽनु० १३।३४ सि० ३।१४ व० २६।१२ दि० मा० ३३।५३
ग्र.	सू० २।१९ चं. ८ मं. १२।१९ बु०३।११ गु. १।७ श्रु. २।१२ श० ८।२२ रा०२।१६ के०८।१६
ति.	आ० ब० ३० सू० ५१।११ रो० ८।३३ मू० २४।० च० २४।३६ दि० मा० ३४।११
ग्र.	सू. ३।२ चं० २ मं० १२।२९ बु. ३।१८ गु० १।१० शु० २।२९ श. ८।२१ रा. २।१५ के. ८।१५
ति.	आ० सु० १५ मं. ५।२७ पूषा० ४७।३७ ऐं० ५३।५० व० ५।२७ दि० मा० ३४।१
ग्र.	सू. ३।१७ चं० ९ मं० १।१० बु. ३।७ गु० १।१३ शु० ३।२९ श० ८।२० रा० २।१५ के० ८।१५
ति.	प्र० श्रा० ब० ३० मं० १०।२१ पुन० १६।२८ ह० २७।१८ ना० १०।२१ दि० मा० ३३।४३
ग्र.	सू० ४।१ चं० ३ मं० १।२० बु. ३।१३ गु. १।१५ श्रु. ४।६ श० ८।१९ रा० २।१४ के० ८।१४
ति.	श्रा० सु० १५ बु. ३७।१४ उषा० ६।२२ प्री० १४।३२ वि० ६।५६ दि० मा० ३३।८
ग्र.	सू० ४।१४ चं. १० मं. २।० बु. ४।३ गु. १।१६ श्रु. ४।२४ श. ८।१९ रा० २।१३ के० ८।१३
ति.	द्वि० श्रा० व० ३० बु० ३२।५० श्ले० ३६।२२ व० ३६।७ च० ४।१५ दि० मा० ३२।५
ग्र.	सू. ४।२८ चं० ४ मं० २।९ बु० ४।२७ गु० १।१७ श्रु० ५।१२ श. ८।१९ रा. २।१२ के. ८।१२
ति.	श्रा० सु० १५ श्रु० ५।१७ श० ३१।२६ सु० २६।१ ब० ५।१७ दि० मा० ३१।३०
ग्र.	सू० ५।१४ चं० ११ मं. २।१९ बु०५।२६ गु०१।१८ श्रु०६।१ श०८।१९ रा०२।११ के.८।११
ति.	भा० व० ३० शु० १।४ उफा० ५६।१ श्रु. ४६।५८ ना० १।४ दि० मा० ३०।३५
ग्र.	सू. ५।२७ चं. ५ मं. २।२७ बु. ६।१९ गु० १।१८ श्रु० ६।१८ श० ८।१९ रा०२।११ के. ८।११
ति.	भा० सु० १५ श० ३०।५५ उभा० ४७।२८ वृ० ३४।४६ वि० २।३७ दि० मा० २९।३७
ग्र.	सू. ६।१२ चं० १२ मं० ३।४ बु० ७।८ गु० १।१७ श्रु. ७।७ श० ८।२० रा० १।१० के० ८।१०

श्री० सम्वत् १९८५ शाके १८५०

ति.	आ० व० ३० श० ३७।४ ह० २०।२९ पे० ५।५४ च० ५।५९ दि० मा० २८।४२
ग्र.	सू० ६।२६ चं० ६ मं० ३।१० बु० ७।१० गु० १।१४ शु० ७।२४ श० ८।२१ रा० २।९ के० ८।९
ति.	आ० सु० १५ सू० ०।३५ रे० ४।१८ व० ३९।५ व० ०।३५ दि० मा० २७।४५
ग्र.	सू० ७।११ चं० १२ मं० ३।१४ बु० ७।० गु० १।१३ शु० ८।१२ श० ८।१२ रा० २।८ के० ८।८
ति.	का० व० ३० चं० २०।१० वि० ५३।४४ सौ० २०।५४ ना० २०।१० दि० मा० २६।५७
ग्र.	सू० ७।२६ चं० ७ मं० ३।१७ बु० ७।७ गु० १।११ शु० ९।० श० ८।२४ रा० २।८ के० ८।८
ति.	का० सु० १५ मं० २०।२८ कृ० १२।५७ शि० ३२।१५ व० २०।२८ दि० मा० २६।१८
ग्र.	सू० ८।११ चं० २ मं० ३।१८ बु० ७।२८ गु० १।९ शु० ९।१८ श० ८।२५ रा० २।७ के० ८।७
ति.	मार्ग व० ३० बु० ८।१० ज्ये० २३।५२ श्रू० ३६।५५ ना० ८।१० दि० मा० २५।५७
ग्र.	सू० ८।२६ चं० ८ मं० ३।१५ बु० ८।२५ गु० १।९ शु० १०।६ श० ८।२७ रा० २।६ के० ८।६
ति.	मा० सु० १५ बु० ४६।२९ मृ० २४।४५ शु० ३१।४९ वि० १९।२४ दि० मा० २५।५०
ग्र.	सू० ९।११ चं० ३ मं० ३।९ बु० ९।१८ गु० १।८ शु० १०।२३ श० ८।२९ रा० २।५ के० ८।५
ति.	पौ० व० ३० गु० ५६।४८ पूषा० ५३।३७ व्या० ५०।४३ च० २४।३१ दि० मा० २६।१०
ग्र.	सू० ९।२६ चं० ९ मं० ३।३ बु० १०।११ गु० १।९ शु० ११।१० श० ९।० रा० २।४ के० ८।४
ति.	पौ० सु० १५ शु० १४।२७ पु० ३४।३५ प्री० २५।६ व० १४।२७ दि० मा० २६।४०
ग्र.	सू० १०।११ चं० ४ मं० ३।० बु० १०।२७ गु० १।१० शु० ११।२७ श० ९।३ रा० २।४ के० ८।४
ति.	मा० व० ३० श० ४१।४६ श्र० २१।७ व्य० ३।२६ च० १०।३५ दि० मा० २७।२९
ग्र.	सू० १०।२६ चं० १० मं० ३।१ बु० १०।२३ गु० १।१२ शु० १२।१२ श० ९।३ रा० २।३ के० ८।३
ति.	मा सु० १५ श० ४४।३३ म० ५०।४० ऽग० २८।४९ वि० १६।१९ दि० मा० २८।१९
ग्र.	सू० ११।११ चं० ५ मं० ३।१ बु० १०।१७ गु० १।१४ शु० १२।२५ श० ९।४ रा० २।२ के० ८।२
ति.	फा० व० ३० चं० २०।० पूभा० ४६।४ स्वा० १२।११ ना० २०।० दि० मा० २९।२३
ग्र.	सू० ११।२७ चं० ११ मं० ३।७ बु० ११।१ गु० १।१६ शु० १।५ श० ९।५ रा० २।१ के० ८।१
ति.	फा० सु० १५ चं० १७।३० उफा० १०।३७ वृ० ३३।१८ व० १७।२१ दि० मा० ३०।१८
ग्र.	सू० १२।११ चं० ६ मं० ३।११ बु० ११।२३ गु० १।१९ शु० १।१२ श० ९।६ रा० २।१ के० ८।१
ति.	चै० व० ३० मं० ५०।३४ उभा० ५।४३ ऐं० २१।५२ च० २१।५९ दि० मा० ३१।१८
ग्र.	सू० १२।२५ चं० १२ मं० ३ १८ बु० १२।२१ गु० १।२२ शु० १।९ श० ९।६ रा० २।० के० ८।०

श्री सम्वत् १९८६ शाके १८५१

ति.	चै० सु० १५ मं० ५२।३७ चि० ३४।२९ व० ४८।२१ वि० २१।५८ दि० मा० ३२।१०
ग्र.	सू० १।९ चं० ६ मं०३।२५ बु०१।१७ गु०१।२४ शु० १।१ श० ९।६ रा० १।२९ के०७।२९
ति.	वै० व० ३० गु० १४।४४ भ० २०।९ सौ० २४।५२ ना० १४।४४ दि० मा० ३२।५९
ग्र.	सू० १।२५ चं० १ मं०४।३ बु०२।१३ गु०१।२९ शु०१२।२५ श०९।५ रा०१।२८ के०७।२८
ति.	वै० सु० १५ गु० ३०।१२ वि० २।९ प० ८।३६ व० ३२।१२ दि० मा० ३३।३८
ग्र.	सू० २।८ चं० ८ मं० ४।११ बु० २।२८ गु. २।३ शु० १।० श०९।५ रा० १।२७ के० ७।२७
ति.	ज्ये० व० ३० शु० ३४।५ रो० ३४।२५ धृ० ३३।१२ चं० १७।० दि० मा० ३३।५८
ग्र.	सू० २।२२ चं० २ मं० ४।१९ बु० २।२४ गु० २।६ शु० १।८ श० ९।४ रा० १।२७ के. ७।२७
ति.	ज्ये० सु० १५ श० ८।२४ मू० ३८।३५ शु० ३३।५४ च० ८।२४ दि० मा० ३४।१५
ग्र	सू० ३।७ चं० ९ मं० ४।२८ बु. २।१९ गु. २।१० शु० १।२२ श० ९।२ रा० १।२६ के. ७।२६
ति.	आ० व० ३० श० ५१।२२ आ० ४६।१४ ध्रु० ४१।३० च० २४।२७ दि० मा० ३३।१७
ग्र.	सू० ३।२० चं० ३ मं० ५।७ बु० ३।२ गु० २।१३ शु० २।६ श० ९।१ रा. १।२५ के. ७।२५
ति.	आ० सु० १५ सू० ४६।२१ पूषा० ३।५ वि० ५८।१७ नि० १३।५८ दि० मा० ३३।४०
ग्र.	सू० ४।४ चं० ९ मं०५।१६ बु० ३।२६ गु० २।१६ शु० २।२१ श० ९।० रा.१।२४ के. ७।२४
ति.	श्रा० व० ३० चं० ८।४० श्ले० ५५।१४ व्य० ४२।३९ ना० ८।४० दि० मा० ३०।५६
ग्र.	सू० ४।१८ चं० ४ मं० ५।२५ बु० ४।२३ गु. २।१४ शु० ३।८ श. ९।० रा. १।२३ के. ७।२३
ति.	श्रा० सु० १५ मं. २२।४१ ध० ३७।१७ शो० २०।८ व० २२।४१ दि० मा० ३२।१०
ग्र.	सू० ५।३ चं०१० मं०६।४ बु०५।२० गु०२।२० शु० ३।२५ श० ९।० रा० १।२३ के० ७।२३
ति.	भा० व० ३० मं० १८।३८ भा० १२।३ सि० ५०।५२ च० १।० दि० मा० ३१।१९
ग्र.	सू० ५।१६ चं० ५ मं० ६।१३ बु० ६।११ गु. २।२२ शु० ४।११ श. ९।० रा०१।२२ के. ७।२२
ति.	भा० सु० १५ बु० ५६।५५ पूभा० ६०।० शू० ३७।२१ वि० २६।२० दि० मा० ३०।२०
ग्र.	सू० ६।१ चं. ११ मं० ६।२३ बु० ६।२५ गु० २।२३ शु० ४।२९ श० ९।० रा. १।२१ के. ७।२१
ति.	आ० व० ३० बु० ५४।१२ उफा० २७।४३ शु० ४।५७ च० २५।३२ दि० मा० २९।२६
ग्र.	सू० ६।१५ चं० ६ मं० ७।३ बु० ६।१९ गु०२।२४ शु० ५।१६ श. ९।० रा. १।२० के. ७।२०

मरहम जख्म पर लगाने की ।।।) ए० पी० ज्यो० झांसी।

श्री० सम्बत् १९८६ शाके १८५१

ति.	आ० सु० १५ शु० २८।२५ रे० २२।३० ह० ४४।५६ व० २८।३५ दि० मा० २८।२२
ग्र.	सू. ७।० चं० १२ मं० ७।१३ बु० ६।१५ गु० २।२४ शु० ६।५ श० ९।२ रा० १।२० के. ७।२०
ति.	का० व० ३० शु० २६।५४ स्वा० ४८।१६ प्री० ९।१४ ना० २६।५४ दि० मा० २७।३३
ग्र.	सू. ७।१४ चं० ७ मं० ७।२३ बु० ६।२९ गु० २।२२ शु० ६।२२ श० ९।३ रा. १।१९ के. ७।१९
ति.	का० सु० १५ श० १।३० भ० ३९।१३ च० ५०।५ व० १।३० दि० मा० २६।४५
ग्र.	सू. ८।० चं० १ मं० ८।४ बु० ७।२१ गु० २।२२ शु० ७।११ श० ९।४ रा. १।१८ के. ७।१८
ति.	मा० व० ३० सू० ७।३३ ऽनु० १३।२६ सु० १८।२१ ना० ७।३३ दि० मा० २६।१२
ग्र.	सू. ८।१५ चं० ८ मं०८।१५ बु. ८।१८ गु०२।२० शु० ७।२९ श. ९।६ रा० १।१७ के. ७।१७
ति.	मा० सु० १५ चं० २५।५२ मृ० ४९।५३ शु० ५४।१८ व० २६।५२ दि० मा० २६।५२
ग्र.	सू. ९।० चं० २ मं० ८।२७ बु० ९।१३ गु०२।१८ शु०८।१८ श० ९।७ रा० १।१६ के. ७।१६
ति.	पौ० व० ३० चं० ५४।२१ मू० ४२।४ वृ० ३१।३६ च० २२।२ दि० मा० २५।५५
ग्र.	सू. ९।१४ चं० ९ मं० ९।७ बु० १०।५ गु० २।१६ शु० ९।५ श० ९।९ रा० १।१६ के० ७।१६
ति.	पौ० सु० १५ मं० ५२।५२ आ० ६।१९ वै० ४४।५ वि० २५।४३ दि० मा० २६।१६
ग्र.	सू. १०।० चं० ३ मं. ९।१९ बु. १०।११ गु० २।१५ शु०९।११ श०९।११ रा०१।१५ के. ७।१५
ति.	माघ व० ३० बु० ४४।१ उषा० १२।४४ सि० ४७।४६ च० ११।२९ दि० मा० २६।५३
ग्र.	सू० १०।१५ चं०१० मं०१०।० बु०१०।१ गु०२।१४ शु०१०।१३ श०९।१२ रा.१।१४ के.७।१४
ति.	मा० सु० १५ गु० १९।२४ श्ले० १४।४८ शो० ३६।५० व० १९।२४ दि० मा० २७।४२
ग्र.	सू० ११।० चं० ४ मं. १०।१२ बु० १०।४ गु. २।१५ शु. ११।२ श. ९।१४ रा. १।१३ के.७।१३
ति.	फा० व० ३० शु० ३०।३३ श० ४९।० शि० ३।१५ ना० ३१।३३ दि० मा० २८।३८
ग्र.	सू. ११।१५ चं.११ मं.१०।२४ बु.१०।२३ गु०२।१६ शु०११।२१ श.९।१५ रा.१।१३ के.७।१३
ति.	फा० सु० १५ शु० ४५।५८ पूषा० २८।३० शू० ४०।४३ वि० १८।२२ दि० मा० २९।३४
ग्र.	सू. ११।२९ चं. ५ मं. ११।४ बु. ११।१७ गु. २।१७ शु०१२।९ श. ९।१६ रा. १।१२ के ७।१२
ति.	चै० व० ३० सू० १३।० उभा० १५।५० ब्र० १८।४३ ना० १३।० दि० मा० ३०।३८
ग्र.	सू. १२।१५ चं०१२ मं०११।१७ बु.१२।१६ गु.२।१९ शु.१२।२९ श.९।१६ रा.१।११ के.७।११

श्री सम्बत् १९८७ शाके १८५२

ति.	चै० सु० १५ सू० १३।१३ चि० ४३।२४ ह० ४३।१ व० १३।१३ दि० मा० ३१।३२
ग्र.	सू. १२।२९ चं०६ मं० ११।२८ बु०१।११ गु०२।२२ शु०१।१६ श०९।१७ रा०१।१०के.७।१०
ति.	वै० व० ३० चं० ४९।३६ अ० ३९।४ प्री० ३२।२३ च० १९।५८ दि० मा० ३२।२४
ग्र.	सू. १।१४ चं० १ मं० १२।९ बु० २।२ गु० २।२४ शु० २।४ श० ९।१७ रा० १।९ के. ७।९
ति.	वै० सु० १५ चं० ४२।८ स्वा० ३।४० व० ५५।३२ वि० १२।४० दि० मा० ३३।८
ग्र.	सू. १।२७ चं० ७ मं० १२।२० बु०२।१० गु० २।२७ शु० २।२२ श० ९।१७ रा. १।९ के. ७।९
ति.	ज्ये०व० ३० बु० १३।१ रो० ५६।३० सु० ३९।५६ ना० १३।१ दि० मा० ३३।४४
ग्र.	सू. २।१३ चं० २ मं० १।२ बु० २।० गु. ३।१ शु० ३।११ श० ९।१६ रा० १।८ के० ७।८
ति.	ज्ये०सु. १५ बु० १३।२० ज्ये० २९।२८ सा० १४।३६ व० १३।२० दि० मा० ३४।२
ग्र.	सू. २।२६ चं. ८ मं. २।१२ बु. २।५ गु. ३।४ शु. ३।२८ श. ९।१० रा. १।७ के. ७।७
ति.	आ० व० ३० गु० ३३।४७ मृ० १४।१० वृ० ५०।२१ च० ६।१० दि० मा० ३४।१०
ग्र.	सू. ३।१० चं. ३ मं. १।२३ बु. २।२५ गु. ३।८ शु. ४।१५ श० ९।१४ रा० १।६ के० ७।६
ति.	आ० सु० १५ गु० ४७।५१ पूषा० ५७।२३ ऐं० ३२।२८ वि० १६।८ दि० मा० ३३।५२
ग्र.	सू० ३।२२ चं० ९ मं. २।३ बु. ३।२० गु. ३।११ शु. ५।१ श० ९।१३ रा० १।६ के. ७।६
ति.	श्रा० व० ३० शु० ५१।३९ पुन० २७।३१ ह० ६।२७ चं० २३।३३ दि० मा० ३३।३०
ग्र.	सू० ४।८ चं. ३ मं. २।१४ बु० ४।१७ गु. ३।१४ शु. ५।१८ श० ९।१२ रा० १।५ के० ७।५
ति.	श्रा० सु० १५ श० २५।२१ श्र० २७।३७ सो० ५८।२८ ब० २५।२१ दि० मा० ३२।४५
ग्र.	सू. ४।२२ चं० १० मं० २।२४ बु. ५।१३ गु० ३।१८ शु० ६।५ श. ९।११ रा. १।४ के. ७।४
ति.	भा० व० ३० सू० ९।७ मं० ३५।२१ श० ९।९ वा० ९।७ दि० मा० ३१।५८
ग्र.	सू. ५।६ चं० ५ मं० ३।४ बु. ६।३ गु० ३।२० शु० ६।२२ श० ९।११ रा० १।३ के० ७।३
ति.	भा० सु० १५ चं० ४।५९ पूभा ६०।० मृ० २२।३१ व० ४।५९ दि० मा० ३१।०
ग्र.	सू० ५।२१ चं. ११ मं. ३।१३ बु० ६।८ गु० ३।२३ शु० ७।७ श० ९।११ रा०१।२ के० ७।२
ति.	आ० व० ३० चं. २८।२९ उफा० ४७ ४१ शु० ११।३९ च० १।१९ दि० मा० ३०।६
ग्र.	सू. ६।५ चं० ५ मं. ३।२१ बु. ५।२८ गु० ३।२५ शु० ७।२० श० ९।११ रा० १।२ के० ७।२

श्री सम्बत् १९८७ शाके १८५२

ति.	आ० सु० १५ मं० ४४।५० उभा० २६।१७ ध्रु० ४०।३४ वि० १३।८ दि० मा० २९।१४
प्र.	सू० ६।१९ चं० १२ मं० ३।२९ बु० ६।३ गु० ३।२७ शु० ८।१ श० ९।११ रा० १।१ के० ७।१
ति.	का० ब० ३० मं० ५३।१५ ह० ४।११ वै० १५।५४ च० २३।५५ दि० मा० २८।१२
प्र.	सू० ७।२ चं० ६ मं० ४।६ बु० ६।२१ गु० ३।२८ शु० ८।८ श० ९।१२ रा० १।० के० ७।०
ति.	का० सु० १५ गु० २३।११ भ० ५३।३४ व्य० ५९।२७ ब० २३।११ दि० मा० २७।१८
प्र.	सू० ७।१९ चं० १ मं० ४।१३ बु० ७।१८ गु. ३।२९ शु० ८।८ श० ९।१३ रा० १२।२९ के० ६।२९
ति.	मार्ग० ब० ३० गु० २२।६ वि० १८।८ शो० १४।४८ ना० २२।६ दि० मा० २६।३३
प्र.	सू० ८।३ चं० ७ मं० ४।१७ बु० ८।१२ गु० ३।२९ शु० ८।१ श० ९।१४ रा० १२।२८ के. ६।२८
ति.	मा० सु० १५ शु० ५८।३१ कृ० १३।१३ शि० २।२० वि० २९।१३ दि० मा० २६।७
प्र.	सू० ८।१९ चं० २ मं० ४।२१ बु० ९।६ गु० ३।२८ शु० ७।२४ श० ९।१६ रा. १२।२८ के. ६।२८
ति.	पौ० ब० ३० शु० ५८।५९ ज्ये० ३८।२५ शू० २१।१५ च० २८।५० दि० मा० २५।४८
प्र.	सू० ९।३ चं० ८ मं० ४।२२ बु. ९।२२ गु. ३।२७ शु० ७।१६ श० ९।१७ रा० १२।२७ के. ६।२७
ति.	पौ० सु० १५ सू० ३०।१७ आ० २९।१९ ब्र० १।३४ वि० २।५ दि० मा० २६।२
प्र.	सू० ९।१९ चं० ३ मं० ४।२१ बु० ९।२१ गु० ३।२६ शु० ८।५ श० ९।१९ रा. १२।२६ के. ६।२६
ति.	माघ० ब० ३० सू० ४२।३२ पूषा० ३।१५ ह० २९।२१ च० ११।२ दि० मा० २६।१९
प्र.	सू० १०।४ चं० ९ मं० ४।१७ बु० ९।१३ गु० ३।२३ शु० ८।१७ श० ९।२१ रा. १२।२५ के. ६।२५
ति.	मा० सु० १५ चं० ४।६ पु० ४३।२९ प्री० ३।३४ ब० ४।६ दि० मा० २७।५
प्र.	सू० १०।१९ चं० ४ मं० ४।११ बु० ९।२४ गु. ३।२१ शु० ९।२ श. ९।२२ रा. १२।२५ के. ६।२५
ति.	फा० ब० ३० मं० २९।५४ ध० ३७।४० प० ४४।१६ ना० २९।५४ दि० मा० २७।५४
प्र.	सू० ११।४ चं. १० मं० ४।१६ बु० १०।१६ गु० ३।२० शु० ९।१८ श० ९।२४ रा० १२।२४ के० ६।२४
ति.	फा० सु० १५ बु० २४।५३ पूफा० ५२।३० धृ० ५०।९ ब० २४।५३ दि० मा० २८।५२
प्र.	सू० ११।१९ चं० ५ मं० ४।२ बु० ११।१३ गु. ३।१९ शु० १०।५ श. ९।२४ रा० १२।२३ के. ६।२३
ति.	चै० ब० ३० गु० १७।६ पूभा० ९।१७ शु० २।२ ना० १७।६ दि० मा० २९।५२
प्र.	सू० १२।४ चं० १२ मं० ४।४ बु० १२।१० गु० ३।२० शु० १०।२३ श. ९।२६ रा १२।२२ के. ६।२२

श्री सम्वत् १९८८ शाके १८५३

ति.	चै० सु० १५ गु० ४८.४७ उफा० ६।२१ वृ० १।१६ वि० २१।४१ दि० मा० ३०।४८
प्र.	सू० १२।१८ चं० ६ मं०४।५ बु०१।३ गु. ३।२० शु०११।९ श०९।२७ रा०१२।२१ के०६।२१
ति.	वै० व० ३० श० ०।२७ अ० ४४।४ वि० २१।५७ ना० ०।२७ दि० मा० ३१।५१
प्र.	सू० १।४ चं० 1 मं० ४।१० बु०१।२०गु० ३।२२ शु. ११।२८ श०९।२७ रा०१२।२१ के.६।२१
ति.	वै० सु० १५ श० ११।३७ स्वा० १६।४२ सिं० ०।४९ व० ११।३७ दि० मा० ३२।३६
प्र.	सू० १।१७ चं०७ मं०४।१६ बु०१।१६ गु०३।२४ शु०१२।१५ श०९।२८ रा०१२।२० के०६।२०
ति.	ज्ये० व० ३० सू. ३७।५ भ० ७।५ शो० ४०।२२ च० ६।१५ दि० मा० ३३।२२
प्र.	सू० २।२ चं० 1 मं० ४।२३ बु० १।११ गु० ३।२६ शु०१।३ श० ९।२७ रा० १२।१९ के०६।१९
ति.	ज्ये० सु० १५ सू० ३५।० ऽनु० ३६।३० शि० १०।५१ वि० ६।४१ दि० मा० ३३।४८
प्र.	सू० २।१५ चं०८ मं०५।० बु०१।२४ गु० ३।२८ शु० १।२० श०९।२७ रा०१२।१८ के०६।१८
ति.	प्र० आ० व० ३० मं० ६।४४ मृ० ३१।४४ गं० ५३।४२ ना० ६।४४ दि० मा० ३४।८
प्र.	सू. ३।० चं. २ मं. ५।८ बु. २।२० गु. ४ २ शु० २।९ श. ९।२६ रा० १२।१७ के० ६।१७
ति.	आ० सु० १५ मं० ०।३९ पूषा० ५८।१३ वृ० २१।४३ व० ०।३९ दि० मा० ३४।६
प्र.	सू० ३।१४ चं०९ मं० ५।१६ बु०३।१५ गु०४।५ शु०२।१६ श०९।२५ रा०१२।१७ के०६।१७
ति.	द्वि० आ० व० ३० बु० ३०।३० पुन० ४९।४१ व्या० ११।४८ च० २।२ दि० मा० ३३।४७
प्र.	सू० ३।२८ चं०३ मं०५।२५ बु०४।१३ गु०४।८ शु० ३।१४ श०९।२४ रा०१२।१६ के०६।१६
ति.	आ० सु० १५ बु० ३०।३४ उषा० १९।५९ प्री० ४०।३६ व० ३०।३४ दि० मा० ३३।१९
प्र.	सू० ४।११ चं० १० मं० ६।३ बु०५.५ गु०४।११ शु० ४।१ श०९।२३ रा०१२।१५ के०६।१५
ति.	श्रा० व० ३० गु० ५०।२२ पु० ७।२० व्य० २२।४० च० २३।२ दि० मा० ३२।३४
प्र.	सू० ४।२६ चं० ४ मं०६।१३ बु०५।२० गु०४।१५ शु०४।२० श०९।२२ रा०१२।१४ के०६।१४
ति.	श्रा० सु० १५ श्र० ५।५५ श० ५२।३७ ऽगं० ०।३४ व० ५।५५ दि० मा० ३१।४४
प्र.	सू०५।१० चं०११ मं०६।२२ बु०५।१६ गु० ४।१८ शु०५।८ श०९।२२ रा०१२।१४ के०६।१४
ति.	भा० व० ३० श० १०।२२ पूफा० १७।१ स्वा० २२।२३ ना० १०।२२ दि० मा० ३०।४६
प्र.	सू० ५ २४ चं० ५ मं०७।२ बु०५।१० गु०४।२१ शु०५।२७ श०९।२१ रा०१२।१३ के०६।१३
ति.	भा० सु० १५ श० ४६।१६ पूभा० १६।१४ गं० २०।४४ वि० १३।४९ दि० मा० २९।५२
प्र.	सू० ६।८ चं०१२ मं०७।१२ बु०५।२४ गु०४।२४ शु०६।१४ श०९।२१ रा०१२।१२ के०६।१२

श्री सम्वत् १९८८ शाके १८५३

ति.	आ० व० ३० सू० ३।१४ ह० २८।३७ ऐं० २६।१ च० ४।६ दि० मा० २८।५२
ग्र.	सू. ६।२३ चं० ६ मं० ७।२२ बु०६।१६ गु०४।२६ शु०७।३ श. ६।२२ रा. १२।११ के.६।११
ति.	आ० सु० १५ चं० ३०।१ अ० ५२।२१ व० ४०।१६ व० ३०।१ दि० मा० २७।५४
ग्र.	सू० ७।८ चं० १ मं० ८।३ बु. ७।३ गु. ४।२८ शु. ७।२१ श. ६।२२ रा. १२।१० के. ६।१०
ति.	का० व० ३० चं० ०।२ स्वा० ४०।४१ आ० २७।५७ श० ०।२ दि० मा० २७।६
ग्र.	सू. ७।२२ चं० ७ मं० ८।१४ बु० ८।६ गु० ५।० शु. ८।६ श० ६।२३ रा० १२।१० के०६।१०
ति.	का० सु० १५ बु० १४।११ कृ० २०।२ शि० ५३।५७ व० १४।११ दि० मा० २६।२२
ग्र.	सू. ८।८ चं० २ मं० ८।२६ बु. ८।२६ गु० ५।१ शु० ८।२९ श. ६।२५ रा० १२।६ के. ६।६
ति.	मार्ग० व० ३० बु० २२।२० ज्ये० ५१।५० धृ० २२।३८ ना० २२।२० दि० मा० २६।२
ग्र.	सू. ८।२२ चं० ८ मं० ६।७ बु० ६।८ गु० ५।२ शु० ६।१६ श० ६।२६ रा० १२।८ के. ६।८
ति.	मार्ग सु० १५ गु० ५५।३८ मृ० ४४।१८ शु० ५।२५ वि० २५।५ दि० मा० २५।४६
ग्र.	सू. ६।८ चं० २ मं० ६।१८ बु० ८।२६ गु० ५।२ शु० १०।५ श० ६।२७ रा० १२।८ के० ६।८
ति.	पौ० व० ३० गु० ५५।२१ मू० ६।५७ ध्रू० २६।६ च० ७।२३ दि० मा० २६।६
ग्र.	सू. ६।२२ चं० ६ मं. ६।२६ बु. ८।२६ गु० ५।१ शु० १०।२२ श० ६।२६ रा० १२।७ के. ६।७
ति.	पौ० सु० १५ श० ३२।१६ पुन० ५।२ वि० ६।२० वि० ३।१५ दि० मा० २६।३२
ग्र.	सू० १०।८ चं०४ मं०१०।११ बु०६।१७ गु०५।२६ शु०११।१२ श०१०।१ रा. १२।६ के. ६।६
ति.	मा० व० ३० श० ३३।३७ श्र० ३१।४१ व्य० ३०।११ च० ३।२० दि० मा० २७।१८
ग्र.	सू० १०।२३ चं. १० मं. १०।२२ बु. १०।१० गु. ४।२८ शु. ११।२६ श. १०।२ रा. १२।५ के. ६।५
ति.	मा० सु० १५ चं० ३।४७ म० १६।५७ ऽगं० ७।५८ व० ३।४७ दि० मा० २८।१२
ग्र.	सू० ११।६ चं. ५ मं. ११।५ बु. ११।६ गु० ४।२६ शु० १२।१७ श. १०।४ रा. १२।४ के. ६।४
ति.	फा० व० ३० चं० १६।१५ पूभा० ६०।० स्वा० ४२।४६ ना० १६।१५ दि० मा० २६।८
ग्र.	सू. ११।२३ चं. ११ मं. ११।१६ बु. १२।३ गु. ४।२४ शु० १।४ श. १०।५ रा. १२।३ के. ६।३
ति.	फा० सु० १५ मं० २६।४५ उफा० ३४।१ गं० ११।५३ वि० २।२५ दि० मा० ३०।८
ग्र.	सू. १२।८ चं० ६ मं० ११।२७ बु. १२।२४ गु. ४।२३ शु. १।२१ श. १०।७ रा. १२।३ के. ६।३
ति.	चै० व० ३० व० ०।२६ रे० ३३।५६ ऐं० १।२६ ना० ०।२६ दि० मा० ३१।७
ग्र.	सू० १२।२३ चं० १२ मं० १२।६ बु० १।२ गु० ४।२२ शु० २।७ श. १०।७ रा. १२।२ के. ६।२

श्री सम्वत् १९८९ शाके १८५४

ति.	चै० सु० १५ बु० ५२।१ चि० ४७।१० ह० १७।४ वि० २५।० दि० मा० ३२।२
ग्र.	सू. ११६ चं० ६ मं० १२।२० बु० १२।२२ गु०४।२२ शु०२।२२ श० १०।८ रा० १२।१ के.६।१
ति.	चै० व० ३० गु० ४३।१५ भ० ६०।० आ० २३।१ च० १०।४५ दि० मा० ३२।४८
ग्र.	सू० १।२१ चं० १ मं० १।१ बु० १२।२६ गु० ४।२३ शु. ३।५ श० १०।८ रा० १२।० के० ६।०
ति.	वै० सु० १५ शु. ११।५४ वि० ०।६ प० १६।२५ व० ११।५४ दि० मा० ३३।३४
ग्र.	सू. २।५ चं० ८ मं० १।१३ बु. १।१७ गु० ४।२७ शु० ३।१५ श. १०।८ रा. ११।२९ के. ५।२९
ति.	ज्ये० व० ३० श० २२।१२ रो० ३४।५७ धृ० ४६।३८ ना० २२।१२ दि० मा० ३३।५४
ग्र.	सू. २।२० चं० २ मं० २।२४ बु०२।१३ गु०४।२६ शु०३।२२ श०१०।८ रा० ११।२९ के.५।२९
ति.	ज्ये० सु० १५ श० ३१।१५ ज्ये० १४।१ शु० २५।३१ वि० ३।३२ दि० मा० ३४।१२
ग्र.	सू. ३।३ चं० ८ मं० २।४ बु० ३।९ गु० ४।२८ शु० ३।१८ श० १०।८ रा० ११।२८ के० ५।२८
ति.	आ० व० ३० सू. ५५।२७ आ० ६०।० वृ० ८।१३ च० २४।३७ दि० मा० ३४।१
ग्र.	सू. ३।१७ चं० ३ मं. २।१५ बु. ४।६ गु० ५।१ शु० ३।९ श० १०।७ रा० ११।२७ के. ५।२७
ति.	आ० सु० १५ सू० ५२।२७ पूषा० २९।३७ वै० ३६।५७ वि० २४।१० दि० मा० ३३।४३
ग्र.	सू० ४।१ चं० ९ मं० २।२४ बु० ४।२६ गु० ५।३ शु० ३।४ श०१०।६ रा. ११।२६ के. ५।२६
ति.	श्रा० व० ३० मं. २३।५३ पु० २३।५९ सि० २४।६ ना० २३।५३ दि० मा० ३३।५
ग्र.	सू० ४।१६ चं. ४ मं. ३।५ बु. ५।४ गु. ५।७ शु. ३।८ श. १०।४ रा. ११।२६ के. ५।२६
ति.	श्रा० सु० १५ मं. १७।५२ ध० ४९।१४ शो० ४७।५ व० १७।५२ दि० मा० ३२।२२
ग्र.	सू० ४।१९ चं. १० मं. ३।१४ बु.४।१४ गु०५।१० शु०३।१६ श. १०।४ रा. ११।२५ के. ५।२५
ति.	भा० व० ३० बु० ४८।३९ म० ४२।७ शि० ३६।१५ च० २०।१० दि० मा० ३१।२९
ग्र.	सू. ५।१४ चं. ५ मं ३।२३ बु. ४।२८ गु. ५।१३ शु०४।२९ श. १०।३ रा. ११।२४ के ५।२४
ति.	भा० सु० १५ बु० ४९।५४ श० १०।९ धृ० ४।४० वि० १९।१० दि० मा० ३०।३५
ग्र.	सू. ५।२७ चं० ११ मं० ४।२ बु. ५।१६ गु. ५।१६ शु. ४।१३ श. १०।२ रा० ११।२३ के.५।२३
ति.	आ० व० ३० शु० ११।५० ह० ५३।३५ ब्र० ३७।७ ना० ११।५० दि० मा० २९।३३
ग्र.	सू० ६।१३ चं० ६ मं० ४।११ बु० ६।१२ गु०५।२० शु०५।० श. १०।२ रा. ११।२२ के.५।२२

श्री सम्बत् १९८९ शाके १८५४

ति.	आ० सु० १५ श्रु० २८।५९ रे० ४०।५० व्या० २०।० व० २८।५९ दि० मा० २८।३८
ग्र.	सू० ६।२७ चं०१२ मं०४।१९ बु०७।७ गु०५।२२ शु० ५।१६ श०१०।३ रा०११।२२ के.५।२२
ति.	का ब० ३० श० ३५।१ वि० ६।४० प्री० ३६।४८ च० ७।५१ दि० मा० २७।४२
ग्र.	सू० ७।१२ चं० ७ मं० ४।२७ बु० ८।१ गु. ५।२५ शु० ६।३ श०१०।३ रा०११।२१ के०५।२१
ति.	क० सु० १५ सू० १४।१४ भ० १०।२९ ब० ३७।३४ व० १४।१४ दि० मा० २६।५४
ग्र.	सू० ७।२७ चं० १ मं० ५।४ बु० ८।१९ गु०५।२७ शु० ६।२१ श०१०।४ रा०११।२० के०५।२०
ति.	मार्ग० ब० ३० सु० ५।१६ वि० २२।२३ ऽगं० ४०।२४ श० ५।१६ दि० मा० २६।१८
ग्र.	सू० ८।११ चं० ७ मं०५।११ बु० ८।२० गु० ५।२९ शु०७।८ श० १०।५ रा०११।१९ के०५।१९
ति.	मार्ग० सु० १५ मं० २।१३ मृ० ४६।१७ शु० ५३।० ब० २।१३ दि० मा० २५।२६
ग्र.	सू० ८।२७ चं० २ मं० ५।१६ बु० ८।१० गु० ६।१ शु०७।२७ श०१०।६ रा० ११।१९ के.५।१९
ति.	पौ० व० ३० मं० २५।५७ मू० २६।४२ वृ० ३२।१३ ना० २५।५७ दि० मा० २५।५२
ग्र.	सू० ६।१२ चं० ९ मं० ५।२१ बु. ८।१९ गु० ६।२ शु० ८।१४ श० १०।८ रा०११।१८ के.५।१८
ति.	पौ० सु० १५ बु० ४८।३९ आ० ६।११ ऐं० ५।२३ त्रि० १७।७ दि० मा० २६।१२
ग्र.	सू० ६।२७ चं० ३ मं०५।२२ बु० ६।१० गु०६।२ शु० ६।३ श.१०।९ रा० ११।१७ के० ५।१७
ति.	मा० ब० ३० बु० ५५।४६ उषा० ४४।२६ व० ३४।१४ च० २७।४६ दि० मा० २६।४१
ग्र.	सू० १०।११ चं.९ मं.५।२३ बु० १०।४ गु. ६।२ शु० ६।२० श०१०।११ रा. ११।१६ के.५।१६
ति.	मा० सु० १५ श्रु० ३०।११ श्ले० ३६।५९ सौ० १४।४० व० ३०।११ दि० मा० २७।३३
ग्र	सू० १०।२७ चं०४ मं०५।२० बु०११।३ गु.६।१ शु० १०।१० श.१०।१३ रा. ११।१५ के.५।१५
ति.	फा० ब० ३० शु० २८।५५ ध० १।५८ शि० ३४।४८ ना० २८।५५ दि० मा० २८।२३
ग्र.	सू०११।१२ चं०११ मं०५।१४ बु.११।२५ गु.६।० शु०१०।२८ श०१।१४ रा.११।१५ के.५।१५
ति.	फा० सु० १५ सू० ४।३४ उफा० ५५।५५ शू० १८।३३ ब० ४।३४ दि० मा० २६।२७
ग्र.	सू०११।२८ चं.५ मं०५।८ बु०१२।१२ गु.५।२८ शु०११।१८ श०१०।१६ रा०११।१४ के.५।१४
ति.	चै० ब० ३० सू० ५।४ उभा० २६।४ ब्र० ४४।२५ ना० ५।४ दि० मा० ३०।२३
ग्र.	सू०१२।१२ चं०१२ मं०५।४ बु०१२।१० गु०५।२६ शु०१२।५ श.१०।१७ रा ११।१३ के.५।१३

श्री सम्वत् १९९० शाके १८५५

ति.	चै० सु० १५ चं० ३२।१६ ह० १४।१६ व्या० २५।४३ वि० ४।१६ दि० मा० ३१।२२
ग्र.	सू० १२।१६ चं०६ मं०५।४ बु०१२।३ गु.५।२५ शु०१२।२४ श०१०।१८रा०११।१२के०५।१२
ति.	वै० ब० ३० चं० ४३।४४ अ० ५३।४६ वि० २।१७ च० १२।५ दि० मा० ३२।१३
ग्र.	सू०१।१० चं० १ मं० ५।५ बु०१२।१५ गु.५।२४ शु.१।११ श०१०।१६ रा०११।१२ के.५।१२
ति.	वै० सु० १५ मं० ५४।१४ स्वा० २६।० व्य० ३३।१५ वि० २७।४ दि० मा० ३२।५६
ग्र.	सू० २।२५ चं० ७ मं०५।६ बु० १।६ गु० ५।२३ शु० २।० श० १०।१६ रा० ११।११ के० ५।११
ति.	ज्ये० ब० ३० बु० २३।३८ कृ० २४।१२ ऽगं० २५ ना० २३।३८ दि० मा० ३३।४०
ग्र.	सू० २।६ चं० २ मं० ५।१४ बु० २।७ गु०५।२३ शु०२।१६ श०१०।२० रा०११।१० के० ५।१०
ति.	ज्ये० सु० १५ गु० १२।५२ ज्ये० ३७।५८ सा० ३३।३० वा० १२।५२ दि० मा० ३३।५६
ग्र.	सू० २।२३ चं० ८ मं० ५।२१ बु० ३।५ गु० ५।२४ शु० ३।७ श० १०।१६ रा० ११।६ के० ५।६
ति.	आ० ब० ३० शु० २।२८ आ० ६०।० वृ० ५०।५६ ना० २।२८ दि० मा० ३४।१४
ग्र.	सू. ३।८ चं. ३ मं. ५।२८ बु. ३।२६ गु. ५।२५ शु० ३।२५ श. १०।१९ रा० ११।८ के० ५।८
ति.	आ० सु० १५ शु० ३०।११ पूषा० ५०।४४ ऐं० ४२।६ वि० ३।११ दि० मा० ३३।५६
ग्र.	सू० ३।२१ चं० ६ मं० ६।६ बु० ४।१५ गु०५।२७ शु०४।१२ श०१०।१८ रा०११।८ के०५।८
ति.	श्रा० व० ३० श० ३६।१३ पुन० २५।१४ ह० १३।१६ च० ७।१७ दि० मा० ३३।३७
ग्र.	सू० ४।५ चं० ३ मं० ६।१४ बु० ४।१२ गु० ५।२६ शु० ५।० श० १०।१७ रा० ११।७ के० ५।७
ति.	श्रा० सु० १५ श० ४८।२६ उषा० ७।३२ आ० ५१।२० वि० २१।३ दि० मा० ३२।५६
ग्र.	सू० ४।१८ चं० १० मं० ६।२३ बु०४।५ गु०६।२ शु० ५।१७ श०१०।१६ रा०११।६ के०५।६
ति.	भा० ब० ३० चं० १२।५१ म० ५४।३८ प० ३३।० ना० १२।५१ दि० मा० ३२।७
ग्र.	सू० ५।४ चं० ५ मं० ७।३ बु० ४।१६ गु० ६।५ शु० ६।६ श० १०।१५ रा० ११।५ के० ५।५
ति.	भा० सु० १५ चं० १०।४५ श० २०।३० सु० १७ व० १०।४५ दि० मा० ३१।१५
ग्र.	सू० ५।१७ चं०११ मं०७।१३ बु०५।१० गु०६।८ शु० ६।२३ श० १०।१४ रा० ११।४ के०५।४
ति.	आ० ब० ३० मं० ४३।३८ पूफा० १४।४१ शु० ४६।३३ च० १४।० दि० मा० ३०।१६
ग्र.	सू० ६।२ चं० ५ मं० ७।२३ बु० ६।७ गु० ६।११ शु० ७।११ श० १०।१४ रा० ११।४ के० ५।

श्री सम्बत् १९९० शाके १८५५

ति.	आ० सु० १५ मं० ३९।२५ उभा० ३९।३६ वृ० ११।१० वि० ९।५० दि० मा० २९।२२
ग्र.	सू. ६।१६ चं० १२ मं० ८।३ बु० ७।१ गु० ६।१४ शु० ७।२७ श० १०।१३ रा० ११।३ के. ५।३
ति.	का० व० ३० गु० ११।५८ चि० ३२।१ वि० ४९।२० ना० ११।५८ दि० मा० २८।१८
ग्र.	सू. ७।१ चं० ६ मं० ८।१५ बु०७।२५ गु० ६।१७ शु० ८।१५ श० १०।१३ रा. ११।२ के० ५।२
ति.	का० सु० १५ गु० १५।४९ अ० २।२५ सि० २०।२१ व० १५।४९ दि० मा० २७।३०
ग्र.	सू. ७।१५ चं० १ मं० ८।२५ बु० ८।६ गु. ६।२० शु० ९।१ श० १०।१४ रा० ११।१ के० ५।१
ति.	मार्ग० व० ३० शु० ३८।४९ वि० ४६।७ शो० १२।९ च० ११।१४ दि० मा० २६।४२
ग्र.	सू. ८।१ चं. ७ मं. ९।६ बु. ७।२९ गु. ६।२३ शु. ९।१७ श. १०।१५ रा. ११।१ के. ५।१
ति.	मार्ग० सु० १५ शु० ५९।५१ कृ० २९।७ शि० ३३।१६ वि० २७।४९ दि० मा० २६।१४
ग्र.	सू. ८।१५ चं. २ मं. ९।१७ बु. ७।२५ गु. ६।२६ शु. १०।० श० १०।१५ रा० ११।० के० ५।०
ति.	पौ० व० ३० सू० ५।२१ मू० ५४।२२ गं० ४४।३५ ना० ५।२१ दि० मा० २५।५१
ग्र.	सू० ९।१ चं० ९ मं. ९।२९ बु. ८।११ गु. ६।२८ शु.१०।१४ श०१०।१७ रा०१०।२९ के.४।२९
ति.	पौ० सु. १५ सू० ४८।३५ आ० ६०।० ब्र० ४८।२४ वि० १५।५८ दि० मा० २५।५७
ग्र.	सू० ९।११ चं. ३ मं. १०।१० बु०९।३ गु. ७।० शु. १०।२२ श०१०।१८ रा०१०।२८ के०४।२८
ति.	मा० व० ३० चं० ३१।४८ पूषा० १०।३० ह० ४४।२१ च० ४।४४ दि० मा० २६।१७
ग्र.	सू. १०।१ चं० ९ मं०१०।२२ बु. १०।० गु०७।१ शु०९।२५ श०१०।२२ रा०१०।२७ के०४।२७
ति.	मा० सु० १५ मं० ३८।४ पु० ३५।३७ प्री० ३।१० वि० ५।३७ दि० मा० २६।५६
ग्र.	सू०१०।१६ चं.४ मं.११।३ बु०१०।२६ गु०७।२ शु०१०।१९ श.१०।२१ रा०१०।२७ के०४।२७
ति.	फा० व० ३० मं० ४।१६ श्र० २३।२७ व० ४५।१० श० ४।१६ दि० मा० २७।४२
ग्र.	सू. ११।० चं०१० मं.११।१४ बु.११।१६ गु०७।२ शु०१०।१२ श.१०।२३ रा.१०।२६ के.४।२६
ति.	फा० सु० १५ गु० २३।० म० ४।४ सु० १७।३० व० २३।० दि० मा० २८।४२
ग्र.	सू०१०।१६ चं०५ मं०११।२७ बु.१०।२६ गु०७।२ शु०१०।१२ श०१०।२५ रा०१०।२५ के०४।२५
ति.	चै० व० ३० गु० २७।२६ पूभा० ३६।४ शु० ४३।१६ ना० २७।२६ दि० मा० २९।३८
ग्र.	सू. १२।० चं०१० मं०१२।७ बु०११।१६ गु०७।१ शु. १०।१९ श.१०।२६ रा०१०।२४ के.४।२४

श्री सम्वत् १९९१ शाके १८५६

ति.	चै० सु० १५ श० ०।२६ ह० ३०।२ ध्रु० २७।२ व० ०।२६ दि० मा० ३०।४०
ग्र.	सू.१२।१४ चं.५ मं०१२।१८ बु०११।१८ गु.७।० शु०१०।२९ श.१०।२८ रा०१०।२४ के.४।२४
ति.	प्र० वै० व० ३० शु० ५६।५४ रे० ५४।३४ वै० ५२।३३ च० २७।५० दि० मा० ३१।३२
ग्र.	सू० १।० चं०१२ मं०१।० बु०१२।७ गु०६।२८ शु. ११।१३ श०१०।२९ रा०१०।२३ के०४।२३
ति.	वै० सु० १५ र० ३०।३० स्वा० ४६।३० सि० ३८।९ वि० १।३९ दि० मा० ३२।३६
ग्र.	सू. १।१३ चं० ६ मं० १।११ बु.१।१ गु० ६।२६ शु०११।२८ श. ११।० रा. १०।२२ के. ४।२२
ति.	द्वि० वै० व० ३० र० २६।३ भ० १७।३४ सौ० ७।२३ ना० २६।३ दि० मा० ३३।२४
ग्र.	सू. १।२७ चं० १ मं० १।२१ बु०१।२८ गु०६।२४ शु०१२।१३ श०११।० रा०१०।२१ के.४।२१
ति.	वै० सु० १५ चं० ५४।५ वि० ८।४ शि० ४८।३८ वि० २६।१४ दि० मा० ३४।०
ग्र.	सू. २।१० चं० ६ मं० २।१ बु०२।२३ गु०६।२३ शु०१२।२९ श०११।१ रा० १०।२० के०४।२०
ति.	ज्ये० व० ३० मं. ३।४१ मृ० ४६।२३ सू. २७।२३ ना० ३।४१ दि० मा० ३४।१९
ग्र.	सू. २।२४ चं० १ मं. २।११ बु. ३।१५ गु०६।२३ शु० १।१५ श०११।१ रा० १०।२० के. ४।२०
ति.	ज्ये० सु० १५ बु० १२।५५ मू० १६।१४ ब्र० ५०।५१ व० १२।५५ दि० मा० ३४।२५
ग्र.	सू० ३।७ चं० ७ मं० २।२१ बु० ३।२८ गु० ६।२३ शु०२।१ श० ११।१ रा. १०।१९ के. ४।१९
ति.	आ० व० ३० बु० ४०।३८ आ० १३।१९ व्या० ५१।२५ च० ८।२१ दि० मा० ३४।६
ग्र.	सू० ३।२० चं. १ मं. ३।१ बु. ३।२२ गु. ६।२४ शु. २।१८ श. ११।० रा. १०।१८ के. ४।१८
ति.	आ० सु० १५ वृ० २६।५८ उ० ३१।२८ वि० ६।३० प्री०५२।२६ वि०३।१ दि० मा० ३३।४१
ग्र.	सू० ४।३ चं. ७ मं० ३।१० बु. ३।१८ गु. ६।२५ शु० ३।४ श. ११।० रा. १०।१८ के ४।१८
ति.	श्रा० व० ३० शु० १८।५४ आश्ले० ५०।३ व्य० १५।३६ ना० १८।५४ दि० मा० ३२।५०
ग्र.	सू. ४।२३ चं. ४ मं. ३।२४ बु. ४।११ गु०६।२८ शु० ३।२९ श.१०।२८ रा०१०।१६ के. ४।१६
ति.	श्रा० सु० १५ शु० ४७।३१ ध० ४३।२६ शो० १३।४० वि० २०।२८ दि० मा० ३२।६
ग्र.	सू. ५।७ चं० ११ मं० ४।२ बु. ५।५ गु. ७।० शु. ४।१६ श. १०।२७ रा० १०।१६ के. ४।१६
ति.	भा० व० ३० श० ५७।२६ म० १३।३१ सि० ३७।९ च० २५।२८ दि० मा० ३१।५
ग्र.	सू० ५।२० चं० ५ मं० ४।११ बु० ६।० गु० ७।२ शु०५।३ श. १०।२६ रा. १०।१५ के. ४।१५
ति.	भा० सु० १५ र० ७।५८ उ० ५३।५६ गं० १२।४७ व० ७।५८ दि० मा० ३०।४
ग्र.	सू० ६।४ चं. ११ मं. ४।१९ बु० ६।२४ गु० ७।५ शु. ५।२० श०१०।२५ रा. १०।१४ के. ४।१४

श्री सम्वत् १९९१ शाके १८५६

ति.	आ० व० ३० चं० ३४।३६ ह० ४४।६ ऐं० ५२।३० च० ३।३८ दि० मा० २६।४
ग्र.	सू० ६।१८ चं० ५ मं० ४।२८ बु० ७।१३ गु० ७।८ शु० ६।७ श० १०।२५ रा० १०।१३ के.४।१३
ति.	आ० सु० १५ चं० ३४।११ रे० ११।१५ ह० १८।५३ वि० ६।१३ दि० मा० २८।४
ग्र.	सू० ७।३ चं० ११ मं० ५।६ बु० ७।२१ गु. ७।११ शु० ६।२५ श० १०।२५ रा० १०।१३ के० ४।१३
ति.	का० व० ३० बु० ६।१६ स्वा० ५।२६ आ० २।४२ सौ० ५५।२३ ना० ६।१६ दि० मा० २७।६
ग्र.	सू० ७।१६ चं० ५ मं० ५।१४ बु० ७।११ गु० ७।१४ शु० ७।१२ श० १०।२५ रा० १०।१२ के० ४।१२
ति.	का० सु० १५ बु० ७।१७ कृ० ३०।३८ प० २१।५६ च० ७।१७ दि० मा० २६।१८
ग्र.	सू० ८।० चं० १२ मं० ५।२२ बु० ७।११ गु० ७।१७ शु० ८।० श० १०।२५ रा० १०।११ के० ४।११
ति.	मार्ग० व० ३० वृ० ४०।५६ अनु० २३।१० सु० ६।० च० १२।३५ दि० मा० २५।५३
ग्र.	सू० ८।१४ चं० ५ मं० ५।२६ बु० ७।२६ गु० ७।२० शु० ८।१७ श० १०।२६ रा० १०।१० के. ४।१०
ति.	मार्ग० सु० १५ वृ० ४८।१ मृ० ५५।५७ श० ३।२५ वि० १६।५६ दि० मा० २५।२४
ग्र.	सू० ८।२८ चं० १२ मं० ६।६ बु. ८।१८ गु० ७।२५ शु० ९।५ श० १०।२७ रा० १०।१० के. ४।१०
ति.	पौ० व० ३० श० १०।२७ पू० ३४।५६ ध्र० ३।५१ व्या० ५२।२० ना० १०।०७ दि० मा० २५।४६
ग्र.	सू० ९।२० चं. ६ मं. ६।१५ बु० ९।२५ गु. ७।२६ शु० १०।१ श० १०।२६ रा. १०।९ के. ४।९
ति.	पौ० सु० १५ श० ३४।४७ पु० २३।१७ वि० ४३।५६ वि० २।२६ दि० मा० २६।१०
ग्र.	सू० १०।४ चं० ३ मं० ६।२० बु० १०।१८ गु० ७।२८ शु० १०।१९ श. १०।० रा० १०।८ के० ४।८
ति.	मा० व० ३० र० ३५।४० श्र० ४७।४४ सि० ४।४ व्य० ५२।१३ च० १०।२७ दि० मा० २७
ग्र.	सू० १०।१८ चं० ६ मं० ६।२४ बु० ११।५ गु. ८।० शु० ११।७ श. ११।२ रा. १०।७ के. ४।७
ति.	मा० सु० १५ चं० २३।४६ म० ६०।० अ० ६०।० व० २३।४६ दि० मा० २७।५१
ग्र.	सू० ११।२ चं० ३ मं० ६।२५ बु. ११।७ गु. ८।१ शु० ११।२४ श० ११।३ रा. १०।६ के. ४।६
ति.	फा० व० ३० मं० ३।१६ श० ०।३१ पू० ५६।१२ सा० ५०।११ ना० ३।१६ दि० मा० २८।५१
ग्र.	सू० ११।१७ चं० ६ मं० ६।२५ बु० १०।२७ गु० ८।२ शु० १२।११ श. ११।५ रा ०।६ के. ४।६
ति.	फा० सु० १५ बु० १०।३६ उ० ३०।५४ गं० १७।५५ ब० १०।३६ दि० मा० २६।५६
ग्र.	सू० १२।१ चं. ४ मं० ६।२२ बु० ११।४ गु. ८।२ शु० १२।२८ श० ११।७ रा० १०।५ के. ४।५
ति.	चै० व० ३० बु० २७।५६ उ० १४।६ ब्र० ११।३१ ऐं० ५३।१२ च० ११४ दि० मा० ३०।५२
ग्र.	सू० १२।१४ चं० १० मं० ६।१६ बु. ११।२३ वृ० ८।२ शु० ११५ श. ११।८ रा. १०।४ के. ४।४

श्री सम्बत् १९९२ शाके १८५७

ति.	चै० सु० १५ बृ० ५१।६ चि० ५८।१८ ह० ३५।३४ वि० १६।५३ दि० मा० ३१।५७
ग्र.	सू० ११० चं० ५ मं० ६।११ बु० १२।२० गु. ८।१ शु० २।४ श० ११।१० रा० १०।३ के० ४।३
ति.	वै० ब० ३० बृ० ५२।४६ अ० २६।० प्री० ६।० च० २४।४० दि० मा० ३२।४६
ग्र.	सू० १।१३ चं० ११ मं० ६।७ बु० १।१६ गु. ८।० शु. २।२० श० ११।११ रा० १०।२ के. ४।२
ति.	वै० सु० १५ श० २४।२० वि० २२।२२ प० ४६।३२ व० २४।२० दि० मा० ३३।४१
ग्र.	सू० २।३ चं० ८ मं० ६।६ बु० २।२२ गु० ७।२७ शु० ३।१५ श० ११।१२ रा० १०।२ के० ४।२
ति.	ज्ये० ब० ३० श० १८।४७ रो० ४७।४८ सु० १६।४१ ना० १८।४७ दि० मा० ३४।६
ग्र.	सू० २।१७ चं० २ मं० ६।१० बु० ३।८ गु० ७।२५ शु० ४।० श० ११।१३ रा० १०।१ के० ४।१
ति.	ज्ये० सु० १५ र० ५०।२२ ज्ये० ४२।३४ सा० ८।१ वि० २१।४२ दि० मा० ३४।२५
ग्र.	सू० ३।० चं० ८ मं० ६।१६ बु० ३।७ गु० ७।२४ शु० ४।१५ श० ११।१३ रा० १०।० के० ४।०
ति.	आ० ब० ३० र० ४७।५१ मृ० ८।५३ वृ० ३३।४२ च० १७।३२ दि० मा० ३४।२०
ग्र.	सू. ३।१३ चं. ३ मं. ६।२१ बु. २।२६ गु. ७।२३ शु. ४।२६ श. ११।१३ रा० ६।२६ के० ३।२६
ति.	आ० सु० १५ मं० ११।२७ उ० ५६।५ वै० १४।५५ व० ११।२७ दि० मा० ३४।०
ग्र.	सू० ३।२७ चं० ८ मं० ६।२८ बु० ३।६ गु० ७।२३ शु० ५।११ श० ११।१२ रा० ९।२६ के० ३।२६
ति.	श्रा० ब० ३० मं० २०।५६ पु० ३८।५० सि० ५४।३ ना० २०।५६ दि० मा० ३३।२७
ग्र.	सू० ४।१० चं० ३ मं० ७।६ बु० ३।२६ गु० ७।२३ शु० ५।२० श० ११।१२ रा० ९।२८ के० ३।२८
ति.	श्रा० सु० १५ बु० २६।५८ श० १२।४८ सौ० २३।४४ वि० ८।४६ दि० मा० ३२।३६
ग्र.	सू० ४।२३ चं० ९ मं० ७।१४ बु० ४।२४ गु० ७।२४ शु० ५।२६ श० ११।११ रा० ९।२७ के० ३।२७
ति.	भा० ब० ३० बु० ५८।४३ आश्ले० २।३२ प० १५।७ च० २६।२४ दि० मा० ३१।४८
ग्र.	सू० ५।७ चं० ३ मं० ७।२३ बु० ५।१९ गु० ७।२५ शु० ५।२४ श० ११।१० रा० ९।२६ के० ३।२६
ति.	भा० सु० १५ वृ० ४८।४४ श० २४।५६ धृ० २६।४८ वि० २१।४६ दि० मा० ३०।४८
ग्र.	सू० ५।२० चं० ९ मं० ८।३ बु० ६।१३ गु० ७।२७ शु० ५।१६ श० ११।९ रा० ९।२६ के० ३।२६
ति.	आ० ब० ३० शु० ३६।५७ उ० ३८।५० श० ३७।२६ च० ७।२४ दि० मा० २६।४८
ग्र.	सू० ६।४ चं० ३ मं० ८।१३ बु० ७।० गु० ७।२६ शु० ५।१० श० ११।८ रा० ९।२५ के० ३।२५

दवा स्त्रियों के प्रसूति की १) ए० पी० ज्यो० झाँग्डी।

श्री सम्बत् १९९२ शाके १८५७

ति.	आ० सु० १५ श० ९।३८ रे० ३२।४९ व्या० २६।४ व० ९।३८ दि० मा० २८।४८
ग्र.	सू. ६।२५ चं० १ मं० ८।२८ बु० ६।२८ गु. ८।३ शु० ५।१६ श० ११।७ रा० ९।२४ के.३।२४
ति.	का० व० ३० र० २२।२९ चि० ८।४२ प्रा० ५४।५० ना० २२।२९ दि० मा० २७।४४
ग्र.	सू. ७।९ चं० ६ मं० ९।८ बु० ६।२५ गु. ८।६ शु० ५।२४ श० ११।७ रा. ९।२३ के० ३।२३
ति.	का० सु० १५ र० ३४।२४ भ० ४६।११ व्या० २९।० वि० ६।४७ दि० मा० २६।५६
ग्र.	सू. ७।२३ चं० १ मं० ९।१८ बु० ७।६ गु. ८।९ शु० ६।७ श० ११।७ रा० ९।२२ के० ३।२२
ति.	मार्ग० व० ३० मं० ३।४४ अनु० ३६।३२ अ० ६।३३ ना० ३।४४ दि० मा० २६।९
ग्र.	सू. ८।७ चं. ७ मं० ९।२९ बु. ७।२६ गु० ८।१२ शु. ६।२१ श ११।७ रा.९।२१ के. ३।२१
ति.	मार्ग० सु० १५ मं ४।४१ रो० २।० सा० २७।० व० ४।४१ दि० मा० २५।४८
ग्र.	सू. ८।२१ चं. १ मं. १०।९ बु. ८।२० गु० ८।१५ शु० ७।३ श० ११।८ रा०९।२१ के.३।२१
ति.	पौ० व० ३० बु० ४१।२९ मू० ५६।५५ गं० १४।१३ च० ११।५३ दि० मा० २५।३४
ग्र.	सू० ९।५ चं० ७ मं.१०।२० बु.९।१४ गु० ८।१९ शु० ७।२२ श. ११।८ रा. ९।२० के. ३।२०
ति.	पौ० सु० १५ बु० ४१।२ आ० २१।२९ ऐं ३३।१८ वि० ११।१३ दि० मा० २५।५३
ग्र.	सू० ९।२० चं. १ मं. ११।० बु० ९।६ गु. ८।२१ शु. ८।८ श० ११।१० रा० ९।१९के.३।१९
ति.	मा० व० ३० शु० १४।४६ उ० १३।५५ व० १३।२६ ना० १४।४६ दि० मा० २६।२२
ग्र.	सू. १०।४ चं०७ मं०११।११ बु.१०।२० गु०८।२४ शु०८।२५ श०११।११ रा०९।१९ के०३।१९
ति.	मा० सु० १५ शु २३।४ आ० ४९।२५ सौ० ४२।१४ व० २३।४ दि० मा० २७।९
ग्र.	सू० १०।१८ चं.२ मं.११।२१ बु०१०।१७ गु०८।२६ शु०९।१२ श.११।१२ रा.९।१८ के.३।१८
ति.	फा० व० ३० श० ४३।३६ ध० २८।३७ प० १६।५२ च० १६।७ दि० मा० २६।६
ग्र.	सू. ११।११ चं०११ मं. १२।८ बु.१०।१३ गु०८।२९ शु०१०।८ श.११।१५ रा.९।१७ के.३।१७
ति.	फा० सु० १५ र० ८।४२ पू० १८।४७ सू० ५८।३१ व० ८।४२ दि० मा० २९।९
ग्र.	सू० ११।२४ चं०५मं०१२।१८ बु.११।० गु.९।१ शु०१०।२५ श०११।१७ रा०९।१६ के०३।१६
ति.	चै० व० ३० चं० ८।२१ उ० ३७।५७ शु० १२।१ ना० ८।२१ दि० मा० ३०।१२
ग्र.	सू. १२।८ चं०११ मं०१२।२९ बु०११।२३ गु०९।२ शु.११।१२ श.११।१८ रा.९।१५ के.३।१५

श्री सम्वत् १९९३ शाके १८५८

ति.	चै० सु० १५ चं० ५४।१३ ह० ५०।७ ध्रु० १६।२६ वि २१।४० दि० मा० ३१।८
ग्र.	सू. १२।२१ चं. ५ मं०१।६ बु०१२।१६ गु०६।३ शु ११।२९ श०११।२० रा. ६।१४ के. ३।१४
ति.	चै० व० ३० मं० ३०।२० अ० ५१।२ वि० १६।४८ च० ३।१७ दि० मा० ३२।६
ग्र.	सू० १।६ चं०१२ मं०१।२० बु०१।१७ गु०६।३ शु. १२।१८ श० १०।२१ रा०६।१४ के० ३।१४
ति.	वै० सु० १५ बु० ३६।८ स्वा० २१।१२ व्या० ३६।२ वि० ३।५६ दि० मा० ३३।०
ग्र.	सू. १।२० चं. ६ मं० २।१ बु. २।६ गु० ६।३ शु० १।६ श. ११।२३ रा. ६।१३ के. ३।१३
ति.	ज्ये० व० ३० बु० ५१।२ भ० ८।२४ सौ० २४।१७ च० २३।४३ दि० मा० ३३।४८
ग्र.	सू० २।३ चं० १२ मं. २।११ बु०२।२१ गु० ९।२ शु०१।२३ श०११।२४ रा०६।१२ के. ३।१२
ति.	ज्ये० सु० १५ शु० २।२४ ज्ये०५३।३ सि००।१३ सा०५८।३२ व०१२।२४ दि० मा०३४।११
ग्र.	सू. २।१७ चं०६ मं. २।२० बु. २।१५ गु० ६।० शु०२।१० श०११।२४ रा० ६।११ के. ३।११
ति.	आ० व० ३० शु० १२।१५ मृ० २१।८ गं० २८।४० ना० १२।१५ दि० मा० ३४।२८
ग्र.	सू. ३।० चं०१२ मं०३।० बु०२।११ गु० ८।२८ शु० २।२८ श० ११।२५ रा० ६।११ के० ३।११
ति.	आ० सु० १५ श० ४२।३० मू० १४।२२ ब्र० १६।१२ वि० १२।३० दि० मा० ३४।१५
ग्र.	सू० ३।१३ चं० ६ मं० ३।६ बु० २।२६ गु० ८।२६ शु०३।१५ श०११।२५ रा. ६।१० के. ३।१०
ति.	श्रा० व० ३० श० ३६।८ पु० ४०।३ ह० ४२।५५ च० ७।८ दि० मा० ३३।३०
ग्र.	सू० ३।२७ चं. ४ मं. ३।१८ बु. ३।१८ गु. ८।२५ शु. ४।२ श. ११।२५ रा. ६।६ के. ३।६
ति.	श्रा० सु० १५ चं० ७।३० श्र० ३४।४ आ० १६।४६ व० ७।३० दि० मा० ३३।१४
ग्र.	सू० ४।१७ चं. १० मं० ४।१ बु. ४।२६ गु. ८।२४ शु० ४।२७ श. ११।२५ रा. ६।८ के. ३।८
ति.	प्र० भा० व० ३० चं० ५।६ आश्ले० २।११ प० ५७।५६ ना० ५।६ दि० मा० ३२।२६
ग्र.	सू. ५।० चं. ४ मं. ४।१० बु. ५।२० गु० ८।२४ शु० ५।१५ श. ११।२४ रा० ६।७ के. ३।७
ति.	भा० सु० १५ मं० २६।४० श० ४६।६ सु० ३६।१० वि० १।४६ दि० मा० ३१।२८
ग्र.	सू. ५।१३ चं० १० मं० ४।१६ बु. ६।१० गु. ८।२४ शु. ६।२ श. ११।२३ रा०६।७ के. ३।७
ति.	द्वि० भा० व० ३० मं० ०।२४ पू० २८।० सा० १६।५४ च० ८।५५ दि० मा० ३०।३२
ग्र.	सू० ५।२७ चं. ४ मं. ४।२८ बु० ६।१८ गु० ८।२५ शु. ६।१६ श०११।२२ रा. ६।६ के. ३।६
ति.	भा० सु० १५ बु० ५१।१ पूभा० ५।२८ ब्र० ४४।५० वि० २३।४७ दि० मा० २६।३२
ग्र.	सू० ६।११ चं० १० मं० ५।६ बु० ६।६ गु० ८।२७ शु० ७।६ श. ११।२० रा० ६।५ के. ३।५

श्री सम्बत् १६६३ शाके १८५८

ति.	आ० ब० ३० वृ० २२।१२ चि० ६०।० वै० ३२।४८ ना० २२।१२ दि० मा० २८।२८
ग्र.	सू० ६।२५ चं० ५ मं० ५।१५ बु० ६।६ गु० ८।२६ शु० ७।२३ श० ११।२० रा० ६।४ के. ३।४
ति.	आ० सु० १५ शु० १३।२४ अ० १३।३२ सि० ३६।२५ च० १३।२४ दि० मा० २७।३०
ग्र.	सू० ७।६ चं० ११ मं० ५।२३ बु० ६।२४ गु. ६।१ शु० ८।१० श० ११।१६ रा० ६।४ के० ३।४
ति.	का० ब० ३० श० ८।६ वि० ३३।७ शा० ५३।४६ ना० ८।६ दि० मा० २६।२६
ग्र.	सू० ७।२३ चं० ५ मं० ६।१ बु० ७।१६ गु० ६।३ शु० ८।२७ श० ११।१६ र० ६।३ के० ३।३
ति.	का० सु० १५ श० ३८।६ कृ० २५।१२ शि० ४०।६ वि० १०।११ दि० मा० २६।०
ग्र.	सू० ८।७ चं० ११ मं० ६।१० बु० ८।१० गु० ६।६ शु० ६।१४ श० ११।१६ रा० ६।२ के० ३।२
ति.	मार्ग० ब० ३० र० ५४।३० ज्ये० ६०।० धृ० ७।६ च० २२।३२ दि० मा० २५।४२
ग्र.	सू० ८।२८ चं० ८ मं० ६।२१ बु० ६।१४ गु० ६।११ शु० १०।९ श० ११।२० रा० ६।१ के. ३।१
ति.	मार्ग० सु० १५ चं० ६।१२ अ० ३५।३४ ब्र० ३४।२४ ब० ६।१२ दि० मा० २५।३८
ग्र.	सू० ६।१२ चं० ३ मं० ६।२६ बु. १०।१ गु० ६।१४ शु० १०।२५ श० ११।२१ रा० ६।० के. ३।०
ति.	पौ० ब० ३० मं० ३७।४६ पू० २६।५१ व्या० १७।३१ च० ६।५८ दि० मा० २५।५६
ग्र.	सू० ६।२७ चं. ६ मं. ७।६ बु० १०।२ गु. ६।१७ शु० ११।११ श० ११।२२ रा. ६।० के. ३।०
ति.	पौ० सु० १५ मं० ३८।३५ पु० ५३।२१ प्री० ३७।१२ वि० ६।५२ दि० मा० २६।३२
ग्र.	सू० १०।११ चं० ३ मं० ७।१३ बु० ६।२२ गु. ६।२० शु० ११।२७ श. ११।२३ रा० ८।२६ के० २।२६
ति.	मा० ब० ३० वृ० १५।२६ ध० ४८।३७ व० २१।५६ ना० १५।२६ दि० मा० २७।२६
ग्र.	सू० १०।२५ चं० ६ मं० ७।२० बु० ६।२६ गु. ६।२३ शु० १२।११ श. ११।२४ रा. ८।२८ के. २।२८
ति.	मा० सु० १५ वृ० १४।५४ मं० १५।४३ सु० ४३।२६ व० १४।५४ दि० मा० २८।१८
ग्र.	सू० ११।१० चं० ३ मं० ७।२६ बु. १०।१८ गु. ६।२६ शु० १२।२४ श० ११।२६ रा. ८।२७ के. २।२७
ति.	फा० ब० ३० शु० ४६।३४ श० ७।२७ सा० २८।१६ च० १८।१६ दि० मा० २६।२३
ग्र.	सू० ११।२४ चं० ६ मं० ८।२ बु० ११।१२ गु० ६।२८ शु० ०।२ श. ११।२८ रा. ८।२७ के. २।२७
ति.	फा० सु० १५ शु० ५४।५० उ० ४०।१७ वृ० ५४।५३ वि० २३।३७ दि० मा० ३०।२४
ग्र.	सू० १२।८ चं. ४ मं० ८।५ बु० १२।८ गु. १०।१ शु० ०।६ श० ११।२६ रा० ८।२६ के. २।२६
ति.	चै० ब० ३० र० ११।४७ रे० १६।४६ बै० २७।८ ना० ११।४७ दि० मा० ३१।२८
ग्र.	सू० १२।२१ चं० १० मं० ८।८ बु. ०।३ वृ० १०।३ शु० ०।७ श. १२।१ रा. ८।२५ के. २।२५

श्री सम्वत् १९९४ शाके १८५९

ति.	चै० सु० १५ र० ३६।२२ चि० ६।२१ व० १५।५ वि० ४।१३ दि० मा० ३२।२३
ग्र.	सू० ११६ चं० ५ मं० ८।१० बु० ३।२४ गु. १०।४ शु० १२।२८ श०१२।३ रा०८।२४ के०२।२४
ति.	वै० व० ३० च० ३२।४१ भ० ३३।८ सौ० ३३।२५ च० ५।२८ दि० मा० ३३।१४
ग्र.	सू० १।२० चं० १० मं० ८।६ बु० २।२ गु. १०।५ शु. १२।२३ श०१२।४ रा०८।२४ के.२।२४
ति.	वै० सु० १५ मं० १७।१४ अनु० ४६।५५ शि० ४०।५१ व० १७।१४ दि० मा० ३३।५६
ग्र.	सू० २।१० चं० ८ मं० ८।३ बु० १।२१ गु० १०।६ शु० १।० श० १२।६ रा० ८।२३ के० २।२३
ति.	ज्ये० व० ३० मं० ५१।१० रो० ४५।५६ ध्र० ४१।२ चं० २४।११ दि० मा० ३४।१५
ग्र.	सू० २।२३ चं० २ मं० ८।० बु० २।३ गु० १०।५ शु० १।६ श० १२।७ रा० ८।२२ के० २।२२
ति.	ज्ये० सु० १५ बु० ५५।१६ ज्ये० ११।२५ सु० ४।२६ वि० २३।७ दि० मा० ३४।२८
ग्र.	सू० ३।७ चं० ८ मं० ७।२८ बु० २।२४ गु० १०।४ शु०१।२२ श० १२।८ रा०८।२१ के०२।२१
ति.	आ० व० ३० बृ० ६।१३ पु० ५६।१७ व्या० ४३।२५ ना० ६।१३ दि० मा० ३४।६
ग्र.	सू. ३।२० चं. २ मं. ८।० बु. ३।१६ गु० १०।२ शु. २।६ श० १२।८ रा० ८।२० के० २।२०
ति.	आ० सु० १५ शु० २६।२१ उ० ४४।३ वि० २७।५ व० २६।२१ दि० मा० ३३।५१
ग्र.	सू० ४।३ चं० ८ मं० ८।३ बु० ४।१५ गु० १०।० शु० २।२१ श०१२।८ रा० ८।१६ के० २।१६
ति.	श्रा० व० ३० शु० २६।३१ पु० १३।४५ सि० ०।४ व्य० ५४।३३ च० १।३१ दि० मा०३३।३
ग्र.	सू० ४।१७ चं० ३ मं० ८।८ बु० ५।६ गु० ६।२६ शु० ३।६ श० १२।८ रा० ८।१६ के० २।१६
ति.	श्रा० सु० १५ श० ५६।२४ श्र० ५।२३ सौ० ४४।५७ व० ०।३३ दि० मा० ३२।१२
ग्र.	सू० ५।० चं० ६ मं० ८।१५ बु० ५।२६ गु०६।२७ शु०३।२२ श०१२।८ रा० ८।१८ के० २।१८
ति.	भा० व० ३० श० ५४।४० म० ३१।१६ शि० १०।५३ च० २५।३५ दि० मा० ३१।५६
ग्र.	सू० ५।१३ चं० ३ मं० ८।२२ बु० ६।० बृ० ६।२६ शु० ४।८ श० १२।७ रा० ८।१७ के. २।१७
ति.	भा० सु० १५ चं० २७।१४ पू० २६।५२ गं० ५२।७ व० २७।१४ दि० मा० ३०।१०
ग्र.	सू० ५।२७ चं० ६ मं० ६।१ बु०७।२० गु०६।२६ शु० ४।२५ श०१२।६ रा० ८।१६ के० २।१६
ति.	आ० व० ३० चं० २६।५८ ह० ५४।५४ व्र० २०।११ ना० २६।५८ दि० मा० २६।१६
ग्र.	सू० ६।११ चं० ३ मं० ६।१० बु० ५।२५ गु० ६।२६ शु०५।११ श०१२।४ रा०८।१६ के०२।१६

श्री सम्वत् १९९४ शाके १८५९

ति.	आ० सु० १५ मं० ५२।५६ रे० ४१।४५ व्या० ५।१० ह०५२।४३ व०२५।४ दि० मा०२८।१२
ग्र.	सू. ७।१ चं० १२ मं० ६।२३ बु०६।२४ गु. ६।२७ शु० ६।७ श० १२।३ रा०८।१५ के. २।१५
ति.	का० व० ३० बु० ६।५० स्वा० २१।३२ आ० ३४।८ ना० ६।५० दि० मा० २७।१६
ग्र.	सू. ७।१६ चं० ७ मं० १०।३ बु० ७।१८ गु. १०।० शु० ६।२४ श०१२।२ रा. ८।१४ के०२।१४
ति.	का० सु० १५ वृ० १८।२ कृ० ५०।२४ प० ५२।० व० १८।२ दि० मा० २६।२५
ग्र.	सू. ८।० चं० १ मं० १०।१३ बु० ८।१२ गु. १०।२ शु०७।११ श०१२।२ रा०८।१३ के०२।१३
ति.	मार्ग० ब० ३० वृ० ५३।१९ अनु० ५०।५० सु० ४८।५३ च० २०।४९ दि० मा० २५।५८
ग्र.	सू. ८।१४ चं. ७ मं० १०।२३ बु. ९।३ गु० १०।४ शु. ७।२९ श. १२।२ रा. ८।१२ के. २।१२
ति.	मार्ग० सु० १५ शु० ४४।१ रो० ६।१८ श० ५१।४० वि० १६।५० दि० मा० २५।३७
ग्र.	सू. ८।२८ चं. १ मं. ११।३ बु. ९।१६ गु० १०।७ शु० ८।१६ श० १२।२ रा० ८।१२ के. २।१२
ति.	पौ० व० ३० श० ४२।२५ मू० २१।१८ व्र० २।४२ च० ९।५१ दि० मा० २५।४४
ग्र.	सू० ९।१२ चं० ७ मं. ११।१३ बु. ९।१३ गु०१०।१० शु०९।४ श. १२।३ रा. ८।११ के. २।११
ति.	पौ० सु० १५ र० १०।४३ पु० १४।४४ वि० ४४।३३ व० १०।४३ दि० मा० २६।५
ग्र.	सू० ९।२७ चं. १ मं. ११।२३ बु०९।६ गु. १०।१३ शु. ९।२१ श०१२।४ रा०८।१० के. २।१०
ति.	मा० व० ३० चं० २९।५७ श्र० ५५।२८ सि० १७।४९ ना० २९।५७ दि० मा० २६।४८
ग्र.	सू. १०।११ चं० ८ मं० १२।४ बु. ९।१६ गु०१०।१६ शु०१०।९ श०१२।५ रा० ८।९ के० २।९
ति.	मा० सु० १५ चं० ३९।३४ आश्ले० २९।१० शो० ४६।५४ वि० ११।४० दि० मा० २७।३३
ग्र.	सू० १०।२५ चं. २ मं. १२।१४ बु०१०।७ गु०१०।१९ शु०१०।२७ श. १२।६ रा. ८।९ के. २।९
ति.	फा० ब० ३० बु० ११।३५ श० २०।३० सि० २७।५६ ना० ११।३५ दि० मा० २८।३८
ग्र.	सू. ११।१७ चं० ११ मं. १२।२९ बु. ११।१४ गु०१०।२४ शु०११।२३ श. १२।८ रा. ८।८ के. २।८
ति.	फा० सु० १५ बु० १०।३० उ० ४६।१६ ग० ४९।८ व० १०।३० दि० मा० २९।४०
ग्र.	सू० १२।१ चं०५ मं०१।१० बु. १२।९ गु. १०।२७ शु० १२।११ श० १२।१० रा०८।७ के०२।७
ति.	चै० ब० ३० वृ० ४५।५६ उ० ४१।५० व्र० ३८।६ च० १६।३६ दि० मा० ३०।४०
ग्र.	सू. १२।१४ चं० ११ मं० १।१९ बु० १।० गु०११।० शु. १२।२८ श. १२।१२ रा. ८।६ के. २।६

दवा मृगी की १) ए० पी० ज्यो० झाँसी ।

श्री सम्वत् १९९५ शाके १८६०

ति.	चै० सु० १५ बृ० ४३।५१ ह० ७।० व्या० ४।१४ वि० १३।४८ दि० मा० ३१।३६
ग्र.	सू० १।० चं० ६ मं० २।० बु० १।१३ गु. ११।३ शु० १।१७ श० १२।१४ रा० ८।५ के०२।५
ति.	वै० व० ३० श० १२।४५ भ० ५७।१० आ० ४१।५२ ना० १२।४५ दि० मा० ३२।४०
ग्र.	सू० १।१३ चं० १२ मं० २।१० बु० १।५ गु. ११।५ शु. २।४ श० १२।१६ रा० ८।५ के. २।५
ति.	वै० सु० १५ श० १६।१७ वि० ३६।३ व० १६।५६ व० १६।१७ दि० मा० ३३।२७
ग्र.	सू० १।२७ चं० ६ मं० २।१६ बु० १।४ गु०११।७ शु० २।२१ श०१२।१७ रा० ८।४ के०२।४
ति.	ज्ये० व० ३० र० ३३।५५ कृ० १४।३७ सु० ५०।३१ च० ६।३६ दि० मा० ३४।२
ग्र.	सू० २।१० चं० १२ मं०२।२८ बु०१।१६ गु०११।९ शु०३।८ श० १२।१६ रा० ८।३ के०२।३
ति.	ज्ये० सु० १५ र० ५६।४१ ज्ये० ६०।० सा० ४२।३२ वि० २४।३३ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू० २।२३ चं० ७ मं० ३।७ बु०२।१२ गु०११।१० शु० ३।२५ श० १२।२० रा०८।२ के०२।२
ति.	आ० व० ३० चं० ५१।४६ मृ० २७।४४ मृ०६।२२ बृ०५२।२८ च०२४।४६ दि० मा०३४।२४
ग्र.	सू० ३।७ चं० १२ मं० ३।१७ बु० ३।८ गु०११।१० शु०४।११ श० १२।२१ रा०८।२ के०२।२
ति.	आ० सु० १५ मं० ३४।४० पू० ३६।२५ ऐं० ७।१३ वि० २।१४ दि० मा० ३४।३
ग्र.	सू० ३।२० चं० ७ मं० ३।२५ बु०४।४ गु० ११।१० शु० ४।२८ श० १२।२१ रा०८।१ के०२।१
ति.	श्रा० व० ३० बु० ८।४० पु०३५।५२ व० ६।५६ सि० ५२।३६ ना०८।४० दि० मा०३३।३७
ग्र.	सू. ४।१० चं. ४ मं. ४।६ बु. ५।६ गु० ११।६ शु. ५।२१ श० १२।२२ रा० ८।० के० २।०
ति.	श्रा० सु० १५ बृ० १२।१३ श्र० ६।२२ सौ० ३१।५६ व० १२।१३ दि० मा० ३२।४६
ग्र.	सू० ४।२३ चं० १०मं०४।१८ बु०५।१४ गु०११।७ शु०६।७ श०१२।२२ रा० ७।२६ के०१।२६
ति.	भा० व० ३० बृ० २७।२ म० ४६।० प० १४।५० ना. २७।२ दि० मा० ३२।३
ग्र.	सू० ५।७ चं० ४ मं० ४।२६ बु०५।५ गु०११।५ शु०६।२२ श० १२।२१ रा०७।२८ के०१।२८
ति.	भा० सु० १५ शु० ४८।२० श० ३३।३६ धृ० ५१।११ वि० १७।४ दि० मा० ३१।०
ग्र.	सू० ५।२० चं० १० मं० ५।५ बु०५।५ गु०११।३ शु०७।७ श० १२।२१ रा० ७।२८ के. १।२८
ति.	आ० व० ३०शु० ४६।३८ पू० ६।२ शु० २२।० ब० २१।३२ दि० मा० ३०।४
ग्र.	सू० ६।४ चं० ५ मं० ५।१४ बु०५।२१ बृ०११।२ शु० ७।१६ श०१२।२० रा०७।२७ के०१।२७

श्री सम्वत् १९९५ शाके १८६०

ति.	आ. सु. १५ र० २२।८ रे० ५८।१२ घ्रु० ५।२ व० २२।८ दि० मा० २८।५१
ग्र.	सू० ६।१८ चं०११ मं०५।२३ बु०६।१३ गु.११।१ शु०७।२६ श०१२।१६ रा०७।२६ के०१।२६
ति.	का० व० ३० र० १८।५३ चि० २२।१४ वि० २५।१४ ना० १८।५३ दि० मा० २८।०
ग्र.	सू० ७।२ चं० ५ मं० ६।१ बु० ७।७ गु० ११।१ शु० ८।६ श०१२।१८ रा० ७।२५ के०१।२५
ति.	का० सु० १५ चं० ५३।१५ अ० १७।३ सि० १३।५३ वि० २४।२७ दि० मा० २७।६
ग्र.	सू० ७।१६ चं०११ मं०६।१० बु०८।१ गु०११।१ शु०८।६ श० १२।१७ रा०७।२५ के०१।२५
ति.	मार्ग० व० ३० चं० ५५।५२ वि० ४४।११ शो० ३४।३१ च० २५।१६ दि० मा० २६।१८
ग्र.	सू० ८।० चं० ७ मं० ६।१९ बु०८।२१ गु०११।२ शु०७।२९ श० १२।१६ रा०७।२४ के.१।२४
ति.	मार्ग० सु० १५ बु० २२।२७ रो० ३०।२८ सि० ११।२० व० २२।१७ दि० मा० २५।५२
ग्र.	सू० ८।२१ चं० २ मं० ७।१ बु. ९।० गु०११।४ शु०७।२१ श०१२।१६ रा० ७।२३ के. १।२३
ति.	पौ० व० ३० बु. ३९।५८ ज्ये० १०।१४ गं० ४५।२६ च० ८।१० दि० मा० २५।१२
ग्र.	सू० ९।५ चं. ९ मं. ७।१० बु० ८।१९ गु. ११।७ शु० ७।२६ श० १२।१६ रा. ७।२२ के.१।२२
ति.	पौ० सु० १५ बृ० ४९।५५ आ० ४३।४५ व्र० ११।५८ वि० २२।३९ दि० मा० २५।४९
ग्र.	सू० ९।२० चं० ३ मं० ७।१८ बु०८।२६ गु. ११।९ शु०८।४ श०१२।१६ रा. ७।२१ के.१।२१
ति.	मा० व० ३० शु० २८।५६ उ० ४६।४ व० ६०।० ना० २८।५६ दि० मा. २६।१२
ग्र.	सू० १०।४ चं० ९ मं०७।२७ बु०९।१४ गु.११।१२ शु०८।१७ श.१२।१७ रा. ७।२० के.१।२०
ति.	मा० सु० १५ श०१६।४० ऽश्ले०५२।१० आ०४।१६ सौ०५२।१२ व०१६।४० दि०मा०२७।३
ग्र.	सू० १०।१८ चं० ३ मं० ८।६ बु०१०।८ गु.११।१५ शु०९।१ श. १२।१८ रा०७।२० के०१।२०
ति.	फा० ब० ३० र० १३।४९ घ० १७।१६ प० १६।१६ ना० १३।४९ दि० मा० २७।५४
ग्र.	सू० ११।२ चं० ९ मं० ८।१४ बु. ११।३ बृ०११।१८ शु०९।१७ श. १२।१९ रा.७।१९ के.१।१९
ति.	फा० सु० १५ र० ४२।५२ म०९।८ सु०५।४८ धृ० ५३।२६ वि० १५।३१ दि० मा० २८।५१
ग्र.	सू० ११।१७ चं. ३ मं०८।२३ बु.११।२७ गु.११।२१ शु.१०।२ श.१२।२० रा०७।१८ के.१।१८
ति.	चै० व० ३० मं० २।२७ उ० ५०।२७ श० ३२।९ श० २।२७ दि० मा० ३०।०
ग्र.	सू० १२।१ चं०९ मं०९।२ बु०१२।१७ गु०११।२५ शु०१०।१९ श.१२।२२ रा ७।१८ के.१।१८

श्री सम्वत् १९९६ शाके १८६१

ति.	चै० सु० १५ मं० ६।२ ह० २०।५६ ध्रु० ३।४६ व्या० ५४।२२ व० ६।२ दि० मा० ३०।५६
ग्र.	सू. १२।१४ चं.३ मं०६।१० बु०१२।२४ गु०११।२८ शु ११।५ श०१२।२४ रा.७।१७ के. १।१७
ति.	वै० व० ३० बु० ३६।४४ रे० १२।१६ वि० ४६।३८ च० ६।१८ दि० मा० ३१।७
ग्र.	सू० १। चं० १० मं०६।१६ बु०१२।१४ गु.१२।१ शु.११।२३ श०१२।२६ रा.७।१६ के.१।१६
ति.	वै० सु० १५ बु० ३६।६ स्वा० ३८।४१ सि० १३।४२ वि० ७।२५ दि० मा० ३२।४६
ग्र.	सू. १।१३ चं. ४ मं०५।२६ बु. १२।१८ गु०१२।५ शु०१२।१० श. १२।२८ रा.७।१५ के.१।१५
ति.	ज्ये० व० ३० शु० ६।१६ कृ० ३४।१८ सौ० ०।३६ अ० ५५।१४ ना०६।१६ दि० मा० ३३।४
ग्र.	सू० २।३ चं० १ मं. १०।७ बु० ११।१८ गु० १२।६ शु० १।५ श० १।० रा० ७।१४ के. १।१४
ति.	ज्ये० सु० १५ शु० ५।३७ ऽनु० ०।३७ सि० २६।१ व० ५।३७ दि० मा० ३४।७
ग्र.	सू. २।१७ चं० ८ मं. १०।११ बु. २।१४ गु०१२।११ शु०१।२२ श०१।२ रा० ७।१३ के. १।१३
ति.	आ० व० ३० श० ३२।२१ मृ० ५०।५१ शू० १३।१३ च० ४।१७ दि० मा० ३४।२६
ग्र.	सू. ३।० चं० २ मं० १०।१५ बु० ३।१० गु० १२।१३ शु० २।६ श० १।३ रा०७।१३ के० १।१३
ति.	आ० सु० १५ श० ३८।१ मू० २६।१६ ब्र० ४६।२७ वि० ६।५१ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू० ३।१३ चं० ८ मं० १०।१७ बु०४।४ गु०१२।१५ शु० २।२६ श० १।४ रा. ७।१२ के. १।१२
ति.	श्रा० ब० ३० र० ५१।१३ आ० ८।२२ व्य० २३।५२ ब० २३।५५ दि० मा० ३४।०
ग्र.	सू० ३।२७ चं. २ मं. १०।१६ बु. ४।२२ गु. १२।१६ शु. ३।१३ श. १।५ रा. ७।११ के. १।११
ति.	श्रा० सु० १५ चं० १३।५६ श्र० ६०।० प्री० ६।१७ व० १३।५६ दि० मा० ३३।२४
ग्र.	सू० ४।१० चं. ६ मं० १०।१२ बु. ४।२६ गु. १२।१६ शु० ४।० श. १।६ रा. ७।१० के. १।१०
ति.	श्रा० ब० ३० मं० ८।५२ अश्ले० १७।२० व० २४।१२ ना० ८।५२ दि० मा० ३२।३३
ग्र.	सू. ४।२३ चं. २ मं. १०।६ बु. ४।१६ गु० १२।१६ शु० ४।१७ श. १।६ रा० ७।१० के. १।१०
ति.	श्रा० सु० १५ मं० ५२।४८ ध० २५।२३ अ० ३२।१७ वि० २०।२० दि० मा० ३१।४४
ग्र.	सू. ५।७ चं० ६ मं० १०।७ बु. ४।२१ गु. १२।१५ शु. ५।५ श. १।६ रा० ७।६ के. १।६
ति.	भा० ब० ३० बु० २७।२६ पू० २६।१० सा० ३०।१२ च० ०।२८ दि० मा० ३०।४४
ग्र.	सू० ५।२० चं. ३ मं. १०।८ बु० ५।६ गु० १२।१४ शु. ५।२२ श० १।६ रा. ७।८ के. १।८
ति.	भा० सु० १५ गृ० ३३।२१ उ० ६०।० ब्र० ५३।३४ व० १।१० दि० मा० २६।४४
ग्र.	सू० ६।११ चं० १२ मं०१०।१३ बु०६।१५ गु०१२।११ शु०६।१८ श. १।४ रा०७।७ के. १।७

श्री सम्वत् १९९६ शाके १८६१

ति.	आ० व० ३० वृ० ४६।२० ह० ४१।४१ ऐं० ३४।३० व० २१।५७ दि० मा० २८।४५
ग्र.	सू. ६।२५ चं० ६ मं० १०।१८ बु० ७।९ गु. १२।९ शु० ७।५ श० १।३ रा० ७।६ के. १।६
ति.	आ० सु० १५ श० १३।१९ अ० २७।९ व० ८।४३ व० १३।१९ दि० मा० २७।४०
ग्र.	सू. ७।९ चं० १२ मं० १०।२६ बु० ८।० गु. १२।८ शु० ७।१३ श०१।२ रा. ७।६ के० १।६
ति.	का० व० ३० श० १७।२० वि० ५३।५९ सौ० ३२।३४ ना० १७।२० दि० मा० २६।५२
ग्र.	सू. ७।२३ चं० ७ मं० ११।३ बु० ८।१४ गु. १२।७ शु० ८।१० श० १।१ रा० ७।५ के०१।५
ति.	का० सु० १५ र० ५१।८ कृ० ४६।१८ प० १६।३ वि० २१।८ दि० मा० २६।९
ग्र.	सू. ८।७ चं. १२ मं० ११।११ बु. ८।११ गु० १२।७ शु. ८।२७ श. १।० रा. ७।४ के. १।४
ति.	मार्ग० व० ३० र० ४६।४१ अनु० १३।१९ धृ० ३७।५६ च० २०।२० दि० मा० २५।४२
ग्र.	सू. ८।२१ चं. ७ मं० ११।२० बु. ८।३ गु० १२।७ शु० ९।१५ श० १।० रा० ७।३ के. १।३
ति.	मार्ग० सु० १५ मं० २५।१४ मृ० ७।५७ शु० २०।७ व० २५।१४ दि० मा० २५।३७
ग्र.	सू० ९।५ चं० १ मं. ११।२९ बु. ८।१३ गु० १२।८ शु० १०।२ श. १।० रा. ७।३ के. १।३
ति.	पौ० व० ३० मं० २९।४३ पू० ३७।२५ व्य० ४४।११ ना० २९।४३ दि० मा० २५।५५
ग्र.	सू० ९।२० चं. ७ मं. १२।९ बु० ९।३ गु० १२।९ शु. १०।२० श० १।० रा० ७।२ के. १।२
ति.	पौ० सु० १४ बु० ०।१७ पु० २३।४३ वि० २२।४९ दि० मा० २६।२२
ग्र.	सू. १०।४ चं० १ मं० १२।१८ बु. ९।२७ गु० १२।११ शु० ११।७ श०१।० रा०७।१ के०१।१
ति.	मा० व० ३० वृ० १५।१८ श्र० ५।३ व० ५७।२७ ना० १५।१८ दि० मा० २७।१३
ग्र.	सू० १०।२५ चं. ११ मं. १।२ बु०११।४ गु०१२।१५ शु० १२।२ श. १।१ रा. ७।० के. १।०
ति.	मा० सु० १५ शु० २२।५० म० ३३।३६ अ० १७।८ व० २२।५० दि० मा० २८।१०
ग्र.	सू. ११।१० चं०५ मं.१।१२ बु.११।२५ गु०१२।१८ शु०१२।१९ श.१।२ रा.६।२९ के.१२।२९
ति.	फा० व० ३० श० २।४७ पू० ४१।५४ सा० १४।१३ ना० २।४७ दि० मा० २९।१४
ग्र.	सू. ११।२४ चं०११ मं०१।२१ बु०१२।२ गु०१२।२१ शु.१।५ श.१।४ रा. ६।२९ के.१२।२९
ति.	फा० सु० १५ श० ४७।१२ उ० ४६।२० गं० २०।० वि० २०।३ दि० मा० ३०।१२
ग्र.	सू० १२।८ चं० ५ मं०२।० बु. ११।२९ गु.१२।२४ शु०१।२१ श०१।५ रा०६।२८ के०१२।२८
ति.	चै० व० ३० र० ४७।५५ उ० ६।५४ ऐं० ३३।२२ च० १५।३७ दि० मा० ३१।१२
ग्र.	सू० १२।२१ चं०११ मं०२।९ बु०११।२७ वृ०१२।२७ शु०२।६ श०१।७ रा०६।२७ के०१२।२७

श्री सम्बत् १९९७ शाके १८६२

ति.	चै० सु० १५ चं० ६।४४ स्वा० ५३।३३ व० १७।३१ व० ६।४४ दि० मा० ३२।१२
ग्र.	सू० ११६ चं० ६ मं० २।१६ बु० १२।१३ गु. १।१ शु० २।२१ श० १।६ रा०६।२६ के०१२।२६
ति.	वै० व० ३० मं० २८।२ भ० ४१।३२ सौ० ५३।१६ ना० २८।२ दि० मा० ३३।०
ग्र.	सू० १।२० चं० १२ मं० २।२८ बु० १।६ गु. १।४ शु. ३।४ श० १।११ रा० ६।२५ के. १२।२५
ति.	वै० सु० १५ मं० ३२।२ वि० १४।३६ प० २६।४१ बि० ४।१२ दि० मा० ३३।५१
ग्र.	सू० २।३ चं० ६ मं० ३।७ बु० २।२ गु० १।८ शु० ३।१३ श० १।१३ रा० ६।२५ के० १२।२५
ति.	ज्ये० व० ३० घृ० १।१३ रो० ६।२७ धृ० ११।१६ ना० १।१३ दि० मा० ३४।१२
ग्र.	सू० २।१७ चं०१२ मं०३।१५ बु०२।२८ गु०१।११ शु०३।१६ श०१।१५ रा०६।२४ के०१२।२४
ति.	ज्ये० सु० १५ बु० ५५।४३ ज्ये० ३१।५१ शु० ३६।२ वि० २६।५६ दि० मा० २६।२८
ग्र.	सू० ३।० चं० ६ मं० ३।२४ बु० ३।२१ गु० १।१३ शु०३।१६ श०१।१६ रा०६।२३ के०१२।२३
ति.	आ० व० ३० शु० २७।३० आ० २७।३१ ध्र० २६।५७ ना० २७।३० दि० मा० ३४।१४
ग्र.	सू० ३।२० चं० ३ मं० ४।७ बु० ४।६ गु० १।१७ शु० ३।४ श० १।१८ रा० ६।२२ के०१२।२२
ति.	आ० सु० १५ शु० २२।५० उ० ५४।३३ वि० ५२।४८ व० २२।५० दि० मा० ३३।५०
ग्र.	सू० ४।३ चं० १० मं० ४।१६ बु० ४।० गु० १।१६ शु० ३।१ श० १।१६ रा०६।२१ के०१२।२१
ति.	श्रा० व० ३० श० ४६।३८ पु० ४४।११ सि० ३६।२१ च० २१।३२ दि० मा० ३३।१४
ग्र.	सू० ४।१७ च० ४ मं० ४।२५ बु० ४।० गु० १।२१ श्रु०३।८ श० १।२० रा०६।२१ के. १२।२१
ति.	श्रा० सु० १५ श० ५५।११ श्र० १६।२२ सौ० १२।३० ब्रि० २४।२ दि० मा० ३२।२६
ग्र.	सू० ५।० चं० १० मं० ५।४ बु. ४।१७ गु० १।२२ शु० ३।१६ श०१।२० रा. ६।२० के.१२।२०
ति.	भा० व० ३० चं० ९।४२ पू० फा० ५४।२६ सि० ४०।२६ ना० ६।४२ दि० मा० ३१।२४
ग्र.	सू० ५।१३ चं० ४ मं० ५।१३ बु० ५।६ गु० १।२३ शु०३।२६ श०१।२० रा०६।१६ के०१२।१६
ति.	भा० सु० १५ चं० ३३।३० पू० ४६।३४ शू० ३१।३६ वि० १।१८ दि० मा० ३०।२८
ग्र.	सू० ५।२७ चं० १० मं० ५।२१ बु०६।४ वृ०१।२३ शु०४।१३ श० १।२० रा०६।१८ के.१२।१८
ति.	आ० व० ३० मं० ३०।१० उ० फा० ६।३३ ब्र० ४५।४ च० ३।३ दि० मा० २६।२८
ग्र.	सू० ६।११ चं० ४ मं० ६।० बु० ६।२६ वृ० १।२२ शु०४।२८ श० १।२० रा०६।१८ के.१२।१८

श्री सम्बत् १९९७ शाके १८६२

ति.	आ. सु० १५ बु० १६।२४ रे० १९।४३ ह० ५२।५६ व० १६।२४ दि० मा० २८।२४
ग्र.	सू० ६।२५ चं० ११ मं०६।९ बु०७।१९ गु.१।२१ शु०५।१४ श०१।१९ रा० ६।१७ के०१२।१७
ति.	का० व० ३० बु० ५२।१९ चि० २१।५१ प्री० ४७।२७ च० २५।१७ दि० मा० २७।३०
ग्र.	सू० ७।९ चं० ५ मं० ६।१८ बु० ८।० गु० १।१९ शु० ६।० श० १।१८ रा०६।१६ के० १२।१६
ति.	का० सु० १५ शु० १।२७ कृ० ५४।१३ व० ८।४२ व० १।२७ दि० मा० २६।३४
ग्र.	सू० ८।० चं० २ मं० ७।२ बु० ७।१८ गु० १।१६ शु०६।२५ श०१।१६ रा०६।१५ के०१२।१५
ति.	मार्ग० ब० ३० शु० १८।१० ऽनु० ३०।४७ सु० ४१।४५ ना० १८।१० दि० मा० २६।२
ग्र.	सू० ८।१४ चं०८ मं०७।११ बु०७।२३ गु०१।१५ शु०७।११ श०१।१५ रा०६।१४ के.१२।१४
ति.	मार्ग० सु० १५ श० ४५।१४ रो० १६।१७ सा० १९।५१ वि० १४।२ दि० मा० २५।४१
ग्र.	सू० ८।२८ चं० २ मं० ७।२० बु. ८।११ गु०१।१४ शु०७।२८ श०१।१४ रा० ६।१४ के.१२।१४
ति.	पौ० ब० ३० श० ४८।३२ मू० ४६।८ वृ० ४४।० चं० २०।१० दि० मा० २५।३८
ग्र.	सू० ९।१२ चं. ९ मं. ७।२९ बु० ९।४ गु. १।१३ शु० ८।१६ श० १।१४ रा. ६।१३ के. १२।१३
ति.	पौ० सु० १५ चं० २४।५२ पू० ४०।२३ बै० २६।३९ व० २९।५३ दि० मा० २६।०
ग्र.	सू० ९।२७ चं० २ मं० ८।९ बु० ९।२९ गु. १।१४ शु० ९।३ श०१।१४ रा. ६।१२ के. १२।१२
ति.	मा० ब० ३० चं० २४।१ उ० ५।१६ सि० ४६।३ ना० २४।१ दि० मा. २६।३५
ग्र.	सू० १०।११ चं० ९ मं०८।१८ बु०९।२३ गु.१।१४ शु०९।२१ श.१।१४ रा. ६।११ के. १२।११
ति.	मा० सु० १४ मं० १।४३ पुष्य० ०।१४ आ० ५८।३७ दि० मा० २७।२६
ग्र.	सू० १०।२५ चं०३ मं०८।२५ बु०११।१२ गु.१।१६ शु०१०।८ श.१।१५ रा०६।११ के०१२।११
ति.	फा० ब० ३० बु० ४।१४ श० ३१।५८ सि० ५६।२ ना० ४।१४ दि० मा० २८।२६
ग्र.	सू० ११।१० चं०१२ मं०९।८ बु.११।१८ वृ०१।१८ शु०१०।२६ श.१।१६ रा.६।१० के.१२।१०
ति.	फा० सु० १५ वृ० २७।१८ पू० १४।४३ शू० ३१।८ व० २७।१८ दि० मा० २९।३२
ग्र.	सू० ११।२४ चं. ३ मं० ९।१८ बु. ११।८ गु. १।२० शु. ११।१३ श. १।१७ रा०६।९ के.१२।९
ति.	चै० ब० ३० वृ० ४७।२८ उ० ६०।० शु० १२।१८ च० १५।२३ दि० मा० ३०।२८
ग्र.	सू० १२।८ चं० ९ मं० ९।२८ बु० ११।११ गु०८।२२ शु० १२।१ श. १।१८ रा ६।८ के. १२।८

श्री सम्बत् १९९८ शाके १८६३

ति.	चै० सु० १५ शु० ५०।५३ ह० २८।२७ व्य० ३४।५६ वि० २३।४६ दि० मा० ३१।२८
ग्र.	सू. १२।२१ चं. ३ मं०१०।८ बु०११।२८ गु०१।२५ शु. १२।१८ श०१।२० रा. ६।८ के. १२।८
ति.	वै० व० ३० श० ३०।१६ अ० ३२।१८ प्री० ३३।५६ ना० ३०।१६ दि० मा० ३२।२६
ग्र.	सू० १।६ चं० १० मं० १०।१६ बु०१२।२४ गु. १।२६ शु. १।७ श० १।२२ रा. ६।७ के १२।७
ति.	वै० सु० १५ र० ११।२६ वि० ३७।२८ व० ३३।५६ व० ११।२६ दि० मा० ३३।१७
ग्र.	सू. १।२७ चं० ७ मं० ११।१३ बु. २।४ गु० २।३ शु० २।३ श. १।२४ रा. ६।६ के. १२।६
ति.	ज्ये० व० ३० चं० १०।५८ कृ० ३।३० सु० ५८।२ ना० १०।५८ दि० मा० ३३।५८
ग्र.	सू० २।१० चं० २ मं. ११।१२ बु०२।२८ गु० २।७ शु० २।२१ श० १।२६ रा० ६।५ के. १२।५
ति.	ज्ये० सु० १५ चं० ३०।६ ज्ये० ५१।१ सा० ४१।४७ वि० ३।९ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू. २।२३ चं० ८ मं. ११।२१ बु. ३।१६ गु० २।१० शु० ३।८ श० १।२८ रा० ६।४ के. १२।४
ति.	आ० व० ३० मं० ४६।५८ मृ० ३२।४४ गं० २०।१२ च० १५।२६ दि० मा० ३४।२७
ग्र.	सू. ३।७ चं० २ मं० १२।० बु० ३।२० गु० २।१३ शु० ३।२५ श० २।० रा० ६।४ के० १२।४
ति.	आ० सु० १५ मं० ५०।० मू० ८।२४ ऐं० ५२।५१ वि० २२।१४ दि० मा० ३४।६
ग्र.	सू० ३।२० चं० ८ मं० १२।७ बु० ३।१० गु० २।१७ शु० ४।१२ श० २।१ रा. ६।३ के. १२।३
ति.	श्रा० व० ३० वृ० १८।६ पु० ५६।३२ व० ३८।६ ना० १८।६ दि० मा० ३३।४८
ग्र.	सू० ४।३ चं. २ मं. १२।१५ बु. ३।१६ गु. २।१६ शु. ४।२६ श. २।२ रा. ६।२ के. १२।२
ति.	श्रा० सु० १५ वृ० १२।४७ श० २३।४५ आ० ५।८ व० १२।४७ दि० मा० ३०।०
ग्र.	सू० ४।१७ चं० ८ मं. १२।२० बु. ४।५ गु. २।२२ शु० ५।१५ श. २।३ रा. ६।१ के १२।१
ति.	भा० व० ३० शु० ४५।६ अश्ले० १६।५ प० ५२।१५ च० १५।५७ दि० मा० ३२।६
ग्र.	सू. ५।० चं. २ मं. १२।२४ बु. ४।२८ गु० २।२४ शु० ६।२ श० २।४ रा० ६।१ के० १२।१
ति.	भा० सु० १५ शु० ४१।२५ श० ४४।५४ सु० १६।३ वि० ११।२६ दि० मा० ३१।१२
ग्र.	सू. ५।१३ चं० ६ मं० १२।२७ बु. ५।२४ गु. २।२६ शु. ६।१६ श. २।५ रा० ६।० के. १२।०
ति.	आ० व० ३० र० ६।३५ उ० ३३।४४ शु० १।३२ शु० ५३।३१ ना० ६।३५ दि० मा० ३०।८
ग्र.	सू० ६।४ चं. ६ मं. १२।२६ बु०६।२८ गु०२।२८ शु०७।२४ श. २।५ रा० ५।२६ के. ११।२६

श्री सम्बत् १९९८ शाके १८६३

ति.	आ० सु० १५ र० १७।१० उ० फा० ९।३५ ध्रु० ३३।१ व० १७।१० दि० मा० २९।१२
ग्र.	सू. ६।१८ चं० १२ मं० १२।२२ बु०७।१२ गु. २।२९ शु०८।० श०२।४ रा०५।२८ के. ११।२८
ति.	का० ब० ३० चं० ३३।५ चि० ४७।२ वै० ६।२७ वि० ५२।३८ च० ५।२९ दि० मा० २८।८
ग्र.	सू. ७।२ चं० ६ मं० १२।१९ बु०७।१० गु. २।२९ शु० ८।१६ श० २।४ रा. ५।२७ के० ११।२७
ति.	का० सु० १५ मं० ०।८ भ० ३३।४९ व्य० ५०।१८ व० ०।८ दि० मा० २७।१३
ग्र.	सू. ७।१६ चं० १२ मं० १२।१७ बु० ७।२ गु. २।२८ शु० ९।१ श०२।३ रा०५।२६ के०११।२६
ति.	मार्ग० व० १४ मं० २।५४ स्वांति २।५० उपरि विशाखा ५५।५८ दि० मा० २६।२८
ग्र.	सू. ८।० चं. ६ मं० १२।१८ बु. ७।११ गु० २।२७ शु. ९।१६ श. २।२ रा. ५।२६ के. ११।२६
ति.	मार्ग० सु० १५ बु० ४७।३८ कृ० ७।३५ शि० ४।३० वि० १५।३ दि० मा० २५।५६
ग्र.	सू. ८।१४ चं. १ मं० १२।२२ बु. ८।० गु०२।२५ शु० ९।२९ श० २।० रा० ५।२५ के. ११।२५
ति.	पौ० व० ३० बृ० २२।४८ ज्ये० १०।३३ गं० ५२।१७ ना० २२।४६ दि० मा० २५।३५
ग्र.	सू० ८।२८ चं० ७ मं. १२।२६ बु. ८।२४ गु० २।२३ शु० १०।११ श. १।२९ रा. ५।२४ के. ११।२४
ति.	पौ० सु० १५ शु० ३५।४९ आ० ४३।११ ब्र० १९।२४ व० ३।३७ दि० मा० २५।४५
ग्र.	सू० ९।१२ चं. १ मं. १।२ बु० ९।१९ गु० २।२२ शु. १०।१९ श० १।२९ रा० ५।२४ के. ११।२४
ति.	मा० ब० ३० शु० ५१।१ पूषा० २३।५१ व्य० ०।५ ह० ५३।० च० २३।२२ दि० मा० २६।५
ग्र.	सू० ९।२७ चं. ७ मं० १।८ बु० १०।११ गु० २।२० शु० १०।२२ श. १।२८ रा. ५।२३ के. ११।२३
ति.	मा० सु० १५ र० २०।१३ पुष्य १०।० आ० ३०।१० व० २०।१३ दि० मा० २६।५२
ग्र.	सू. १०।१८ चं० ४ मं० १।१९ बु. ११।१ गु० २।१९ शु० १०।१४ श० १।२८ रा० ५।२२ के० ११।२२
ति.	फा० ब० ३० र० २२।८ भ० ३७।५० प० ५१।२६ ना० २२।८ दि० मा० २७।४०
ग्र.	सू. ११।२ चं० ११ मं० १।२६ बु० १०।२३ गु० २।२० शु. १०।८ श. १।२९ रा. ५।२१ के. ११।२१
ति.	फा० सु० १५ चं० ५८।९ मघा ३३।१४ सु० ३९।३८ वि० २८।२८ दि० मा० २८।३८
ग्र.	सू० ११।१७ चं० ४ मं० २।४ बु. १०।२१ गु. २।२० शु० १०।१० श० २।० रा० ५।२० के० ११।२०
ति.	चै० ब० ३० चं० ५६।५७ पू० भा० ५८।३६ सा० ४।१० च० २६।३२ दि० मा० २९।४०
ग्र.	सू० १२।१ चं० ११ मं० २।१२ बु० ११।६ बृ० २।२२ शु० १०।१८ श० २।१ रा. ५।१९ के. ११।१९

श्री सम्वत् १९९९ शाके १८६४

ति.	चै० सु० १५ बु० २८।५८ ह० ५१।३ ध्रु० ४३।२ वि० ०।३२ दि० मा० ३०।४४
ग्र.	सू०१२।१४ चं०५ मं०२।२० बु०११।२८ गु.२।२३ शु०१०।२६ श०२।२ रा०५।१६ के०११।१६
ति.	वै० ब० ३० बु० ३२।४४ रे० २३।२३ वै० १५।० च० २।३ दि० मा० ३१।४१
ग्र.	सू० १।० चं० १२ मं०२।२६ बु०१२।२६ गु.२।२६ शु. ११।२३ श०२।३ रा०५।१८ के.११।१८
ति.	वै० सु० १५ बृ० ५३।१५ चि० ६।२३ सि० ५०।४५ वि० २५।४४ दि० मा० ३२।४०
ग्र.	सू० १।१३ चं० ६ मं०३।७ बु०१।२२ गु० २।२८ शु० ११।२८ श०२।५ रा०५।१७ के०११।१७
ति.	ज्ये० व० ३० शु० ११।३३ कृ० ५७।३२ शो० ३५।३२ ना० ११।३३ दि० मा० ३३।३१
ग्र.	सू० १।२७ चं० १२ मं०३।१५ बु०२।१५ गु० ३।१ शु०१२।१३ श०२।७ रा०५।१६ के०११।१६
ति.	ज्ये० सु० १५ श० १२।५६ अनु० १६।३८ सि० ५१।३ व० १२।५६ दि० मा० ३४।३
ग्र.	सू० २।१० चं० ६ मं० ३।२४ बु०३।० गु० ३।४ शु० १२।२६ श०२।६ रा० ५।१६ के० ११।१६
ति.	ज्ये० ब० ३० श० ५०।३२ रा० २२।१७ शू० ५६।५३ व० १८।८ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू० २।२३ चं० १२ मं० ४।२ बु० २।२८ गु०३।७ शु०१।१५ श०२।११ रा०५।१५ के०११।१५
ति.	ज्ये० सु० १५ र० ३०।२६ मू० ३१।५७ शु०६।५१ त्र० ५२।३२ वि०३।३३ दि० मा० ३४।२५
ग्र.	सू० ३।७ चं० ६ मं० ४।११ बु० २।१ गु० ३।१० शु० २।२ श० २।१२ रा० ५।१४ के० ११।१४
ति.	आ० ब० ३० चं० २८।२६ पुनर्वसु ५८।५६ व्य० २४।२५ ना० २८।२६ दि० मा० ३४।३
ग्र.	सू० ३।२७ चं० ३ मं० ४।२४ बु०३।१२ गु०३।१५ शु०२।२६ श०२।१५ रा०५।१३ के.११।१३
ति.	आ० सु० १५ चं० ४७।४७ उ० षा० ४४।३८ वि० १५।१० वि २०।४० दि० मा० ३३।३७
ग्र.	सू० ४।१० चं० १० मं० ५।२ बु. ४।५ गु० ३।१६ शु० ३।१३ श०२।१६ रा. ५।१२ के. ११।१२
ति.	श्रा० ब० ३० बु० ४।४ अश्ले० २६।३० व० ४५।५४ ना० ४।४ दि० मा० ३२।४३
ग्र.	सू० ४।२३ चं० ४ मं० ५।११ बु० ५।० गु० ३।२२ शु० ४।० श० २।१७ रा०५।१२ के०११।१२
ति.	श्रा० सु० १५ बु० ७।४० श० ५६।४३ अ० १७।२४ व० ७।४० दि० मा० ३१।५७
ग्र.	सू० ५।७ चं० १० मं० ५।२० बु०५।२५ बृ०३।२४ शु०४।१६ श०२।१८ रा०५।११ के. ११।११
ति.	भा० ब० ३० बृ० ३७।५ पू० फा० ५०।६ सि० ४।१८ च० ६।४२ दि० मा० ३०।५६
ग्र.	सू० ५।२० चं० ४ मं० ५।२६ बु० ६।१६ बृ० ३।२७ शु० ५।४ श०२।१६ रा०५।१० के.११।१०
ति.	भा० सु० १५ बृ० ३३।८ पू० भा० १४।५० गं० २७।३ वि० ४।२० दि० मा० ३०।०
ग्र.	सू० ६।४ चं० १० मं० ६।८ बु० ६।२७ गु० ३।२६ शु० ५।२१ श० २।१६ रा० ५।६ के० ११।६

श्री सम्बत् १९९९ शाके १८६४

ति.	आ. व० ३० श० ७।१६ ह० ६।५४ ऐं० १२।२४ ना० ७।१६ दि० मा० २८।५४
ग्र.	सू० ६।१८ चं० ४ मं० ६।१७ बु० ६।२१ गु. ४।१ शु० ६।८ श० २।१९ रा० ५।९ के० ११।९
ति.	आ० सु० १५ श० ५।५६ अ० ३७।० व० ३४।४७ व० ५।५६ दि० मा० २७।५६
ग्र.	सू० ७।२ चं० ११ मं० ६।२६ बु० ६।१७ गु० ४।२ शु० ६।२५ श० २।१९ रा० ५।८ के० ११।८
ति.	का० व० ३० र० ३५।२८ स्वा० २५।५३ आ० १८।२ च० ७।२० दि० मा० २७।३
ग्र.	सू० ७।१६ चं० ५ मं० ७।५ बु० ६।२९ गु० ४।३ शु० ७।१३ श० २।१८ रा० ५।७ के० ११।७
ति.	का० सु० १५ र० ४६।३७ कृ० ६०।० प० ४६।५२ वि० १५।१० दि० मा० २६।१५
ग्र.	सू० ८।० चं० ११ मं० ७।१५ बु० ७।२० गु० ४।४ शु० ८।० श० २।१७ रा० ५।६ के. ११।६
ति.	मार्ग० व० ३० मं० २।२३ ज्ये० ३५।४३ धृ० १२।३३ ना० २।२३ दि० मा० २५।५१
ग्र.	सू० ८।२१ चं. ८ मं. ७।२९ बु० ८।२६ गु. ४।३ शु० ८।२७ श० २।१५ रा. ५।५ के. ११।५
ति.	मार्ग० सु० १५ मं० ३३।३६ मृ० ३२।० शु० ०।२४ वि० १।१० दि० मा० २५।३०
ग्र.	सू० ९।५ चं० २ मं० ८।९ बु० ९।१९ गु० ४।२ शु० ९।१४ श० २।१४ रा० ५।५ के. ११।५
ति.	पौ० व० ३० बु० २९।८ पू० ४७।५९ ध्रु० १२।५ चा० १।५२ दि० मा० २५।५१
ग्र.	सू० ९।२० चं० ८ मं० ८।१९ बु० १०।७ गु. ४।० शु० १०।२ श० २।१४ रा. ५।४ के. ११।४
ति.	पौ० सु० १५ वृ० २३।२१ पु० २।५३ वि० १६।१६ व० २२।२१ दि० मा० २६।१५
ग्र.	सू० १०।४ चं. ३ मं. ९।० बु. १०।१४ गु. ३।२८ शु. १०।२० श. २।१३ रा. ५।३ के. ११।३
ति.	मा० व० १४ बृ० १।२७ उत्तराषाढ़ ४।३४ शि० १२।७ दि० मा० २७।३
ग्र.	सू० १०।१८ चं० ५ मं० ९।१० बु. १०।४ वृ० ३।२६ शु० ११।७ श. २।१३ रा. ५।२ के. ११।२
ति.	मा० सु० १५ श० १०।५४ म० ३८।१९ अ० ३१।३३ व० १०।५४ दि० मा० २७।५८
ग्र.	सू० ११।२ चं० ३ मं० ९।२१ बु० १०।६ गु० ३।२५ शु० ११।२५ श. २।१३ रा ५।२ के ११।२
ति.	फा० व० ३० श० २३।१३ श० १४।५२ सि० ७।५१ ना० २३।१३ दि० मा० २८।५५
ग्र.	सू० ११।१७ चं. ९ मं. १०।१ बु० १०।२३ गु. ३।२४ शु० १२।१२ श. २।१३ रा० ५।१ के० ११।१
ति.	फा० सु० १५ र० ५२।४९ पू० १।२५ गं० ४५।१४ त्रि० २१।४३ दि० मा० ३०।०
ग्र.	सू० १२।१ चं. ३ मं० १०।१२ बु. ११।१६ गु. ३।२४ शु. १२।२९ श. २।१४ रा० ५।० के. ११।०
ति.	चै० व० ३० र० ५१।४४ उ० ३१।२० ब्र० १२।२८ च० २३।१३ दि० मा० ३०।५८
ग्र.	सू० १२।१४ चं० ९ मं० १०।२२ बु० १२।१२ वृ० ३।२५ शु. १।१६ श. २।१५ रा. ४।२९ के. १०।२९

श्री सम्वत् २००० शाके १८६५

ति.	चै० सु० १५ मं० २६।३ चि० २६।१४ व० ५४।४५ व० २६।३ दि० मा० ३२।६
ग्र.	सू. १।६ चं. ७ मं० १।६ बु० १।२१ गु० ३।२६ शु. २।१२ श० २।७ रा. ४।२८ के. १०।२८
ति.	चै० व० ३० मं० २१।४६ भ० ५२।२३ आ० २१।२७ ना० २१।४६ दि० मा० ३२।५२
ग्र.	सू० १।२० चं० १ मं०११।१६ बु०२।६ गु. ३।२८ शु.२।२६ श०२।१६ रा. ४।२७ के. १०।२७
ति.	वै० सु० १५ बु० ५२।२४ चि० ४४।४० व० ११।१० वि० २४।१ दि० मा० ३३।४४
ग्र.	सू. २।३ चं० ७ मं० ११।२६ बु. २।१२ गु० ४।० शु० ३।१५ श. २।२० रा. ४।२७ के. १०।२७
ति.	ज्ये० व० ३० बु० ५४।४५ कृ० १४।१० सु० ३९।२३ च० २३।५४ दि० मा० ३४।७
ग्र.	सू० २।१७ चं० २ मं. १२।१० बु० २।२ गु० ४।२ शु०४।१ श० २।२२ रा० ४।२६ के. १०।२६
ति.	ज्ये० सु० १५ शु०१२।५७ ज्ये० ०।३ मू०५६।२६ शु०१५।५४ च० १२।५७ दि० मा०३४।२७
ग्र.	सू. ३।० चं० ७ मं. १२।२० बु. २।१० गु० ४।५ शु० ४।१५ श० २।२४ रा०४।२५ के. १०।२५
ति.	आ० व० ३० शु० ३०।१८ आ० ४७।१८ वृ० १।१३ ना० ३०।१८ दि० मा० ३४।१६
ग्र.	सू. ३।१३ चं० २ मं० १२।२६ बु०२।२६ गु०४।८ शु०४।२६ श०२।२६ रा०४।२४ के०१०।२४
ति.	आ० सु० १५ श० ३०।३४ पू० १३।२६ वै० २४।५० वि० ३।२८ दि० मा० ३४।०
ग्र.	सू० ३।२७ चं० ८ मं० १।६ बु० ३।२४ गु०४।११ शु०५।११ श० २।२८ रा. ४।२४ के. १०।२४
ति.	श्रा० व० ३० र० ८।० पु० १७।५३ सि० २६।२२ ना० ८।० दि० मा० ३३।२४
ग्र.	सू० ४।१० चं. २ मं. १।१८ बु०४।१६ गु. ४।१४ शु.५।१८ श. २।२६ रा. ४।२३ के. १०।२३
ति.	श्रा० सु० १५ र० ४७।४६ श० २५।३७ सौ० २२।१७ वि० २०।४८ दि० मा० ३२।४६
ग्र.	सू० ४।२३ चं० ८ मं. १।२७ बु. ५।१४ गु. ४।१८ शु० ५।२४ श. ३।१ रा. ४।२२ के १०।२२
ति.	भा० व० ३० चं० ४६।४६ म० ४८।१४ शि० ४६।८ च० १४।२४ दि० मा० ३१।४०
ग्र.	सू. ५।७ चं. २ मं. २।५ बु. ६।३ गु० ४।२७ शु० ५।२१ श० ३।२ रा० ४।२१ के० १०।२१
ति.	भा० सु० १५ मं० ६।४६ पू० ३४।८ शू० ३१।२७ व० ६।४६ दि० मा० ३०।४०
ग्र.	सू. ५।२७ चं० १२ मं० २।१६ बु. ६।८ गु. ४।२५ शु. ५।६ श. ३।३ रा० ४।२० के. १०।२०
ति.	आ० व० ३० बु० २५।१५ उ० १६।६ शु० ८।६ ना० २५।१५ दि० मा० २६।४०
ग्र.	सू० ६।११ चं. ६ मं. ३।२२ बु० ५।२६ गु० ४।२८ शु० ५।८ श. ३।३ रा०४।२० के. १०।२०

श्री सम्बत् २००० शाके १८६५

ति.	आ० सु० १५ बु० ३०।१० रे० ४८।४६ व्या० ३७।० वि० २।२१ दि० मा० २८।४०
ग्र.	सू. ६।२५ चं० १२ मं० २।२६ बु० ६।६ गु. ५।० श्रु० ५।१५ श० ३।४ रा० ४।१६ के. १०।१६
ति.	का० ब० ३० शु० २।६ स्वा० ४१।५४ प्री० १६।२५ ना० ५।६ दि० मा० २७।२६
ग्र.	सू. ७।६ चं० ६ मं० २।२८ बु० ६।२८ गु. ५।२ श्रु० ५।२४ श० ३।३ रा. ४।१८ के० १०।१८
ति.	का० सु० १४ बृ० २।८ अश्वनी ६।२४ व्यतीपात ४२।५६ दि० मा० २६।५६
ग्र.	सू. ७।२३ चं० १२ मं० २।२९ बु० ७।२२ गु. ५।४ श्रु० ६।७ श० ३।३ रा० ४।१७ के०१०।१७
ति.	मार्ग० ब० ३० श० ३६।० वि० १।२५ अ० २६।३३ च० ६।५५ दि० मा० २६।७
ग्र.	सू. ८।७ चं. ६ मं० २।२७ बु. ८।१६ गु० ५।५ श्रु. ६।२१ श. ३।२ रा. ४।१७ के. १०।१७
ति.	मार्ग० सु० १५ श० ३६।५७ रो० २७।८ सा० ४७।१८ वि० ६।३८ दि० मा० २५।४६
ग्र.	सू. ८।२१ चं. १ मं० २।२३ बु. ९।८ गु० ५।६ श्रु० ७।६ श० ३।१ रा० ४।१६ के. १०।१६
ति.	पौ० ब० ३० चं० ७।६ मू० १५।५३ वृ० २३।६ ना० ७।६ दि० मा० २५।३७
ग्र.	सू० ९।५ चं० ६ मं. २।१८ बु. ९।२४ गु० ५।६ श्रु० ७।२२ श. ३।० रा. ४।१५ के. १०।१५
ति.	पौ० सु० १५ चं० २०।४२ पु० ५७।१६ वै० ५८।१० व० २०।४२ दि० मा० २५।५६
ग्र.	सू० ९।२० चं. १ मं. २।१५ बु० ९।२५ गु० ५।६ श्रु. ८।९ श०२।२९ रा०४।१४ के. १०।१४
ति.	मा० ब० ३० मं० ३५।३२ उ० २९।२२ व० २४।२ च० ८।१३ दि० मा० २६।२५
ग्र.	सू० १०।११ चं. १० मं० २।१६ बु०९।१७ गु०५।४ श्रु०९।४ श. २।२८ रा. ४।१३ के.१०।१३
ति.	मा० सु० १५ बु० ८।५३ ऽश्ले० २७।३६ सौ० १२।५० व० ८।५३ दि० मा० २७।१६
ग्र.	सू. १०।२५ चं० ४ मं०२।१७ बु. १०।१ गु०५।२ श्रु०९।२१श० २।२७ रा०४।१३ के०१०।१३
ति.	फा० ब० ३० वृ० १।४३ श० ३७।४७ शि० १६।१९ ना० १।४३ दि० मा० २८।१४
ग्र.	सू. ११।१० चं०१० मं०२।२२ बु.१०।२३ गु०५।० श्रु०१०।८ श.२।२७ रा.४।१२ के.१०।१२
ति.	फा० सु० १५ वृ० ५७।३ पू० ५८।४४ धृ० २९।४९ वि० २४।२६ दि० मा० २९।१४
ग्र.	सू०११।२४ चं०४ मं०२।२७ बु.११।१९ गु.४।२९ श्रु.१०।२६ श.२।२७ रा०४।११ के०१०।११
ति.	चै० ब० ३० शु० २६।८ उ० ५।१४ शु० २०।२६ ना० २६।८ दि० मा० ३०।१६
ग्र.	सू०१२।८ चं०११ मं०३।३ बु०१२।१४ वृ०४।२७ शु०११।१३ श०२।२८ रा.४।१० के.११।१०

२७ वर्ष के आगामी ग्रहण अर्थात् संवत् १९७४ से सम्वत् २००० तक के ग्रहण मिती और तारीख वार प्रकाशित हैं ॥

नाम ग्रहण	सं०	मास व तिथि	वार	स्पर्श काल	मोक्ष काल	तारीख माह सन्	कैफ़ियत
चन्द्र	१९७४	अषाढ़ शु० १५	बुध	४३।५५	५९।१८	४-७-१७	खग्रासदक्षिणशर
चन्द्र	१९७६	कार्तिक शु०१४	शुक्र	५४।५०	६०।०	७ या ८-११-१९	स्पर्श अग्निकोण
चन्द्र	१९७७	वै. सु. १५	रवौ	५८।१५	६७।०	२ या ३ ५-२०	खग्रास (अस्तास्त)
चन्द्र	१९७७	आश्विनसु.१५	बुध	२८।२९	३७।४०	२७-१०-१९२०	खग्रासः
चन्द्र	१९७८	आश्विनसु.१५	रवौ	४३।५०	५८।१२	१६-१०-१९२१	उत्तर शरः
सू.	१९७९	आश्विन व.३०	गुरौ	५।१०	११।०	२१-९-२२	स्पर्श नैऋत्य दक्षिणशरः
चन्द्र	१९८०	माघ सु० १५	बुध	३२।५१	४२।९	२०-२-२४	खग्रासउत्तरशरः
चन्द्र	१९८१	माघ सु. १५	रवि	४५।२	५३।२५	८-२-२५	
चन्द्र	१९८२	श्रा. सु. १५	सोम	२४।४	३३।४५	४-८-२५	
सू.	१९८२	मा. वदी ३०	गुरु	१२।३५	१५।३०	१४-१-२६	
चन्द्र	१९८५	ज्ये. सु. १५	रवि			३-६-२८	इस देश में नहीं
सू.	१९८५	का. व. ३०	सोम	१६।२७	२१।०	१२-११-२८	
सू.	१९८६	वै. व. ३०	गुरु			९-५-२९	इस देश में नहीं
चन्द्र	१९८८	चै. सु. १५	गुरु	४४।२०	३।४०	२-४-३१	
चन्द्र	१९८८	भा. सु. १५	शनि	४०।४५	४९।३०	२५-९-३१	
चन्द्र	१९८८	फा. सु. १५	सोम	३५।२०	४३।४०	२२-३-३२	
चन्द्र	१९८९	भा. सु. १५	बुध	४४।०	५३।१२	१४-९-३२	
सू.	१९९०	भादों ब. ३०	सोम	७।२०	१४।३०	२१-८-३३	
सू.	१९९०	फा. वदी ३०	भौम	५४।२०	५८।३५	१३-२-३४	कहीं२ दीखेगा
चन्द्र	१९९१	श्र. सुदी १५	गुरु	३०।२२	३५।३८	२६-७-३४	
चन्द्र	१९९१	पौ. सुदी १५	शनि	२९।०	३७।४०	१९-१-३५	
चन्द्र	१९९२	पौ. सुदी १५	बुध	३५।३८	४४।१	१८-१-३६	खग्रास
सू.	१९९३	श्र. वदी ३०	शुक्र	९।४०	१४।४२	१९-६-३६	
चन्द्र	१९९३	श्र. सुदी १५	शनि	४०।४	४३।०	४-७-३६	
चन्द्र	१९९६	क्वा सुदी १५	सोम	४९।४	५९।१	७-११-३८	
चन्द्र	१९९७	वै. सुदी १५	बुध	३२।३८	४१।२६	३-६-३९	
चन्द्र	१९९७	फा.सुदी १५	गुरु	२४।१	३९।०	१३-३-४१	
चन्द्र	१९९८	भा. सुदी १३	शुक्र	३९।५६	४४।११	६-९-४१	
सू.	१९९८	आश्विन व.३०	रवि	३।३८	१०।११	२१-९-४१	
चन्द्र	१९९८	फा.सुदी १५	सोम	५३।३१	२।३५	२-३-४२	
सू.	२०००	श्रा वदी ३०	रवि			३१-७-४१	अमेरिका में
चन्द्र	२०००	श्रा सुदी १५	रवि	४४।४१	५२।४६	१६-८-४३	

(वर्षशारिणी)

(वर्ष बनाने की क्रिया) जिसका वर्ष फल निकालना हो तो वर्तमान संवत् में जन्म का संवत् घटावे जो बांकी हों सो गतवर्ष समझना उसी संख्या के वर्षध्रुवा में वार में जन्म का वार और इष्ट में इष्ट घटीपल जोड़ वर्ष लग्न बनाकर फल कहे॥

ग. व.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२
वा०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	४	५
घ.	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६
प.	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८
वि.	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

ग. व.	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४
वा०	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३
घ.	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३
प.	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६
वि.	३०	००	३०	००	३०	००	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

ग. व.	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६
वा०	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१
घ.	४९	४	२	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४८	३	१९	३४	५०
प.	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	००	३०	००	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

उदाहरण चौथे पृष्ठ पर दिया है

(यथा उदाहरण) बाल कृष्ण का जन्म सं० १९६२ का है और सं० १९७२ में घटाने से १० बचे शारिणी में ध्रुवा ५।३५।१५।०० है बालकृष्ण का वार ७ शनि है इष्टम् ४१।१५ है सो वार में वार व इष्ट में इष्ट जोड़ने से ६।१६।३०।०० हुये रवि १०।१९ है तो सं० १९७२ में कुंभ के १९ अंश फाल्गुण कृष्ण १४ भृगुवार को है सो उसी दिन वर्ष प्रवेश हुआ है इष्टम् १६।३०।०० तनुः २।१५ मिथुन लग्ने वर्ष प्रविष्टः ११ गत वृंदानि १० शुभम्

तक आदर पा चुका है। क़ीमत तीन टिकिया मय खूबसूरत बक्स ॥।) वी० पी० खरचा ।-) लेकिन जो साहब चार बक्स क़ीमती ३) रुपया एक साथ खरीदेंगे उनको एक मेज पर रखने की निहायत मजबूत खूबसूरत पायेदार फैसनेबिल घड़ी मुफ़्त नजर करेंगे। वी० पी० खरचा ॥=)

मनमोहनी बटिका

शौकीन मिज़ाज तवज्जेह फरमाये। लुत्फ़ जवानी का उठायें॥

यह वह चीज है जिसकी तलाश में बूढ़े और जवान रात दिन लगे रहते हैं और परमात्मा ने हर एक जानदार के शरीर के अन्दर पैदा की है इसको मुल्क फ्रांस के एक तजरबेकार डाक्टर ने दुनिया में पैदा कर दिखाया है। इसकी एक एक गोली जवाहरात से बढ़ कर है, चंद रोज के इस्तेमाल से बदन को फोलाद बना देती हैं। आदमी कैसा ही नहीफ व सुस्त कमज़ोर क्यों न हो एक गोली दूध के साथ खाने से आधे घंटे बाद वह ताक़त पैदा करती है कि बुडढ़े जवानों को मात कर दें। एक बक्स एक आदमी को चौबीस मरतबे, चौबीस आदमी को एक मरतबे काफी है। फायदा न हो तो दूने दाम देने की शर्त है इस खूबी पर फी बक्स का दाम १॥) रु० तीन बक्स एक साथ लेने से ४) रुपया।

चन्द्रमुखीकरण

यह दवा विलायती खुशबूदार फूलों की रूह है, इसे विलायत के एक मशहूर डाक्टर ने बनाकर अभी २ रवाना किया है। सात दिन बदन और चेहरे पर मल कर नहाने से, स्याह रंगत भी गुलाब के फूल की भांति सुर्ख व सफेद, मक्खन की माफिक मुलायम हो जाती है। जिस से खुशबू की प्यारी २ लहरें निकलने लगती हैं, सीतला माता के दाग़, आँखों और गालों के स्याह दाग़, झाँई छीप झुर्रियाँ मुहासे आदि को मिटा कर ऐसी खूबसूरती आजाती है कि चेहरा चांद की माफ़िक चमकने लगता है। तारीफ यह है कि जो रंगत और खूबसूरती इससे पैदा होती है हमेशा क़ायम रहती है क्यों कि यह वह पौडर नहीं है जिसे बाज़ारी औरतें लगाकर घड़ी दो घड़ी को सफेद चमड़ी कर लेती हैं। अपनी प्राणप्यारी को चंद्रमुखी बनाना है तो इसे अवश्य मंगाइये। क़ीमत फी शीशी १॥) तीन शीशी एक साथ लेने से पारसल खर्चा माफ।

मिलने का पता—

रमेशचंद्र ऐण्ड को० स्वामी घाट

हर जगह एजन्टों की ज़रूरत है ब्रांच नं० २६ मथुरा

चन्द्रप्रभावटी

(स्वर्ण जटित धातु पुष्ट की अमूल्य गोलियां)

इसे पावभर दूध में सेवन करने से बल हाथी के समान वेगतुरंगवत और दृष्टि गरुड की सी होती है. धातु क्षीण, प्रमेह, नपुंसकता मंदाग्नि को निर्मूलकर निर्बल दुर्बल स्त्री पुरुषों को हृष्ट पुष्ट बनाती है रक्त और मास को बढ़ाती है. हड्डी मजबूत करती है. धातु को पुष्ट करती है. इसमें वाजीकरण की अपूर्व शक्ति है. मूल्य पूर्ण खुराक ४० गोली की डब्बी ५) २० गोली २॥) और १० का १।) पोस्टेज ≡) परीक्षा के लिये ३ गोली ।) का टिकट आने पर भेजते हैं। पता—ज्योतिर्विद, वैद्य भूषण पं० अयोध्या प्रसाद मिश्र आयुर्वेद औषधालय झांसी ॥ JHANSI

विज्ञापन

शीघ्रता पूर्वक ग्राहक श्रेणी में नाम लिखाइये २००० ग्राहक इकट्ठे होते ही उम्दा २ उपन्यास मासिक अंक द्वारा निकलने लगेंगे मूल्य साल भर का २)

मैनेजर उपन्यास व्यापार रत्नागर

(ठिकाना) सर्यूप्रसाद रामप्रसाद

पुराना जेंडलगंज बज़ाजा कानपुर

(सूचना) बाबू प्यारेलाल MRAS रचित पुस्तकें और अन्य प्रेसों की

सचित्र कोकशास्त्र

असली तथा पुराना ग्रंथ यह है जिसमें स्त्री पुरुषों के जाति भेद लक्षण गर्भ धारण के नियम मनचाही संतान पैदा करना अनेक प्रकार के गुप्त रोगों की दवाएं यंत्र मंत्र तंत्र बशीकरण विद्या आसने काम स्थान के तिथि चक्र १६ शृंगारों की विधि विदेश की स्त्री पुरुषों के लक्षण पशु पक्षियों की बोली से शकुन जानने की रीतियां आनन्द भोग के गुप्त मसाले मूल्य १।)

इन्द्रजाल

अर्थात् तंत्र मंत्र यंत्र मोहन वशीकरण जादू नज़रबन्दी वैद्यक तथा समस्त कार्यों के सिद्ध करने की अपूर्व पुस्तक मूल्य १) एक रुपया ॥

सिद्ध वशीकरण यंत्र

इस चमत्कारी यंत्र को हाथ में बांधकर जिस स्त्री पुरुषों से चाहोगे वह तुम्हारी इच्छानुसार कार्य्य करेगा ऐसा नहो तो दाम वापिस देंगे मू १) मात्र

दत्तात्रेयतंत्र

स्त्री पुरुष वशीकरण प्रीति होना वीर्य स्तम्भन भूत गृह निवारण यक्षिणी यंत्र साधन सर्व रक्षा मंत्र गर्भ धारण मृतवत्सा दोषनिवारण बाजीकरण आदि कई विषय हैं मूल्य ॥।) बारह आना

कानून सार

इस में ताजीरातहिंद जाब्ता फौजदारी स्टाम्प दीवानी शहादत शफीफा आबकारी कोर्ट फीस माल लगान मियाद लगान रेल तार डाक रजिस्टरी चुंगी कम्पनी नहर जंगल आफिस आदि जरूरी ५० कानूनों का खुलासा एक पुस्तक में जिन्हें जानकर घर बैठे वकील बनजाओ और रुपया पैदा करो मू० १।)

इलाज नौरंगी

सब रोगों का इलाज नौ प्रकार से डाक्टरी यूनानी होमयोपैथी वैद्यक रसादिक तंत्र से बूटी से अताई टोटके ग्रहस्थी चुटकुले ५०० शिरोमणि नुसखे नुस्खे बनाना मू० ॥।)

शिल्प सागर

इस पुस्तक में तार का काम साबुन घड़ी साजी पारे का कटोरा नारवर्की १०० हुनर ऐसे लिखे हैं कि जिन्हें कोई १०) रु० में भी नहीं बता सकता घर बैठे २) रोज पैदा करलो मू० १)

इंगलिश टीचर

थोड़े दिनों में बिना गुरू के घर बैठे अंग्रेज़ी सिखाने वाली सबसे अच्छी पुस्तक इसमें ग्रेमर लेटर राईटर डिक्सनरी सब इकट्ठे हैं प्रत्येक व्यवहार के बोल चाल के फिकरे सैकड़ों महावरे हज़ारों काम के शब्द चिट्ठी लिखने के क़ायदे बोल चाल अर्ज़ी लिखना और अकेली पुस्तक को पढ़कर घर बैठे मिडिल पास की लयाक़त करो मू० १)

(नोट)—इसके अतिरिक्त अष्टादश पुराण व वैद्यक ग्रंथ ब्रहन्निघण्ट रत्नाकर चरक सुश्रुतवाग्भट्ट रस रत्नाकर आदि व ज्योतिष ग्रंथ सूर्य सिद्धान्त केशवी ग्रहलाघव ब्रहद्यवन जातक आदि सर्व प्रकार के ग्रंथ मुरदाबाद व बम्बई के छपे हुए हमारे श्रीबलराम पुस्तकालय से भेजे जाते हैं॥

पता—श्रीबलराम पुस्तकालय नं० ८६ एण्ड
राधागोविन्द कम्पनी झांसी JHANSI.

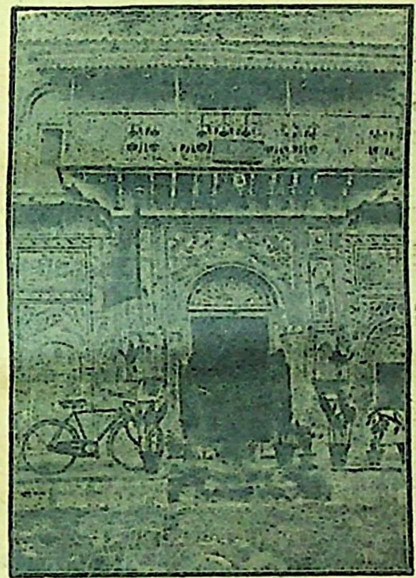
॥ हरि: ॐ ॥

आयुर्वेदीय औषधालय व ज्योतिषालय

का

संक्षिप्त सूचीपत्र

सिद्ध बीसा यंत्र भवन



दोहा:—आयुर्वेद पवित्र किय भैषज स्वच्छ बनाय।
धर्म रहे अरु धन बचे देसी औषधि खाय।

वैद्यभूषण, वैद्यराज, वैद्यधुरीण, ज्योतिषरत्न—

पं० अयोध्या प्रसाद मिश्र

ज्योतिषी, झाँसी (सिटी)। यू० पी० (इन्डिया)

॥❀॥ ॐ ॥❀॥

१ २ ३ ४ ६ ८ ७
एक ब्रह्म गुणं वेद ग्रहं वस्वाख्य सागरः
५ १०
शर दिक् मध्य कृतंदेवि सर्वकार्येसु सिद्धिदं



वैद्यभूषण, वैद्यराज, वैद्यधुरीण, ज्योतिष रत्न,-

पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र ज्योतिषी, झाँसी।

हजारों ग्राहक हमारे वर्ताव पर मोहित होकर मित्र हो रहे हैं।
दाम घटाया है काम बढ़ाया है।

॥ हरिः ॐ ॥

सत्ये नास्ति भयं क्वचित्।

आयुर्वेदिक औषधालय झांसी का

संक्षिप्त सूचीपत्र

व

सिद्ध बीसा यन्त्र

A.P.J.

का विधानपत्र।

गवर्नमेन्ट सम्मानित कई राजा महाराजाओं से प्रशंसित औलइन्डिया
आयुर्वेदिक कान्फ्रेन्स से अव्वल दर्जा सार्टीफिकट व रौप्यपदक
और वैद्यभूषण उपाधि से विभूषित व ८१ वर्ष का विश्व-
जन्माङ्क भास्कर पञ्चाङ्गकर्ता व नन्द महोत्सव
फाग विहार के रचयिता आयुर्वेदिक ज्योतिर्विद

पंडित अयोध्या प्रसाद मिश्र

वैद्यभूषण, वैद्यराज, ज्योतिषरत्न झांसी ने

'सिद्ध बीसायंत्र प्रेस" झांसी में छाप कर प्रकाशित किया।

स्थापित सन् १८९२.

ऐसा जीवन वृथा जो दूसरों को लाभ न पहुँचा सके।

सच्चा विज्ञापन आप देखिये और कृपा कर अपने मित्रों को भी दिखाइये, जरूर परीक्षा कीजिये।

सिद्ध बीसा यन्त्र

A.P.J.

उक्तञ्च

१ २ ३ ४ ९ ८ ७

एकब्रह्म गुण वेद, अहंवस्वाख्यसागरः।

१०

शरादिक् मध्यकृतंदेवि सर्वकार्येषु सिद्धिदम्॥

श्रीयुत मान्यवर महाशय! विदित हो कि हमारे पास नौ कोठोंमें बीसायन्त्र इक्कीस दिनका सिद्ध किया छः प्रयोगों पर रामबाण के तुल्य अनुभव सिद्ध किया हुआ है हवन खर्चा व बी० पी० खर्च समेत १॥=) में घर बैठे पहुँचाते हैं केवल आपको इतनी विधि करनी पड़ेगी। उक्तञ्च (१ वशीकरण) इतवार के दिन गोदुग्ध में स्नान कराये गूगल की धूप दे भुजा में बांधो सर्व राजजन वश हों, कार्य में सफलता प्राप्त हो (२ कार्य सिद्धि) शिर पर राखो मुकद्दमादि जो कार्य विचारो सो सिद्ध हों (३ शत्रु पीड़ा) अग्नि पर आंच दिखाओ शत्रु का नाम लो शत्रु से जय हो और शत्रु का पराक्रम नष्ट हो (४ द्रव्य प्राप्ति) नित्य मामूली पूजन करो जैसे श्री ठाकुरजी का अर्चन करते हो तौ जो कोई जो रोजगार करता है उसको उसी में लाभ हो (५ पुत्रोत्पत्ति) स्त्री कमर में बांधे गर्भ रक्षा रहे पूरे दिनों का बालक हो उत्पत्ति समय थोड़ा ही कष्ट हो (६ प्रेत बाधा) गले में बांधो प्रेत बाधा जाय बालककी सर्व रोगसे रक्षा रहे नजर भूत प्रेतादि बाधा से रक्षा रहे। इति-

नोट-परदेश गये मनुष्य का आना, गत द्रव्य का मिलना, होनहार कार्य स्वप्नमें ज्ञात होना, तीर्थ यात्रा या तबदीली, विद्याप्राप्ति, इम्तिहान में पास होना, ऊपर लिखे (बीसायन्त्र) से इतने कार्य और सिद्ध करना चाहो तो २।=) में। पोस्टेज पृथक् २।=) वाले के जो पांच कार्य बचे सो नम्बर सात से लिखते हैं इसी विधि के माफिक करना। यन्त्र के लेने वाले को ऊपर लिखे मुताबिक विधि से छः कार्य सिद्ध करना चाहिये।

नोट-(७ गतागत) जो कोई परदेशको चला गया हो तो उसके पहने हुए वस्त्र में इस यन्त्र को बांध कर गूगल की धूनी देकर खुटिया पर टांग दो और सात कोड़ा सुबह शाम मारो बस ३ या ११ दिन के अन्दर वह पुरुष आजायगा। (८ गत द्रव्य प्राप्ति) जहां से द्रव्य गया हो उसी जगह इस यन्त्र को रख दो द्रव्य मिल जायगा। (९ स्वप्नबाराही) जिस दिन

दशमी इतवार हो उस दिन सोते वक्त अपना कार्य विचार के यन्त्र को शिरहाने धरो, बस होनहार उत्तर स्वप्न में मालूम हो जायगा । (१० तीर्थ यात्रा व तबदीली पर) इस यन्त्र को वहां भेजदो जहां जाना हो बस यन्त्र आपको वहीं बुला लेगा । (११ विद्या प्राप्ति और इम्तिहान में पास होने पर) ॐ ह्रीं श्रीं फणिपति इस मन्त्र को प्रातः काल विद्या पढ़ते समय सात बार विद्यार्थी पढ़े फिर सबक याद करे, यन्त्र भुजा में बांधे रहे इसी तरह इम्तिहान के वक्त भी सात बार मन्त्र पढ़े पास होगा ।

सूचना—देखिये महाशयो! इस यन्त्रको महान परिश्रम से एकादश प्रयोगोंपर त्यार किया है, अवश्य परीक्षा कीजिये । देखिये जैसा जड़ चुम्बक और उसके असर से लोहा खिचता है तो इस यन्त्र से ग्यारह कार्य सिद्ध होना क्या आश्चर्य है ?

सूचना—सर्व महाशयों से सविनय प्रार्थना है कि इस यंत्र को मँगा कर जिन २ प्रयोगों पर अनुभव सिद्ध किया जाय उन उनका प्रशंसा पत्र अवश्य भेजें अबभी बहुत से प्रशंसा पत्र मोजूद हैं ।

(नोट) सर्व महाशयों से निवेदन है कि पत्र अगर साफ न होगा तो माल नहीं भेजा जायगा ।

॥ श्री भृगुसंहिता से जन्मपत्री ॥

संस्कृत और भाषा में बना हुआ अति उत्तम चिकने कागज पर तीन जन्म का हाल तथा वर्तमानमें स्त्री पुत्रादि का सुख, कितने पुत्र पुत्री होंगी, सुख, दुःख, लाभ, हानि, भाग्योदयादि जिस सम्वत् में जसी द्रव्य प्राप्ति तथा सविस्तार जिस उपाय से पुत्रोत्पत्ति, किस सम्बत तक आयु, पुनः कहां जन्म होगा इत्यादि २=) में जन्मपत्री बनाकर वी० पी० द्वारा भेजदेंगे पो० ।) आप जन्मपत्री भेजो । यदि कुण्डली मिलवा कर फल यहां सुनना चाहो तो १) ।

(नोट) हमारे ज्योतिषालय से २) ७) ११) २१) २५) और १०१ रुपया की जन्मपत्री गणित से भेजी जाती है ५) । पेशगी आना चाहिये । और राजकुमारों का २०००) व महाराजाओं से ५०००)

वर्षफल ।

हमको जन्मग्रह तथा और वस्तु की आवश्यकता नहीं है सिर्फ एक पौस्टकार्ड पर किसी पुष्प या फल का नाम और अपना पता लिख भेजने से हम एक वर्ष का सुख दुःख लाभ हानि मासिक बार तथा किस रोजगार से फायदा होगा कैसा फायदा होगा, किस प्रकार से कितना लाभ व हानि होगी, रोजगार विषय तरक्की व तबदीली मौकूफी तनज्जुली राजप्राप्त सम्मान बीमारी मृत्यु क्या सन्तान पैदा होगी विस्तार पूर्वक लिख कर वर्ष फल केवल १।) एक रुपया चार आना में वी० पी० द्वारा भेजेंगे पो० ।)

दवाइयों का संक्षिप्त सूचीपत्र।

दवा नं० (१) ब्रह्मशक्ति का मसाला धातु को पुष्ट कर बल वीर्य बढ़ाता है मूल्य १।=) (२) नेत्रज्योति सुर्मा-नेत्रके सर्व प्रकार के रोगों को नाश करता है २) तोला (३) बुखार तिजारीकी दवा ॥) (४) महावात नाशक तैल १) (५) तीन स्वाद की पुड़िया ॥) (६) जुलावकी गोली २० का दाम ।=) तथा चूर्ण ।=) (७) दादका मरहम ।) (८) क्षुधा वटिका ॥) (९) बवासीर की दवा १=) तथा मस्सों पर लगानेका मरहम ॥।) (१०) कर्ण तैल ॥) (११) मदन मञ्जरी गुटका १) (१२) माजून २) सेर (१३) नपुंसकता की दवा १।=) (१४) गर्भ रहनेका उपाय ॥।) (१५) भग में खाजकी दवा ॥) (१६) भग संकोचन ॥) (१७) कुच कठिन की दवा ॥) (१८) बन्धेज वटी ॥।) (१९) नहरुआ की दवा ॥) (२०) शूल की दवा ॥) (२१) अनुपम केश रञ्जन तैल यह बालों को मुलायम काला करता है, महा सुगन्धित है ॥) (२२) दन्त मञ्जन।) मय बुरुसके ।=) (२३) ज्वरांकुश ॥।) (२४) शिर दर्दकी दवा ॥) (२५) गन्धा बिरोजा का तैल १) (२६) मोम रोगन १) (२७) अर्क कपूर ।) दर्जन २॥) (२८) पिपरमेन्ट का फूल ॥=) दर्जन का ७) (२९) खांसी की अपूर्व दवा शीशिया ॥) (३०) लोम नाशक अर्क ।) दर्जन का २।) (३१) नमक सुलेमानी १) (३२) खिजाब २ मिनट में बाल भूरे से काला कर देता है १।) (३३) गोरे और खूबसूरत बनने की दवा। गालों के स्याह दाग मुहासे छीप झुर्रियां आदि दूर होकर खूबसूरती आजाती है १) (३४) खाने की तंबाकू ॥) फी छटाक (३५) अभ्रक २०) तोला (३६) शंख भस्म ॥) तोला (३७) मूंगा की भस्म १) तोला (३८) जवाखार १) तोला (३९) मांडूर तथा कांति भस्म १) तोला (४०) योगराज गूगल १) तोला (४१) नागेश्वर १) तोलासे ५) तोला तक (४२) चन्द्रोदय असल ६०) (४३) प्रताप लङ्केश्वर ६५) तोला (४४) रूपरस चांदीकी भस्म ६) तोला (४५) कांतिसार २) से ४) तोला तक (४६) वङ्ग १) से २) तोला तक (४७) बसन्त मालती १५) से २०) तोला तक (४८) नपुंसकत्वहारी तैल १) (४९) गर्मी आतशककी दवा एक डिब्बी २॥) (५०) मरहम जखम पर लगाने की ।॥) डिब्बी (५१) गर्भामृत २) की आधपाव (५२) बाल पुष्टिकरण शरबत १) (सूचना) नं० ५३ से नं० ७५ तक सर्व प्रकार के शरबत मिलते हैं ब्रहत्सूचीपत्र में देखो (७६) मन मोहिनी मिस्सी।) (७७) रमण विलासनी वटी १) (७८) खाज की दवा ॥) (७९) घावकी मरहम सब तरह के घाव की हुक्मी दवा।) (८०) पारे का कटोरा ५) (८१) गन्धक का गिलास ॥।) (८२) जाड़े से ज्वर की गोली रामवाण ॥) की १६ गोली। (८३) दवा मुँह के छालों की।) (८४) श्वांस दमा की दवा १॥) (८५) केशरादिवटी ॥) (८६) जन्मघुटी बालकों की =) पुड़िया (८७) दवा लड़कों के ज्वर खांसी की फी शीशी।) एक दर्जन २) (८८) दवा लड़कोंके वायु रोगकी फी शीशी।) (८९) दवा स्त्रियोंके प्रसूतकी १) (९०) दवा खून खराबकी २) (९१) क्रिमिनाशक ॥) (९२) सुजाककी १) (९३) शुद्ध शिलाजीत ॥) २० तोला लेनेसे १०) में (९४) दवा मृगीकी १) (९५) सूजनकी दवा १)

"सिद्ध बीसा यन्त्र प्रेस झांसी" में मुद्रित।

(९६) दवा प्लेगकी १) (९७) प्लेगकी गांठ पर पट्टी।) (९८) अण्डवृद्धि १) (९९) प्लीहा तिल्ली १॥) (१००) सिफलिस यानी उपदंश आतशक १॥) (१०१) डाढ़ पीड़ान्तक फाहा –) (१०२) लाक्षादि तैल १) पाव (१०३) महानारायण तैल २) का १० तोला (१०४) शूल गजकेशरी ॥) (१०५) पीनसकी दवा ॥) (१०६) स्त्रीधर्म होनेका उपाय १) शीत निवारण तैल।) पोस्टेज सबका पृथक् २ होगा।

(नोट) इन औषधियोंके अतिरिक्त हर मर्जकी औषधि निदान आनेपर भेजी जाती है तथा हर प्रकारके रस. मात्रा, चूर्ण. तैल, साबुन, अर्क; इत्यादि सावधानी से आर्डर आनेपर भेजे जाते हैं. फीसका नियम, शहरमें सवारी और १) फीस शहरके बाहर रेल किराया और १५) रु० रोजका फीस। शहरमें १०० कदमसे ज्यादा सवारी और २) रु० फीस. बाद आराम होनके हैसियतसे बिदाई होगी.

SHAHANSHAH GEORGE FIFTH

CORONATION DURBAR STATE.

Telegram No. 13 Dated 11/12/1911. Time 18-30.

From,

KING EMPEROR.

Camp Coronation Durbar State.

Pandit AJODHYA PRASAD,

Temple Baldauji, Jhansi.

The Private Secretary is commanded to thank you for your loyal message.

No. $\frac{698}{III-92}$

R. W. D. WILLAUGHBY Esq., I. C. S.

Under Secretary to Government

United Provinces.

To.

Pandit AJODHYA PRASAD,

Astrologer and Vaid,

Temple Baldauji, Jhansi

Dated Naini Tal, 10th May, 1912

Genl. Admin. Department.

Sir,

I am directed to convey the thanks of the Government for the Horoscope of his Imperial Majesty the King Emperor prepared by you.

I have the honour to be,

SIR,

Your most obedient servant.

Under Secretary.

SIDHA BISA YANTRA.

GENTLEMEN.—I beg to inform you that I have got *Bisa Yantra* having nine squares in a ramulet. Its effcacy has been accomplished in twenty one days. It has been proved infallibly efficacious in six things It will be brought to your door for Rs. 1/5/0 only which includes the expenses of *Hevan* and V. P. P. charges. You will have only to perform the following rites:-(1) *For fascinating (Placing under your complete control some person:* Bathe it with cow's milk on sunday and alter burning the incense of *Guggul* at it tie it on your arm. All ruling personages will be under your control and all your work will be crowned with success (2) *For securing success in your work.* Place it on your head you will be successful in law suits or in any other work which you may think of. (3) *For causing trouble to your enemy.* Expose it to fire and pronounce the name of your enemy. You will get victory over your enemy and all his endeavours will become fruitless. (4) *For securing wealth* worship it every day as you worship Sri Thakurji. by doing so you will gain in what ever business you may be following (5 *For be-getting a son* if the wife ties it round her waist, the child in the womb will remain portected, the delivery will be in full time and attended with very little pain. (6) *When obsessed with evil spirit* tie it round the neck; all trouble due to this spirit will disappear; the child will be protected from all diseases and all evil spirits and influences.

NOTE— The return of a man who has gone to a foreign country the recovery of lost money the knowledge of events in dreams, pilgrimage, transfer. acquisition of knowledge, success in examination, if you want to accomplish these things in addition to the six things mentioned above by means of the BISA YANTRA, you should send for BISA YANTRA which together with presents accompanying it costs Rs 2-7-0. You can accomplish the six objects as meintioned above. The remaining five objects can be accomplished as follows. They will be numbered as 7, 8, etc.

NOTE—(7) Tie the amulet to a cloth worn by the men who has gone to a foreign country, expose it to the in-cense of GUGUL, suspend it from a peg and strike it with a whip seven times every morning and evening. The man will return in 3 or 11 days (8) RECOVERY OF LOST MONEY. Place the amulet at the place from which the money has been removed the money will be recovered. (9) KNOWLEDGE IN DREAMS on A DASHMI. (दशमी) Sunday think of your business and place the amulet under your pillow at the time of going to bed. The knowledge of the coming events will be revealed in dream. (10) FOR PILGRIMAGE OR TRANSFER, send the amulet to the place where you want to go; the amulet will call you there (11) FOR ACQUIRING KNOWLEDGE AND SUCCRSS IN EXAMINATION. In the morning at the time of reading the student should repeat following MANTRA seven times ओऽम्ह्रीं श्री फणपति Then he should learn his lesson, keeping the amulet t ed on his arm; Similarly he should repeat the MANTRA seven times at the timo of the examination. He will pass.

NOTE—Gentlemen, please note that this amulet has been prepared with great labour to achieve eleven objects. Do kindly give it a trial and see its effect. An inanimate thing like a magnet draws a piece of iron; what wonder then if this amulet achieves success in accomplishing eleven purposes.

Add:—PANDIT AYODHYA PRASAD MISRA.
ASTROLOGER AND VAIDYA BHUSHAN AND
Dr RADHA GOVIND MISRA H. L. M. S.
JHANSI. U. P. (INDIA)

"Sidha Bisa Yantra Press, Jhansi"

Dr. R.G.M. JHANSI U.P.

त्रिकालदर्शी मेस्मेरेजिम योगसाधन सिद्ध यन्त्र

इस यन्त्र द्वारा गढ़ा धन और चोरी गई वस्तुका पता लगाना, मुकद्दमेंमें हार जीत ज्ञात होना, मृतक आत्माओंसे बात करना, अनेक रोगोंको अच्छा करना, स्त्री पुरुषोंको वशीकरण करना, दूसरेके मनका गुप्त भेद जानना, विदेशका हाल मालूम करना, मृत्युका हाल, विवाह, आजीविका, लाभ, हानि, सन्तानोत्पत्ति, प्रदेश यात्रा, तबदीली, आगामी वर्षका वृत्तान्त, व प्रत्येक जिन्स की तेजी मन्दी, इम्तहानका परिणाम, दड़ाका अङ्क इत्यादि मृत्युलोकका भूत, भविष्यत्, वर्तमानका हाल जानना, कैलासलोक, ब्रह्मलोक, सूर्यलोक, इन्द्रलोक, इत्यादि देख देवताओं के दर्शन कर सकता है। ये चमत्कारिक यन्त्र मेस्मरेजिम आकर्षण शक्तिकी बहुमूल्य वस्तुओंसे और मन्त्रसे अभिमन्त्रित कर कई वर्ष में तयार किया है यह अमूल्य वस्तु १००००) दस हजार रुपया खर्च करनेसे भी प्राप्त नहीं हो सकती जो हमने केवल मूल्य ५) पाँच रुपया पोस्टेज़ ॥) ही रक्खा है। विदेशके लिये मूल्य १० दस शिलिङ्ग पेशगी आर्डर के साथ आना चाहिये ।

पता:-डाक्टर राधागोविन्द मिश्र,

(होम्यो) एल. एम. एस. अमृत संजीवन मेडिकल हाल

नियर सिटी पोस्ट आफिस झांसी नं० ६६

JHANSI CITY U. P. (*India*)

Shri Venkateshwar Steam Press, 7th Khetwadi Khambata Lane, Bombay No. 4

वैद्यभूषण, ज्योतिषरत्न पं० अयोध्याप्रसाद मिश्रद्वारा "सिद्धचौखा यन्त्र प्रेस' झांसीमें मुद्रित।

भृगु संहिता कुंडली खण्ड

*** अर्थात् ***



Copy Righted (Act XXV of 1867.)

गत ८१ वर्षों में जिनका जन्म है उनकी जन्म कुण्डली के नवग्रह इसमें मिलेंगे और फल भी सही २ मालूम होगा। नष्ट जन्म पत्री बनालो संशोधन कर लो कई उपयोगी सारिणीं व २००० तक के ग्रहण और ४३०० वर्षों का क्यालेंडर है। कई समाचार पत्रों ने समालोचना की और सार्टीफिकेट आये हैं। इसके प्रभाव से ज्योतिषी सिद्ध बन बैठे कोई कहते हैं कि कर्ण पिशाचिनी सिद्ध है इत्यादि २ प्रचारार्थ रियायती मूल्य २) पो० ।।) है, फिर १००) रु० को भी न मिलेगा, पुस्तकें थोड़ी ही हैं।

पताः—ज्योतिषरत्न, वैद्यभूषण पं० अयोध्या प्रसाद मिश्र,
झाँसी यू० पी० JHANSI.

पं० रामलाल शर्मा अध्यक्ष ज्योतिष शास्त्र कार्यालय (जलेसर)

तारीख १०-३-१९१७ जिला (एटा)

कवित्त।

सहसवान शक्ति अनुकूल सब भांति शुभ शुद्ध पत्र गणित प्रभाव दर्शायो है।
सर्व देश देशन के विद्वज्जन वृन्द मध्य सादर महान सम्मान श्रेष्ठ पायो है॥
गंगाधर मिश्र वंश ज्योतिषी प्रसिद्ध वैद्यऽयोध्याप्रसाद नाम रूप निर्मायो है।
सब के सुधार हेत लोक उपकार हेत विश्वजन्माङ्क भास्कर को बनायो है॥१॥
व्याप्त विश्व विशद विलोक भृगुसंहिता में जन्म के नवग्रह कुंडली सें मिलाय दो।
सम्वत और मास तिथि वार लग्न सूर्य अंश परख पुनीत फल हृदय खिलाय दो॥
विश्वजन्म अङ्क भास कर है प्रसिद्ध ग्रंथ उपयोगी सार भूत अमृत पिलाय दो।
गागर में सागर उजागर है ज्योतिष को दान धर्म द्वारा दीन जनन जिलाय दो॥२॥

विद्वानों की सम्मति, काशी।

श्री भारत धर्म महामण्डल काशी की सम्मति। सचित्र मासिक मुख पत्रिका निगमागम चन्द्रिका भाग २८ संख्या १० पेज २६८ अक्टूबर १६२३ ई० में जो समालोचना प्रकाशित है वह इस प्रकार है:—

(प्राप्ति स्वीकार और समालोचना सार)

८१ वर्षों का पञ्चाङ्ग—लेखक-वैद्य भूषण पं० अयोध्या प्रसाद जी मिश्र ज्योतिर्विद, मूल्य २।) प्राप्तिस्थान—आयुर्वेदिक औषधालय, मन्दिर बलदाऊ जी का नं० ८६ झांसी। लेखक ने उक्त पुस्तक में १२०३ के ध्रुवाके उदाहरण से वा चार ग्रहों के अधार से सम्वत्, शाके, मास, पक्ष, तिथि वार, नक्षत्र, योग, करण, इष्ट लग्न नवग्रह आदि स्पष्टकर नष्ट जन्मपत्र बनाना पूर्ण रूप से लिखा है तथा नवग्रहों के फल वा राजयोग, मृत्युयोग, आयुयोग और मुहूर्त प्रकरण इत्यादि कई उपयोगी सारिणी लिखी हैं। जैसे वरवधू एकत्र गुण मेलापक चक्र वा २७ वर्ष के आगामी ग्रहण तथा ४३०० वर्ष का क्यालेंडर (वर्ष सारिणी) लग्न सारिणी विवाह लग्नें और सम्वत १६०० से १६८० तक के पञ्चाङ्ग हैं। हमारे देखने में आज तक हिन्दी भाषा में कोई भी ऐसी पुस्तक नहीं आई है।

लेखक का परिश्रम सराहनीय है। यह पुस्तक ज्योतिषियों के ही काम की नहीं है, किन्तु सबही सनातनधर्मी मनुष्य जिन्हें नित्य तिथियों से काम पड़ता है, उनके भी काम की चीज है। ऐसी पुस्तक लिखने के उपलक्ष में हम पण्डित जी को धन्यवाद देते हैं।

२—ता० १२-७-१७ 'हिन्दी केशरी' बनारस से समालोचना विश्व जन्माङ्क भास्कर ८१ वर्ष का पञ्चाङ्ग—आकार बड़ा पृष्ठ संख्या एक सौ से अधिक मूल्य २।) रचयिता श्रीयुत पं० अयोध्या प्रसाद जी मिश्र वैद्यभूषण ज्योतिषी झाँसी यह पञ्चाङ्ग बड़े काम का है इस एक ही पञ्चाङ्ग में सं० १६०१ से १६८० तक के पञ्चाङ्ग दिये हुए हैं। और भी ज्योतिष सम्बन्धी बहुत सी काम की बातें दी हुई हैं। रचयिता के पते से प्राप्त।

३—'मथुरा समाचार' मथुरा से ता० १०-५-१७ से समालोचना उद्धृत यह पञ्चाङ्ग पंडित अयोध्या प्रसाद जी मिश्र वैद्यभूषण ज्योतिषी झाँसी ने बड़े परिश्रम से तैयार किया है इनके परिश्रम तथा योग्यता का परिचय पञ्चाङ्ग के अवलोकन से हो सकता है हम मिश्र जी महाराज को धन्यवाद देते हैं। मूल्य २।)

पता:—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र वैद्यभूषण ज्योतिषी, झांसी (सिटी)

स्वाधीन प्रेस, झाँसी—२१६३४.

विद्वानों की सम्मति।

४—'कान्यकुब्ज हितकारी' कानपुर ता० १-७-१७ (ग्राम परिचय) विश्वजन्माङ्क भास्कर यानी ८१ वर्ष का पञ्चाङ्ग पृष्ठ संख्या १०० से अधिक मूल्य २॥)

यह पञ्चाङ्ग उपरोक्त वैद्यभूषण ज्योतिषी जी ही का रचा हुआ है और ज्योतिषियों के विशेष मतलब का हैं—

५—कैलाशचन्द्र सिंह पेशकार मजिस्ट्रेट कोर्ट, पो० गोपालगंज जिला सारन।

आपकी पुस्तक विश्वजन्माङ्क भास्कर २॥) कीमत पर हमने मँगाया था चन्द महीना पढ़ कर तबियत खुश हुई। आपकी प्रशंसा जितनी की जाय थोड़ी है।

६—रा० रा० दाजि गणेश पदे गंगापुर, मु० बुरहानपुर जि० नीमाड़।

विश्वजन्माङ्क भास्कर से हमको बहुत अच्छी मदद मिली पिछली सालों के पञ्चाङ्ग मुझे ज्योतिषियों के घर २ जाकर खुशामद करने से भी नहीं मिलते थे वही ८१ साल के पञ्चाङ्गों सहित आपने बड़े परिश्रम से तैयार करके २॥) में देते हैं यह आपका बड़ा उपकार है।

७—दीवान श्री जै नारायण मंदिर श्री रानी साहबजू मु० पो० सुरसंड जिला मुजफ्फरपुर।

आपके यहां से विश्वजन्माङ्क भास्कर मैंने मँगाया सहर्ष धन्यवाद देता हूं कि ये उत्तम ग्रंथ है।

८—पं० श्रीकृष्ण शर्मा वैद्य साहित्य रत्न मु० नाथद्वार (मेवाड़)

श्रीयुत पंडित जी प्रणाम आपकी भेजी हुई विश्वजन्माङ्क भास्कर की पुस्तक हस्तगत हुई उसके पढ़ने से ज्ञात हुआ कि पुस्तक प्रत्येक व्यक्ति के पास रहने योग्य है ता० २-२-३४ ई०

"[illegible]" [illegible]

[illegible]

P. [illegible]

[illegible] G. [illegible]

Sillang. (Assam)